

মোছালেক ও প্রকাশক ঃ—
জনাব হাজি শাহ্
ভূষি ভূদের উদ্দীন আহ্মদ ছোহেব।
গদারামপ্র, পো: আ:—হরিতলা;
জিলা—জশোহর।

্তৃতীয় সংস্করণ।

১৩৪৩ হিজুরী ও ১৩৩১ বাং

সর্ব্ব স্বস্থ সংরক্ষীত ]

[ मुना > वक होका।

## 

| আলাহ্ কালালাল পুত জালা পাতুত্ব তারিফ                           | >  |
|--|----|
| WARREN WER FAFTER  | 8  |
| এক আরবি আছহাব (রা) গণ নিকট তাহার বিবির শেকারেৎ করেণ            | 6  |
| আছহাব (রা) গণ ঐ বিবি ও শওহরকে নছিহৎ করেন ৭ হইতে ১              | >  |
| missing field columnia   | ર  |
| আওরৎদিপের নিত্য বিষয়ে বিশেষ দরকারি নছিহৎ ১৩১                  | Œ  |
| শপ্তহর দিগের নিত্য বিষয়ে বিশেব দরকারি নছিছ্ৎ ১৬, ১            |    |
| এক ব্যক্তি হত্তরৎ হৈরেদেনা ওমার (রা) নিকট তাহার বিবির শেকাং    | 30 |
| করিতে আইলেন,ভাহার অতি উত্তম দেল পছন্দ ফয়ছালা করিয়া দেন, ১    | ь  |
| ফরক্স গোছল বিষয়, ও শস্তান প্রসবের দরদের ফজিলৎ ইত্যাদি         |    |
| বিবিগণ নিত্য সংসারিক কার্ষো এইরূপ নেক্নির্থ করিলে ভাহার ছয়াব  | ۲۶ |
|  | 2  |
| বেটীর মৃত্যুর পর, তাহার আত্মা আজাবের আহ্ওয়াল স্বপ্লে দেখেন ২  |    |
| বেটী পিতার মৃত্যু সমর, শওহরের আদেশ জন্ম নিচে পিতাকে দেখি       |    |
| আইসেন না, ডদজন্য পিতার প্রতি আলাহ তাআলার মেহেরবানি ২           |    |
| জনাব হজরৎ আন্দা রহিমা (রা) ছাহেবা তাঁহার শগুহর হজরৎ ছৈয়েয়ে   | ना |
| আইউব আলায়হে চ্ছাল্লামের থেদমৎ করেন তাহার বিবরণ ২৫৩            |    |
| বেপর্দা ও জেনার বুরাই, গলার শব্দে জানাইরা বাড়ির ভিতরে যাইবে ত |    |
| পাৎলা কাপড় পরা দেখে, মুথ ফিরান জনাব হজরৎ নবি করিম             |    |
| ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছহাবিহি ওয়া ছালাম 🧿          | 6  |
| জনাব হজরৎ আন্দা আয়েশা ছিদ্দিকা (রা ) এক বিবির পাংলা উদ্       |    |
| কাড়িয়া কেলেন, এবং তাঁহার শরীরে মোটা উড়ানি পরাইয়া দেন ত     |    |
| আমাদিগের দেশের অধিকাংশ স্ত্রীলোকদিগের নিত্য কার্য্যে স্বিবেচণ  |    |
| অভাব, ও তাহা সংসোধন করা অবস্তা কর্ত্তব্য, বিবরণ আছে ত          |    |

| এই সৰ বুৱা কাৰ্য্য ৰাহাৱা রওয়া রাখে তাহারা দাইউছ মধ্যে গণ্য         | 9           |
|--|-------------|
| কি ছঃখের কথা ? স্ত্রীলোকেরা পূজার বোত দেখিতে নদী কিনারে              | गांत्र,     |
| পুঞার বোতের তারিক করা জন্ত মোশ্রেক হইয়া যায়                        | んの          |
| দাইউছের জন্ম বেহেস্ত হারাম সকলে সাবধান হইবেন •••                     | 82          |
| এই তিন কার্য্য অলদি করিবে, টক্ বস্ত দেপিলে জিহ্বায় পানি আ           | ইনে,        |
| নিজের স্ত্রীকে, বৌ, বেটীকে অন্ত কাহাকে কথনও দেখাবে না                | 83          |
| জেনার মধ্যে বহু থারাবি আছে, তাহার বিস্তৃত বিবরণ আছে                  | 80          |
| চকু, হাত, পাও, জ্বান ইড্যাদির হারা ও জ্বেনা হইয়া থাকে, সাবধান       | 88          |
| মরদপ্রবালী বিবি যদি জেনা করে, তবে তাহার শাব্দা, ••• ৪৪,              |             |
| নাইউছ ঐ ব্যক্তিকে বলে,যাহার এইরূপ কার্যা। যে ব্যক্তি ভাই মোছৰ        | _           |
| দিগের আওরতের তরফ নজর করিবে, তাহার চকুতে আগুনে (                      | ছাৰ্মা      |
| লাগাইবেন, আলাহোমা ছালিয়ালা ছৈরেদেনা মোহামদ্                         | 8¢          |
| -11 (et ( 1 104) 111 du a 10 11 5 \$ 5 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | ¢,8 5       |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া ছ                 | ালাৰ        |
| বলিলেন, ভূমি ছবর কর, তোমার জন্ম বেহেন্ত আছে                          | 89          |
| মৃত ব্যক্তির জন্ম মাতম করিলে, কবরে তাহাকে বুদা আঞাব হয়              | 66          |
| মৃত ব্যক্তিগণের আরোরার উপর ছোয়াব রেছানি করার ফজিলং                  | 8 2         |
| ক্ষোমতে ছাবের্দিগকে আল্লাহ্ ভাআলা নেক বদলা দিবেন ৫ >                 | -48         |
| শিশু শস্তান মরিয়া গেলে, যদি আন্মা ছবর করেণ তাঁহার ছণ্ডয়াব          | **          |
| শিশু শস্তানগণ আন্মা ও আৰবার হাত ধরিয়া বেহেন্দ্র লইরা বাইবে          | to          |
| বিবাহের শপ্রথম আদব'' ওলিমার থানা খেলাইবে •••                         | 41          |
| জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেছাল্লামের ছনিয়ায় আহি                | <b>শবার</b> |
| কারণ, আল্লাহোম্মা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্ম ৫৮                   | 49          |
| জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা ছোলারমান আলারহেছালাম বলিলেন, আ                   | পৰার        |
| এক তছ্বিহ্ আমার ছারা জাহানের ছুলতানং হইতে ভাল                        | **          |
| ছুব্হানালাতে ওয়া বেহাদ্দিহি ছুব্হানালাহিল আজিম তছবিহ্ব              |             |
| ফজিলৎ, আলাহোমা ছালেয়ালা ছৈরেদেনা মোহামদ                             | *           |

বিবাহের "দিতীয় আদব" আচার ব্যবহার, ছনিয়া এক বিরানা মোকান, ও বেছেন্ত এক আবাদ মোকান হইতেছে কোরাণ শরিক পড়িবার ফজিলৎ ७२ इहेर्ड ७३ विवारम्ब "छुडीन चानव" रेननिक कार्सा भावधानका व्यवस्थन कविरव ७८ আত্মী জনাব হজরৎ ফাতেমা (রা) কে ইহা জিজ্ঞাসা করেব, জয়াব দেন ৬৫ विवि मद्रामद कव् का इहेरछ गाहेरछ थाकिरत। এह अञ्च व्यक्त गाय्क्र निक्रे ७ जी लाकि गिरंग्र या ७ वा ठाइना, निरंग्ध व्याह्य বাঙ্গার মধ্যে যে ব্যক্তি এই তছ্বিহ্ পড়িবে ২০ লক্ষ নেকি পাইবেন विवारहत्र "हकुर्व व्यापव", विविदक छेख्य थाना, हामाम थाना पिरव হালাল ব্লেক্সি তলব কর্ণেওয়ালা সহিদ দিলের দর্জা পাইবে বে হারাম খাইবে উহার ফরজ, ও নফল এবাদৎ কিছু কবুল হবে না পাটে পানি মিশাইয়া দাগাবাজি করত বিক্রেয় করে,রোভগার হারাম হয় ৭০ विवारहत्र "शक्षम व्यापव" व्याखन्नरिमग्रदक এन्त्रम राहा नामास, जाहातार, হায়েজ, নেফাছে কাজে আইসে তাহা অবশ্ৰ শিকা দিবে হারেজের মছ্য়ালা, বিস্তৃত বিবরণ আছে ⋯ হায়েজওয়ালা আওরৎ নামাজের কাজা না পড়ে, কিন্তু রোজার জন্ম রোকা রাখিতে হইবে, তাহার কারণ এই 90 বিবি ও শওহরের আচার ব্যবহার বিষয়ে বিশেষ আবশ্রকিয় মছুয়ালা কাফ্-কারা দিতে হবে, ও তৌবা করিতে হইবে, মাফি চাহিতে হবে চল্লিশ দিনের কমে যদি নেফাছের খুন বন্দ হইয়া যায়, তবে গোছল করিয়া নামাজ পড়িবে, রোজা রাখিবে, চল্লিশ দিন পর্যান্ত দেরি করিবে না. আলাহোম্মা ছাল্লেরালা ছৈরেদেনা মোহাম্মদ ওয়া আলিহিওরা ছাল্লেম ৭৬ হারেজ্ওয়ালী বিবি নামাজের সময় এই আমল করিবে, ছোরাব আজিম ৭৭ विवाद्य गष्ठे जानव, यनि इहे विवि थाएक, कि कड़ा कर्खवा १ দর্মদ শরিক পড়িবার ফজিলৎ' আল্লাহোম্মা ছাল্লেয়ালা মোহাম্মদ্ জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়তে ওয়া ছালাম, হজরৎ এই ইয়া (র) করজ আদার জক্ত এই এশাদ করেণ, করজ আদ। হর

| ব্দনাব হব্দরৎ নবি করিম ছালাল্লাহ আলায়হে ওয়া ছাল।মকে স্বপ্নে  |            |
|--|------------|
| দেখিবার তথ্যির, যিনি করিবেন তিনি দেখিবেন                       | 40         |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া ছালাম বলিলেন, ে        | তামার      |
| মুখ আমার নিকটে লইরা আইস, আমি বোছা দেই                          | <b>b-8</b> |
| আমি এক পোড়া ইট ছিলাম,পিরের খেদমৎ জন্ত মতি হইয়। আসিয়াছি      | bi         |
| বিবাহের শপ্তম আদব, ধদি বিবি ফর্মাবরদারি না করে, তবে কি হবে গু  | שים        |
| কোন আমল আকজাল হইতেছে ? জবানের নেগাহ্বাণি কর                    | 44         |
| জনাব হজরৎ আবুবকার ছিদ্দিক (রা) মুখে কছর রাখিতেন                | 64         |
| হাদিছ: — গোশ্তা বর্দান্ত করিবার ফজিলং                          | 77         |
| কএক বুজুর্গ গালাগালি দিবার পরিবর্ত্তে, তাহার নেক জ্ঞাব দেন     | 49         |
| विन जारमम किन এছनारमद्र क्रिक करद, उरव अभन इवद्र नारसम नरह     | 3.         |
| জালেম যদি পেয়াছা হয়, পাণি দিব কিনা ? দিওনা, মর্ জানে দেও     | 20         |
| গিবতের বুরাই, গিবৎ কাহাকে বলে 🤊 বিবরণ আছে ···                  | 92         |
| চোগোল্থোর কাহাকে বলে ? উহারা হালাল জাদা নহে,                   | ৯২         |
| বিবাহের অষ্ট্রম আদব, এই স্থান দেখিতে হবে, ছওরাবের নিরতে        | 56         |
| গোছোল করিরা তাহাজ্ঞাদ নামাজ পড়িবে, জেকের করিবে                | ಶಿತ        |
| কোন ছিদ্দিক ব্যক্তির প্রতি এইরূপ এল্হাম্ হইয়াছিল              | >8         |
| নামাজ পড়িবার ফজিলৎ, এবং তরক করিবার বুরাই                      | øs         |
| যে নামাজ ঘাবরাইয়া জল্দি পড়িবে তাহার নামাজ নাকাছ হবে,         | 76         |
| জুমা দিনে যে এই দর্মদ পড়িবে, তাহার বসিবার স্থান বেহেল্ড মধ্যে |            |
| দেখিয়া তবে মরিবে, আল্লাহোক্ষা ছাল্লেয়ালা মোহাক্ষ্            | 46         |
| কে আপনি ? তুমি যে দরদ শরিফ পড়িতে আমাকে সেই দরদ শ              |            |
| ঘারা আলাহ্তাআলা পয়দা করিয়াছেন, এবং স্কুম করিয়াছেন           |            |
| বাদশা কেরাউনকে জনাব হজরৎ জিব্রাইল আলায়তেচ্ছালাম মছ্য়ালা গ    | পুছেন      |
| এমন গোলামের ছাজা কি ? আলাহোমা ছালেরালা মোহামদ্                 | >••        |
| विवारहत नवम व्यानव, यथन व्याखनाम भन्नमा इत्र, कि कतिए इरव ?    | >0>        |
| মা বাপের উপর শস্তানের তিন হক আছে, তাহার বিববণ                  | >=5        |
|  |            |

.

| হত্তরং হৈরেদেনা ইছা আলারছেচ্ছালাম এক ব্যবিধন, বেটার জন্ম ঐ বাপের কবর আজাব দুর্ | TATAL ORIGINA                  |            |
|--|--------------------------------|------------|
| তৌহিল, কলমা তম্জিল, ইমান মোজ মাল   | চল্মা শাহালাৎ,<br>ইয়ান যোজালো | কল্মা      |
| শুশা শশুধের মাহান বিস্তৃত ভাবে আছে   | 300 BBN                        | T 444      |
| আমি ইমান আনিলাম আলাহ তাআলার উপরে   | ***                            |            |
| আমি ইয়ান আনিলাম ফেরেস্তাদিগের উপরে এইরূপ                                      | ***                            | 201        |
| শামি ইমান আনিলাম কেতাব সকলের উপরে এইর  | ret                            | >+>        |
| व्यमि हेमान व्यानिकाम ब्रह्म मिरशब छेशब এहेक्श                                 | 171                            | >.>        |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ জালারতে ও   | ***                            | >> •       |
| শোবারক নুর মধলুথ হইতেছে, ইহাকে আলাহ্   | श श्रामाय हारहर                | वद्र नृद्र |
| বলিরা এতেকাদ্ করা কুকর হইতেছে  | তাব্দালার কোন                  | অংশ        |
| होसिक भरितक १—जर्ज अध्यय क्रम्प्य २०००   | ***                            | >>>        |
| হাদিছ শরিক : সর্বা প্রথম আমার নুরকে পর্যা ক্রি                                 | वर्वाट्य                       | 222        |
| জনাব হজ্বৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া ছা                                    | দাব্যের চারি কুর্ছি            | 225        |
| আমি ইমান আনিলাম আথেরাতের দিনের উপর, বিব  | রণ আছে                         | >>5        |
| আমি ইয়ান আনিলাম তক্দিবের উপর, ও কেয়ামতে                                      | র দিনের উপর                    | >>0        |
| আমি ইমান আনিলাম মরিবার পরে মন্কের নকির ছ                                       | ওয়াল করিবেন                   | >>6        |
| লাৰ হ্ৰাৰ আনসাম আন্নাহ্তাআৰা নবি কবিম চা                                       | লালাহ আলাহুৱে                  | ভদ্ম       |
| थाभागाय राज्य के अहते विश्वास्त्र  |                                |            |
| আমি ইমান আনিসাম জনাব হজরৎ নবি করিম ছাঃ   | <b>ালাহ আলার</b> হে            | ওয়া       |
| राधान नाकाबाद कांद्रस्तन   | ***                            |            |
| আমি ইমান আনিলাম মোছলমানদিশকে বেছেন্ত ম   | ধ্যে বড বড নে                  | atre       |
| नास्य २२६५, ध्वर कारकत मिश्रक मिश्रक स्था                                      | কঠিন কঠিন আ                    | teta       |
| <b>११८</b> व   |                                | 224        |
| কলেমা রাজে কুফর ও তাহার মাইনি  |                                |            |
| নামের অগ্রে ত্রী লেখার গোণাত্  |                                | >>r        |
| সকল প্রকার গান বাজনা হারাম হইতেছে  |                                | >७१        |
| 14406  | ***                            | <b>280</b> |

| শেরেক, কালাম কুফর, ও কঠিন পাপ ইত্যানির বিবরণ ১১৯ হইতে          | ५ २१७     |
|--|-----------|
| আয়েৎ কোরাণ ঃ—ধে শেরেক করিবে তাহার জন্ত বেহেস্ত হারা           | म >२•     |
| কালী পূজা, দুর্গা পূজা পূজাহ দিনের পূজা ইত্যাদিতে সাহায        | ্য করা    |
| কুফর, আলাহোত্রা ছালেরালা ছৈরেদেনা মোহাত্রদ্।                   | ३२८       |
| শাপে কামড়াইলে, তাহার বিধ দুর করিবার উপান্ন, লিখিত আছে         | >24       |
| হাদিছ: —বাস্ত বদ্রাদী আমি মিটাইতে আদেশীত হইয়াছি               | >88       |
| আলাহর ফজলে ও আপনার দোওয়ার বর্কতে বলা কুফর হইতেছে              | >60       |
| "বলেমাতরষ্" বলা কুফর হইতেছে, বিস্তৃত বিবরণ আছে                 | 545       |
| "ৰদেশ তরম্" বিষয়ে আমার পির মূর্শিদ বুজুর্গ ছাহেবের নছিহৎ পত্র | >60       |
| নজম: এরার বদ হইতে পালাও বিশধর স্বর্প হইতে খারাপ                | >68       |
| মাত্রৰ চারি প্রকার, বড় পির ছাহেব ( রা ) তক্ছিম করিয়াছেন      | >48       |
| যদি কেহ তোমাকে হাছাদ্ বশতঃ কাফের বলে, তবে এই করিবে             | >64       |
| কোন ফাছেকের, কাফেরের, মোশ্রেকের জরধ্বনি দিও না                 | 269       |
| হাদিছ: —কোন ফাছেকের তারিক করিলে আলাহ্তাআলা গল্বৰে অ            | াইদেন     |
| আরশ মোয়ালা কাঁপিতে থাকে, সকলের দেখা লাজেম                     | >00       |
| হাদিছ: -যে ব্যক্তি বে কাওমের হাব্ ভাব্ রাহ্ ও রেছ্ম্ এভেয়ার ব | रुद्रिएव, |
| আধেরাতে সেই ব্যক্তি সেই কাওমের সহিত হইবে                       | 242       |
| হাদিছ: —তুমি ফাজেরের দঙ্গে তরশ্রোরীর দঙ্গে দেখা কর             | >45       |
| বে ব্যক্তি বেদ্য়াতি লোকদিগের সহিত দেলের সহিত মহক্ষৎ রাখে, জ   | ালাহ্-    |
| তাআলা তাহার দেল হইতে ইমানের নুর বাহির করিয়া লন                | 200       |
|  | >9•       |
| আরেতে কোরানঃ—আরে আগুন ঠাগু৷ হইয়া যাও জনাব হজরৎ                |           |
| দেনা এব্রাহিমের (আলায়হেচ্ছালাম) উপর, তাঁহাকে ছালামৎ রাণ       | 1 > 18    |
| নামরদের বেটী কলেমা পড়িলেন ও মোছলমান হইলেন                     | 290       |
| हहात माहिन जाएह  | >15       |
| हेशब्र बाहिन कारह  | >99       |
| বিবাহহর দশম আদব, তালাক বিষয়ে                                  | 211       |

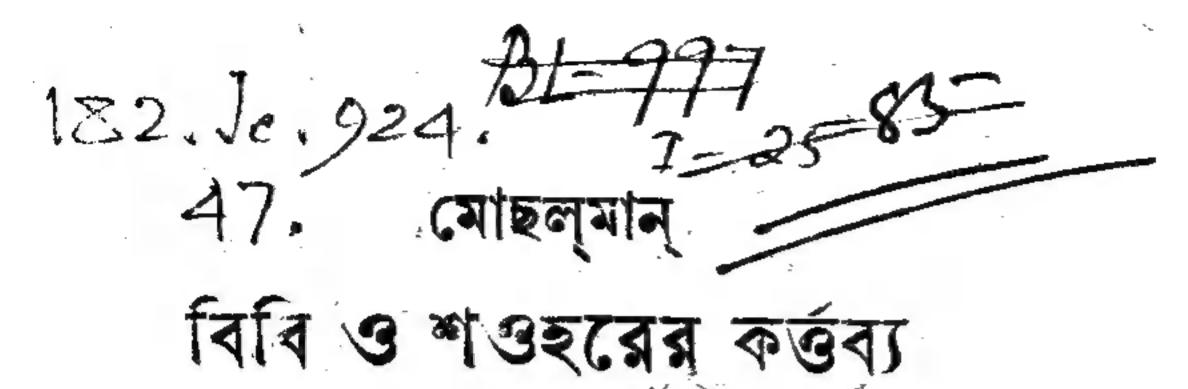
| জনাব হজরৎআকু লাহ্ এবনে মোবারক (র) আলাহ্ ওয়াতে উচ্চার                                 | l |
|---|---|
| বিবিকে ভালাক দেন, আলাহ্ভালা ভাহার নেক বদলা দেন ১৯৯                                    | ł |
| নজ্ম :তুমি যত পার আল্লাহ্তাআর হৃদ্রে আজিজি কর ১৮১                                     |   |
| নজম ঃ জুমি তোমার নিজের তরফ নজর করিয়া দেখ ১৮২   |   |
| আলাহ্তাআলা কেমন প্রদা কর্ণেওয়ালা হইতেছেন দেখ ১৮৩                                     | • |
| নৰ্ম :আলাহ্ভাআলা কেমন রেজেক কেনেওয়ালা হইডেছেন ১৮৫                                    |   |
| আত্মান্সানদিগের পেস্তান কি উৎকৃষ্ট মেওয়া, চিস্তা করিয়া দেখিবার                      |   |
| বিষয়, আলাহোমা ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ ১৮৬   |   |
| এরাদ কর তুমি আমাকে কর্মাবরদারির সঙ্গে, এরাদ করিব আমি ১৮৭                              |   |
| 'মহব্বৎ এলাহি' 'মহব্বৎ এলাহি' 'মহব্বৎ এলাহি' ··· ১৮৭ হুইতে ১৯৭                        |   |
| আমার কমিনগুরালা দিগকে বলিয়া দেও, আয়ে দাউদ (আলায়হেচ্ছালাম) ১৯০                      |   |
| বেহেন্তকে কি পর্বাস্ত এরাদ করিবে ? আরে দাউদ অলারহেচ্ছালাম ১৯১                         |   |
| হানিছ:—ঐ বিবি ও শওহর কর দোরা করেছেন, বাহারা রাত্রে উঠিয়া এক                          |   |
| অপরের মুথে পানির ছিটা দিবেন,তাহাজাদ নামাজ পড়িবার জন্ত, ১৯৭                           |   |
| নক্ষঃ—আমি এই কবরের মধ্যে একা মরিয়া আইসি নাই, আমার ছার                                |   |
| সকলকেই মরিয়া কবরে আসিতে হুইবে, সাব্ধান হবেন · · · ১৯৭-১৯৮                            |   |
| নজম:— নাজায়েজ কাৰ্য্য হইতে বাচিয়া চলিবেন ১৯৮  |   |
| হাদিছ:—ছুরা এখ্লাছ্ পড়িবার ফজিলং, ৫০ বংসরের গোণাই মাফ হবে                            |   |
| বেহেন্ত মধ্যে মহল সমূহ প্রস্তুত হইবে · · · ১৯৯  |   |
| शिष्टः कलमा ठेउत्रव बी। हिल्ला कम्बर्धा मार्था वा |   |
| মত্বা পড়িবে, বেশথ ঐ ব্যক্তি বেহেন্ডি হইবে ২০০  |   |
| হাদিছ :—আজান মধ্যে আমার নাম শুনিরা যে দোনো আজুঠা চকুর উপর                             |   |
| রাথিবে, কেয়ামতের কাতারের মধ্যে তাহাকে আমি তালাশ করিব, এবং<br>বেহন্তের তরক লইয়া বাইব |   |
| বান্দি বলিলেন, আয় আমার পেয়ারা আকা আপনি আমাকে ফিরাইয়া                               |   |
| লইয়া বান, এই বাড়ির লোকেরা তাহাজ্ঞাদ নামাঞ্চ পড়ে না ২০১                             |   |
| বেংশ্তের হুর বলিলেন, আমার মালেকের নিকট আপনি বিবাহের প্রগাম                            |   |
| করন, এইজন্ম আমার পেয়ারা বিবিও ঘরকে ভূলিয়া গিয়াছিলাম ২০২                            |   |
|   |   |
|   |   |

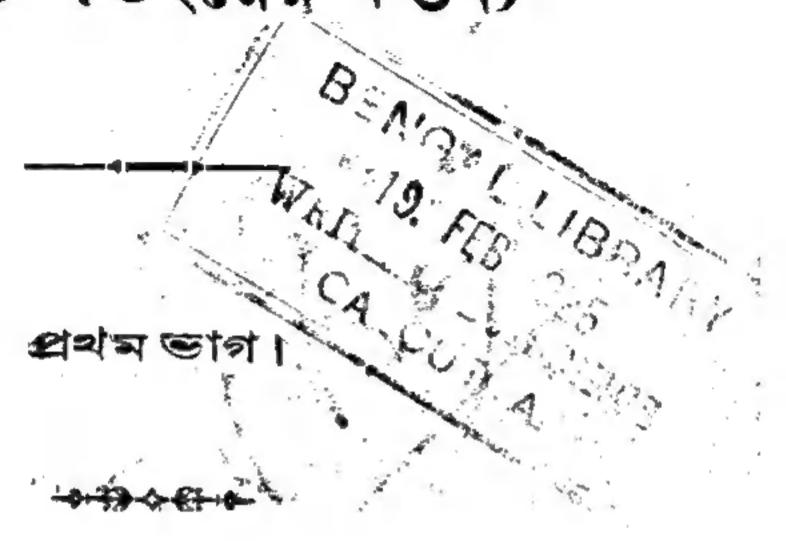
বেহেতের হর স্বর্গে বলিলেন, আপনি কি উত্তমরূপ পড়িতে জানেন । ২০৩
নজম:—তোমার দেলের গুরুক হইতে কি বেহেণ্ডি হরের নকশা একেবারে
ধুইরা ফেলিরাছ। আল্লাহোমা ছাল্লেরালা মোহামদ। ২০৩
আমা জনাব হজরৎ জেলেথা (রা) বলিলেন, আরে জনাব আমি ঐ সমরে
আপনাকে মহব্বত করিতাম, বখন আমার মার্মণ ছিল না ২০৩-২০৪
নজম:—আল্লাহতারালার আনেকদিগের চকুর সঙ্গে নিদ্রার কি সম্বর্গ
আছে। আল্লাহোমা ছাল্লেরালা ছৈরেদেনা মোহামদ। ২০৪

#### বিশেষ জরুরি ফজিলতের বস্তু।

| তছ্বিহ ছুবহানাল্লাহে ওয়া বেহাস্দিহি ছুবহানালাহিল আজিম্ |         |
|---|---------|
| বাজার মধ্যে পড়িবার গুছ্বিহ্, কুড়ি লক্ষ নেকি           | - 41    |
| আছতাগ্ ফিক্সাহ্,, হায়েজ হাসতে পড়িবার ফজিলং            | 99      |
| গোছণ করিয়া ছই রাকাৎ নামাব্র পড়িবেন এই ভতিব            | 99      |
| প্রত্কে নামাজের সময় ওজু করিয়া ছুব্হানালাহ্ বলিবেন     | 96      |
| জুমা দিনে ১০০০ এই দক্ষদ শবিষ্ণ পড়িবার ফজিলৎ            | 15      |
| নবি করিম ছালালাই আলারহৈ ওয়া ছালামকে ব্যপ্তে দেখুন      | ₽8      |
| বিবি ও শওহর রাতে উঠিয়া মুখে পানির ছিটা দিবেন এই জ্ঞা   | 966     |
| ছুরা এপলাছ ফজিলৎ, আথেরাতে নাজাৎ                         | 200     |
| কলমা তৈরব ফজিলৎ, বেশথ বেহেস্তি হবে                      | 2.5     |
| আজানে নাম শুনিয়া চকুর উপরে আঙ্গুঠা রাথার ফ্রিলং হাদিছ  | २०२     |
| আলাহোম্মা ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ্ ওয়া আলা আলি      | हे उन्न |
| আছ্হাবিহি ওয়া বারেক ওয়া ছাল্লেশ্।                     |         |

#### থাক্ছার ছদরউদ্দীন আহ্মদ্।





মোছালেক ও প্রকাশক ঃ—
জনাব হাজি শাহ্
ভূষি ভূদের উদ্দীন আহ্মদ ছোহেব।
গদারামপ্র, পো: আ:—হরিতলা;
জিলা—জশোহর।

্তৃতীয় সংস্করণ।

১৩৪৩ হিজুরী ও ১৩৩১ বাং

সর্ব্ব স্বস্থ সংরক্ষীত ]

[ मुना > वक होका।

OUT OF PRINT.

| অশুদ্             | 34                         |        | লাইন          | পৃষ্ঠা     |
|-------------------|----------------------------|--------|---------------|------------|
| ক তথ              | <b>₹.64</b>                | :      | 58 :          | ર          |
| ওকাতেয়           | ওফাতের                     |        |               | •          |
| <b>আলাহতাআর</b> ী | আলাহ তাআলার                |        | •             | ৩২         |
| 专业                | জ্ঞা দ                     |        | 28            | ૭ર         |
| মোহাম্ম্          | মোহাত্মদ্                  |        | 20            | ৩৬         |
| ছারামানে          | হা আলা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্ | ওয়া চ | शंक्ष्य ।     |            |
| আজনরি             | আজনবি                      |        | २२            | ৩৮         |
| <b>অ</b> গ্লন্থ   | আলাভ্সা                    |        | •             | 65         |
| তথ্য              | তথন                        | ,      | 26            | <b>e</b> 9 |
| ছগিয়া            | ছগিরা                      | •      | ্হত           | 99 .       |
| ওহি পাঠাইয়াছিলেন | এল হাণ্ করিয়াছিলেন        |        | •             | 28         |
| भन                | मर्स :                     |        | <b>` ₹</b> \$ | 20         |
| ا موديك           | ا مو د يك                  |        | 5¢ - 14       | 324        |
| कूरूव :           | क्रुकत                     | •      | <b>56</b> .   | 20F        |
| আমেল গণের         | আলেম গণের                  | ,      | ₹ @           | >60        |
| •                 | •                          | * *    | >0            | `>∙₹       |

<sup>■</sup> ইজরৎ এব্নে মছ্উদ্ (রা) বলিয়াছেন, অনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহো আলায়হে ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন, 'যে ব্যক্তি আমার মহব্বতের জন্ম আমার নামে তাহার বেটার নাম রাখিবে, রোজ কেয়ামতে ঐ ব্যক্তি ভাহার বেটার সহিত বেহেশ্তের মধ্যে দাখেল হইবে।'

## ا العالم على الرحيم الأحيام المحيم الله الرحيم الله الرحيم المحيدة ا

আমার প্রাণাধিক ছোট ছোট ভাই, ভাতিজাপ।

আমি এখন অতি বৃদ্ধ ইইরাছি, বোধ হর অর্রান্ধনের মধ্যে আমি তোষাদিপকে
পরিতাপি করিলা আলম আধেরাতে চলিয়া বাইব। আমি বড় বহুপতের আলমে বাইতে
প্রান্তত ইউডে, তাহার কথা লিখিতে আমার অন্তক্রণের অবস্থা পরিবর্তন ইইরা
বাইতেছে। তোমরা কেহ কেহ এখন এত ছোট রহিরাছ, বে, আমি তোমানিপকে
সত্তবত কিছুই তালিম করির! বাইতে পারিব না, বিদেশে প্রারই থাকি, বনি কোন হানে
হঠাৎ মরিরা বাই, তবে তোমানিপের সহিত ছনির'তে আর ভো সাক্ষাৎ ইইবে না, তুটো
কথা ■ আর বলিরা বাইতে পারিব না, তদ্জভ ■ তোমানিপের ভবিভ ফীবনের
মসনের জত তএকটা উপদেশ নিতেছি, ইহা তোমরা প্রতিগালন করিবে, আর
আলাহতাআলা বনি তোমানিপকে শন্তান শন্ততি কেন, তবে প্রযাক্ষ্রেমে বেন তাহারা
ছুল্লং তারকা অনুবারি, বেরূপ আমাকে আমল করিতে দেখিতেছ, এইরূপ চালচলনকে
যেন তাহারা অবস্ত অবস্ত এজেয়ার করে, তদ্জভ উপদেশ দিবে। মোহুরমানের ছেলে
হইরা, ভিন্ন জাতির লোকনিপের রছুনকে বেন তোমানিপের বংশের কেহাএজেরার না
করে, তৎপ্রতি বিশেষ দৃষ্টি রাধিবে।

তোমরা নামাল, জুমা নামাল পড়িবে, রোজা রাখিবে, বদি আরাহ্ ভাজালা বালধার করেন, হল করিবে, জকাৎ দেবে, কোর্বাণি করিবে। শেরেক, কুকর, বেথারাৎ কার্য্য কথনও করিবে না। দাড়ি লখা রাখিবে। মোচ কাৎরাইয়া ছোট করিয়া রাখিবে। তহবন পায়লামা পরিবে: লখা চিলা আছ্ তিন্ পিরাণ, ধেমম আমাকে পরিতে দেখ, সেইরূপ পরিবে, এবং আছকান পরিবে, তাহাতে বুলান কলার লাগাইবে না। আর আছ্ কানের আছ্ তিনে কোটের মত বোভাম দেবে না। সভত টুণি মাধার রাখিবে। মাধার চুল চারিদিকে এক সমান করিয়া ছাটিবে, কিখা পুর দিয়া কামাইয়া কেলিয়া দিবে, বেমন আমাকে করিতে দেখিয়া থাক। মেয়েদের আল পর্যার স্থানার বিত্তে সভত করিবে। এ বিবয়ে বিশেষ স্থতীক্ষ লক্ষ্য রাখিবে। নিজের শস্তানদিরকে যদি আরাহ্

দাড়ি কথনও খুর দিরা কামাইবে না, কিছা ভিন্ন জাতির জার দাড়ি ছোট ছোট করিরা ছাটবে না; মোচ লখা রাখিবে না; মাধার চুল আপেরদিকে লখা, পেছনের দিকে, ■ কানের পার্শে থাটো, এমন ধারা করিয়া ছাটবে না; মাধার চুল চারিদিকে.

এক সমান করিয়া ছাটিখে। কাচা ছিলা গৃতি পরিবে না, পেণ্টল্ন পরিবে না, কোট गांत्र शिरव ना, शांकि माशांत्र कथनश शांकिरन ना, वड़ इटेरन छना कूल्य, नावशांत्र कतिरव, শোনার আংটী হাতে দিবে না, রেশমী কাপড় ব্যবহার করিবে না। গুদ্ধোর লোকের দোখি মহকং পারে, এমন কোন কাচ করিবে না, ওদ্ধোর লোকদিগের হামেশা দোলখে থাকিবার 💶 আছে স্মরণ রাখিবে, স্তরাং ওদ্থোর লোক इंडेरड वहर पृति এস্কেরার করিবে, বহুৎ पृति এস্কেরার করিবে। সানা, বাজানা, होत्राम, हेहा कथन७ अभिदर या। श्रामा चालानात्र निकटी कथन७ वाहेदर ना। आधि ষে বে কাৰ্য্যপ্ৰলি করিতে তোমাধিগকে নিষেধ করিলান, তাহা তোমাদিগকে নিষেধ করিবার কারণ এই বে, ঐক্লপ চালচলন বিশিষ্ট লোকদিপের 🚃 হয় তো 🚃 সমরে তোমাদিগকে ছুনিরার কাক কর্মের 📖 মিশিতে হইবে, ভাহাদিগের দেখাকেখি, ভোষরা ঐরপ চালচলন এক্ষেরার না কর, ভদরণ ঐ সকল কার্য্য করিতে আমি বিশেব রূপে ভোষাদিপকে দিখেৰ করিলায়। একিনাণ্ জানিয়া রাখ, দাড়ি কাষানে। ইত্যাদি, উপরে লিখিত যে সকল কার্যাঞ্জলি করিতে আমি ভোমাদিগকে নিবেধ করিলাম, এই সকল দিন এছলাম মধ্যে বড় সোনাহ্র কার্য হইছেছে, এইজন্ত রোজ কেরামতে বছ মোছলমান দোজোথে বাইবে। আমি মোনালাৎ করিতেছি আলাহ্তামালা আমাকে, ভোষাদিপকে, এবং সমস্ত মোছলমানদিপের শস্তানগণতে আলাহতালা আগন কর্মাবরদারি করিতে, ও চুর্বতরিকা 🕶 চলিতে তৌফিক নছিব করেন, ও সকল প্রকার গোনাহ্র কাধ্য হইতে বাচাইয়া রাখেন ৷ তোমরা আপন পরদা কর্পেওয়ালা, রেজেক দেনেওয়ালা, बहरूव वर्ण उत्रामा (थामा अस कत्रिमाक कथम अ कृतिया वाकेरव मा, हारमथा हैवान कतिरव, ভূনিরার জেলেগানিতে উাহার প্রত্যেক ত্কুমের লেহাজ রাখিরা কাল কর্ম করিবে, তাহা হইলে দোনোলাহানে আলাহ্তালার রহমৎ তোমাণিগের ইন্শা আলাহ্ সামেল **হাল** ह्हेरव । आलारहान्त्राहालियानारेहरत्रम्भारमाशास्त्र वृत्रामालिहित्यामाहृहाविहित्या**मारलम् ।** 

#### আমার স্নেহভাজন মূরিদগণ প্রতি।

আমার উপরত ওছিয়ৎ আপনাদিপের প্রতি ও রহিল। আপনারা নিশ্চরই উহ প্রতিপালন করিতেছেন ■ করিবেন। আমি সাধ্যাসুযারি আপনাদিশকে তৌহিদ্ বাঙ্গিভালালা, ছুরৎ তরিকার উপর চলা শিক্ষা দিয়াছি। ইহার উপর আপনারা কারেষ্ আছেন ও থাকিবেন, এবং আপনাদিপের সন্তান শশুভিস্পকে ও ছনিয়ার শেব মৃহর্তি পর্যান্ত, ইহার উপর কারেম রাখিবেন, হরপেজ ইহার অক্তথা করিবেন না

ফাকির ভাকির ছদেরউদ্দীন আহ্মে**দ্ ।**নক্ষবন্দি, স্জাদাদী, কাদেরী, চিশ্ভী।
ছাবিন প্রায়াসপুর, পোঃ হরিত্বা, জেলা **অশো**হর।

# 

| व्याज्ञार् काकाकाका मूक् ।।।। नीक्ष्त       | তারিফ                        | * * *                        | >          |
|---|------------------------------|------------------------------|------------|
| শপ্তহরের প্রতি বিবিন্ন কর্ত্তব্য            | •••                          | < <b>4 o</b>                 | 8          |
| এক আরবি আছহাব (রা) গণ নিকট                  | ভাহার বিবির <b>শে</b> ক      | ারেৎ করেণ                    | 100        |
| আছহাব (রা) গণ ঐ বিবি ও শওহরবে               | দ নছিহৎ করেন                 | ৭ হইতে                       | 55         |
| আরবির বিবি পেশ্মান্ হন, ভৌবা ব              | ংরেন, <mark>শওহর রাজি</mark> | <b>रु</b> न                  | 52         |
| আওরৎদিপের নিত্য বিষয়ে বিশেষ দর             | কারি নছিহৎ                   | 20-                          | ->¢        |
| শপ্তহর দিগের নিভা বিষয়ে বিশেষ দর           | * *                          | >4,                          | 59         |
| এক ব্যক্তি হৈছেদেনা ওমার (                  | 🥅 ) নিকট ভাহা                | র বিবির শেব                  | र्गादा ५   |
| করিতে আইসেন,তাহার অতি উদ্ভয                 | পছন্দ কয়ছালা                | করিয়া দেন,                  | 74         |
| ফর <del>জ</del> গোছল বিবর, 🖶 শস্তান প্রসবের | नक्रमत्र किन्द हे            | ভ্যাদি                       | ₹•         |
| ৰিবিগণ নিত্য সংসারিক কার্ব্যে এইরুণ         | थ <b>ट्यक्निवर क</b> क्रिक   | তাহার ছয়া                   | व २১       |
| বিবিগণ এই সময় পর্য্যস্ত গাজিও সহিচ         |                              |                              | <b>ર</b> ર |
| বেটীর মৃত্যুর পর, তাহার আত্মা আজা           |                              |                              | ২৩         |
| বেটী পিভার মৃত্যু সময়, শওহয়ের অ           |                              |                              | থিতে       |
| আইসেন না, ডদজন্য পিতার প্রতি আ              |                              |                              | ₹8         |
| জনাব হজরৎ আন্দা রহিমা (রা) ছায়ে            |                              |                              |            |
| আইউৰ আলায়হে জ্বালামের থেদ                  |                              |                              |            |
| বেপর্দা 🎟 জেনার বুরাই, গলার শব্দে ব         |                              |                              | 100        |
| পাৎলা কাপড় পরা দেখে, মুখ ফিরান             |                              | -                            |            |
| ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি                  |                              | 4                            |            |
| জনাব হজরৎ আন্ধা আয়েশা ছিদ্দিকা (           |                              |                              |            |
| কাড়িয়া কেলেন, এবং তাঁহার শরী              | রে মোটা উড়ানি গ             | ণরাই <b>য়া দেন</b>          | 44         |
| আমাদিগের দেশের অধিকাংশ স্ত্রীবে             | <b>াকদিগের</b> নিত্য ব       | দাৰ্য্যে <del>স্থবিব</del> ে | চপার       |
| অভাব, ■ তাহা সংসোধন করা 🖣                   | 🕶 কর্ন্তব্য, বিৰব্ন          | আছে                          | **         |

| এই সব বুরা কার্য্য ৰাহারা রওয়া রাথে ভাহারা দাইউছ মধ্যে পশ্য  | ৩৮           |
|---|--------------|
| कि इ:(धत्र कथा? जीलारकता शृकात्र त्वांक संबिक्त नहीं किनादि   |              |
| ·   | ೨৯           |
| পূঞার বোতের তারিফ করা <b>জন্ত মোশ্রেক হ</b> ইয়া যায়         | -            |
| দাইউছের বেহেশ্ত হারাম সকলে সাবধান হইবেন ···                   | 82           |
| এই তিন কার্য্য অলদি করিবে, টক্ বস্ত দেখিলে জিহ্বায় পানি আ    | रेग,         |
| নিজের স্ত্রীকে, বৌ, বেটীকে অন্ত কাহাকে কথনও দেখাবে না         | 10           |
| জেনার মধ্যে 🔤 থারাবি আছে, তাহার বিস্তৃত বিবরণ আছে             | ୧୬           |
| চক্ষু, হাত, পাও, জবান ইড্যাদির ঘারা ও জেনা হইয়া থাকে, সাবধান | 111          |
| মরদপ্রবাদী বিবি যদি জেনা করে, তবে তাহার শাব্দা, ••• ৪৪,       |              |
| লাইউছ 🖿 ব্যক্তিকে বলে,যাহার এইরূপ কার্যা। বে ব্যক্তি ভাই মোছন | মান-         |
| দিগের আওরতের তর <del>ফ নজর করিবে, তাহার চকুতে আও</del> লে ও   |              |
|   | 8€           |
|   | 1,85         |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া ছ           | वाम          |
| বলিলেন, ভূমি ছবর কর, ভোমার বিহেন্দ আছে                        | 89           |
| মৃত ব্যক্তির মাতম করিলে, কবরে তাহাকে বুদা আঞাৰ                |              |
|   |              |
| মৃত ব্যক্তিগণের আরোরার উপর ছোরাব রেছানি করার ফজিলং            | <b>6</b> 8   |
| ক্ষোমতে ছাবের্দিগকে আলাহ্ ভাজালা নেক বদলা দিবেন ৫১            | <b>48</b>    |
| শিশু শস্তান মরিয়া গেলে, যদি আন্দা ছবর করেণ তাঁহার ছওয়াব     | 46           |
| শিশু শস্তানগণ আক্ষা 🕿 আৰবার হাত ধরিয়া 💶 তইয়া বাইবে          | £6           |
| বিবাহের "প্রথম আদ্ব" ওলিমার খানা খেলাইবে •••                  | 41           |
| জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেছাল্লামের ছনিয়ার আহি          | <b>ৰবা</b> ব |
| কারণ, আল্লাহোমা ছালিয়ালা ছৈরেদেনা মোহামদ্ ৫৮                 | <b>¢</b> >   |
| জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা ছোলায়মান আলায়হেচ্ছালাম বলিলেন, আ        | শনার         |
| এক তছ্বিহ্ আমার ছারা জাহানের ছুলতানং হইতে ভাল                 | 100          |
| চুব্হানাল্লাহে ওরা বেহাস্দিহি ছুব্হানাল্লাহিল আজিম ভছবিহ্র    |              |
| ফ্জিলৎ, আলাহোকা ছালেয়ালা ছৈরেদেনা মোহাক্সদ                   | •            |

| বিবাহের "দিতীর আদ্ব" আচার ব্যবহার, ছনিয়া 🚥 বিরানা মোক               | न, ■         |
|--|--------------|
| বেহেন্ত এক আবাদ মোকান হইতেছে   | 65           |
| কোরাণ শরিক পড়িবার ফজিশং ৬২ ত্ইত                                     | 5 <b>4</b> 3 |
| विवारम् "छ्डीम चामव" रेमनिक कार्या भावधानछ। च्यवच्यन कतिर्व          | 96           |
| জনাব হজরৎ ফাতেখা (রা) কে ইহা জিজ্ঞানা করেণ, জয়াব দেন                | 96           |
| বিবি মরদের কব্জা হইতে যাইতে থাকিবে। এই                               | **           |
| ज्ञक्त लारकत्र निक्षे ७ ज्ञीरनाक्षिरशत्र वाश्वत्रा हाइना, निरुष जारह | 100          |
| বান্ধার মধ্যে যে ব্যক্তি এই তছ্বিহ্ পড়িবে ২০ 🚃 নেকি পাইবেন          | 41           |
| বিবাহের "চতুর্থ আদ্ব", বিবিকে উত্তম থানা, হালাল থানা দিবে            |              |
| হালাল রোজি তলব কর্ণেওয়ালা সহিদ দিলের দর্জা পাইবে                    |              |
| বে হারাম থাইবে উহার ফরজ, ও নফল এবাদৎ কিছু কবুল হবে না                | 42           |
| পাটে পাদি মিশাইয়া দাপাবাজি করত বিক্রয় করে,রোজগার হারাম             |              |
| বিবাহের "পঞ্চন আদৰ" আওরৎদিগকে 🚃 বাহা নামাঞ্জ, তাহ                    | ারাৎ,        |
| হায়েজ, নেফাছে কাজে আইসে তাহা অবশ্ৰ শিক্ষা দিবে                      | 93           |
| হারেজের মছ্য়ালা, বিস্তৃত বিবরণ আছে ··· ··                           | 15           |
| হারেজওরালা আওরৎ নামাজের কাজা না পড়ে, কিন্তু রোজার জন্ত              | কাৰণ         |
| রোকা রাখিতে হইবে, তাহার কারণ এই                                      | er           |
| বিবি ও শওহরের আচার ব্যবহার বিষয়ে বিশেষ আবঞ্চকির মছ্যালা ব           | <b>阿勒</b> 、- |
| কারা দিতে হবে, 🔳 তৌবা করিতে হইবে, মাফি চাহিতে হবে                    |              |
| চলিশ দিনের কমে যদি নেষাছের খুন বন্দ হইয়া যায়, তবে গোছল ব           |              |
| নামাঞ্চ পড়িবে, রোজা রাখিবে, চল্লিশ দিন পর্যান্ত দেরি করিবে          | -            |
| আলাহোমা ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ ওয়া আলিহিওয়া ছালেম              |              |
| হারেজ্ওয়ালী বিবি নামাজের সময় এই আমল করিবে, ছোরাব আজিম              | 99           |
| বিবাহের শষ্ট আদব, যদি গুই বিবি থাকে, কি করা কর্ত্তবা 🤊               | 91           |
|  | , 12         |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলারহে 📖 ছালাম, হজরৎ এই                   | ইয়া         |
| (র) করন্ধ আদার 💶 এই এশীদ করেণ, 💶 আদ। হয়                             | <b>j</b> -•  |

| ব্দনাব হব্দরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া ছাল্ল।মকে স্বপ্নে      |                |
|--|----------------|
| দেখিবার ভদ্মির, যিনি করিবেন তিনি দেখিবেন 🗼                             | ৮৩             |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালাল্লাহ আলায়হে ওয়া ছালাম বলিলেন, তে             | হামার          |
| মুখ আমার নিকটে লইয়া আইস, আমি বোছা দেই                                 | <b>b-8</b>     |
| আমি এক পোড়া ইট ছিলাম,পিরের থেদমৎ জক্ত মতি হইয়। আসিয়াছি              | <b>b</b> 2     |
| विवाद्ध्य भक्षम व्यापन, विभ विवि कर्मावद्रमादि न। करत्र, जरव कि हर्त १ | 5              |
| কোন আমল আফজাল হইভেছে ? জবানের নেগাহ্বাণি কর                            | irle.          |
| জনাব আবুবকার ছিন্দিক (রা) মুখে আবাধিতেন                                | <b>b9</b>      |
| হাদিছ: — পোশু! বর্দাস্ত করিবার ফজিলৎ 👟                                 | bb             |
| কএক বুজুর্গ গালাগালি দিবার পরিবর্জে, তাহার নেক জ্ঞাব দেন               | <b>F</b> 3     |
| विन जारमम मिन এছगारमत किंछ करत, उरव अमन ख्वत गारक्य नरह                | <b>%•</b>      |
| ভালেম যদি পেয়াছা হয়, পাণি দিব কিনা ? দিওনা, সর্ জানে দেও             | <b>&gt;</b> •  |
| গিবতের বুরাই, গিবৎ কাহাকে বলে 🤊 বিবরণ আছে \cdots                       | 22             |
| চোগোল্থের কাহাকে বলে ৷ উহারা হালাল জাদা নহে,                           | वर             |
| বিবাহের অষ্টম আদব, এই স্থান দেখিতে হবে, ছওয়াবের নিয়তে                | 56             |
| গোছোল করিয়া তাহাজ্ঞাদ না <del>যাজ</del> পড়িবে, জেকের করিবে           | 20             |
| কোন ছিদ্দিক ব্যক্তির প্রতি এইরূপ এল্হাম্ হইয়াছিল                      | 100            |
| নামাজ পড়িবার ফজিলৎ, এবং ভরক করিবার বুরাই                              | 118            |
| যে নামাজ ঘাবরাইয়া জল্দি পড়িবে তাহার নামাজ নাকাছ হবে,                 | 26             |
| জুশা দিনে যে এই দক্ষণ পড়িবে, তাহার বসিবার স্থান বেছেন্ত মধ্যে         |                |
| দেধিয়া তবে মরিবে, আল্লাহোক্ষা ছাল্লেয়ালা মোহাক্ষ্                    | એષ્            |
| কে আপনি ? তুমি যে দক্ষদ শরিফ পড়িতে আমাকে সেই 💴 শ                      | <u>ব্</u> বফের |
| ঘারা আলাহ্তাআলা পয়দা করিয়াছেন, এবং ছকুম করিয়াছেন                    | 22             |
| বাদশা কেরাউনকে জনাব হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম মছ্য়ালা গ            | <b>গুছে</b> ন  |
| এমন গোলামের ছালা কি ? আলাহোমা ছালেয়ালা মেহিামদ্                       | >••            |
| বিবাহের নবম আদৰ, যখন আওলাদ পয়দা হয়, কি করিতে হবে 🔊                   | >+>            |
| মা বাপের উপর শস্তানের ভিন হক আছে, তাহার বিববণ                          | 2.5            |

.

| হজরৎ ছৈরেদ্রেনা ইছা আলারছেছোলাম এক ব্যক্তিকে কবরে ব  | ntactra       |
|--|---------------|
| দেহৰণ, বেচার আৰু বাঁপের কবর আক্রাব হল সমেন জালান   | <b>.</b> 0    |
| हेमान ■ . जाकां अप विवत्न : कालमां टेज्जूत, कल्मा नाहां मार,   | 3 P O         |
| তৌহিদ, কলমা তম্জিদ্, ইমান মোজ্মাল ইমান মোফাছোৰ   | कर्ना         |
| কল্মা সমূহের মাইনি বিস্তৃত ভাবে আছে ১০৫ হইতে   | ग ध्येषर      |
| 에)[제 주인이 WI[리하]고 Wiletz (Structure) - 그  |               |
| व्यामि हेग्नान व्यानिनाम (क्याब्रामिरत्रम हे शर्म बहेम्नश  | >•₽           |
| শামি ইমান আনিলাম কেতাব সকলের উপরে এইরূপ  | >+>           |
| আমি ইমান আনিলাম রছুল দিপের উপর এইরূপ   | 2.9           |
| জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ জালারতে ওরা ছালাম ছাহেত   | >>•           |
| मिर्वादक नव सथलक हते। उत्तर कार्याम् कार्याक कार्याक कार्याक व्यवस्था विकास कार्याक कार्याक कार्याक कार्याक का | रत्र नृत्र    |
| শোবারক নূর মধলুধ হইতেছে, ইহাকে আলাহ ভাজালার কোন<br>বলিয়া এতেকাদ করা কুকর হইতেছে                               | অংশ           |
| হাদিছ শ্রিকঃ—সর্বা প্রথম আমার নুরকে প্রদা করিয়াছেন  | >>>           |
| सन्दि क्षाद्ध ति क्षतिम स्थानाम नामात्र भूत्रदेक शत्रहा कात्रहारह्म  | >>>           |
| জনাব হল্পত্ত নবি করিম ছালাঞ্চাহ আলারতে ওরা ছালামের চারি কুছি   | 225           |
| আমি ইমান আনিলাম আথেরাতের দিনের উপর, বিবরণ আছে  | 225           |
| আমি ইমান আনিলাম তক্দিবের উপর, ও কেরামতের দিনের উপর   | <b>770</b>    |
| আমি ইয়ান আনিলাম মরিবার পরে মন্কের নকির ছওয়াল করিবেন  | >>6           |
| আমি ইমান আনিলাম আলাহ তাআলা নবি করিম ছালালাহ আলায়হে  | ওকা           |
| ছারামকে হাউজ কওছর দিরাছেন  | 224           |
| আমি ইমান আনিলাম জনাব হজ্যৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়তে  | <b>अवा</b>    |
| रामान जाकाबार कांब्र्यन  |               |
| আমি ইমান আনিলাম মোছলমানিদিশকে বেছেন্ত মধ্যে বড় বড় নে   | <b>য়া</b> মৎ |
| गारप ररपप, धवर का किया मिन्नटक मिक्क मरशा करिन करिन का   | জাব           |
| <b>११८</b> व   | >>9           |
| কলেমা কুকর ও তাহার মাইনি   | >>F           |
| নামের অত্যে 🕒 লেখার গোণাহ্   | >७१           |
| শ্ৰুল থেকার গান বাজনা হারাম হট্যতেছে   | 2 80          |

| শেরেক, কালাম কুষ্ণর, 🏿 কঠিন পাপ ইভ্যাণির বিবরণ ১১৯ হইডে           | ১৭৬     |
|---|---------|
| আয়েৎ কোরাণ ঃ—ধে শেরেক করিবে তাহার 💷 বেহেন্ত হারাস                |         |
| কালী পূজা, দুর্মা পূজা পূজাহ দিনের পূজা ইত্যাদিতে সাহায্য         | করা     |
| কুফর্, আলাহোত্র। ছালেয়ালা ছৈরেদেনা মোহাত্রদ্।                    | ><8     |
| শাপে কামড়াইলে, ভাহার বিষ দূর করিবার উপায়, লিখিভ আছে             | >54     |
| হাদিছ:—বান্ত বদ্রাদী আমি মিটাইতে আদেশীত হইয়াছি                   | >88     |
| আলাহর ফ <b>ললে 🎟 আপনার দোও</b> রার বর্কতে বলা কুকর হইতে <b>ছে</b> | >6+     |
| "বন্দেমাতর <b>ম্" বলা কুফ</b> র হইতেছে, বিস্তৃত বিবরণ আছে         | >62     |
| "ৰদেশমাতরম্" বিষয়ে আমার পির মুর্শিদ বুজুর্গ ছাহেবের নছিহৎ পঞ     | >60     |
| : এয়ার বদ হইতে পাণাও বিশধর স্বর্শ হইতে খারাপ                     | >€8     |
| মামুৰ চারি প্রকার, বড় পির ছাহেব (রা) ডক্ছিম করিরাছেন             | >¢8     |
| যদি কেহ তোমাকে হাছাদ্ বশতঃ কাফের বলে, তবে এই করিবে                | >64     |
| কোন ফাছেকের, কাফেরের, মোশ্রেকের জয়ধ্বনি দিও না                   | >49     |
| হাদিছ: —কোন ফাছেকের তারিক করিলে আলাহ্তাআলা গজৰে আ                 | ইনেৰ    |
| আরশ মোয়ালা কাঁপিতে থাকে, সকলের দেশা লাজেয                        | >4.     |
| হাদিছ:যে ব্যক্তি যে কাওমের হাব্ ভাব্ রাহ্ 🖷 রেছম্ এক্যোর ক        | त्रिदव, |
| আথেরাতে সেই ব্যক্তি সেই কাওমের সহিত হইবে                          | 242     |
| হাদিছ: —তুমি ফাজেরের সঙ্গে তরশ্রোয়ীর 🚃 দেখা কর                   | > ७२    |
| ৰে ব্যক্তি বেদ্য়াতি লোকদিগের সহিত দেলের সহিত মহম্বৎ রাখে, আ      | ब्रार्- |
| তাআলা তাহার দেল হইতে ইমানের নুর বাহির করিয়া লন                   | 200     |
| শেরেক বিষয়ে আয়েতে কোরাণ গুলী আছে ১৬৪                            |         |
| আরেতে কোরান:—আরে আগুন ঠাগু৷ হইয়া যাও জনাব হজরৎ বৈ                |         |
| দেনা এব্রাহিমের (আলায়হেচ্ছালাম) উপর, তাঁহাকে ছালামং রাধ          | 398     |
| নামরদের বেটী কলেমা পড়িলেন ও মোছলমান হইলেন                        | 240     |
| हरात मार्टिन जाएए   | >14     |
| ইহার बाहिन जाहि قلوب الموصنين عوش الله ثعالي                      | >99     |
| বিবাহের দশম আদব, তালাক বিষয়ে \cdots 💮 \cdots                     | 216     |

| জনাব হজরৎআকু লাহ্ এবনে মোবারক (র) আলাহ্   | উাহা                |
|---|---------------------|
| বিবিকে ভালাক দেন, আলাহ্তালা ভাহার নেক বদলা দেন  | >8                  |
| নৰ্ম :তুমি 💶 পার আল্লাহ্তাআর হজুরে আজিজি 📧  | <b>56</b> 3         |
| নজম ঃ জুমি তোমার নিজের ভরফ 💶 করিয়া দেখ   | 91                  |
| আলাহ্তাআলা কেমন পয়দা কর্বেওয়ালা হইতেছেন দেখ   | 364                 |
| নজম :আলাহ্তাআলা কেমন রেজেক কেনেওরালা হইতেছেন  | 200                 |
| আত্মাঞ্চানদিগের পেন্ডান কি উৎকৃষ্ট মেওয়া, চিন্তা করিয়া ব  | <del>দ্</del> থিবা: |
| বিষয়, আলাহোমা ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ্  | 354                 |
| এয়াদ কর তুমি আমাকে কর্মাবরদারির সঙ্গে, এয়াদ করিব আমি  | >৮9                 |
| 'মহববৎ এলাহি' 'মহববৎ এলাহি' 'মহববৎ এলাহি' ··· ১৮৭ ছই  | ७ ১৯९               |
| আমার জমিনগুয়ালা দিগকে বলিয়া দেও, আয়ে দাউদ (আলায়হেচ্ছালা   |                     |
| বেহেন্তকে কি পর্বান্ত এরাদ করিবে ? আরে দাউদ অলারহেচ্ছালাম   | נהנ                 |
| হালিছ ঃ—ঐ বিবি ≡ শওহর জন্ত দোরা করেছেন, বাহারা রাত্রে উঠি   |                     |
| অপরের মুখে পানির ছিটা দিবেন,তাহাজ্ঞাদ নামাজ পড়িবার জন্ত  | . >>9               |
| नक्म : जामि এই करात्रत माथा अका मतित्रा जाहेनि नाहे, जामा   | র ভার               |
| সকলকেই মরিয়া কবরে আসিতে হুইবে, সাব্ধান হবেন · · › ১৯   | 9-526               |
| নজম:—নাজায়েজ কাৰ্য্য হইতে বাচিয়া চলিবেন   | 794                 |
| হাদিছ: - ছুবা এথলাছ্ পড়িবার ফজিলৎ, ৫০ বৎসরের গোণাই মাহ   | চ হবে               |
| বেহেন্ত মধ্যে মহল সমূহ প্রন্তত হইবে ···   | 461                 |
| و لا اله الا الله صحود رسول الله उपिष्ठ : करनमा ठित्रव ما الله صحود رسول الله   |                     |
| মৰ্তবা পড়িবে, বেশথ ঐ ব্যক্তি বেছেন্ডি ছইবে   | ₹••                 |
| रानिष्ट: आकान मरश जामार्ज नाम अनित्रा (य स्थारना जाकुर्व) हक्त्र  | ্উপর                |
| রাখিবে, কেয়ামতের কাভারের মধ্যে ভাহাকে আমি ভালান করিব   | •                   |
|   | 1.5.2               |
| বান্দি বলিলেন, আর আমার পেয়ারা আকা আপনি আমাকে ফি  | রাইয়া              |
| লইয়া বান, এই বাড়িয় লোকেরা তাহাজ্ঞাদ নামাঞ্চ পড়ে না<br>বেংগ্ডের বা বলিলেন, আমার মালেকের নিকট আপনি বিবাহের গ  | <b>۲۰۶</b>          |
| েব্যুক্ত সামার পোলার নালেকের নিক্ট আপান বিবাহের ।<br>করন, এইজন্ত <b>আ</b> মার পেরারা বিবিও ধরকে ভূলিয়া গিয়াছিলাম  |                     |
| THE CONTRACTOR OF THE PRINT WHEN SERVICE SERVICES OF THE PRINT OF THE | ₹ • ₹               |

বর বারে বলিলেন, আপনি কি উন্তমরূপ পড়িতে জানেন। ২০৩
নক্তম:—তোমার ইতি কি বেহেণ্ডি নকশা একেবারে
ধুইরা কেলিরাছ। আলাহোন্দা ছালেরালা মোহান্দ্। ২০৩
আন্দা জনাব হজরৎ জেলেথা (রা) বলিলেন, আরে জনাব আমি ঐ সমরে
আপনাকে মহকবত করিতান, বখন আমার মার্কৎ ছিল না ২০৩-২০৪
নক্তম:—আলাহতারালার আনেক্দিগের চক্ত্র সঙ্গে নিলার কি সক্তর
আচে । আলাহোন্দা ছালেরালা ছৈরেদেনা মোহান্দ্। ২০৪

#### বিশেষ জরুরি ফজিলতের বস্তু।

| তছ্বিহ্ ছুবহানালাহে ওয়া বেহান্দিহি ছুবহানালাহিল আজিম্ | 194         |
|--|-------------|
| বাজার মধ্যে পজ্বার ওছ্বিহ্, কুজ়ি লক্ষ নেকি            | - 41        |
| আছতাগ্ ফিক্লাহ্, হায়েজ হালতে পড়িবার ফজিলং            | 11          |
| গোছল করিয়া ছই রাকাৎ নামাজ পড়িবেন এই ভতিব             | 99          |
| প্রত্যেক নামাজের সময় ওজু করিয়া ছুব্হানালাহ্ বলিবেন   | 96          |
| জুমা দিনে ১০০০ এই দক্ষদ শবিষ পড়িবার ফজিলং             | 15          |
| নবি করিম ছালালাই আলারতে ওয়া ছালামকে ব্যপ্তে দেখুন     | F8          |
| বিবি ও শওহর রাত্রে উঠিয়া মুখে পানির ছিটা দিবেন এই 💶   | 229         |
| ছুরা এথলাছ ফজিলৎ, আথেরাতে নাজাৎ                        | २••         |
| কলমা তৈরব ফজিলৎ, বেশখ্ বেছেন্ডি হবে                    | ₹•\$        |
| আজানে নাম শুনিয়া চকুর উপরে আঙ্গুঠা রাথার ফ্রিলং হাদিছ | <b>२</b> •२ |
| আলাহোম্ম ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ্ ওয়া আলা আলি      | रे खा       |
| পাছহাবিহি ওয়া বারেক ওয়া ছাল্লেশ্।                    |             |

#### থাক্ছার ছদরউদ্দীন আহ্মদ্।

### \* بِسُم اللّهِ الرّحَمٰنِ الرّحِيْمِ =

#### মোছল্মান্

### विवि ७ भ ७ श्वर त क छ वा

#### প্ৰথম ভাগ।

أَلْتَعَمَّدُ لِللَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلْوَةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ

معَدُمُ وَ أَلِهُ وَ أَصْلَحَانِهُ آجُمَعِينَ [لئ يَوْم الدِّين \*

পরম লাতা 🖶 লয়ালু আলাহ্তানালার নামে আরম্ভ করিতেছি।

ত্যায়ে বেরাদর, হজরৎ নবি করিম ছালালাই আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছনিয়ার মাল আলাছ্বাব্ অমা করিতে নিষেধ করিতেন। এক দিন হজরৎ ওমর রাজি আলাহ্তাআলা আনহ্ছ হজরৎ নিবি করিম ছালালাই আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবকে জিজ্ঞাসা করিলেন, ইয়া রাছুলালাহ্ছ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, ছনিয়ার বাদ্ আমরা কি আলাহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, ছনিয়ার বাদ্ আমরা কি আলাহি ওয়া ভালি এশীদ করিলেন, "জবান জাকের, দেল শাকের ও বিবি পাছা এক্সেয়ার কর।" এই স্থানে হজরৎ নবি করিম ছালালাহ

আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বিবিকে জেকেরের 
শোকরের সঙ্গে বয়ান করিয়াছেন। আলাহুস্মা ছাল্লিয়ালা মোহাস্ক্ষা।

আওরং সকল ঘর গৃহস্থালির কাজ কর্ম করিয়া থাকে, যেমন থানা পাক করা, বর্জন থোত করা, ঝাড়ু ইত্যাদি দেওয়া। এই প্রকার তাহারা সংসারের নানাবিধ কার্য্য করিয়া থাকে। বদি পুরুষপণ এই সকল কাজ কর্ম করিতে রত থাকে, তবে তাহারা এলেম ও আমল, এবং এবাদত বিদিগী করিতে মহরুম রহিয়া যাইবে। এই সকল কারণ বশতঃ দিনের রাহেতে বিবি আপন শওহরের ইয়ার ও মদদগার হইতেছে; এই জন্ম আওলিয়ায়ে বোজর্গ হজরৎ আবু ছোলায়মান দারানি (আল্লাহ্তাআলার রহমৎ তাঁহার উপরে হউক) বলিয়াছেন: "নেক বিবি ছনিয়ার বস্তু নহে, বরং আথেরাতের আছ্বাব্ হইতেছে। কারণ, প্রত্যেক বিষয়ে তোমার সদা সর্বাদা মদদ্গারি করে, যাহার জন্ম তুমি আথেরাতের তোযা প্রস্তুত্ত করিতে মশগুল হইতে পার।" আল্লাহ্মা ছালিয়ালা হৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

আমিরুল মুমেনিন্ হজরৎ ওমর রাজি আলাহ্তাআলা আনহর কতুল হইতেছে যে, ইমানের বাদ্ নেক বিবি হইতে কোন নেরামত বেহ্তর নহে। ইহাতে বিবিদিগের কামাল শরাফতের প্রমান পাওয়া যাইতেছে।

হজরং মৌলানা শেথ ছাদি ( আল্লাহ্তাআলার রহমৎ তাঁহার উপরে 
হউক ) পীর বোজর্গ বলিয়াছেন, "নেকবক্ত ব্যক্তির যদি বিবি বদ্ হর, 
তবে তাহার আল হনিয়া দোজধ সমতুল্য হইতেছে।" ইহা প্রকৃত সত্য
কথা। আলাহ্মা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামাদ্।

পৃথিবীতে এমন কোন ব্যক্তি নাই, যাহার বিবি নাই, কিমা বিবি করিবার প্রয়োজন নাই, কিমা বিবি করিবার প্রয়োজন হইবে না। বিবি ভিন্ন সংসার ধর্ম চলে না। বরং বিবাহ করা প্রত্যেক ভাই মোছল্মানের অন্ত আজিম ছণ্ডয়াবের কার্য্য হইতেছে। কারণ বিবাহ করিলেই আলাহ্- তাআলার বানা পরদা হয়, যাহারা আলাহ্তাআলাকে ছেজদা করে। বিবি নেকবক্ত হইলে যেমন তাহা শণুহরের জন্ত নেরামৎ হইতেছে। বিবি বদ্ হইলে তেমনি তাহা শণুহরের আল লানৎ হইতেছে। স্তরাং প্রত্যেক তাই মোছল্মান ব্যক্তিকে উচিত যে, বিবি যাহাতে নেকবক্ত হয়, তৎপক্ষে বিশেষ দৃষ্টি রাখেন। আলাজ্মা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ।

বিবিদিগকে কি কি বিষয় শিক্ষা দিলে ভাহারা সম্ভবতঃ নেকবক্ত হইতে পারে, ভাহা আমি আমার ক্ষুদ্র প্রত্তকে মাত্রর কেতার সকল হইতে, হাদিছ শরিফ, এবং কএকটি আয়েতে কোরাণ, এবং মোশারেখ-দিগের কণ্ডল সমূহ সংগ্রহ করিয়া, তাহা অভি সহজ বাঙ্গালা ভাষায় তর্জমা করিয়াছি। আমি বিশ্বাস করি, প্রত্যেক ভাই মোছল্মান বাক্তি, যিনি বাঙ্গালা লেখা পড়া জানেন, অভি সহজে ব্রিতে পারিবেন, এবং নিজ্ব পরিবারন্থ বিবিদিগকে, এবং প্রতিবাসী ভাইদিগের বিবিদিগকে, ইহা শারা তাহাদিগের কর্ত্তব্য, তাহাদিগকে ব্রাইয়া দিতে পারিবেন; এবং বিবিদিগের প্রতি তাহাদিগের কি প্রকার আচরণ করা উচিত, এবং কি কি বিষয় তাহাদিগকে শিক্ষা দেওয়া কর্ত্তব্য, তাহান্ত তাঁহারা অবগত হইতে পারিবেন। আলাভ্রমা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ্।

আরু কাল মোছল্যান গৃহত্ব সমাজ মধ্যে অনেকেই অর বিস্তর বাঙ্গালা লেথা পড়া জানেন, এই কেতাবথানি সকলের বোধগমা করিবার জন্ম আনি মহল্প বাঙ্গালা, যাহা সচরাচর আমরা কথা বার্ত্তায় বাবহার করিয়া থাকি, সেইরূপ ভাষার লিখিরাছি; এবং আমরা পরস্পর দিন এছলাম সম্পর্কে কথা বলিতে সাধারণতঃ যে সকল আরবী শল্প, কিয়া উর্দু শল্প বাবহার করিয়া থাকি, ভাহা বাঙ্গালা ভাষাতে অন্থবাদ না করিয়া, অবিকল সেই শক্ত রাথিয়া দিয়াছি। কারণ, ভাহা আমাদিগের জাতীয় ভাষা মধ্যে পরিগণিত। সকলেই ভাহা ব্রিতে পারিবেন।

এই কেতাবথানি আমি আমাদিগের দেশের গৃহস্থ মোছলমান ভাইদিগের জন্ত প্রণয়ন করিয়াছি। যদি ইহা কোন সদাশর উচ্চ শিক্ষিত মোছলমান ভারর হস্তগত হয়, তবে আমার সবিনয় অহুরোধ বে, তাঁহারা বেন ভায়ার দোষ গ্রহণ না করেন। কারণ আমি হাদিছ সমূহ ষেরপ কেতাবে পাইয়াছি, ঠিক সেইরপ রাথিয়া তর্জমা করিয়াছি, উৎক্লপ্ত বাঙ্গালা করিবার জন্ত যদ্ধ চেষ্টা করি নাই। কারণ উৎক্লপ্ত বাঙ্গালা করিবার জন্ত হিটা করি নাই। কারণ উৎক্লপ্ত বাঙ্গালা করিতে গেলে, হাদিছ লিখিতে কমি বেশী হইতে পারে; এবং হাদিছ কমি বেশী করিয়া বয়ান করা বড় গোনাহের কায়া। স্মতরাং হাদিছ যেমন কেতাবে পাইয়াছি, ঠিক সেইরপ রাথিয়া তর্জমা করিয়াছি। আমার এই চেষ্টা করা সম্বেশু বদি আমি হাদিছ লিখিতে থাতা করিয়া থাকি, তবে আমার খোদাওশা করিয় আপন রহমতে আমাকে মাফ করেন।

আমি আশা করি, যদি আমার মোছলমান প্রতা ভর্মিগণ পুতকের উপদেশগুলি বৃথিয়া আমল করেন, তবে দোনো জাহানে আলাহ্ভাআলার রহ্মতের মন্তাহাক হইবেন, ইহাতে কোন সন্দেহ নাই।

#### পরম দাতা ও দরাল্ আরাহ্ তাআলার নামে আরম্ভ করিতেছি। শাওহত্ত্রেস্থা প্রেতি বিবিদ্ধা কার্ত্তবা।

হাদিছ শরিক মধ্যে আসিয়াছে, ষাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে :—
এক আরবি হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে আলিহি
ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের নঞ্জদিক আসিয়া বলিল, ইয়া
রাছুলালাহ্ ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া ছাল্লাম! তহকিক
আমি মোছল্মান হইয়াছি, আমাকে একটী মাঞ্জাজা দেখান, যাহাতে
আমার একিন এবং ইমান বেয়াদা হয়, এবং মজবুৎ হয়। হজরৎ নকি

করিম ছা**লালাহ আলা**রহে ওয়া আলিহি 📖 আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম विशासन, "कृषि कि हां वनः" ঐ आवि विशासन, कनना वृक्तक আপনার নজন্বিক আসিতে অনুমতি কর্মন। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আশারতে ওয়া আশিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বলিলেন, ভুমিই ৰাইয়া ডাকিয়া আন। ঐ আরবি যাইয়া বলিল, আয়ে বৃক্ষ, ভোমাকে নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ডাকিতেছেন। তথন ঐ বৃক্ষ এক তর্ফ ঝুকিল, ভাহাতে ঐ দিকের শিকড় সকল উথাড়িয়া গেল। পুনশ্চ দোছরা তরফ ঝুকিল, তাহাতে ঐ দিকের শিক্ত সকল ও উথাভিয়া গেল। এই প্রকারে চারি দিকের শিকড় সকল উথাড়িয়া, আপন শিক্ড সকল, এবং ডাল সকলকে টানিতে টানিতে আসিয়া, ঐ বৃক্ষ নবি করিম ছালালাহ আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের হস্কুরে আসিয়া ছালাম করিয়া দাঁড়াইয়া রহিল। তথন ঐ আর্বি বলিল, "ইয়া রাছুলালাই ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, বছ আমার এখন খুব্ একিন হইয়াছে, এখন বৃক্কে রোখ্ছত্ এনায়েত করুন।" ঐ বৃক্ষ যাইয়া আপন স্থানে কায়েম হইয়া *পো*ল। আরবি বলিল ইয়া রাছুলালাহ্ ছাল্লাল্ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আমাকে অনুমতি করুন ধে, আমি আপনার পায়েতে, এবং মস্তকে বোছা দেই। হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাই আলায়ই রেরা আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম এজাজৎ দিলেন। পুনশ্চ ঐ আরবি বলিল, ইয়া রাছুলালাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আমাকে অনুমতি দেন যে, আমি আপনাকে ছেজ্দা করি। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিটি ওয়া ছাল্লাম এশীদ করিলেন, যদি আল্লাহ্তাআলা ভিন্ন

অস্তুকে ছেজ্জা করা রপ্তরা হইত, তাহা হইলে আমি স্কুম করিতাম বে, প্রত্যেক আপ্তরৎ তাহার শপুহরকে ছেজ্লা করে। কারণ আপুরতের উপরে মরদের বস্তুত বড় হক আছে। আল্লাহ্ন্মা ছাল্লিয়ালা মোহাম্মদ্।

রেওয়ায়েৎ আছে, নবি করিম ছাল্লালংহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের ওফাতের পর, এক দিন আছ্হাব্ রাজি আলাহ্তাআলা আন্ভ্মা সকল একতা হইয়া, ইব্নে আববাছ্ রাজি আল্লাহ্তাআলা আনন্ত হইতে কোরাণ মজিদের ওফছির ি থিতেছিলেন, এমন সময় আচানক ব্যতিব্যস্ত হইয়া এক আর্বি আসিয়া ছ'লাম করিল এবং বলিল, আয়ে আছ্হাব্ রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আপনি কি একথা জানেন বে, নবি করিম ছাল্লালাগ আলাগতে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিছি ওয়া ছাল্লাম ছাহেব বলিয়াছেন যে, মেহ্মান বেহেস্তের কুঞ্জি হইতেছে। স্ত্রাং বাহার বাড়াতে মেহ্মান আইদে, আলাহ্তাআলা ঐ ব্যক্তির জ্ঞা বেহেন্ডের এক দরওয়াজা পুলিয়া দেন! আছ্হাব্রাজি আলাহ্ তাঝালা আনত বলিলেন—হাঁ, তহকিক আমি ৫ হাদিছ শুনিয়াছি; এবং রাছুলুলাহ, ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাত্বে ফরমাইয়াছেন, যথন মুমিনদিগের মধ্য হইতে কোন এক মুমিন মেহ্মান কোন ব্যক্তির বাড়ীতে আইসে, তখন তাহার সংক গুই ফেরেস্তা আইদে; এবং মেহ্মানের প্রত্যেক লোক্যার কলা ছাহেব-থানার জন্ত এক শত নেকী লেখেন; এবং এক শত গোনাহ মিটাইয়া দেন; আর এক শত দৰ্জা বলন করেন। এহাতাক যে, মেহ্মান রোখ্ছৎ হইবার পর, চল্লিশ দিন পর্যান্ত ছাহেব খানার গোনাহ লেখা যার না; আল্লাহ তাআলার আমান মধ্যে, অর্থাৎ হেফাজৎ মধ্যে থাকে। আরবি বলিল, এই হাদিছ হজরত আলি ইব্নে আবৃতালেব রাজি আল্লাহতাআলা আনহ ছাহেবের নিকট আমি শুনিয়া, আল্লাহতাআলার কছম করিয়াছি বে, এই হইতে মেহ্মান ভিন্ন এক লােক্মা ও খাইব না; এবং আমার আওরং বে মছ্জেদের দরওয়াজায় বিসয়া আছে, সে বলিতেছে যে, আমি কোন মেহ্মানের খেদ্মং করিব না; এবং কোন মিছকিন ও মাছাফের বাড়ীতে আসিলে আমি রাজি হইব না; বদি তুমি ইহাতে নারাজ হও, তবে আমাকে তালাক দাও। আমি এই আ আপনাদের নিকট আসিয়াছি, আপনারা সকল আছ্হাব রাজি আল্লাহ্তাআলা আনহুমা ছাহেবান মৌজুদ আছেন; আমাদিগের ভক্তংছম মধ্যে ছলাহ্ করাইয়া দেন, কিখা জুদা করাইয়া দেন। আছহাব্ রাছুলুলাহ্ ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালামগণ যথন এই কথা শুনিলেন, তখন তাহার বিষয়ে চিস্তা করিতে লাগিলেন।

হজ্বৎ আবৃত্কর ছিদ্দিক রাজি আলাহ্তাআলা আনহ বলিলেন, আরে আরবি, আপন জরুকে বলিয়া দাও বে, রাছুলুল্লাহ্ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া ছাল্লাম কর্মাইয়ছেন, যে আওরৎ আপন মরদকে বলে যে, আমাকে ভালাক দাও, এবং মরদ রাজি নহে, অর্থাৎ মরদ তালাক দিতে ইচ্চুক নহে, তবে রোজ কেয়ামতে ঐ আওরতের মুখ বিনা গোন্ডের কেবল মাত্র হাডিড রহিবে; এবং আলাহ্তাআলা তাহার জবানকে, পাছের দিক হইতে বাহির করিয়া জাহালামের গহ্রাই মধ্যে ফেলিবেন, যদি ঐ আওরৎ তামাম দিন রোজা রাখুনেওয়ালি হয়, এবং তামাম রাত্র এবাদতে খাড়া রহ্নেওয়ালি ও হয়।

হজরৎ ওমর ইব্নে থেতাব রাজি আলাহ্তাআলা আনছ বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ্ ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইয়াছেন, যে আওরৎ আপন মরদ হইতে তাহার বেগারের মর্জি এক রাজ যুদা থাকিবে, সে দোজধের দারক্ আছ্ফল্ মধ্যে কারুন এবং হামানের সঙ্গে থাকিবে, যদি ঐ আওরং পার্ছা এবং আবেদাও হয়। আল্লাক্সা ছালিয়ালা মোহাসদ্।

হজরৎ ওছ্মান্ ইব্নে আফ্ফান রাঞ্জি আলাহ্তাআল। আন্ত বলিলেন ধে, বলে দাও উহাকে রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, বে আওরৎ আপন মরদের বর হইতে মরদের বেগায়ের এজেন বাহিরে বাইবে, ভাহার উপরে,—"যে বস্তুর উপরে ক্র্যের ভাবশ, অর্থাৎ শ্র্যের কিরণ পড়িয়া থাকে, ঐ সমস্ত কস্তু, বরং সমুদ্রের সমস্ত মৎস্ত সকল ও লানত করে।

হল্পরং আলী এব্নে আবৃতালের রাজি আলাহ্তাআলা আনহ
বলিলেন, বলে দাও উহাকে বে, রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলারহে
ওরা আলিহি ওরা আছ্ হাবিহি ওরা ছালাম ফর্মাইরাছেন, বিদ আওবং
আপন এক ছাতির কাবাব্, অর্থাৎ এক পেন্তানের ঘারা কাবাব্, এবং
হিতীয় পেন্তানের হারা কালিয়া বানাইরা মরদের সমুখে রাখে, তব্ও
যাদ মরদ তাহার উপর রাজি না হয়, তাহা হইলে রোজ কেয়ামতে
ঐ আওবং ইছদ ■ নাছারার সঙ্গে থাকিবে, এমন ইছদ ও নাছারা
যে আলাহ্তাআলার কেতাবকে পিটিয়া দিয়া থাকে—অর্থাৎ আলাহ্
তাআলার কেতাবকে গ্রাহ্ করে না, বরং ভুচ্ছ তাচ্চুলা করিয়া থাকে।

হজরৎ ইব্নে আববাছ রাজি আল্লাহ্তাআলা আন্ত বলিলেন,
বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ্ ছাল্লালাহ আলায়হে ওলা আলিহি
ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, যদি কোন আওরৎ হজরৎ
মরইয়াম বিত্তে এম্রান্ রাজি আল্লাহ্তাআলা আন্হা ছাহেবার মানিন্দ
আল্লাহ্তাআলার এবাদত করে, যখন তাহার মরদ তাহাকে বিছানার
উপর ডাকে, এবং ঐ আওরৎ এক ছায়াৎ আসিতে দেরি করে, তাহা
হইলে ঐ আওরৎকে রোজ কেয়ামতে জালেমদিগের সঙ্গে আছ্ফলা

ছাফেলিন্ মধ্যে অধােমুখে । যাইবে. অর্থাৎ মুখ নীচের দিকে করিরা ফেলিরা দিবেন। আলাহুসা ছাগ্রিয়ালা ছৈয়েদেনা মােহাস্মদ্।

হল্পং মাআজ্ ইব্নে জবল্ রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত বলিলেন, বলে দাও উহাকে বে, রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন, বদি কোন মরদের নাক হইতে পিব, এবং মুখ হইতে লছ জারি হয়, এবং ভাষার বিবি হাজার বংসর ঐ পিব্ ও লছকে চাটে, এবং মরদ উহার রাজি না হয়, তবে রোজ কেরামতে ঐ আওরং আওবের ভাব্ত মধ্যে কয়েদ হইবে, এবং জাহালামের কওর মধ্যে পড়িবে। ভ্সিয়ার হইবেন, আয় আশ্বা-ছাহেবাগণ।

হজরৎ আবু হোরাররা রাজি আলাহ্তাজালা আনহ বলিলেন, বলে দাও উহাকে বে, রাছুলুল্লাহ্ ছালালাহ আলারহে ওরা আলিহি ওরা আছ্হাবিহি ওরা ছালাম ফর্মাইরাছেন, যদি কোন আওরৎ হজরৎ ছোলারমান ইব্নে হজরৎ দাউদ আলারহেছোলাম ছাহেবের মত মালদার হয়, এবং উহার মরদ ঐ সমস্ত মাল খাইরা থাকে— অর্থাৎ থরচ করিয়া ফেলে থাকে; সেই অবস্থার ঐ আওরৎ যদি বলে বে, তুমি আমার এত মাল খাইয়াছ; তাহা হইলে ঐ আওরংতর চল্লিশ বৎসরের নেকি নাচিজ হইবে—অর্থাৎ বরবাদ হইবে। আলাহম্মা ছালিয়ালা ছৈরেদেনা মোহাম্মদ।

হজরৎ অবুজর রাজি আলাহ্তাআলা আনন্ত বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন, যে আওরৎ আহ্লে আছ্মান এবং আহ্লে জমিনের এবাদতের বরাবর এবাদত করে, এবং আপন মরদকে কোন একটিও রঞ্দের, তবে রোজ কেরামতে সেই আওরতের দোনো হাত গদানের সঙ্গে বান্ধা হয়ে, এবং উহার ছই পাও জিঞ্জিরের মধ্যে মকিদ্ হয়ে, শরম্গাহ্ থোলা হয়ে, চেহেরা বদ্শকল হইরা আসিবে। উহার উপর শক্ত বেমরুমুৎ জ্বানিয়া ছোপর্দ করা যাইবে, এবং অঞ্জাব দিতে জারা তার কছুর করিবে না। আয়ে আমার পেয়ারা বহিন, তুমি আপন শওহরকে থোশ রাথিবে, যদি ইহার জন্ম তোমার পিতামাতা ভাঙা ভরিনী জম্মভূমি চির্দিনের জন্ম পরিত্যাগ ও করিতে হয়, তাহাও করিবে।

হজরৎ ছোলারমান ফার্ছি রাজি আলাহ্তাআলা আনহ বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইরাছেন, যদি আলাহ্তা মালা ভিম কাহাকেও ছেজদা করা হালাল হইত, তাহা হইলে আমি হকুম করিতাম, আওরং সকল আপন মরদকে ছেজদা করে।

হজরৎ আক্লাহ্ ইব্নে ছালাম্ রাজি আলাহ্তাআলা আনন্ত বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ্ ছালালাগ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, যে মরদ হজরত আইউব্ আলায়হে-চ্ছালামের মানিন্দ রঞ্জ ও বালাতে সাত বৎসর সাত মাস, সাত দিন গেরেফ্তার থাকে, এবং উহার আওবং এত মুদ্দত উহার খেদ্মৎ গোজারি করে, এবং পরে যদি এক ছারাৎ ■ দেল ওক হইবে, এবং বলিবে যে, তোমার খেদ্মৎ আমার ঘারা হইতে পারিবে না। তাহা হইলে রোজ কেরামতে যাত্সরদিগের, এবং কাহেনদিগের সহিত, দোজখের দারক আছফল মধ্যে দাথেল হইবে।

হজরৎ আবু ছইদ রাজি আলাহ তাআলা আনছ বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম বলিয়াছেন, যে আওরৎ আপন মরদের অল বিস্তর থানা, এবং লেবাছে রাজি নহে, আলাহ তাআলা ঐ আওরতের উপর রাজি হইবেন না, যদি ঐ আওরত পরহেজগার ও হয়। আলাছম্মা ছালিয়ালা মোহাম্মদ্। হজরৎ আকুলাহ্ ইব্নে আববাছ্ রাজি আলাহ্ তাআলা আন্ছ বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, আছ্ মানের উপর বে ফেরেশ্তা আছে, উহার মধ্যে সত্তর হাজার ফেরেশ্তা ঐ আওরতের উপর লানত করে—বে আপন মরদের মালে থেয়ানত ও চুরি করে। আলাছমা ছালিয়ালা ছৈরেদেনা মোহাম্মদ্।

হজরৎ আকুলাই ইব্নে মছ্উদ রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ, ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, যে আওরৎ আপন মরদের মেহ্মানের উপর সন্তুট হয় না, এবং উহার খেদ্মৎ করিতে রাজি নহে, তাহার উপর সমস্ত মালায়েক্ ও থালায়েক্ লানত করে; অর্থাৎ সমস্ত ফেরেশ্তা, এবং পৃথিবীর যাবতীয় স্প্র পদার্থ তাহার প্রতি লানত্ করিয়া থাকে। আলাহুন্মা ছালিয়ালা ছৈরেদেনা ওয়া মৌলানা মোহাম্মন্।

হজরং হাচ্চান্ ইব্নে ছাবেত আনছারি রাজি আলাহ তাআলা আন্ত বলিলেন, বলে দাও উহাকে যে, রাছুলুলাহ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন যে, যখন মরদ আওরতের উপর গজবে আইসে, তখন আলাহ তাআলাও তাহার উপর গজবে আইসেন, এবং যদি মরদ রাজি হয়, তবে আলাহ তাআলাও রাজি হন—যদি ঐআওরং হজরত খোদেজাহ রাজি আলাহ তাআলা আন্হা বিজে-খোরেলেদ ছাহেবার খাদেমা ও হয়। আলাহ্লা ছালিয়ালা হৈরেদেনা মোহামদ্।

হল্পরং কাতাদাহ রাজি আল্লাহ্ভাআলা আনন্থ বলিলেন, যে আওরং আপন মরদকে এমন কোন কথা বলে, যাহাতে মরদ গজবে আইনে, তাহা হইলে উহার নাম মোনাফেক্দিগের দক্তর মধ্যে এবং মোশ্রেক-দিগের পোরোর মধ্যে লেখা যাইবে; এবং ঐ আওরং যে পর্যান্ত আপন জায়গা দোজ্থ মধ্যে না দেখিবে, ছনিয়া হইতে যাইবে না। হজারৎ হাছেন ইব্নে আলি রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত বলিলেন, বলে দাও উহাকে বে, রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, আলাহ্তাআলা এর্শাদ করেন, আয়ে আমার ফেরেশ্তা সকল, বথন আগুরৎ আপন ময়দকে এমন কথা বলিল বে, উহাতে সে গজবে আসিল, তথন তহ্ কিক আমি ঐ আগুরতের উপর বেজার হই, এবং উহার তরফ আমি রোজ কেয়ামতে রহ্মতের নজরে দেখিব না। আলাছ্যা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্দ্।

হলবং ছয়িদ ইব্নে মছিব্ রাজি আয়াহ্তাআলা আনছ বলিলেন, বলে দাও উহাকে, রাছুলুদাহ্ ছায়ায়াহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছায়ায় ফর্মাইয়াছেন, তছ্কিক আয়াহ্তাআলা আওরং দিগের উপর বেহেশ্তকে হারাম করিয়াছেন, হরগেল বেহেশ্ত মধ্যে দাথেল হইবে না, মগর ঐ আওরং—যাহার প্রতি আলাহ তাআলা, এবং উহার মরদ রাজি এবং খোশ্রুদ্ থাকে, অর্থাৎ কেবল মাত্র ঐ আওরং সকল বেহেশ্ত মধ্যে দাথেল হইবে—বাহাদিগের প্রতি আলাহ তাআলা এবং তাহাদিগের শওহর রাজি থাকেন।

ঐ আরবির আওরৎ বথন এই হাদিছ শরিক্ষ সমূহ শুনিল, তথন বলিল, আরে আছ্হাব্ রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলারহে গুরা আলিহি গুরা আছ্হাবিহি গুরা ছালাম, আমার মরদকে বলুন যে আমার উপর রাজি হন। তহ্কিক আমি আমার বদ্ খাছ্শতের জন্ত পেশ্মান হইরাছি। প্নশ্চ এমন বদ্ আদং আমি কখন ও আমল করিব না; শওহরের খেদ্মত্ ও ফর্মাবরদারি করিব, তাবেদার ও ক্রুম ছুলেরালি রহিব। কখনও নাফ্মানি করিব না, এবং শওহরকে হৃথেত করিব না। যত দিন জীবিত থাকিব, কখন ■ উহাকে গজবে ও গোখার আনিব না। আরবি বলিল, এখন আমি উহার উপর রাজি হইলাম।

হাদিছ শরিক মধ্যে আদিরাছে, বাহার তাবার্থ এই:—আওরংকে
প্রথমতঃ নামাজের বিষয় জিজ্ঞাসা করা ঘাইবে। তাহার পর আপন
মরদের হকের । জিজ্ঞাসা করা ঘাইবে। আছ্হাব, রাজি আলাহ, তাআলা
আনছ জিজ্ঞাসা করিলেন, ইয়া রাছুলালাহ, ছালালাহ আলায়হে ওয়া
আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, এক আওরং বার মাস রোজা
রাখিয়া থাকে; এবং সমস্ত রাজ এবাদৎ মধ্যে থাড়া থাকে; কিন্তু আপন
মরদ এবং হাম্ছায়াকে জবান ছারা রঞ্জু দিয়া থাকে। এক্রপ হইলে উহার
বিষয় কি ছকুম ? হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি
ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইলেন, ঐ আওরৎ দোজ্থী হইতেছে।

হাদিছ শরিক মধ্যে আদিরাছে, বাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে যে,
এক আশরং নবি করিম ছারারাহ আলারহে ওরা আলিহি ওরা
আছ্হাবিহি ওরা ছারাম ছাহেবের নিকট জিজ্ঞানা করিলেন, ইরা রাছুলারাছ,
ছারারাহ আলারহে ওরা আলিহি ওরা ছারাম, মরদের হক্
তাহার আওরতের উপর কি আছে ? ছজুর এশাদ করিলেন, ধদি
আওরং উটের পালানের উপর হয়, এবং তাহার মরদ ছোহবং চাহে,
তবু ও তাহাকে মানা করিবে না; এবং রম্জান্ শরিফের রোজা ভিয়,
মরদের বেগায়ের ছকুমে নকল রোজা রাখিবে না, এবং মরদের বিনা
হকুমে 
ইইতে বাহিরে বাইবে না। বদি আওরং শওহরের ঘর হইতে
বেগায়ের ছকুম বাহিরে বাইবে, তাহা হইলে আজাবের ফেরেশ্তা ঐ
আওরং যে পর্যান্ত ফিরিরা না আসিরে, তাহার উপর লানত করিতে
থাকিবে। আরাভ্যা ছারিরালা ছৈরেদেনা ওয়া মৌলানা মোহামদ্।

মাতবর কেতাব মধ্যে রেওয়াশ্বেৎ আছে, দিন কেয়ামতে আওরৎকে নামাজের বিষয় জিজ্ঞাসা করার পর, মরদের হক্ আদা করিয়াছে কি না, তাহা জিজ্ঞাসা করা যাইবে। আল্লাছশ্বা ছালিয়ালা মোহাম্বদ। হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, বাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে বে,
আওরং বধন আপন মরদের ছোহ্বং ছুইতে পলায়ন করে, অর্থাৎ
শওহরের নিকট হইতে ভাহার সল ত্যাস করিয়া চলিয়া বাম; তখন
ভাহার নামান্ত কর্ল না—বে পর্যন্ত আওরং আসিয়া ভাহার
আপন হাত মরদের হাতের উপর রাখিয়া এই প্রকার না বলে যে, "তুমি
বাহা মর্জি কর, আমাকে সেই সাক্রা দাও।"

মাতবর কেতাব মধ্যে রেওয়ায়েৎ আছে বে, অভিরৎ যথন নামাজ । পড়িয়া আপন মরদের 💴 দোওয়া করে, তথন ঐ নামাজ মক্বুল্ হয়।

হাদিছ শরিক মধ্যে আসিরাছে, বাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে,
নবি করিম ছাল্লালাহ আলারহে ওরা আলিছি ওরা আছ্হাবিহি ওরা
ছালাম হজ্ করিবার আইরামে, মিনা আনা ধ্যেবার দরমিয়ান ফর্মাইয়াছেন, আরে মুখ্যা সকল। ভহ্ কিক ভোমাদিগের হক্ ভোমাদিগের
আওরতের উপর আছে; এবং ভোমাদিগের আওরতের হক ভোমাদিগের
উপর আছে। আওরতের উপর এই হক্ আছে বে, ভোমার বরের
হেকাল্প করে; এবং তুমি বাহার উপর রাজি নহ, এমন ব্যক্তিকে
ভোমার বাজীতে আসিতে না দের, এবং ফাহেশা কালাম বকাবিক না
করে। যদি এই সমস্ত বিষরে করে, তবে আলাহ্তাআলা ভোমার
উপর হালাল করিরা দিয়াছেন বে, বেগারের ছক্তি রুরু, তাহাদিগকে
মারো। আওরৎদিগের হক ভোমাদিগের উপর ইহা হইতেছে বে,
লেবাছ্ ও থানা পৌছাও। আলাছ্যা ছারিরালা ছৈরেদেনা মোহামদ্।

হাদিছ শরিক মধ্যে আসিরাছে, যাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে :— বে আওরৎ পাচ ওয়ান্ডের নামাজ আদা করে, রমজান শরিকের রোজা রাখে, আলাই তাজালার বরের হজ্ আদা করে, আপন কোর্জ, অর্থাৎ শরস্গাহের হেফাজৎ করে, পরের সরদ সকল হইতে মুরে থাকে, আপন এতেরাৎ, অর্থাৎ ফর্মাবরদারি করে, এমন আওরৎ বেহেশ্তের যে দরওরাজা দিয়া যাইতে ইচ্ছা করিবে, সেই দরওরাজা দিয়া বেহেশ্ত মধ্যে চলিয়া যাইবে। আল্লাভন্মা ছাল্লিয়ালা ছৈরেদেনা মোহাম্মদ্ ওরা আলা আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া বারিক্ ওয়া ছাল্লেম্।

মাতবর কেতাব মধ্যে রেওয়ায়েৎ আছে, যদি মরদের শরীর হইতে ধুন্ 
বিব্ জারি হয়, এবং আওরং ঐ ধুন্ ও পিব্কে কেরাছাৎ না করিয়া আপন জবান ছায়া——অর্থাৎ আপন জিহ্বা দিয়া চাটিয়া পাক করে, তবু ও মরদের হক্ আদা হইতে পারে না।

হাদিছ শরিষ মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে:—
যে আওরৎ আলাহ্তাআলা, এবং কেয়ামতের উপর ইমান আনিয়া,
কোন মৃত ব্যক্তির তা তিন দিন হইতে জেয়াদা শোক করে, এবং
আপনার জিনৎ, অর্থাৎ বেশ বিস্তাস না করে, তাহা হইলে তহ্কিক ঐ
আওরৎ হারাম ফেল করিল। কিন্তু আপন মরদ, অর্থাৎ শণ্ডহর মরিলে
চারি মাস দশ দিন পর্যান্ত জিনৎ তরক করা ওয়াজেব্ হইতেছে।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিরাছে, যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে যে,
আপনার এলাকা মধ্যে যে কেহ থাকে, তাহার সঙ্গে নেকি করা চাই। এক
ব্যক্তি বলিল, ইহা রাছুলালাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওরা আলিহি ওরা আছ্হাবিহি ওরা ছালাম, আমার বিধি নাই, বেটাও নাই, এবং অন্ত কেহই
নাই, কেবলমাত্র একটা মুর্লী আছে। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ
আলায়হে ওরা আলিহি ওরা আছ্হাবিহি ওরা ছালাম ফর্মাইলেন, বদি এ
মুর্লীর দানাতে তুমি এক দিন চ কছুরি করিবে, তাহা হইলে তোমার
নাম নেক্কারের মধ্যে লেখা যাইবে না।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে :— বে ব্যক্তি আপনার বিবি এবং সন্তানাদির নোককার জন্ত—অর্থাৎ থানা পিনার জন্ত, হালাল কছব্, অর্থাৎ হালাল পেশা মধ্যে পরিশ্রম করে, সন্মার সময় ভাহার গোনাহ্ সকল মাফ হইয়া থাকে।

মাতবর কেতাব মধ্যে আসিয়াছে ঃ—মরদকে নামাজের বিষয় জিজাসা করার পর, স্ত্রী ও বালি ■ পোলামের হকের বিষয় জিজাসা করা হইবে। যদি বিবিকে খোশ রাখিয়া খাকে, এবং বালি গোলামদিগের সঙ্গে বদি এহ ছান করিয়া খাকে—অর্থাৎ মেহেরবানী, সম্বহার ইত্যাদি করিয়া খাকে, তাহা হইলে আল্লাহ তাআলা তাহার সঙ্গে রোজ কেরামতে ■ এইরূপ এহ ছান করিবেন। আল্লাহ্যা ছালিয়ালা দৈয়েদেনা মোহাম্মণ্।

হেকারেৎ নকল আছে, হজরৎ ছৈরেদেন। এবাছিম থলিলুলাহ্
(আলাহন্দা ছালেআলা মোহান্দিন্ ওরা আলা আলে মোহান্দাদিন্ কামা
ছালায়তা আলা এবাছিমা ওরা আলা আলে এবাছিমা ইলাকা ছামিছম্
মাজিদ্,) বছজুরে জনাবে বারি, আপন আহ্লিয়ার বদ্ থল্কির জন্ত, অর্থাৎ
বদ্ মেজাজের জন্ত শেকারেৎ করিলেন। আলাহ্ভাআলা ওহি পাঠাইলেন,
আর আমার থলিল, উহাকে আমি বারে ভরকের টেহ্ডি পিছ্লি হইতে
পর্যা করিয়াছি, যেমন সমস্ত আওবৎ পরদা হইরাছে। তুমি যদি উহাকে
সিধা করিবে, তবে সিধা হইবে না, বরং টুটিয়া ফাইবে। যাহা উহা হইতে
বদ্ থল্কি হয়, তাহা হইতে দাও, এবং তুমি ছবর কর,এবং লেবাছ পরাও।
কিস্ত যদি দিনের কাজে কছুর ও নোক্ছাম করে, তাহা হইলে ছবর করা
চাই না। আলাহন্দা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা ওয়া মৌলানা মোহান্মদ।

হাদিছ শরিক মধ্যে আসিরাছে, যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে:— বে মরদ আপন আওরতের বদ্ খল্কির উপর; অর্থাৎ বদ্ মেজাজের উপর ছবর করিবে, উহাকে হজরৎ ছৈরেদেনা আইউব্ আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের ওজর ও ছওরাৰ মিলিবে। যে আওরং আপন মরদের বদ্ খল্কির, অর্থাৎ বদ্ মেজাজের উপর স্করিবে, আলাহ্তাআলা উহাকে হজরৎ আছিয়া রাজি আল্লাহ্তাআলা আন্হা, এবং হজরৎ মরইয়াম বিজে এস্রান্ রাজি আল্লাহ্তাআলা আন্হা ছাহেবাদিগের ওজর । ছওয়াব, বথ্শিবেন।

মছরালা। মরদের উপর ওয়াজেব, হইতেছে যে, আপন বিবি, বানি ■ গোলামদিগকে দিনের এলেম শিক্ষা দেয়। ঐ সকল দিনের এলেম এই:--অর্থাৎ ওজু, তৈরশ্বম, জোনাবোতের গোছল ইত্যাদি; ও নামাজ, রোজা, হজ, জাকাৎ, হায়েজ, নেফঃছ, এবং এতেহাজা গোছল ইত্যাদি, ফরায়েজ্ এবং পরগম্বর ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, এবং আছ্হাব্ রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত্যাদিগের ছুমৎ জামায়াৎ মত তরিক। ইত্যাদি; গিবৎ ও চুগ্লী তরক করা, নাকাছাৎ ও নাপাক বস্ত হইতে মহ্ফুজ্থাকা, এবং ফাহেশা কালাম হইতে পরহেজ, করা ইত্যাদি, আলাহ্ ও রচুলের জিকিরে ও ফেকেরে হামেশা থাকা, প্রত্যেক চাল্ও চলনে আদব শেখানা, গোনাহ্ এবং বদি হইতে পরহেজ, করা ইত্যাদি। যদি মরদ এতটা এলেম নিজে না জানে, তবে নিজে শিক্ষা করিয়া শিক্ষা দিবে। যদি মরদ না শিথিতে পারে, তবে ছকুম দিবে যে, কোন মহ্রেম্ ব্যক্তির নিকট শিক্ষা করে। এতদ্যতীত দোজ্থ হইতে বাঁচিবার কার্যো কোশেশ করা আওরতের উপর ফরজ হইতেছে। উহাদিগকে এলেম তলব করিতে নিষেধ করা মরদের জক্ত হালাল নহে। কারণ হাদিছ শরিফ মধ্যে এইরূপ আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এই:---'পুম্স্ত মোছল্মান্ মরদ' এবং আওরতের উপর এলেমকে তলব করা ফর্জ হইতেছে।" আল্লাভ্সা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাসদ।

ফেক্ছা রাজি আল্লাহ্তাআলা আনহুমা বলেন:—আওরতের মরদের উপর পাঁচ হক আছে, যথা—পহেলা পদার মধ্যে খেদ্মৎ লইবে—বেপদা করিবে না। কারণ তাহাকে বাহির করা গোনাহ্ এবং তরক্ মরুদ্ধৎ হইতেছে। দোছ্রা নামাজ রোজার আহ্কাম্, এবং জরুরী মছুয়ালা উহাকে শিক্ষা দিবে। তেছু রা তাহাকে আকেল হালাল যাহা ময়ছার হয়, তাহা থাওয়াইবে। কারণ যে গোন্ত হারাম মাল হইতে পয়দা হইবে, ঐ গোন্ত দোর্রথর আঞাল্ডন মধ্যে পালিবে; যেমন হাদিছ শরিক মধ্যে পাসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এইরূপ:—"আরেল ও আৎকাল্ কেরামতে করিয়াল্ করিবে যে, এই বাক্তি আমাকে হারাম মাল থাওয়াইত, এবং দিনের রান্তা আমাকে বাতাইয়া দিত না; এ বাক্তি আমার উপর অলুম করিয়াছে।" তথন ঐ বাাক্তির সমন্ত নেকি, তাহার আয়েল্ ■ আৎকাল্কে দেলাইয়া উহাকে দোল্লথের মধ্যে দাথেল করিবেন। চৌথা আওয়তের উপর জুলুম ও জেয়াদতী না করে, কেননা আওরৎ মরদের নজ্ দিক্ আমানৎ হইতেছে। পঞ্চম যদি আওরৎ জবান দারাজি ও জেয়াদ্তী করে, তাহা হইলে মরদ ছবর ও বর্দবারি করে, গোশ্বা করিয়া মুখ দিয়া কিছু না বলে। কারণ গোশ্বা করিবার সময় আকেল থাকে না, এমন কথা বলিয়া ফেলে, যাহাতে নেকাহ্ টুটিয়া যায়। পক্ষান্তরে মরদের ছবরের অন্ত বিবি শরমেন্দা হইয়া ফের বদ্ধোয়ী, এবং জবান দারাজী করিবে না।

মাতবর কেতাব মধ্যে রওয়ায়েৎ আছে, এক বাজি হজয়ৎ ওমার রাজি আলাহ্তাআলা আন্তর নিকট, তাহার বিবির বদ্ খল্কির শেকায়েৎ করিতে অাসিয়াছিল। যখন দরওয়াজায় আসিয়া উপস্থিত হইল, তখন হজরৎ উদ্মে কুল্ছুম্ রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা হজয়ৎ ওমার রাজি আলাহ্ তাআলা আন্হা তাআলা আন্তর উপরে গোখা করিতেছিলেন। ঐ ব্যক্তি ইহা শুনিয়া নিজের দেলে বলিল, আমি আমার বিবির শেকায়েৎ ইনার নজ্দিক্ করিতে আসিয়াছি, কিন্তু উনি ও তো উনার বিবি ছাহেবার নজ্দিক, আমার মত বালাতে গেরেফ্তার আছেন। ইহা ভাবিয়া ঐ ব্যক্তি কেরৎ চলিয়া যাইতে লাগিল। হজয়ৎ ওমার রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত্র জানিতে পারিয়া, ঐ ব্যক্তিকে ডাকিয়া আহ্ওয়াল্ জিজ্ঞানা করিলেন।

ঐ ব্যক্তি বলিল, আমি আপনার নিকট আমার বিবির শেকায়েৎ করিতে আসিয়াছিলাম। যথন আসিয়া আপনাকে ঐ বালাতে গেরেফ্তার দেখিলাম, তথন ফেরৎ চলিয়া যাইতেছিলাম। হজরৎ ওমার রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত বলিলেন, আমার বিবি ছাহেবার অনেক হক্ আমার উপর আছে, এই জন্ম আমি উহাকে মাফ করিয়াছি। পহেলা হক ইহা হইতেছে যে, উনি আমার এবং দোজবের মধ্যে আড় হইতেছেন, কেন্না আমাকে হারাম হইতে বাঁচাইয়া থাকেন। দোছ্রা আমার নেগাহ্বান হইতেছেন, যখন আমি কোন স্থানে যাই, তথন আমার মালের হেফাজৎ করিয়া থাকেন। ভেছ্রা আমার ধুবি হইতেছেন, যথন আমি গোছল করি, তথন উনি আমার কাপড় ধুইয়া থাকেন। চৌথা আমার বাচ্চার দাই হইতেছেন, কত পরিপ্রমে পরহেজ, করিয়া ছ্ধ পিলাইয়া থাকেন। পঞ্চম আমার খানা পাকানেওয়ালি হইতেছেন, কোন সময় আমার খানা পাকাইতে কাহিলি করেন না। ঐ ব্যক্তি ইহা শুনিয়া বলিল, আমার 🖀 উপর আমার বিবি ছাহেবার এই সমস্ত হকুক আছে, আমিও তাহাকে মাফ করিলাম। আলাভুমা ছালিয়ালা মোহামুদ্।

মাতবর কেতাব মধ্যে আসিয়াছে, বান্দাকে চারি স্থানে ধরচ করা কেয়ামতে হিসাব দিতে হইবে না। পহেলা ধরচ মা বাপ জন্ত; দোছ রা ছেহেরের সময় যাহা খাইবে; তেছ রা রোজা রাখিয়া যাহা এফ তার করিবে; চতুর্থ যে নোফ কা অর্থাৎ খানা ইত্যাদি—যাহা আয়েল কে দিবে।

রেওয়ায়েৎ আছে, বানা চারি স্থানে থরচ করিলে ওজর অর্থাৎ ছওয়াব্ পাইয়া থাকে; প্রথম আল্লাহ্তাআলার রাহাতে; দিতীয় মিছকিনকে যাহা দেওয়া ষায়; তৃতীয় বানি গোলাম আজ্ঞাদ্ করিলে; চতুর্থ আওরৎ ও বাচ্চাদিগের নোফ্কা জন্ত। সকল হইতে আয়েলের উপর থরচ করিবার বড় ছওয়াব হইতেছে। আল্লাছমা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ্। হাদিছ শরিক মধ্যে আসিরাছে, যাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে: —

যখন বিবি 

শণ্ডহর থোশ হইরা এক স্থানে বসে, এবং মহক্তের সঙ্গে
আপোশের মধ্যে মিলে, তথন দশ নেকি তাহার নামা আমলের মধ্যে লেথা

যাইরা থাকে; এবং তাহার দশ বদী ধোওয়া যাইয়া থাকে। তথ্যতীত

আল্লাহ্তাআলার করবের দশ দর্জা কেয়াদা হইয়া থাকে; এবং বথন

গোছল করে, তথন উহাদের শরীরে যত চুল আছে, ঐ পরিমাণ নেকি

তাহাদিগকে মিলিয়া থাকে; এবং ঐ পরিমাণ বদী তাহাদিগের দ্র

হইয়া থাকে। আবার বথন আওরতের সন্তান পরদা হইবার সময় দরদ
উপস্থিত হয়, প্রত্যেক বারের দরদের জন্ত হালার নেকি আল্লাহ্তালা

তাহাকে দিবেন, এবং হাজার বদি তাহার দ্র করিবেন। আল্লাহ্না

হালিয়ালা হৈয়েদেনা মোহাম্মদ্ ওয়া আলা আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি

ওয়া বারিকওয়া ছালেম্।

মাতধর কেতাব মধ্যে রেওরায়েৎ আছে, বিবি সকল হলরৎ নবি
করিম ছালালাই আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম
ছাহেব নিকট হাজের হইয়া জিজ্ঞাসা করিলেন, ইয়া রাছুলালাই ছালালাহ
আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, মরদদিগকে বহুত
নেক আমলের ছওয়াব্ মিলিয়া থাকে, যেমন নামাজ, জুমা জামায়াৎ,
নামাজ-ঈন ও জানাজাতে হাজের হওয়া, এবং বেমারের ইয়াদৎ, হজ্, ওম্য়া
জেহাদ্ ইত্যাদি করা; আমরা এই সকল নেয়ামৎ হইতে বেনছিব রহিলাম,
ইহার কারণ কি? হজরৎ নবি করিম ছালালাই আলারহে ওয়া আলিহি
ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেব বলিলেন, তোমরা যাও, এবং অস্থাতা
বিবিদিগকে থবর পৌছাইয়া দাও যে, আলাহ্ তাআলা তোমাদিগকে এই
জন্ত পয়দা করিয়াছেন যে, তোমরা আপন শওহরের সঙ্গে ভালমতে থাক,
শওহরের সহিত সন্ভাব রাখ, প্রত্যেক কার্যো আপন শওহরের রেজামনিদ

মত চল, তোমাদিগের এই সকল এবাদতের বরাবর হইতেছে। এই সমস্ত কার্যো তোমাদিগকে ঐ রূপই ছওয়াব্ মিলিবে।

আর ইহা ■ লেখা আছে বে, অওরতের হকে ঘর সংসারের থেদমৎ করা, বেমন থানা পাক করা, সংসারের সকলকে তাহা তক্ছিম্ করিয়া দেওয়া, ঝাড়ু ইত্যাদি দেওয়া, সস্তানাদির থেদ্মৎ করা, শগুহরের মালের হেফাজৎ করা, ছোট বড়র থাতেরদারি করা, এ সব জেহাদের মর্ত্তবা রাথে; বরং ইহা হইতে ও জেয়াদা মর্ত্তবা রাথে। কারণ, জেহাদে মামুব কাফেরের সঙ্গে লড়াই করিয়া মরিয়া যায় এবং ছুট্কার পায়; আর আওরৎ রাত দিন ঘর সংসারের হুরন্তির জন্ত তথ্লিফ্ উঠায়, এবং নানা প্রকার কন্ত সন্থ করিয়া থাকে। আক্ছের আওরৎ সকল এই সমস্ত কার্যা করিয়া থাকে। আক্ছের আওরৎ সকল এই সমস্ত কার্যা করিয়া থাকে। কিন্তু যদি এ সমস্ত আওরৎ এই নিয়ত করে বে, আদি এই সমস্ত আরাহ্ তাআলার রেজামন্দির ■■ করিতেছি, তাহা হইলে ওলিয় সমস্ত মর্ত্রবা পাইবে। আলাভ্রা ছালিয়ালা মোহাম্মদ্ ।

যিনি এই কেতাব থানির এই স্থান দেখিবেন, আমি তাঁহাকে অমুরোধ
করি, আপন বিবি এবং বেটিকে ■ আত্মীয় স্থলন বিবি দিগকে, এই নিয়ৎ
করিতে উপদেশ দিবেন। নিয়ৎ না করার দরণ যেন তাঁহারা তাঁহাদিগের
ছওয়াবকে নষ্ট না করেন। প্রত্যেক শওহরের কর্ত্বর তাঁহার বিবিকে ইহা
উত্তমরূপে শিখাইয়া দেন। আলাক্ষা ছালিয়ালা নোহামদ্।

হাদিছ শরিক্ষ মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে:—
জুমা নামাজ মিছকিনের জন্ত হজ হল হইতেছে; এবং আওরতের জেহাদ্
শন্তহরের সঙ্গে ভাল মতে থাকা হইতেছে; অর্থাৎ শন্তহরের সঙ্গে সভাবের
সহিত গুজরান করা হইতেছে। আলাভ্যা ছাল্লিয়ালা মোহামান্।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, ষাহার ভাবার্থ এইরূপ ইইতেছে :— আওরং যথন হামেলা হয়, ঐ সময় হইতে সম্ভানকে ছ্যু পেলান পর্যাস্ত গান্ধির ছওয়াব পাইয়া থাকে। বদি ঐ সময়ের মধ্যে মরিয়া ধায়, তকে শাহাদতের মর্ক্তবা পায়—অর্থাৎ তাহার শহিদি মৃত্যু হয়।

নকল আছে, জনাব হজরত নবি করিম ছালাল্লাহ আলায়হে ওয়া মালিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের জমানায় এক আওরৎ, তাহার মা 🖫 শওহরকে রাথিয়া মরিয়া যার। এক দিন উহার মা স্বপ্নে দেখেন যে, বেটীর মাথার উপর আগুন জলিতেছে, এবং লে শক্ত আজাবের মধ্যে গেরেফ্ভার হইয়াছে; ভাহার নাক এবং মুথ হইতে বক্ত টপ্কিয়া পড়িতেছে; তুই হাত মাথার উপর বান্ধা আছে; এবং তাহার পায়েতে আগুণের বেড়ি রহিয়াছে; আর সাপ ছাতির সঙ্গে ঝুলিয়া রহিয়াছে। এই হালৎ দেখিয়া মা জিজ্ঞাসা করিলেন, আয়ে বেটী ় তোমার এ রকম অবস্থা কেন হইল ? ঐ বেচী বলিল আন্নেমা! আমার মাথার উপর যে আগগুণ জলিতেছে, ইহা আমি যে আমার শওহরের আয়েব্ অন্তের নিকট জাহের করিতাম, তাহার বদলা হইতেছে; এবং হাড ধে আমার মাধার উপর বান্ধা আছে, ইহা আমি যে আমার শওহরের হরের বস্তু অষ্ঠকে বেগায়ের ছকুম দিতাম, তাহার বদলা হইতেছে; এবং সাপ যে ছাতির উপর চড়িয়া কামড়াইতেছে, ইহা আমি যে শওহরের বেগায়ের ছকুমে অন্তের ছেলেকে ত্র থাওয়াইতাম, ভাহার বদলা 🕫 ইতেছে; এক নাক 🔳 মুখ হইতে যে বক্ত পড়িতেছে, উহা আমি যে আমার শওহরকে গালি দিতাম, এবং তর্জন গর্জন করিতাম, তাহার বদলা হইতেছে; এবং পায়ের মধ্যে যে আগুণের বেড়ী পড়িয়াছে, উহা আমি যে শণ্ডহরের ঘর হইতে শণ্ডহরের বেপায়ের স্তকুম পাও বাহির করিতাম, তাহার বদলা হইতেছে। আর মা মেহেরবান, ভূমি আমার অবস্থার উপর রহম কর, এবং এমন 📉 আমার উপকার কর, হইতে পারে, তাহা হইলে আল্লাহ্তাআলা আমাকে আপন গঞ্ব হইতে খালাস

দিবেন। তুমি এখন যাও, এবং নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের নিকট, আমার এ তুঃখের অবস্থা জাহের কর, যে তিনি আমার শওহরকে ডাকাইয়া আনিয়া বুঝাইয়া দেন, এবং আমার তক্ছির উহাকে বলিয়া মাফ করাইয়া यथन मकान इड्रेन, खे माजा कांनिएक कांनिएक निव कित्रिम ছাল্লাছ আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি, ওয়া ছালাম ছাহেবের ধেদ্মতে হাজের হইয়া বছত আজিজি এবং বেকছির সঙ্গে, বেটীর তর্ফ হইতে ছালাম, এবং ঐ সংবাদ আরোজ করিল। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ অলামহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ হাবিহি ওয়া ছালাম, ঐ বেটীর শ্বহরকে ডাকিলেন এবং বলিলেন, আয়ে ফলানা, আমার খাতিরে তোমার বিবির কছুর মাফ করিয়া দাও; এবং এই বুড়িকে গুঃখ ও কষ্ট হইতে নাজাত দেও। ঐব্যক্তি আরোজ করিল, ইয়া রাছুলালাহ, ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, আমি কেম্ন করিয়া তাহার উপর রাজি হইব, আমাকে ঐ বিবি বছত জালাতন্ করিয়াছে, এবং তৃঃখ দিয়াছে। হলবৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম বলিলেন, আলাহ,-তাআলা রহিম হইতেছেন, তিনি রহম্ করণেওয়ালা দিগকে দোও রাথেন। তুমি যদি ঐ বিবির উপর রহম কর, তবে তোমার উপর ও তিনি রহম করিবেন। ও ব্যক্তি আরোজ করিল, বছত বেহ তর; ছজুরের হুকুম আমার ছের্ ও চকুর উপর, আমি তাহার সম্ভ তক্ছির মায় করিকাম। রাত্রে মা বেটীকে পুনরায় স্বপ্নে দেখিলেন যে, সে বেংখা ত মধ্যে দাথেল হইয়াছে, এবং বেহেশ্তের জেওর ও লেবাছ দারা তাহাকে আরাস্তা করা হইয়াছে। মা জিজ্ঞাসা করিলেন, আয়ে বেটী এ মর্ত্তবা এখন তুমি কেমন করিয়া পাইলে ? বেটী বলিল, আমার শওহর আমাকে মাফ করিরাছেন, এজন্ত আলাহ্তাআলা ■ আমাকে আলাব্ হইতে থালাছ্ এবং
নাজাৎ দিয়াছেন। আরে মা, ভূমি ছনিয়ার আওরৎদিপকে আমার অবস্থার
থবর দিও যে, তাহারা যেন বুদ্ধি বিবেচনা করিয়া চলা ফেরা করে, এবং
ঠিক চাল্ চলন এক্তেয়ার করে, এবং আপন শওহরের তাবেদারি ■ রেজামদিতে কোন প্রকার কছুরি না করে। তাহা হইলে তাহারা আলাহ্তাজালার আফাব হইতে বাঁচিরা বাইবে।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, বাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে:----হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের জমানার, এক ব্যক্তি আপন আওরংকে বলিয়াছিল, যে পর্ব্যস্ত আমি বাহির হইতে না আইসি, সে পর্ব্যস্ত হরগেজ ভূমি বালাখানার উপর হইতে নীচে নামি ও না। ঐ আওরতের পিতা নীচে এক মকান মধ্যে থাকিতেন, তিনি বেমার হইলেন। ঐ আওরৎ হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়তে ওয়া আলিহি ও আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেব নিকট জিজাসা করিয়া পাঠাইলেন যে, তিনি পিতাকে দেখিবার জন্ত নীচ্চে ধাইতে পারেন কি না। হজরত নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বলিলেন, আপন শওহরের ছকুমের উপর কারেম থাক। যখন তাহার পিতা মরিয়া গেলেন, পুনশ্চ ঐ বিবি নীচে আসিবার 💻 হজরৎ নবি ক্রিম ছান্নাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম নিকট এজাজৎ চাহিলেন। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলহি ওয়া আছ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বলিলেন, আপন শওহরের ত্তুমকে মানো—অর্থাৎ আপন শওহরের হুকুম মত থাক। পরক, ঐ বিবির পিতাকে লোক সকল দফন করিল; কিন্তু ঐ আওরৎ নীচে নামিল না। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম বলিলেন,

যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে বে, বেশক্ আগ্লাহ্তাআলা ঐ আওরৎ, যে আপন শওহরের তাবেদারি করিয়াছে, এই কারণ বশতঃ উহার পিতাকে মাফ করিয়াছেন।

## জিকির আমা রহিমা (রাঃ)

হঞ্রৎ ছৈরেদেনা আইউব্ আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের আদৎ ছিল, যে প্রান্ত দশ জনা গরিব মিছ্কিন্ মহাতাজকে থানা না থাওয়াইতেন, সে পর্যাস্ত নিজে থাইতেন না; এবং বে পর্যাস্ত দশ জনা লাজাকে কাপড় না পরাইতেন, নিজে কাপড় পরিতেন না। আলাহ্তাআলা তাঁহাকে বস্তুতর মাল ও ফর্জন্দ এনায়েৎ করিয়াছিলেন; তিনি ছনিয়াতে স্কল বিষয়ে সুখী ছিলেন; দিবা রাজ আলাহ্তালার এবাদত বন্দেগীতে মশগুল থাকিতেন। ফেরেশ্তা সকল তাঁহার এবাদত বন্দেগী দেখিয়া তাজ্জব হইলেন; এবং আলাহ্তাআলার নজ্দিক্আরোজ করিলেন যে, আয়ে আলাহ্তাখাল: ৷ হজরত্ ছৈয়েদেনা আইউব্ আলায়হেচ্ছালামকে তুমি মাল ও দৌলত, জনু 🖿 ফর্জন্দ এনায়েৎ করিয়াছ, এই 📟 তিনি ভোমার এবাদত-বন্দেগী করিয়া থাকেন। তুমি ছনিয়াতে তাঁহাকে সকল ব্লক্ষ আয়েশ ও আরাম মধ্যে রাথিয়াছ, এই জ্বন্ত তিনি ভোমার শোকর আদা করিয়া থাকেন। তথন আলাহ্তাআলা বলিলেন, আরে (करत्रम् ा नकन, डैनात्र कत्रभावत्रमात्रि এवः अवानः वतन्त्री, मोनः পাইবার জন্ত নহে; বরং খাছ আমার জন্ত হইতেছে। আমি যে সমস্ত নেয়ামৎ উনাকে দিয়াছি, যদি তাহা ফিরাইয়া লই, তবু ও তিনি আমার এবাদৎ-বন্দেগী করিবেন। প্রত্যেক হালতে উনি আমার রেব্রার উপর শাকের, এবং ছাবের আছেন। এ সময় যেমন আমার ফর্মাবরদার

রহিয়াছেন, গরিবী অবস্থায় ইহা হইতেও আমার জেয়াদা ফর্মাবরদারি করিবেন। আলাহম্মা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

হজরং হৈয়েদেনা আইউব্ আলায়হেচ্ছালাম বালা ও মছিবং আলাহ্তাআলার নিকট এই চাহিয়া লইয়াছিলেন যে, ইহাতে জ্যোদা শোকর করিবেন; এবং ছবর কর্ণেওরালাদিগের মন্তবা লাভ করিতে পারিবেন; এবং আজিম ছওরাব হাছেল করিতে পারিবেন।

আল্লাহ্তামালার তরক হইতে ওহি নাজেল হইল যে, আয়ে আইউব্ সালায়হেচ্ছালাম ৷ তুমি আমার নিকট ছেহেৎ ও তদরস্তি চাও, না বালাও মছিবৎ চাও। হজরৎ আরোজ করিলেন, আরে আমার পরওয়ার দেগার, ছেহেৎ 🔳 আফিয়ৎ হইতে তোমার বালা 🔳 মছিবৎ বেহ্তর হইতেছে। স্তরাং নিজের মর্জি মত বেমার মধ্যে মব্তেল। হইলেন। আলাহ্তাআলার মরজিতে তাঁহার সমস্ত শরীরে ফোফ্লা পড়িয়া তাহাতে কিড়া পরদা হইয়া গেল। খবর আছে, প্রথম মাল ও আছ্বাব্ নোক্ছান হইরাছিল। তাহার পর আচানক সমস্ত বস্ত যাইতে শুরু হইল। আওলাদ স**কল** ছাতের তলে দাবা পড়িয়া মরিয়া পোল; এবং চল্লিশ হাব্দার ভেড়ী, বক্রী, হাতি, ঘোড়া, উট, গাই, বয়েল ইত্যাদি যত ছিল, সমস্ত মরিয়া গেল। এক দিন হজরৎ এবাদৎ-এলাহিতে মশ্গুল ছিলেন, ষধন আপন এবাদৎ হইতে ফারাগৎ হইলেন, তথন পাছ্বান, অর্থাৎ রক্ষকগণ আদিয়া সংবাদ আবোজ করিল, আয়ে হজরৎ, ভেড়া-বক্রি ময়দানে আপনার ষত ছিল, গায়েব ্হইতে আগুণ আসিয়া সম্স্ত জ্বালাইয়া দিয়া গিয়াছে। হজরৎ ইহা শুনিয়া বলিলেন, কি করিব, যাহার মাল ছিল, তিনি লইয়াছেন। ইহা বলিয়া তিনি পুনশ্চ এবাদং-এলাহিতে মশ্গুল হইলেন। তাহার পর যত গাই ও বয়েল ছিল, যাইতে শুকু হইল। রক্ষকগণ আদিয়া সংবাদ দিল, আয়ে হজরৎ, ময়দানে আপনার যত গাই

 বয়েল ছিল, সমস্ত গায়েব্ হইতে আগুণ আসিয়া আলাইয়া দিয়া গিয়াছে, ইহা শুনিয়াও হজরৎ এবাদৎ-ব**ন্দি**গী মধ্যে মশ্**শুল** রহিয়া গেলেন। তাহার পর উট রক্ষকগণ আসিয়া সংবাদ দিল, আয়ে হজরৎ, আপনার যত হাকার উট ছিল, সমস্ত জ্বলিয়া মরিয়া গিয়াছে। হজরৎ বলিলেন, আলাহ তালার মর্জিতে এই রকম হইতেছে, আমি কি করিব ? পুনশ্চ সহিসেরা আসিয়া সংবাদ দিল, আয়ে হজরৎ, আপনার যত ঘোড়া ছিল, আজ সমস্ত মরিয়া গিরাছে। হজরৎ বলিলেন, আলাহ্তাআলা ভিন আমার কোন চারা নাই। ভাহার পর সমস্ত আছ্বাব্ অর্থাৎ বর-দর্ওয়াজা, ফরশ, বিছানা ইত্যাদি, ছাৎ, পদা সমস্ত আগুণে জনিরা গেল, কোন বস্তু বাকি থাকিল না। এমন সময়ে হজরৎ এবাদৎ মধ্যে মশ্পুল ছিলেন, লোক সকল বলিল আয়ে হজরৎ, এখন কি দেখিতেছেন, এখন ভো কিছুই বাকি থাকিল না। হলরৎ ইহা শুনিয়া বলিলেন, আল্লাহ্তাআলার নজ্দিক্ শোকর করিভেছি যে; জান—যাহা সকল বস্ত হইতে বেহ্তর হ**ই**তেছে, তাহা এখন ও বাকি **আছে**। ফের দ্বিতীয় দিন চারি বেটা, এবং তিন বেটা ওস্তাদের নিকট পড়িভেছিলেন, ইহার মধ্যে ওস্তাদ কোন কার্য্যের জন্ম মক্তব্ধানা হইতে বাহিরে গিয়াছিলেন, আসিয়া দেখিলেন, ছেলে মেয়ে গুলি ছাতের নীচে চাপা পড়িয়া সকলেই মরিয়া পিয়াছে। ওস্তাদ্ ছাহেব যাইয়া হজরৎকে সংবাদ দিলেন, আয়ে হজরৎ, আপনার ছেলে মেয়ে সমস্ত মক্তব্ মধ্যে ছাৎ পড়িয়া যাওয়ার দক্ত্প, চাপা পড়িয়া মরিয়া পিয়াছে। হজবৎ বলিলেন, সকলে শহিদ হইয়াছে। ক্রমশ: ফর্জন্দ ইত্যাদি মাল-মাতা, ঘর-সংসার সমস্ত গেল, কোন বস্তু বাকি রহিল না। হজবৃত ফর্জন্দের গমি হইতে ছবর করিতেন, এবং বিবিকে বুঝাইতেন ও বলিতেন, কোশাদ্গীর কুঞ্জি ছবর হইতেছে। পুনশ্চ এক সপ্তাহ

পরে যে সময় নামাঞ্চ পড়িতেছিলেন, পায়েতে ফুফুলা পড়িল, এবং জ্বখন হইল। এইাতাক যে, সমস্ত শরীরের গোস্ত পচিয়া তাহাতে কিড়া পয়দা হইয়া গেল। এত কষ্ট হওয়া স্বত্বেও আল্লাহ্তাআলার এবাদৎ-বন্দেগী করিতে কাহিলি করিতেন না; বরং আরও অধিক পরিমাণে এবাদৎ-বন্দেগী করিতেন। এক স্থানেই পড়িয়া থাকিতেন, বসা উঠা করিবার, এবং নড়িবার চড়িবার ক্ষমতা ছিল না। এই প্রকার চারি বৎসর শধ্যাগত বেমার থাকিলেন, এইাতক যে চক্ষে কিড়া পড়িয়া গিয়াছিল। আত্মীয়-স্বজন, এগানা-বেগানা এবং মহা**রা**র সমস্ত লোক তাঁহাকে নাফ্রৎ করিতে লাগিল। সকলের সঙ্গে বেস্তা চুটীয়া গেল। চারিজন বিবি ও চলিয়া গেলেন। এক মাত্র বিবি রহিমা রাজি আলাহ্ভাআলা আন্হা নেক্বক্ত ছিলেন, তিনি একা হব্দরভের থেদ্মতে রহিয়া গেলেন, এবং বলিলেন, আম্নে হঞ্রৎ যেমন আপনার ছেহেৎ ও তন্দরন্তির সময়ে দৌলৎ নেরামৎ ধাইতে পরিতে শরিক ছিলাম, এথন এই মছিবতের অবস্থায়ও আপনার শরিক থাকিব। আপনার খেদ্মৎ করিব, এবং রঞ্জ ও মছিবৎ উঠাইব। দোনো জাহানে ইহাই আমার নাজাতের ওছিলা হইতেছে—যদি আলাহ্তাআলা মর্জি করেন। আল্লাহমা ছালিয়াণা ছৈয়েদেনা মোহামদ্।

আহা, এই ভাবেতে সাত বৎসর গুঞারিয়া গেল। হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে যে, হজরৎ হৈয়েদেনা আইউব্ আলায়হেছোলাম, আঠার বৎসর বেমার মধ্যে মব্তেলা ছিলেন। তাঁহার সমস্ত শরীরে পোকা পড়িয়া গিয়াছিল, বদ্গন্ধের সমহাল্লার লোক সকল তাঁহাকে নাক্রৎ করিত, এবং বলিত যে, তাঁহার বদব্ জন্ম আমরা মহাল্লাতে থাকিতে পারি না। আলাহ্-তাআলা না করেন, আমরা ভয় করি, যদি উহার বেমারি আমাদিগের উপর আছোর করে, তবে আমরা মরিয়া যাইব। এই জন্ম লোক সকল

হজরৎকে ঐ প্রামে থাকিতে দিল না, এবং আত্মীয়-শ্বন্ধন, থেশ্-আকারব্ কেইই জিজাদা করিল না—ও তত্ত্ব বার্তা লইল না। কেবল মাত্র হজরতের থেদ্মতে এক বিবি রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা, এবং তুই জনা লাগ্রেদ রহিয়া গেলেন। হজরৎকে এক টাট্ মধ্যে লেপ্টীয়া এক প্রাম হইতে অন্ত গ্রামে লইয়া গেলেন। আহা, হজরৎ কাঁদিতেছিলেন, আর বলিতেছিলেন, ইয়া এলাহি, আমার ছরদারি কোথায় গেল, জন্ ও ফর্জনদ, প্রিয় পরিজন কোথায় গেল, আজ তুমি ভিন্ন আমার কেহ নাই।

আমে বেরাদার, মৃত্যু সময়ে ইহা হইতে 🔳 তোমার জেয়াদা ছর্দশা হইবে। তোমার স্ত্রী-পরিবার, বেটা-বেটী, তালুক-মূলুক সমস্ত পড়িয়া ধাকিবে; ভুনি একেলা কবর মধ্যে যাইবে। আজ ভুনি হুনিরাকে তরক কর, এবং কবরের তোষা প্রস্তুত করিতে রত হও। আহা, হজরৎ কাঁদিতেছিলেন আর বলিতেছিলেন—ইয়া এলাহি, আমার ছরদারি কেথায় গেল, জন্ও ফর্জনদ প্রিয়-পরিজন কোথার পেল, আজ তুমি ভিন্ন আমার কেহ নাই। আয়ে আমার মালেক ও রহম কর্নেওয়ালা, আমার শরীরের বেমারের জগু লোক সকল আমাকে গ্রাম হইতে দুর করিয়া দিতেছে। পুনশ্চ এখান হইতে তৃতীয় গ্রামেতে লইয়া গিয়া রাখিল, সেথানকার বস্তির লোকেরা ও নাফ্রং করিয়া তাঁহাকে বস্তি হইতে বাহির করিয়া দিল। নকল আছে যে, হজরংকে ক্রমান্তরে সাত গ্রাম হইতে বাহির করিয়া দিয়াছিল। অবশেষে ঐ ছই শাগ্রেদ লাচার হইয়া, হজবংকে এক ময়দান মধ্যে ছায়ার তলে লইয়া শোওয়াইয়া রাখিল: কিন্তু কএক দিন পরে ঐ শাতোদ দ্বয় ও চলিয়া গেল। কেবল মাত্র এক বিবি হজরৎ রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা হজরতের খেদ্মতে থাকিলেন। কথিত আছে যে, হজরৎ রহিমা রাজি আলাহ তাআলা আন্হা, প্রত্যেক দিন হক্তরৎকে ঐ সয়দান মধ্যে একেলা রাখিয়া,

মহাল্লাতে যাইয়া মেহনৎ ও মশকৎ করিয়া আদিয়া, হজরৎকে খাওয়াই-তেন, এবং দস্তবস্তা হজরতের খেদ্মতে **হাজের থাকিতেন।** এক দিনের জিকির আছে যে, আপন আদৎ মত আমা রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা গ্রামেতে পিয়াছিলেন যে, তঃখ মেহনৎ করিয়া কিছু আনিয়া হজরৎকে থাওয়াইবেন। ঐ দিন তাঁহাকে কেহ কোন কার্য্য করিতে ডাকিল না। অন্ধেষে সন্ধার সময় হয়রান-পেরেশান ও নিরূপায় হইয়া আপন দেল মধ্যে বলিতে লাগিলেন, আৰু আমি থালি হাতে কেমন করিয়া শওহরের নজ্দিকে যাইব; এবং উহাকে কি থাওয়াইব, আয়ে আলাহ্তাআলা, আজ আমাকে কোন স্থান হইতে কিছু দাও। ইহা বিলিয়া এক কাফেরা আওরতের নজ্দিক্ গেলেন, এবং ছওয়াল করিলেন, আয়ে বিবি, আজ আমার খানা পাকাইবার কিছুই নাই, তুমি আজ আমাকে কিছু দিয়া দাহায্য কর, আমার শওহর বেমার আছেন, তাঁহাকে যাইয়া পাওয়াইব। উহার জন্ত যে মজগুরি হুইবে, কাল আমি আসিয়া আদায় করিব। ঐ কাফেরা আওরৎ বলিল, কাল আমার কোন কাজ নাই, কিন্তু ভোমার মাথার চুল আমাকে বহুত পছন্দ হইতেছে, কিছু কাটিয়া আমাকে দিয়া যাও, তাহা হইলে তোমাকে খাইবার জ্ঞা কিছু দিব। আশা রহিমা রাজি আলাহ্ ভাআলা আন্হা ইহা শুনিয়া কাঁদিতে লাগিলেন, এবং আজিজির সঙ্গে বলিতে লাগিলেন, আয়ে বিবি, এ বিষয়ে . আমাকে মাফ কর, আমার শওহর বেমার আছেন, তাঁহার উঠিবার ক্ষমতা নাই, আশার বদলে আমার চুলগুলি ধরিয়া নামাজের জন্ম উঠা বদা করিয়া থাকেন। অবশেষে অনেক বুঝাইলেন, ঐ কাফেরা বিবি কিছুতেই শুনিল না, তথন লাচার হইয়া আমা রহিমা রাজি আলাহুতাআলা আন্হা আপন মাথার চুল, ঐ কাফেরা বিবিকে কাটিয়া দিয়া, আপন শওহরের জন্ম কিছু থানা লইয়া আদিলেন। ইহার মধ্যে শ্রতান মহ্দ এক পীর

মর্দের ছুরতে হজরং ছৈয়েদেনা আইউব্ আলায়হেচ্ছালাম ছাহেব নিকট
বাইয়া বলিল, তোমার বিবিকে কলানা আওরং চুরি ■ বদ্কারি মধ্যে
ধরিয়া তাহার চুল কাটিয়া দিয়াছে। হজরৎ ইহা শুনিয়া নিহাস্ত গমগীন
■ পেরেশান হইলেন এবং কাঁদিলেন। কথিত আছে, হজরং আইউব্
আলায়হেচ্ছালাম বিবির বদ্নামের কথা শয়তান মহ্দের মুথে শুনিয়া
বেমন কাঁদিয়াছিলেন, আঠার বৎসর বেমারির মধ্যে এমন্ আরু কথনও
কাঁদেন নাই, এবং কছম করিয়া অঙ্গীকার করিলেন যে, আমি যদি এই
বেমার হইতে আরাম পাই, তবে বিবি রহিমা (রাজি আয়াহ্তাআলা
আন্হা) কে এক শত দোর্রা মারিব।

হজরৎ ছৈরেদেনা আইউব্ আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের কেচ্ছা বছৎ বড় হইতেছে। এই কেতাবে হজরতের সম্পূর্ণ কেচ্ছা বর্ণনা করা আমার মক্ছুদ্ নহে; বরং এই নকল হইতে আমার উদ্দেশ্ত ইহা হইতেছে বে, আলা রহিমা রাজি আলাহ তাআলা আন্হার কেচ্ছা, আমি এ জমানার বিবি ছাহেবানদিগের নজ্দিগ্ পেশ্ করিতেছি বে, তাঁহারা উনার নেক থাছলংকে এক্ডেরার করিয়া নিজ শওহরের খেদ্মত করিবেন, এবং দোনো জাহানের ছারাদাৎ হাছেল করিবেন। স্কুরাং আমি হজরৎ ছৈরেদেনা আইউব্ আলারহেচ্ছালম ছাহেবের কেচ্ছার দর্মিয়ান হইতে ছাড়িয়া দিয়া, শেষ ভাগ হইতে আরম্ভ করিতেছি।

যথন আল্লাহ্তাআলা হজরৎ ছৈয়েদেনা আইউব্ আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের বালাকে দূর করিলেন, এবং বেমার হইতে শাফা দিলেন, আলাহ্তাআলার ছকুমে হজরৎ জিব্রাইল আলারহেচ্ছালাম আসিয়া বলিলেন, আয়ে আইউব্ আলারহেচ্ছালাম, আল্লাহ্তাআলার ছকুমে উঠ, আলাহ্তাআলা তোমার প্রতি রহম করিয়াছেন, এবং গম্ হইতে তোমাকে নাজাৎ দিয়াছেন। হজরৎ ছৈয়েদেনা আইউব্ আলারহেচ্ছালাম বলিলেন,

আয়ে জিব্ৰাইণ আলায়হেচ্ছালাম, এ অবস্থায় আমি কেমন করিয়া উঠিব, আমার শরীরে কিছুমাত্র শক্তি সামর্থ্য নাই। হজরৎ জিব্রাইল আলায়-হেচ্ছালাম বলিলেন, পাও জমিনের উপর মারো। তথন হজরৎ হৈরেদেনা আইউব্ আলায়হেচ্ছালাম জমিনের উপর পাও বারা এক লাখী মারিলেন; ঐ স্থান হইতে এক চশ্মা জারি হইল। হজরং জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম বলিলেন, ইহাতে গোছল কর, এবং ইহার পানি খাও, আল্লাহ্তাআর ফজল 🖿 করম হইতে আরাম পাইবে। তথন হ**ল**রৎ ঐ চশ্মা হইতে গোছল করিলেন, এবং পানি থাইলেন। অতঃপর আল্লাহ্তাআলার ফজলে বেমার হইতে আরাম পাইলেন, এবং তদ্রস্ত হইলেন। তাঁহার শরীর পূর্ণিমার চাঁদের মত সৌন্দর্য্য লাভ করিল। হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম বেহেশ্ত হইতে এক চাদর আনিয়। তাঁহার পরীরে পরাইয়া দিলেন। ইহার পর হজরৎ ষাইয়া নিকটবন্ত্রী এক পুলের উপর বসিলেন। আশা রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা শওহরের জশু হঃশ শেহনৎ করিয়া থাইবার সামগ্রী আনিবার জন্য গ্রামে গিয়াছিলেন, কিছুক্ষণ পরে থাইবার সামগ্রী সহ আসিয়া উপস্থিত হইলেন। আমা রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা হজরথকে যে স্থানে রাখিয়া গিয়া**ছিলেন, আদিয়া দে** স্থানে তাঁহাকে দেখিতে পাইলেন না, তথন কাঁদিয়া বলিতে লাগিলেন—হায়, হাজার আফ্ছোছ্ আমার বেমার শওংরের উপরে। আমি যদি জানিতে পারিতাম যে, আপনাকে আসিয়া আর দেধিতে পাইব না, তাহা হইলে কখনও আমি আৰু আপনার নিকট হইতে যাইতাম না। আপনি কোথায় গেলেন ? আপনাকে কি বাবে লইয়া গেল ? হায়, আমি যদি আপনার নিকট রহিতাম, তাহা হইলে আপনার সঙ্গে জান দিতাম, এবং এই বালা হইতে, এবং আপনার জুদাই হইতে থালাস পাইতাম। হায়, আমি যদি আপনার একথানা হাডিড ও

পাইতাম, ভাহা হইলে আমি তাহা তাবি<del>ষ</del> করিয়া গলায় রাখিতাম, উহা আমার পক্ষে আপনার ইয়াদগারি থাকিত। এখন আমি কোথার ষাই, কাহাকে জিজ্ঞাসা করি, কোন উপায় দেখি না। এই প্রকারে ম্য়দানের চারি দিকে আফ্ছোছ্করিয়া কাঁদিয়া কাঁদিয়া তালাস্ করিয়া বেড়াইতে লাগিলেন। হজরং ছৈয়েদেনা আইউব্ আলায়হেচ্ছালাম তাঁহার এইরপ কাঁদাকাটি ভানিয়া আজন্বি হইয়া জিভাষা করিলেন, আরে বিবি তুমি কেন কাঁদিতেছ ? কি বস্ত তোমার হারাইয়াছে ? বিবি রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা উত্তর করিলেন, এথানে এক ব্যক্তি বেমার ছিলেন, আমি তাঁহাকে তালাস করিতেছি। তুমি বদি তাঁহার বিষয় জান, তবে আমাকে বলিয়া দাও। হজরৎ বলিলেন, তাহার নাম কি ছিল, এবং ছুরত ও শকল কি রক্ম ছিল? বিবি উত্তর করিলেন, যথন তিনি তন্দরস্ত ছিলেন, তথন তাঁহার আপনার মত শকল ও ছুরত ছিল, এবং তাঁহার নাম হঞ্জবৎ ছৈয়েদেনা আইউব্ আলায়-হেচ্ছালাম ছিল, এবং তিনি আলাহ্তাআলার পরগ্রর ছিলেন; এবং তাঁহার এমন অবস্থা ছিল যে, সমস্ত শরীরের গোস্ত পচিয়া গিয়াছিল, এবং গোস্ত পোস্ত ও রগ্মধ্যে কীড়া পড়িয়া গিয়াছিল, এবং তিনি নিতাস্ত কমজোর হইয়া গিয়াছিলেন, এক তর্ফ হইতে অন্ত তর্ফ ফিরিবার ক্ষমতা ছিল না। হজরৎ বলিলেন, আমার নাম আইউব্ আলায়হেচ্ছালাম, তুমি আমাকে চিনিতে পার ? পছ, বিবি রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা অল্লেভেই চিনিভে পারিলেন। তাঁহার ছুরৎ ও শকল বদল হইরা পিয়াছিল। প্ছ, বিবি রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হা জল্দি আসিয়া তাঁহাকে কোলে তুলিয়া লইলেন, এবং খুশিতে বাগ্ বাগ্ হইয়া জিজ্ঞাসা করিলেন, আয়ে হজরৎ, আপনি কেমন করিয়া আরাম পাইলেন ? তথন হজরৎ আপনার অবস্থার বিষয় বয়ান করিলেন,

এবং যে পানির চশ্মা এস্থেমাল করিয়া আরাম পাইয়াছেন, তাহা দেখাইলেন। বিবি রহিমা রাজি আলাহ্ তাআলা আন্হা উহা দেখিয়া আলাহ্-তাব্দালার দরগায় শোকর করিলেন, এবং পরে উভয়ে মিলিয়া আপন মোকানের তর্ফ চলিয়া গেলেন। আলাহ্তাআলা আপন ফলল ও কর্ম হইতে, যে বেটা বেটী ভাঁহাদের, ছাতের তলে চাপা পড়িয়া মারা গিয়াছিল, সকলকে জেন্দা করিয়া দিলেন; এবং যে সমস্ত চিজ বস্তু নষ্ট চুইয়াছিল, সমস্ত বস্তু পুনশ্চ এনায়েৎ করিলেন। আরো পূর্বাণেকা হুই গুনা মাল ও আলওলাদ আপন ফলল হইতে এনায়েৎ করিলেন। তদপর তিনি আপন কওমকে হেদায়েৎ করিতে লাগিলেন, এবং শরিয়ৎ শিখাইতে প্রবৃত্ত থাকিলেন। বেমারি অবস্থায় যে কছম করিয়াছিলেন যে, যথন আমি আরাম হইব, বিবি রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হাকে একণত লাক্ডি মারিব, ইচ্ছা করিলেন বে সে কছম পুরা করিবেন। কিন্ত হজরৎ জিত্রাইল আলারহেচ্ছালাম, আলাহুতাআলার হকুমে আসিয়া মানা করিলেন এবং বলিলেন, আয়ে আইউব আলায়-হেচ্ছালাম, বিৰি রহিমা শান্তি পাইবার কাবেল নহে, উহাকে 💴 দিও না। বেমার অবস্থার ভোমার সকল আওরৎ ছুটিয়া গিয়াছিল, কেবল মাত্র উনি তোমার খেদমৎ করিতেন, উহাকে জানের রফিক জানিবে, এবং পেয়ার করিবে। হজরৎ উনাকে বলিলেন, আমি কছম করিয়াছিলাম যে বিবিকে একশত লাক্ড়ি মারিব; হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম বলিলেন, একশত গলূমের শিশ্ একতা করিয়া এক মুঠা বানাও, এবং তাহার দারা একবার মারো, তাহা হইলে তোমার এক শত লাক্ড়ি মারা হইবে। তাহা হইলে তুমি আপন কছমে গোনাহ্রার হইবে না। হত্বৎ তাহাই করিলেন; কছমেতে গোনাহ্গার হইলেন না।

( তদকিরাতল আমিয়া হইতে লিখিক)

আকৃছের এ জ্বমানার বিবি সকল শওহরের থেরমৎ করা দ্রে থাকুক, অনেক সময় ভাহারা তাহাদের শওহরের সহিত অস্বাবহার করিয়া থাকে, স্তরাং আমি এ জ্বমানার বিবিদিগকে বলিতেছি যে, তোমরা আসা রহিমা রাজি আলাহ্তাআলা আন্হার মত নেক থাছলৎ এক্তেয়ার করিয়া, নিজ শওহরকে স্থী করিবে। তাহার স্থে স্থী, হৃংথে হৃংথী হইবে। জান ও দেল দিয়া আপন শওহরের থেদ্মৎ করিয়া, এবং আলাহ্তাআলার এবাদত-বন্দিগী করিয়া দোনো জাহানে আলাহ্তাআলার রহ্মতের মন্তাহাক্ হইবে। আলাহ্মা ছালিয়ালা হৈয়েদেনা মোহামান্ ওয়া আলা আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া বারিক ওয়া ছালেম্।

## বেপদা ও জেনার বুরাই

আরে বেরাদর, বিনিদিগকে পর্দার থাকা ফরক হইভেছে। স্তরাং শওহরকে লাজেন হইভেছে যে, আগন বিবিকে পর্দা মধ্যে রাথে, এবং বিবিকে লাজেন হইভেছে যে, আগন শওহরের তকুম মত চলে, এবং আগন শরীরকে, অর্থাৎ ছত্র আওরংকে পর পুরুষ হইতে ছিপাইয়া রাথে, আওরংদিগের মুথ, হাথ লি এবং কদম্—ইহা ভিন্ন সমস্ত শরীরই ছত্র আওরং হইভেছে। আল্লাজন্মা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

তফ্ছির কাদেরিয়া মধ্যে আসিয়াছে, হজরৎ ছাল্বি (রা) লিথিয়াছেন যে, আন্ছারিয়া এক বিবি হজরৎ নবিকরিম ছালালাই আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের থেদ্মৎ শরিফে উপস্থিত হইয়া, এই কথা আরোজ করিলেন যে, আমি আমার বাড়ীতে এমন অবস্থায় থাকি যে, আমি ইছো করি না, ঐ অবস্থায় আমাকে কেহ দেখে, এবং আমার লোকদিগের মধ্য হইতে, কেহ না কেহ, আচানক্ আমার বাড়ীতে চলিয়া আইনে, এবং যে অবস্থায় আমাকে দেখা উচিত নহে, ঐ অবস্থায় দেখিতে পায়। তথন আল্লাহ্তাআলা এই ছকুম পাঠাইলেন, ষাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে:—"আয়ে ইমানদার ব্যক্তিগণ, নিজের বাড়ী ভিন্ন কাহারও বাড়ীতে যাইও না—যে পর্যস্ত না এজাজৎ লও, এবং ছালাম কর ঐ বাড়ীর লোকদিগের উপর, ইছা বেহ্তর হইতেছে তোমার জ্যু শারেদ তুমি শারণ রাখ।" অর্থাৎ ঐ ছালাম করা, এবং এজেন চাওয়া, তোমার আ বিনা এজাজতে প্রবেশ করা হইতে বেহ্তর হইতেছে। অস্থায় বুল্লগানে দিন বলিয়াছেন, যে কেহ আপন বেটী, বিবি ইত্যাদি পরিবারদিগের মধ্যে আসিবে, তাহাকেও উচিত হইতেছে যে, কোন প্রকার আওয়াজ করিয়া, কিছা কথা বলিয়া, কিছা গ্লায় খাংকার দিয়া বাড়ীর লোকদিগকে জানাইয়া আসিবে, যেন তাহারা ছতর আওরৎ করিয়া লইতে পারে, এবং বুরা বিষয় দূর করিতে পারে। (কোরান—ছুরা নূর ও তফছির) আল্লাছন্ম। ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা ওয়া মৌলানা মোহাম্মদ্।

হলবং আবৃদাউদ্ (রা) জিকির করিয়াছেন যে, বিবি আরেশা (রা)
নকল করিয়াছেন যে, হলবং আবৃবকর (রা) ছাহেবের বেটী আছ্মা
আদিলেন নবিকরিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি
ওয়া ছালাম নিকট, এবং তাঁহার বদনের উপর, পাংলা কাপড় ছিল।
মুঙরাং তাঁহার তরফ হইতে মুখ ফিরাইয়া লইলেন হলবং নবি করিম
ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম, এবং
বলিলেন, আরে আছমা, যখন আওরং জওয়ানীতে পৌছে, তখন তাহাকে
হরগেজ মোনাছেব নহে যে, দেখায় তাহার বদন ছোওয়ায়ে তাহার, এবং
এশারা করিলেন হলবং নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া
আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম আপন চেহ্রা এবং হার্থলির তরফ; অর্থাৎ এমন
পাংলা কাপড় ধাহা দারা শরীর মালুম হয়, পরিধান করা ছরস্ত নহে ॥ এবং

আওরতের শরীরের কোন অংশ খোলা রাখা চাই না। কিন্তু চেহ্রা এবং হাতের গাট্টা তক্ খোলা থাকিতে পারে; এবং যে সমস্ত কাপড় পরিলে শরীর নক্ষরে আইসে, এমন কাপড় পরিধান করা হরন্ত নহে; এবং কাপড় পরিলে যে আওরতের বদন নক্ষরে আইসে, এমন আওরং যেন নেটো হইতেছে ইহাতে কোন সন্দেহ নাই। বিবিগণ সর্বপ্রকার মিহিন্ শাড়ি, ও উল্লে বাহার শাড়ি ইত্যাদি অবশ্র অবশ্র বর্জন করিবেন।

হজারৎ এমাম মালেক (র) জিকির করিয়াছেন বে, অল্কমা এব্নে আবি অল্কমা আপন মারের নিকট শুনিয়া নকল করিয়াছেন বে, আব্দুর রহ্মান (রা) ছাহেবের বেটা বিবি হাফ্জা পাৎলা উড়নি উড়িয়া বিবি আরেশা (রা) ছাহেবার নিকট আসিলেন। পছ্, ফাড়িয়া ফেলিলেন বিবি আয়েশা (রা) ঐ উড়নি, এবং পরাইলেন তাঁহাকে মোটা উড়নি।

এই হাদিছ হইতে জানা যাইতেছে বে, আওরৎকে আওরতের মজ্লিসে ও পাংলা কাপড় পরিধান করিয়া যাওয়া ছরন্ত নহে। স্কুতরাং দেওর, ভাশুর, শওহরের ভাতিজা, ভাগিনা ইত্যাদি দিগের সন্মুখে পাংলা কাপড় পরিয়া যাওয়া হরগেজ্ ছরন্ত নহে। আমাদিগের এ দেশে আওরং দিগের মধ্যে এই বদ্চলন্ প্রচলিত আছে বে, আওরং সকল জওয়ান জওয়ান দেওর, ভাশুর, ভাগিনা, ভাতিজা ইত্যাদি মরদ হইতে পদ্দা করে না, তাহাদিগের সন্মুখে হাতের কর্মই তক্, এবং পেটের কতক অংশ, এবং পীঠের কতক অংশ, মাথার কতক অংশ, পেন্তানের কতক অংশ খুলিয়া বেধড়ক্ বেড়াইয়া বেড়ায়, ইহা মহজ হারাম হইতেছে। রেলে জাহাজে যাইতে হইলে, জুতা, মুদ্রা ও খুব্ মোটা কাপড়ের বোর্কার ছারা শরীর আরত করিয়া যাইবেন, তাহাও ময়লা হওয়া চাই, যে তাহার উপর কাহার ■ চক্লু না পড়ে।

হজবং নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্ম্মাইয়াছেন—যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে যে, তিন

ব্যক্তির উপর আলাহ্তালালা বেহেশ্তকে হারাম করিয়াছেন; এক ঐ যাজি বে হামেশা শরাব পান করে, দ্বিতীয় পিতা মাতার নাফর্মানি করে, এবং সৃতীয় দাইউছ — যে আপন আহেল্ ও আয়েল্ মধ্যে নাপাকিকে রওয়া রাধে। ইহা হজরৎ আহ্মদ্ ও নেছাই (আল্লাহ্ডাআলার রহ্মৎ উনাদিগের উপরে হউক ) নকল করিয়াছেন। আহেল্ও আংদ্রেল্মধ্যে— অর্থাৎ আপন বিবি কিহা কেওণ্ডি, কিহা কারাবৎদার দিগের হক্ষেতে নাপাকিকে রওয়া রাথে, অর্থাৎ জেনাকে, কিন্তা মকন্ধামাৎ জেনাকে, অর্থাৎ বে সকল কার্য্য দারা জেনা হইবার সম্ভাবনা, ষথা- বেপদা, বেগানার বাড়ীতে যাতায়াৎ করা, কিম্বা ভিন্ন পুরুষ, ভিন্ন স্ত্রীর হাতে ধরা, কিম্বা কোলে করা, কিম্বা বোছা দেওয়া ইত্যাদিকে রওয়া রাখে; এবং ইহারই ছকুম মধ্যে তামাম গোনাত্ হইতেছে, যেমন শরাব পান করা, জোনাবতের গোছল ইত্যাদিকে তরক করা। উদাহরণ স্বরূপ বলিতেছি, যদি বিবিকে শরাব পান করিতে দেখে, এবং জোনাবতের গোছল তরক করিতে দেখে, এবং মানা না করে, তাহা হইলে ঐ ব্যক্তি ও দাইউছের মধ্যে গণ্য। কারণ তরেবি (র) বলিয়াছেন যে, দাইউছ ঐ ব্যক্তি হইতেছে, যে আপন আহেল্ মধ্যে বুরা চি**জ** দেখে, এবং তাহাদিগের উপর গররাৎ না করে, অর্থাৎ শাসন জন্ম তাম্বি করে না৷ ইহা হজরৎ মোলা আলি কারি (র) মের্কাৎ মধ্যে শিথিরাছেন। স্বতরাং ইহা হইতে মালুম হইল যে, আপন পরিবারদিগকে সমস্ত বেহারীর কার্য্য, এবং সমস্ত গোনাহের কার্য্য হইতে মানা করা উচিত। স্থতরাং যে ব্যক্তি আপন পরিবাহদিগের মধ্যে জেনাকারী ইত্যাদিকে রওয়া রাখে, সে ব্যক্তি যে দাইউছ, তাহা জাহেরান্ জানা যাইতেছে; এবং যে ব্যক্তি আপন পরিবারদিগের জন্ম বেপর্দগী এবং আজ্নরি পুরুষদিগের সহিত মিলে জুলে থাকা, দেখা গুনা করা, দোস্তি-মহববৎ রাখা, তাহাদিগের সঙ্গে কথা বার্তা বলা, এই সকল বুঝা কার্যাকে রওয়া রাখে, ঐ ব্যক্তিগণ 🔳 र ककारकार स्वयंक्यकार शहरकारी स्वयंक्यकार स्वयंक्यकार स्वयंक्यकार स्वयंक्यकार

আরে বেরাদর, বাকালা দেশ মধ্যে অনেকগুলি জেলা আছে, তমধ্যে খাছ্ করিয়া যশোহর, ফরিদপুর, পাব্না, ■ নদীয়া, খুল্না জেলা সমূহে হিন্দু ও মোছল্মান জাতি প্রায়শঃ এক পল্লিতে বসবাস করে। এই জেলাভালির ভিতর দিয়া করেকটি ছোট বড় নদী প্রবাহিত আছে। এই সমস্ত নদী গুলির উভয় পারে হিন্দু ও মোছল্মান জাতির বসতি। হিন্দুগণ তাহাদিগের পূজার পর, পূজিত মৃত্তিকা প্রতিমা সকল, নদীর মধ্যে বিসর্জন করিতে লইয়া যায়। বেরূপে নদীতে ডুবাইতে লইয়া যায়, তাহার সংক্ষিপ্ত বিবরণ এই, :-- ইইথানা নৌকা একত্র জোড়া করিয়া মাড়ের মত বাঁধে, তাহার উপর তাহাদিগের মৃদ্ধিকা প্রতিমা শকল উঠায়, এবং ঐ নৌকাতে কতকগুলি হিন্দু নানাবিধ বাজ্না সহ উঠিয়া নৌকা নদীতে ভাসাইয়া দেয়, পরে সকলে মিলিয়া গান বাজুনা আরম্ভ করে। এই জোড় নৌকার পাছের দিকে গুইজন লোক, এবং আগের দিকে গুইজন লোক, নৌকা বাহিয়া গ্রামের ঘাটে ঘাটে নদীর কিনারা দিয়া লইরা বেড়ার। যথন **মোছণ্**মান-দিগের ঘাটের নিকটবন্তী হয়, তথন কতক নামের মোছল্মানদিগের বালিকা, যুবতী, বুড়ী স্ত্ৰী লোকেরাও ঐ নৌকান্থিত মৃত্তিকা প্রতিমা সকল ছানোরার ছিঙ্গার করিয়া দেখিতে আইদে। তাহারা নৌকায় বোত সকল দেখিতে আগিয়া থাকে। নৌকান্থিত বোত পরস্ত সকল, কেহ বসিয়া, কেহ দাড়াইয়া গান করে ও তাহাদিগকে দেখে। ধে সকল নামের মোছল্মানগণ এইরূপে তাহাদিপের বিবি, বেটী, বহিন ইত্যাদি দিপকে ছানোয়ার ছিন্সার করিয়া, গয়ের মরদের সক্ষথে যাইয়া বোত দেখিতে এজাজৎ দেয়, উহারা দাইউছ্ হইতেছে৷ আকৃছের ঐ সকল বিবিগণ বোৎ দেখিয়া সম্ভষ্ট হয়, এবং বোতের তারিফ করে, ইহাতে তাহারা মোশ্রেক হইয়া যায়, এবং তাহা-দিগের নেকাহ্ টুটিয়া যায়। কারণ হিন্দুর বোতের তারিফ করিবার দরুণ; ঐ বিবিগণ দিন এছলান হইতে থারেজ হইয়া যায়, তাহাদিগের শওহর অন্তত্ত থাকে মোছলমান। আলাহুখা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাখদ।

আহা, কি পরিতাপের বিষয়, কতক নামের মোছল্যান হিন্দুদিগের পর্কে কালী পূজায়, বারোয়ারি পূজায় রাশ যাত্রায়, স্থান যাত্রায়, শ্রীপঞ্মী স্বরস্তী পৃকার, পুণাহের পূজা ইত্যাদিতেতাহাদিগের খরিদা পাঠা দ্বারা, টাকা প্রশা দ্বারা, শারিরীক পরিশ্রমের দ্বারা, দধি মৎশু দ্বারা, তদ্ অভাবে তাহাদিগের টাকা পরশার হারা মদদগারি করে, ইহাতে তাহারা মোশ্রেক হইরা যায়, ও তাহাদিগের নেকাহ টুটিয়া যায়। যদি কোন মোছল্মান এইরূপ শেরেক করত বেভৌবা মরিয়া যায়, তবে সে হামেশা হামেশা দোজধে পাকিবে, বেহেন্ড তাহার জন্ত হারাম হইতেছে। আলাহ্তালার কোরাণ মঞ্জিদ ফোর্কাণে হামিদ শুষ্টাক্ষরে তাহা ধোষণা করিতেছে। আবার কতক নামের মোছল্মান তাহাদিগের ভাল কাপড় পরিরা হিন্দুর পুজার আমোদে ও আহলাদে যোগদান করে, হিন্দু পর্কের রওনক বৃদ্ধি করে, হিন্দুদিগের বোত দেখিয়া আনন্দ প্রকাশ করে, বোতের তারিফ করে, ঐক্লপ পর্ব দিনে তাহারা এত আনন্দে উৎফুল হয় যে, তাহাদিগের খোড়া, গরু লইয়া দৌড়াদৌড়ি করিয়া বেড়ায়, এবং তাহাদিগের নৌক। লইয়া বাইছ থেলিয়া থাকে। এই সমস্ত নাজায়েজ কাজ করিবার জন্ত তাহারা মোশ্রেক্ বনিয়া যায়, এবং তাহাদিগের বিবিদিগের দঙ্গে তাহাদিগের নেকাহ্ টুটিয়া যায়। কারণ তাহাদিগের বিবিগণ বাড়ীতে থাকে মোছল্মান। এই সমস্ত নামের মোছল্মান প্রকৃত পক্ষে আলাহ তাআলার নজদিক মোশ্রেক হইতেছে। এই সমস্ত মোশ্রেক এবং তাহাদিগের বিবিগণ একতা খর সংসার করিতে থাকে। ইহাদিগের মিলনে পর্দা হয় বেটা শক্ত হারামকাদা, বেটা শক্ত হারাম জাদী। ইহাদিগের খাছ্লতে সচরাচর এই গুলি প্রকাশ পায়:— মিথ্যা কছম করে, এবং বেদিনের সঙ্গে মিলিত হইয়া দিন এছলামের ক্ষতির চেষ্টা দেখে। দিনদার মোছল্মানদিগের গিবৎ ও চুগ্লী করিয়া বেড়ায়, এবং তাহাদিগের হায়া ও শরম থাকে না, পর্দার মধ্যে থাকা তাহারা পছন্দ

করে না। আয়ে পাঠক, দাইউছ্ এবং এই প্রকার ছেফৎ বিশিষ্ঠ লোক হইতে বহু দ্রে থাকিবে, এবং হরগেজ্ হরগেজ্ তাহাদিগের সঙ্গে দোভি-মহববৎ করিবে না। কারণ প্রকৃতপক্ষে এই প্রকার ছেফৎ বিশিষ্ঠ লোক মোশ্রেক হইতেছে; এবং মোশ্রেকগণ দোজধের মধ্যে হামেশা কঠিন আজাব ভোগ করিবে। এবং দাইউছের জন্ত বেহেশ্ত্ হারাম হইতেছে।

আহে বেরাদর মুমিন, ভুমি কদাচ হিন্দু পর্কো, হিন্দু পর্কোর রওনক বৃদ্ধি করিতে, তাহাতে যোগদান করিও না। বদি কর, তোমার দিন ও ইমান ষাইবে। ভূমি ঐ দিন বছতই এবাদৎ-এলাহিতে মশগুল থাকিবে, এবং আল্লাহ্তাআলার গুহাদ্নিয়াতের উপর গান্ত্রাহি দিবে, জ্বানে বলিবে, 🦠 "লাএলাহা এলালাহ ওয়াহ্দত লা শরিকালাত লাতল্ মুক্ ওয়া লাতল্ হাম্ত্ ওয়া হুয়া আলা কুল্লে শায়িন্ কাদির।" এই জিকিরের হারা ছনিয়ার উপর চায়েন করিবে, এবং আপন দোন্তদিগের সহিত একতা মিলিত হইয়া কোন জেকেরের মজ্লিস্ করিয়া বসিবে, এবং সকলে মিলিয়া এই জেকের বোলন্দ আওয়াজে করিবে; এবং নিয়ত করিবে যে, আয় আলাহ্তাআলা, আমি হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম আলায়হেচ্ছালামের মত, শেরেক কার্যা হইতে বেজার হইয়া, ভোমার তরফ দেলকে রুজু করিয়াছি, এবং ভোমার ওহাদ্নিয়াতের উপর গাওয়াহি দিতেছি; আমার গোনাহ্মাফ কর, এবং আমাকে আপন পেয়ারা মক্বুল বান্দাদিপের মধ্যে শুমার কর। ঈন্শা আলাহ্ আমি উমেদ রাখি, যদি ভূমি হিন্দু পর্বা দিনে, শেরেকের উপর বেন্ধার হইনা এইরূপ করিতে থাকিবে, তাহা হইলে আল্লাহ্তাআলা আপন রহ্মতে ভোমাকে আপন মক্বুলু বান্দাগণের মধ্যে শুমার করিবেন।

আমে বেরাদর, তুমি স্মরণ রাখিবে যে, "নাওয়াদেরল ফতওয়া" মধ্যে লিখিয়াছেন, যাহার ভাবার্থ ইহা হইতেছে:—যে কোন ব্যক্তি হিন্দুদিগের বেছমকে ভাল জানে, ঐ ব্যক্তি কাফের হয়।

হস্তবং নবি করিম ছাল্লালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছহাবিহি
ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, ধাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে:—আয়ে জালি
(রা), তিন ■ আছে তাহাতে দেরী করিও না। জানাজা যথন হাজের
হয়, তখন নামাজ জানাজা পড়িতে দেরী করিও না; এবং নামাজের ওয়াজ্য
যথন আইসে, তখন নামাজ পড়িতে দেরী করিও না; অর্থাৎ আওয়াল
ওয়াজে নামাজ পড়া আক্জেল হইতেছে, এবং বেওয়া আওয়ৎ, যথন
তাহার লায়েক কোন ব্যক্তিকে পাইবে, তখনই তাহার বিবাহ দিয়া দিবে।

আরে বেরাদর, মনোরম্য উন্থান মধ্যে গোলাপ বৃক্ষে, প্রস্ফুটিত গোলাপ বায়ু ভরে হেলিতে ছলিকে থাকে, দেখিতে কি স্থন্দর! যাহার চকু সেই গোশাপটীর উপর পড়ে, তাহারই অন্তঃকরণ বিমোহিত হয়, তাহারই তাহা হাতে করিয়া স্কুদ্রাণ লইতে বাসন। জন্মে। বিবিগণ প্রাফুটিত গোলাপ হইতে ও শত সহত্র গুণে পুরুষদিধের নিকট স্থানরী ও চিত্ত-বিমুগ্ধকারী। আমাদিগের এদেষে কতক জাহেল মোছল্মানদিগের আওরৎ সকল পদায় থাকা দুরে থাকুক, তাহারা পাৎলা ফিন্ফিনে কাপড় পরিয়া নদীর খাটে, এবং সর্ব সাধারণের পুকুরের ঘাটে গোছল ক্রিতে যাইতে 🔳 লজ্জা বোধ করে না। যথন ঐ আওরৎ সকল গোছল করিয়া পানি হইতে উপরে উঠে, তথন ঐ পাৎলা কাপড় ভিজিয়া ভাহাদিগের সমস্ত শরীরের রঙ্গ কাপড় ফুটিয়া বাহির হইতে থাকে। প্রস্তিতপক্ষে বিবিগণ সম্পূর্ণক্লপে উলঙ্গ ছইয়া পড়ে। ময়রার দোকানের স্থমিষ্ঠ মিঠাই দর্শকের থাইতে বাসনা জ্যো, কাঁহাকে উত্তম টক্ বস্তা থাইতে দেখিলে জিহ্বায় পানি আইসে, ইহা স্বভাবসিদ্ধ। ঐক্লপ বিবিদিগকে পর পুরুষপণ বদ্ নজরে দেখিয়া থাকে, ইহার প্রমাণ প্রয়োগের আবস্তকতা নাই। আয়ে বেরাদর, যদি তোমার হাম্ছায়াতে এমন কোন জাহেল্ মোছল্মান থাকে, যে ভাইার পরিবার দিগকে পর্দার রাথে না, তবে তাহাকে নছিহৎ করিবে, খেন সে বদবক্ত

দাইউছ্ না ছইয়া ধায়; এবং তাহার পরিবারিদিগের পদার স্বন্ধাবস্ত করে, কারণ বেপদা অশেষ দোষের আকর, ইহা হইতেই নানাবিধ ফেংনা ■ জেনার উৎপত্তি হয়। আল্লাহ্মা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামদ।

আলাহ্তাআলা কোরাণ শরিফ মধ্যে ফর্সাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এইরূপ হইতেছে: -- জেনার নজদিক হইও না, এবং উহার গের্দি, অর্থাৎ পার্মে বাইও না। তহ্কিক জেনা বেহারীর আমল হইতেছে, এবং আলাবের কারণ ও বদ্রাহ্ হইতেছে। আলাহ্মা ছাল্লিয়ালা মোহামান্।

আরে মোছলমান সকল, জেনা, হইতে ডরো, এবং পরহেজ্কর। কারণ বৃজ্গানে দিন বলিয়াছেন:— ইহাতে ছয় প্রকার খারাবি আছে। তিন ছনিয়া মধ্যে:—প্রথম, রেজেক ও রোজি রোজগার হইতে বর্কৎ চলিয়া বার; বিতীর মোউতের তাহার দর্শিয়ান এবং আলাহ্তাআলার রহ্মতের দর্শিয়ান পর্দা এবং হেজাব হইবে। তৃতীয়, মরিবার সময় জ্বানিয়া কেরেশ্তা এবং দোজখ্লে নিজের চক্ষে দেখিবে। এবং তিন আক্বতে:—প্রথম, আলাহ্তাআলা তাহার তরফ গজবের সহিত দেখিবেন। বিতীয়, তাহার হিসাব শক্ত হিসাব হইবে। তৃতীয়, জিঞ্জিরের বারা দোজধ্রে তরফ তাহাকে টানিয়া লইয়া বাইবে। আলাহ্না ছাল্লিয়ালা হৈয়েদনা মোহামান্।

মাতবর কেতাব মধ্যে আসিয়াছে, দোজপ মধ্যে দোজপী সকল, জেনা কর্নেওয়ালী আওরৎ, এবং জেনা কর্নেওয়ালা মরদের শর্মগাছের বদ্বতে বেজার হইয়া কাঁদিবে। আয়ে মোছলমান সকল, হারাম হইতে এবং জেনা হইতে পরহেজ কর। কারণ ইহাতে ছয় প্রকার খারাবি আছে। ছনিয়া মধ্যে তিন হইতেছে; য়পা:—জানির মুখ হইতে জেব্ ■ জিনাৎ, অর্থাৎ সৌন্র্যা এবং রুরের চম্ক বাহির হইয়া যায়; দোছরা, এফ্লাছ ও ফ্কিরি আইসে; তেছরা বয়ঃক্রেমে বর্কৎ হয় না। আথেরাতে তিন হইতেছে:—প্রথম, আল্লাহ্তাআলা আপেন নাখুনী ও গজব্ তাহার উপর ওয়াজেব্

করিয়া দেন, দোছরা, তাহার বড় শক্ত হিসাব হইবে; তেছরা, দোজধ মধ্যে দাখেল হইবে; এবং আল্লাহ্তাআলা তাহাকে বলিবেন, তৃমি ষে বস্তু আগে আমার নিকট পাঠাইয়াছ, তাহা বহুতই বদ্চিজ্ হইতেছে।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিরাছে, যাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে:—
বেগানা আওরতের তরফ নজর করা, চক্ষুর জেনা হইতেছে। ছই পারের জেনা, জেনার তরফ চলা হইতেছে। ছই হাতের জেনা, হাত দ্বারা ধরা হইতেছে। কথাবার্তা বলা, জবানের জেনা হইতেছে। দেলের জেনা, জেনা করিবার ইচ্ছা হইতেছে; এবং শরম্গাহ্ উহাকে সত্য কিছা মিথা করে। আলাহুশা ছালিরালা হৈয়েদেনা মোহাশ্বদ্।

মাতবর কেতাব মধ্যে আদিয়াছে, এক বারের জেনা সম্ভর বৎসরের নেক আমলকে নাচিজ ও বাতিল করিয়া দের। শেরেক ও কৃফরের পরে বড় গোনাহ, আপন হালাল নোৎকা আজনবি, অর্থাৎ অজানিত নূতন বেগানা আওরতের পেটে রাথা হইতেছে। ঐ আওরং মোছলমান হউক কিয়া কাফের, আজাদ হউক কিয়া বান্দি। জেনা নেকি সকলকে থাইয়া ফেলে, বেমন স্থ্না লাক্ডিকে আগুনে খাইয়া ফেলে। যে বাজি বেগানা আওরতের সঙ্গে জেনা করে, আলাহ্তাআলা তাহার কররের তরফ দোজধের সাত দরওয়াজা খুলিয়া দেন, ঐ সাত দরওয়াজা হার৷ কেয়ামত তক্, সাপ বিচ্ছু তাহার তরফ্ আসিতে থাকিবে।

মাতবর কেতাব মধ্যে আদিরাছে, যে মরদওরালি আওরতের সঙ্গে জেনা করিবে, তাহাকে, এবং সেই আওরত্কে কবর মধ্যে শক্ত আজাব হইবে। রোজ কেরামতে আলাহ্তাআলার ছকুম মত, ঐ আওরতের শওহর তাহার সমস্ত নেকি লইরা যাইবে; এবং তাহার সমস্ত গোনাহ্ জানি লইরা দোজথ মধ্যে প্রবেশ করিবে। এইরূপ কারবার ঐ সমর্ হইবে, যথন থছম্ আওরতের জেনা মানুম করিতে পারে নাই। যদি

জানিয়া থামোশ অর্থাৎ চুপ করিয়া থাকিবে, তবে বেহেশ্ত তাহার উপর হারাম হইতেছে; এবং বেহেশ্তের দরওয়াজার উপর লেখা আছে:— যাহার মাইনি এই:—"তহকিক আমি বেহেশ্ত বরিন হইতেছি—দাইউছের উপর আমি হারাম হইতেছি।" আলাহম। ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

দাইউছ ঐ ব্যক্তি হইতেছে, যে আপনার বরের আওরৎদিগের বদ্কারী দেখিয়া, এবং ফেল্ হারাম জানিয়া রাজি থাকে। স্তরাং দাইউছ বেছেশ্ত মধ্যে দাখেল হইবে না। সাত তবক্ আছমান ■ সাত তবক্ জমিন দাইউছ ও জানির উপর লানত করে। যে মরদ আপন বিবি, বেটা, মা, বহিন ইত্যাদি আওরৎদিগকে ছানোয়ার ছিলার করিয়া অভ্য কোন স্থানে পাঠাইয়া দেয়, এবং সেধানকার নামহ্রেম্ য়য়দ উহাদিগকে দেখে, সেইরপ ব্যক্তিগণ দাইউছ্ হইতেছে। আলাহ্মা ছালিয়ালা মোহাম্মণ্।

মাতবর কেতাব মধ্যে আসিরছে, বে ব্যক্তি হারাম 
দেশা হইতে
নিজের চক্কে বাঁচাইবে, আল্লাহ্তাআলা তাহার বরের লোকদিগকে
হারাম হইতে মহ্তৃজ্ রাথিবেন, অর্থাৎ বাঁচাইরা রাথিবেন; এবং বে ব্যক্তি
ভাই মোছলমানের আওরৎদিগের তর্ফ নজর করিবে, আল্লাহ্তাআলা
তাহার আওরতের পর্দা ফাড়িরা ফেলিবেন, এবং তাহার চক্ষে আওপের
ছোর্মা লাগাইবেন। আল্লাছ্মা ছাল্লিয়ালা ছৈরেদেনা মোহাম্মন্।

## নোহা অর্থাৎ চিল্লাইয়া কাদিবার বুরাই।

আরে বেরাদর তুমি শ্বরণ রাখ, কেরামতে এক ব্যক্তির গোনাহ্র জন্ত অন্ত বাজিকে আজাব করিবেন না। কিন্ত মৃত ব্যক্তিকে জেনা-দিগের কাঁদিবার, এবং মাতম্ করিবার দক্ষণ আজাব করিবেন। স্তরাং জেনাদিগের ইহা আজারেব্দোস্তি হইতেছে ষে, নাহক নিজেরা কাঁদিয়া তাহারা মোয়াখেজা মধ্যে পড়িয়া থাকেন, এবং মৃত ব্যক্তিকেও আজাক মধ্যে গেরেফ্তার করেন। এই খাছলং আওরং দিগের মধ্যে বছত জেয়াদা দৃষ্ট হয়। আরাহ্তাআলা আপন কুদরং কামেলা হইতে শরীর সকল পরদা করিয়া, তাহাতে হয়য়াং এনায়েং করিয়া জেলা করেন, এবং জেলা শরীর হইতে হয়য়াং ছিনিয়া লইয়া মোর্ছা করিয়া থাকেন। আরাহ্তাআলা আপন বালা হইতে আপন আমানং যে হয়য়াং রাথিয়াছেন, তাহা পুনশ্চ লইয়া লন। স্তরাং নাথোশ্ হইবার কাহারও কোন কারণ নাই। মালেক আপণ মূলুকের মধ্যে যাহা ইচ্ছা তাহা করিবেন, নাথোশ্ হইবার কাহারও ক্ষমতা নাই। আলাহ্যা ছালিয়ালা হৈয়েদেনা মোহাম্প্।

নকল আছে, নোহা কর্ণেওরালি আওরৎ পরাগন্ধা, পেরেশান হাল, গদ্দা আলুনা, থারেশের পিরাণ পরিয়া, লানতের চাদর শরীরে দিয়াবদর্র ইজার পরিয়া, হাত মাথার উপর রাখিয়া, চিয়াচিয়ি কাঁদাকাটি আফ্ছোছ্ করিতে করিতে আপন কবর হইতে উঠিবে। তাহাকে টানিয়া লইয়া জানেওয়ালা ফেরেশ্তা বলিবে আমিন, অর্থাৎ তোমাকে এই রকম হওয়াই উচিত। তাহার পর ঐ ফেরেশত্তা উহাকে দোজথ মধ্যে ফেলিয়া দিবে। চেচাইয়া কাঁলা "আয় আমার ওছিলা, এবং আমার পাল্নেওয়ালা কোথায় গেল" এই রকম কথা ইত্যাদি বিনাইয়া বিনাইয়াবয়ান করাকে নোহা করা বলে। আয়াছয়া ছায়য়ালা মোহামদ্।

হানিছ শরিফ মব্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এইরপ হইতেছে:—
"আল্লাহ্তাআলা লানত ভেজেন নোহাকর্নেওয়ালি আওরতের উপর,
এবং তাহার নোহার উপর, অর্থাৎ তাহার কাঁদাকাটি মাত্রম্ ইত্যাদির
উপর, এবং যাহারা রাজি হইয়া শুনে তাহাদিগের উপর, এবং যাহারা
মিথ্যা কথা বলে তাহাদিগের উপর, এবং জ্বান দারাজ্ঞ এবং কালাম
দারা ইলা ও রঞ্জদেনেওয়ালার উপর, এবং কাজিয়া ও ঝগড়া মধ্যে বুলন্দ
আওয়াজ কর্নেওয়ালার উপর।" আল্লাহ্মা ছাল্লিয়ালা মোহাম্মদ্।

নকল আছে হজরত হাছেন বছরি (আলাহতালার রহ্মৎ উনার উপরে হউক ) ছাহেব নিকট এক বাজি জিজ্ঞাসা করিয়াছিলেন, হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিছি ছালাম ছাহেবের জমানাতে মহ্জরিন আছ্হাব্, অর্থাৎ হিজ্বৎ কর্নেওয়ালা আছ্হাব্ রাজি আলাহ্তাআলা আন্ত্যাণিগের বিবি স্কল. এই ফেল্ করিতেন কি না !—হজরৎ হাছেন বছরি রাজি আলাহ ভাআলা আন্ত, আলাহ্তাআলার কছম করিয়া বলিয়াছিলেন, না করিতেন না এক বিবির বাপ, ভাই, বেটা, তিন ব্যক্তি আলাহ্তাআলার রাহাতে महिन रहेशाहित्मन, औ विवि काँनिष्ठ काँनिष्ठ रुक्त निव कत्रिम हालानार আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম নিকট আসিয়াছিলেন। হক্তরৎ নবি করিম ছালালাহ আলাহতে ওরা আলিহি ওরা আছু হাবিহি ওরা ছালাম জিজাসা করিলেন, তুমি কি জন্ত কাঁদিতেছ ? ঐ বিবি বলিলেন, আমার শওহর মরিয়া গিয়াছেন। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়ছে: ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বলিলেন, তুমি ছবর কর, তোমার জন্ত বেহেশ্ত আছে। ঐ বিবি যখন ইহা হজরৎ নবি করিম ছালাগাহ আলাগহে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম নিকট শুনিলেন, তাহার পর যত দিন বাঁচিয়া ছিলেন, আর কখনও ভাহার জেন্দেগানিতে কান্দেন নাই। আস্লাহন্দা ছান্ধিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ ।

আলাহ্তাআলা কোরাণ শরিফের মধ্যে ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভারার্থ এইরূপ হইতেছে:—"এবং উহার মালের মধ্যে হক্ মকরর আছে ছায়েল এবং মহ্তাজের জন্ত।" আলাহ্তাআলা যথন তোয়ালর দিগের মালের

মধ্যে মহ্তাজ্দিগের হিস্তা আছে ফর্মাইয়াছেন, আর এই তোয়াঙ্গর ব্যক্তি উহার বদলা ঐ মাল খুশিতে গানেওয়ালাদিগকে, এবং মছিবতে মাতম্ কর্নেওয়ালা দিগকে দেয়, ইহাতে তাহারা কি ছওয়াব হাছেল করিবে 📍 যথন মাহুষের উপর কোন ব্যক্তির করজ, কি**স্বা আমানৎ, কিস্বা মজ**্লুমা হক্, কিছা দাবি থাকে, এবং এমন ব্যক্তি মরিয়া বায়, তাহা হইলে ভাহার জান বছত কণ্টের সঙ্গে বাহির হয়, এবং আপন গোনাহ, সক্ষের জন্ত বড় বড় আ**জাবের মধ্যে গেরেফ্ভার হয়।** যে সময় ফেরেশ্তা উহার গোনাহ ইয়াদ দেলাইয়া আজাব করে, তথন শয়তান শুনিয়া ক্বরওয়ালাকে বলিয়া থাকে, "আয়ে শথ্ছ, তোমার এই সকল গোনাহের আজাবের উপর, বেগোনাহ্ আকাব ও জেয়াদা করিয়া দিতেছি। তখন শয়তান তাহার লোকদিগের নিকট আসিয়া বলে, "আয়ে লোক সকল, তোমরা ভোমাদিগের মৃত ব্যক্তিকে গবর ফেলিয়া দিবার মত ফেলিয়া দিয়াছ, এবং ভাহাকে ত্মনের মত ভূলিয়া বাইয়া বে-ফিকির বসিয়া আছে? বোধ হয় তাহার মৃত্যুকে আছান মনে করিয়াছ ? উঠ এবং ফলানা নোহা কর্নেওয়ালি আওরৎকে ডাক, এবং মাতম্ করিবার বন্ধোবস্ত কর।'' শয়তানের পরামর্শে সকলে একত হইয়া চিল্লাচিল্লি করিয়া মাতম্ করিতে থাকে। তথন মৃত বাজিকর উপর কেগোনাহ্ আজাব শুর হয়। আলাহ্তাআলা মৃত ব্যক্তির উপর গজ্ব করেন, এবং তাহার কবরের তরফ দোজ্ঞের খিড়্কি খুলিয়া যায়। কালা কুকুর তাহাকে আচ্ডাইতে থাকে, এবং জবানিয়া ফেরেশ্তা তাহার মাধা কাটে এবং মারে। মৃত ব্যক্তি ফরিয়াদ করে, "আয়ে আল্লাহ্তাআলা, বেগোনাহ্ আজাব আমার উপর কোন স্থান হইতে নুতন আসিয়া পৌছিল।" তখন জ্বানিয়া ফেরেশ্তা বলে, ইহা তোমার আত্মীয় স্বন্ধনের তরফ হইতে তোমাকে হাদিয়া আসিতেছে। তথন মৃত ব্যক্তি বলে "আয়ে আল্লাহ্তাআলা তুমি উহাদিগকে আজাৰ কর, যেমন

উহারা আমাকে আঞাব দিল।" কেরেশ্তাসণ বলে, তোমার লোকদিগের প্রত্যেকের বদলা আজাব হইবে। তথন মৃত ব্যক্তি বলিবে, মাতম্ উহারা করিল, চিল্লাচিল্লি করিলা উহারা নোহা করিল, বাহা করিল, উহারা করিল, আমার কি অপরাধ? আলাহ তাআলা তথন বলিবেন, "তুমি কেন আপন লোকদিগকে তাকিদ্ করিয়াছিলে না, যে আমার মৃত্যুর পর তোমরা আলাহ তাআলার সঙ্গে লড়াই করিও না, এবং এলেম ও আদব কেন শিক্ষা দেও নাই ?" স্তরাং যে কেহ আপন লোকদিগকে এলেম আলাব না শিথাইবে, সে ব্যক্তি এই প্রকার আলাব মধ্যে সেবেফ্ তার হইবে। নোহা কর্নেওয়ালি আওরং, যদি আপন মৃত্যুর অগ্রে তোবা না করে, এবং অমনি বে তোবাহ্ মরিয়া যায়, তবে হাশরে গদ্ধকের কাপড়, এবং আগ্রেণের ইন্ধার পরিরা উঠিবে। আলাক্ষা ছালিয়ালা হৈয়েদেনা মোহাম্বদ্।

হেকারেং নকল আছে, এক আল্লাহ্ তালার গুলি এক কবরস্থান মধ্যে আল্লাহ্ তাআলার ওয়াত্তে কবর খুদিতেন, এবং ছুরা এখুলাহ্ পড়িয়া মুদ্দার আরোয়ার উপর ছওয়াব রেছানি করিতেন। এক দিন কোন পরহেজগার ব্যক্তির জানাজা ঐ কবরস্থানে আসিয়াছিল, উহাকে দফন করিয়া তিনি ঐ কবরস্থান মধ্যে শুইয়াছিলেন। ঐ রাজ স্কুমা রাজ ছিল। ঐ আল্লাহ্-তালার ওলি অপ্রে দেগিলেন যে, কবর সমস্ত ফাড়িয়া আহ্লে কবর বাহিরে বাহির হইয়া হল্বা করিয়া বসিয়া আছে, এবং তাহারা বহুত খোশ হালতে আছে। ইতিমধ্যে নানাবিধ নেয়মংপূর্ণ কতক তবক্ ছব্জু স্বাধানির নজ্দিগে যাইয়া বলিলেন, "আচ্ছালাম্ম আলায়কুম।" উহারা সকলে বলিলেন "ওয়া আলায়কুমাছালাম আরে আল্লাহ্ তালার গুলি বড় সন্তোমের বিষয় বে আপনি আসিয়াছেন।" ঐ আল্লাহ্ তালার গুলি বলিলেন, "তোমরা কি আমাতে জান ?" উহারা সকলে বলিল, "আল্লাহ্ তালার গুলি বলিলেন, "তোমরা

বলিতেছি, এই কবরস্থানে যখন আমরা তোমান্ন জুতার শব্দ শুনিতে পাই, তখন ছুরা এখ্লাছ্ পড়িবার ছওয়াব্পাইয়া থাকি। তোমাকে আমরা আলাহ্তালার কছম দিতেছি যে, কথনও ভূমি ছুরা এখ্লাছ্পড়া বন্ধ করিও না। কারণ ইহা পড়িবার দক্রণ আমরা রহ্মৎ পাইয়া থাকি।" আলাহ তালার ওলি জিজাসা করিলেন, "এ সমস্ত কি জিনিসের তবক্ হই-তেছে 🖓 তাঁহারা বলিলেন, ইহা আমাদিগের দোভ ও খেশ্ আকারব্ সকল, যাহারা স্থনিয়াতে জেন্দা আছেন, ভাহারা প্রভ্যেক স্কুমা রাত্রে আমাদিগের জন্ত হাদিয়া পাঠাইয়া থাকেন।" এক জওয়ানকে দেখিলেন আপন কবরের পার্শ্বে, হাতে ও পারে ভোরাক্ ও জিঞ্জির রহিয়াছে, সে গম্গীন্ বসিয়া কাঁদিভেছে। ঐ আলাহ্তালার ওলি তাহাকে জিজাসা করিলেন, "আয়ে জওয়ান! ভোমার এই বদ্হালৎ কি জভ হইয়াছে ০ু" ঐ অওয়ান উত্তর করিল "বাহার মা আমার মায়ের মত, তাহার এই হালৎ হইবে। কারণ আমার শোকেতে তিনি দরওয়াজাতে কালা রঙ্গ লাগাইয়া-ছেন। এবং রাত দিন নোহা, 🖿 মাতম কাঁদাকাটা, চিল্লাচিল্লি করিতে মশ্রেল আছেন, এই জন্ত আমার এই হুরবন্থা হইয়াছে। আমি আপনাকে আলাহ্তাআলার কছম দিতেছি যে, প্রাতঃকালে আপনি আমার মায়ের বাড়ী ষাইমা, তাঁহাকে আমার অবস্থা জানাইবেন, এবং তিনি যে কাঁদাকাটী করিয়া থাকেন, ভাহা মৌকুফ করাইবেন। আমার নামে খায়ের খররাৎ করিতে তাকিদ্ করিবেন।" ঐ আল্লাহ্তালার ওলি ফজরের সময়, ঐ ভওয়ানের কথা মত, তাহার মাতার নিকট তাহার সংবাদ দিলেন, এবং আলাহ তালার পজবু ও আজাব্হইতে ডরাইলেন। তথন তাহার মাতা তৌবা করিয়া মাতম্ করিবার বিছানা উঠাইয়া ফেলিলেন 🛮 এবং দরওয়াজার ছেহাই ধুইয়া ফেলিলেন। ছবর এক্তেমার করিলেন। এক তোড়া দিনার খায়ের ধ্য়রাৎ করিবার 💶 ঐ আল্লাহ তালার ওলি কে হাওয়ালা করিলেন।

প্রশত বিতীয় জুমা রাত্রে ঐ আস্লাহ্তালার ওলি ঐরপ অথে দেখিলেন যে, ঐ জওয়ান বছত আছুদ্গীর সঙ্গে খোশ্ ও ধর্রম আছে। ঐ জওয়ান ঐ আস্লাহ্তালার ওলি কে দেখিয়া বড় সন্তুষ্ট হইয়া বলিল "আস্লাহ্তালালা আপনাকে ইহার বদলা দেন। আপনি আমার উপর বড় এহ্ছান্করিয়াছেন। আমার মাকে আমার ছালাম পৌছাইবেন, এবং বলিবেন যে, আমি নাজাং পাইয়াছি " আস্লছমা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা ওয়া মৌলানা মোহাম্মদ্ ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া বারিক ওয়া ছাল্লেম্।

## কেয়ামতে ছাবেরের নেক জাজা।

হাদিছ শরিক মধ্যে আসিরাছে, বাহার ভাবার্থ এই---রোজ কেরামতে মোনাদি নেদা করিবে যে, যাহার করক আলাহ্তাআলার উপরে আছে, এমন ব্যক্তি হাজের হয়। লোক সকল বলিবে বে, এমন কোন্ ব্যক্তি আছে— যাহার করজ আল্লাহ তাআলার উপর আছে। ফেরেশ্তা বলিবে, আলাহ তাআলা যাহাকে ছনিয়াতে বালা ও মছিবতে গেরেফ তার করিয়া-ছিলেন, যাহার জক্ত ভাহার দেলে দরদ পৌছিয়াছিল, চকু হইতে পানি পড়িয়াছিল, এবং ঐ ব্যক্তি আল্লাহ্তাআলার উপর ভরসা করিয়া ছবর করিয়াছিল, এমন ব্যক্তি হাজের হয়, যে আলাহ্তাধালা তাহার কর্জদার আছেন। ইহা শুনিয়া অনেক লোক হাজের হইবে। গাওয়াহি দিবার জন্ত কেরেশ্তা তাহাদিগের আমলনামা খুলিবেন, এবং উহার মধ্যে 🗀 বালা ও মছিবৎ জন্ত বেছবরি ও বৈকরারি পাইবেন, তাহা রদ্ করিবেন; অর্থাৎ তাহার ছওয়াব পাইবে না, এবং বলিবে যে, তুমি ছবর কর্নেওয়ালাদিগের মধ্যে পণ্য নহ, কি জক্ত আসিয়াছ ? আফ্ছোছ্, যদি তুমি ত্নিয়াতে মছিবৎ জগু ছবর ■ শোকর করিতে, তাহা হইলে 💌 আল্লাহ্তাআলাকে করজ দেনেওয়ালাদিগের মধ্যে গণ্য করা যাইতে, এবং মছিবতের উপর যাহার

ছবর বরার পাইবেন, তাঁহাকে আরশের নীচে দাঁড় করাইয়া বলিবেন, আয় আলাহ্তাআলা, বালা ও মছিবতের উপর ছবর কর্নেওয়ালা লোক সকল হাজের আছে। আল্লাহ্তাআলা বলিবেন, তুবা বৃক্ষের ছায়াতে (বে ডুবা বৃক্ষের জড় সোণার, এবং পাতা দকল রূপার হইতেছে, এবং তাহার ছায়া এত বড় যে, ছোয়ার তাহার নীচে দিয়া এক শত বৎসর চলিতে পারে) ছবর কর্নেওয়ালা সমস্ত আওরৎ এবং মর্দাদগকে পাড়া কর। আলাহ তাআলা প্রত্যেককে আপন ভাঞ্জি বারা শর্করাজ করিবেন, এবং বেমন দোস্ত দোন্তের নিকট ওজর করিয়া থাকে, 👌 রক্ষ ওজর করিয়া বলিবেন, আরে আমার ছবর কর্নেওয়ালা বান্দা সকল, তোমাদিগের হেকারতের জন্ম আমি তোমাদিগকে বালার মধ্যে গেরেফ্ডার করিয়াছিলাম না; বরং আমার নজ্দিক্ ভোমাদিগের মর্ভবা জেয়াদা হওয়া আমাকে মঞ্র ছিল, এই জন্ত ঐ মছিবতের কারণ তোমাধিগের গোনাহ্ সকল মাফ হইয়া তোমাদিগের মর্ত্তনা এত বড় হইল, যে মর্ত্তবা তোমরা নেক আমল দারা লাভ করিতে পারিতে না। পছ, ভোমরা আমার জন্ম ছ্বর ও শোকর করিয়াছ, এবং আমাকে শরম করিয়াছ, হায়া করিয়াছ, এবং আমার কাজার উপর অসম্ভই হও নাই, আজ আমি তোমাদিগের আমলকে ় ওজন করিব না, এবং ভোমাদিগকে ছণ্ডয়াব বেহেছাব এনায়েৎ করিব। পুন•চ আল্লাহ্তাআল৷ এই ভাবে ফ্কির সকল, ও মহ্তাজ্ সকলকে বলিবেন, আয় আমার মহ্তাজ্ বান্দা সকল, তোমাদিগকে হেকারতের জক্ত আমি মহতাজ করিয়াছিলাম না; কিন্তু ত্নিয়াতে প্রত্যৈক হাক্তি এক বস্তুর মালেক হইয়া থাকে, এবং তাহার নিকট হইতে উহার হেছাব লওয়া যাইয়া থাকে যে, এ বস্তু কোন স্থান হইতে পয়দা করিয়াছ, এবং কোন স্থানে থরচ করিয়াছ। পছ, ভোমাদিগের হেছাব হাকা করিবার জন্ম এবং তোমাদিগের নছিব পুরা করিবার জ্ঞা, তোমাদিগের ফকর্ ও

এফ্লাছ্কে আৰি দোশু রাথিয়াছিলাম। পছ, যে ব্যক্তি তোমাকে থাওয়াইরাছে, পেলাইয়াছে, কাপড় পরাইরাছে, ঐ ব্যক্তি 📉 তোমার শাক্ষাৰাৎ মধ্যে আছে। বাদ্ আলাহ্তাআলা ঐ সকল আওরৎদিগকে ৰলিবেন, যাহারা আপন সস্তানদিগের মৃত্যুতে ছবর করিয়াছে, আয় আমার বান্দি সকল, যদি আমি তোমাদিগের সস্তানদিগের আজল লওহ্ মহ্ফুজ্ মধ্যে না লিখিতাম, এবং তোমাদিগের দেলকে ছনিয়াতে ধরদ্ না দিতাম, এবং তোমাদিগের ছিনাকে তঙ্গ্না করিতাম, তাহা হইলে আজ এ মর্ত্রা েটামরা কেমন করিয়া পাইতে? এখন আমার খোশ্মুদি হইয়াছে, তোমরা আপন সন্তানদিগের সঙ্গে বেহেশ্তের মধ্যে থাকিয়া খুশী কর---যেখানে মোউৎ নাই, দরদ নাই, গদী নাই। বাদ্ আলাহ্তাআলা এইরূপে অন্ধ, নেংড়া, মুলা, শুঞ্জা, কুড়েজোজামি ইত্যাদি বেমারিদিগকে বিলিবেন, উহারা নিজ নিজ দর্জা ও মর্ত্বা দেখিয়া বছত খোশ হইবে। পছ, উহাদিগের ছবর ও শোকরের মওয়াফেক উগদিগের মর্ভবা জেয়াদা হইবে, কেহ বাদ্শাহ হইবে, কেহ আমির হইবে—সকলে গোড়ার উপর ছওয়ার হইবে। নেশান, ঝাণ্ডা ইত্যাদি সমস্ত বাদশাহী ছরঞ্জামে স্থসজ্জিত থাকিবে। কেরেশ্তা উহাদিগকে বেহেশ্তের তরফ লইয়া ষাইবে। থৌকুফের লোক সকল জিজ্ঞাসা করিবে, এমন ইজ্জৎ, এই জাহ্হাশ্মত ওয়ালা, ইহারা কি পরপম্বর হইতেছেন কিম্বা শহিদ ? ফেরেশ্তা বলিবেন, ইহারা প্রগশ্বর নহেন, এবং শহিদ ■ নহেন--ব্রং উমি লোক স্কল হইডেছে, যাহারা ছনিয়াতে বালা ও মছিবতের উপর ছবর ■ শোকর করিয়াছিল, তাহারা 📉 এই শান্ 🗷 শওকভের সঙ্গে নাজাত পাইল। তথন লোক সকল বলিবে, আহা কি আফ্ছোছ্, যদি আমরা ■ বালাতে গেরেফ্তার হইতাম, তাহা হইলে অন্ত উহাদিগের সঙ্গে থাকিতে পারিতাম। গরজ, যথন এই ছাবের সকল বেহেশ্তের দরওয়াজাতে পৌছিবেন, দরওয়াজা

ঠুকিবেন, রেক্সওয়ান্ ফেরেশ্তা সকল জিজ্ঞাসা করিবেন, তোমরা কে পূ ফেরেশ্তা বলিবে, ইহারা ছবর কর্নেওয়ালা সকল হইতেছে, দরওয়াজা খুলিয়া দাও। রেক্সওয়াল্ ফেরেন্ডা বলিবে, এখন পর্যান্ত লোক সকল হেছাব দের নাই, আলাহ্তাআলা মিক্সান খাড়া করেন নাই, এবং হেছাবের দফ্তর খোলেন নাই, এই ছাবের সকল কেমন করিয়া নাজ্যাত পাইল? ফেরেশ্তা বলিবেন, ছবর কর্নেওয়ালাদিপের উপর হেছাব্ নাই, দরওয়াজা খুলিয়া দাও। তখন দরওয়াজা খুলিয়া দিবেন। পছ, ছবর কর্নেওয়ালা সকল আনন্দ ও উৎফুল চিত্তে বেহেশ্ত মধ্যে দাখেল হইবেন। ফের পাঁচ শত বৎসর পরে আর সকল লোক হেছাব কেতাব হইতে ফরাগত পাইবেন। আলাছ্যা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্ ।

আরাহ্তাআলা কোরাণ শরিক মধ্যে বলিয়াছেন, বাহার ভাবার্থ এই—
হর এক কেরামতের থোশ্থবরি ছবর করনেওয়ালাদিগকে দাও, যথন
পৌছে ভাহাদিগকে মছিবৎ জহ্মৎ এবং দশুয়ারি, তথন বলে তহ্কিক্
আমি আলাহ্তাআলার ওয়ান্তে আছি, এবং তহ্কিক্ আমি তাহার তরক
রজু কর্নেওয়ালা হইতেছি, এবং মুমিন যে মছিবৎ মধ্যে আলাহ্তাআলার
তরক রজু করে, উহাদিগের উপর উহাদিগের আলাহ্তাআলার তরক হইতে
রহ্মৎ, এবং বেহেশ্ত আছে, এবং ঐ সমস্ত মুমিন দিধা রাস্তা পাইয়াছে।

লোক সকল জিজ্ঞাসা করিল, ইয়া রাছুলালাহ, ছালালাছ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম, কোন্ বস্ত মিজানকে ঝুকাইয়া দেয়? এশাদ করিলেন ছবর। ফের জিজ্ঞাসা করিল, কোন্ বস্ত হেছাবকে হান্ধা করে ? এশাদ করিলেন ছবর। ফের জিজ্ঞাসা করিল, কোন্ স্প্রছরাতকে চৌড়া করে ? এশাদ করিলেন ছবর। এবং এশাদ করিলেন হবর। এবং এশাদ করিলেন যে পরিমাণ ছবর জেয়াদা হইবে, ঐ পরিমাণ পুলছরাত চৌড়া হইবে।

রেওয়ায়েৎ আছে. পুণছরাতকে চুল হইতে বারিক্তর, এব ।

তশ্ওয়ার হইতে তেঞ্তর বাক পাইবে না—কেবল হালাক্ হোনেওয়ালারা পাইবে, এবং প্লছরাৎ আপন আপন আমলের মোয়াফেক্ নজর আসিবে। কাহাকে টাপ্র মত চৌড়া, কাহাকে এক গজ বরাবর, কাহাকে আধা হাত বরাবর, কাহাকে চারি আঙ্গুলের মেকদার নজর আসিবে। তায়াতের ছজির উপর, অর্থাৎ আল্লাহ্তাআলার এবাদংবলেগী করিবার কট ব্লিল্লাভকের উপর, এবং বালা ও মছিবতের উপর যে পরিমাণ ছবর করিবে, প্লছরাতকে ঐ পরিমাণ চঙড়া পাইবে। যাহার ছবর নাই, তাহার দিন নাই। আল্লাভক্ষা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাক্ষদ্।

হাদিন শরিফ মধ্যে আনিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এই :— যথন শিশু সন্তান মরিয়া যায়, এবং তাহার রহুকে লইয়া ফেরেশ্তা আছমানের উপর চড়ে, তথন আল্লাহ্তাআলা জানিয়া তাহাকে জিজ্ঞানা করেন, আয়ে ফেরেশ্তা তুমি আমার বান্দির শিশু সন্তানের জান লইয়া চলিয়া আনিয়াছ; আচ্ছা সেই তুথীয়ারিকে ছবর কর্নেওয়াল ছাড়িয়া আনিয়াছ, না নোহা কর্নেওয়ালি ? ফেরেশ্তা বলেন, ইয়া রববানা জালা জালালুছ জালাশারুছ, সেই তুথীয়ারিকে তোমার কাজার উপর ছবর কর্নেওয়ালি, এবং তোমার নেয়মতের উপর শোকর কর্নেওয়ালি ছাড়িয়া আনিয়াছি। আলাহ্তাআলা হুকুম করেন, উহার জন্ত আরশের নীচে এক সোণার নহল প্রস্তুত কর, এবং তাহার নাম "বাইতাল হাম্ন" য়াঝ। ছুব্হানাল্লাহে ওয়া বেমাম্লিহি, কি খুশীর সংবাদ মায়ের জন্তা!

আমি এ জামানার বিবিদিগকে বলিতেছি, যথন তোমাদিগের সস্তান মরিয়া যায়, তথন তোমরা আলাহ্তাআলার রেজামন্দির জন্ত ছবর এক্তেয়ার করিবে। আলাহ্তাঅলা তোমাদিগের উপর রোক্তে হাশরে রহ্মৎ করিবেন, এবং বড় বড় মর্ভ্রবা এনায়েৎ করিবেন।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এই যে:—কেয়ামতের দিন মোছলমানদিগের সস্তান মৌকুফ মধ্যে জমা হইবে। আলাহ্তাআলা

কেরেশ্তাকে ছকুম করিবেন যে, ঐ সম্ভানদিগকে বেহেশ্ত মধ্যে লটুয়া যাও। তথন ঐ সমন্ত শিশু সন্তান বেহেশ্তের দরওজাতে থাড়া রহিয়া যাইবে। ফেরেশ্তা বলিবেন, আয়ে শিশুগণ, খুলী হউক তোনাদিগের উপর। তোমাদিগের 📉 তো হিসাব কিতাব নাই, ফেব্র বেহেশ্ত মধ্যে কেন দাথেল হইতেছ না ? শিশুগণ বলিবে, আমাদিগের পিতা মাতা কোপায় আছেন ? ফেরেশ্তা বলিবেন, ভোমাদিগের মা বাপ ভোমাদিগের মত বেগোলাত্লতে, উহাদিগের উপর লোকের করজ আছে, এবং অনেক গোনাহ, করিয়াছে, উহারা সকল হেছাব্দেনেওয়াল। হইতেছে। শিশু সস্তানগণ বলিবে, আমাদিগের পিতা মাতা আজিকার দিনের ওক্ষেদের উপত্র ছবর করিয়াছেন, বেকরার হন নাই। ফেরেশ্তা তথন কোন জওয়াব দিবেন না। আথের ঐ সমস্ত শিশু সন্তানগণ বলন আওয়াজে কাঁদিতে থাকিবে। আলাহতাআলা জানিয়া ফেরেশ্তাকে জিজ্ঞানা করিবেন, কে কাঁদিভেছে ?' ফেরেশ্তা বলিবেন, ইয়া রববানা ভালা জালাসূহ জালা শাম্বত, ইহারা মোছলমানদিগের শিশু সস্তান হইতেছে; বলিতেছে যে, আমাদিগের মা বাপ ভিন্ন, আমরা বেহেশ্ত মধ্যে যাইব না। আল্লাহ্তাআলা ছকুম করিবেন, উহাদিগের মা বাপকে ছাড়িয়া দাও, তংল ঐ সমস্ত শিশু সন্তানগণ আপন মা বাপের সঙ্গে তাহাদিগের হাত ধরিয়া, বেহেশ্তের মধ্যে দাথেল হইবে। ছুষ্হানাগাহে ওয়া বেহাম্ দিহি ছুব্হানালাহিল্ আজিম, কিয়। খুশী কি বাৎহায় মা বাপ্কে ওয়ান্ত।

## বিবাহের প্রথম হইতে শেষ আদ্ব গুলি।

আমে বেরাদর, বিবাহ করা দিন এছলামের একটি প্রধান কাজ হইতেছে। স্থতরাং ইহাতে দিনের আদব বক্ষা করা নিভাস্ত কর্ম্ববা। নচেৎ মহুস্থোর বিবাহে, এবং জানোয়ারের মিলনে, কোন পার্থক্য থাকিবেনা। শতরং আমি বিবাহের শুরু জমানা হইতে শেষ পর্যান্ত, আওরৎদিগের সহিত কি প্রকার গুজরান করিতে হয়, তাহা কিমিয়া ছায়াদাৎ, মেজাকাল্ আর্ফিন্, এবং অন্তান্ত মোতাবর কেতাব হইতে, সংক্ষেপে বয়ান করিয়া দিতেছি। বদি প্রত্যেক ভাই মোছলমান, বিবাহে নিয়লিখিত আদবগুলির লেহাজ্ রাখেন, তাহা হইলে ইন্শা আল্লাহ্ দিন ■ ছনিয়ার মঞ্জল সাধন হইবে, এ রকম আশা করা বাইতে পারে! আল্লাহ্মা ছাল্লিয়ালা মোহাম্মণ।

প্রথম আদব ওলিমার থানা; ইহা ছুলত মোয়াকেদাহ হইতেছে হজরৎ আব্দুর রাহ্মান এব্নে আউফ্ (রা) যে সময়ে বিবাহ করিয়া-ছিলেন, তথন হজরৎ নবি করিম ছাম্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম উনাকে এশাদ করেন, যদি একটি বক্তি হয়, তবুও দাওয়াৎ ওলিমা কর; এবং বাহার বজি জবাই করিবার কুদরৎ নাই, এমন ব্যক্তি ধাইবার সামগ্রী বাহা দোন্তদিগের সমূধে রাখিবে, তাহাই ওলিমা হইতেছে। হস্তবৎ নবি করিম ছালালাহ আলারহে আণিছি ওয়া আছ্তাবিহি ওয়া ছালাম, যে সময় উন্মল মুমিনিন হজারৎ বিবি ছুফিয়া (রা) ছাহেবাকে বিবাহ করেন, তথম খোর্মা ও জবের ছাতু দারা দাওয়াৎ ওলিমা করিয়াছিলেন। স্কুতরাং যে পরিমাণ দাওয়াৎ ওলিমা করিবার ক্ষমতা থাকে, ঐ পরিমাণ করিবে; তক্লিফ্ করিয়া তাহার অতিরিক্ত করিবে না। যদি দাওয়াৎ ওলিমা করিতে দেরি হয়, তবে এক সপ্তাহ হইতে জেয়াদা দেরি কদাচ করিবে না। আয়ে বেরাদর, তুমি পার্ছা নেকবক্ত বিবিকে বিবাহ করিয়া, আপন ছালেক্ দোস্ত-দিগকে ষড় পূর্বকি আলাহ্তাআলার ওয়ান্তে দাওয়াৎ ওলিমা খাওয়াইবে, এবং বিবি সহ স্থে থোশ গুজ্বাণ করিবে, এবং সভত দেলকে আপন থোদাওন্দ করিমের তরফ মতওয়াজ্জা রাখিয়া, কশ্রতের সঙ্গে জিকির এলাহি করিবে। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি

ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই ষে:— আল্লাহ্তাআলার নন্ধদিক বান্দাদিগের মধ্যে বেহ্তর ঐ ব্যক্তি হইতেছে, যে আল্লাহ্তাআলার বহুত জিকির করে। স্তরাং যদি তুমি আল্লাহ্-ভাআলার নজ্দিক বেহ্তর ও পেয়ারা হইতে বাসনা রাখ, তবে কশ্-রতের সঙ্গে জিকির এলাহি করিবে, এবং প্রচুর পরিমাণে ছনিয়া হাছেল কারবার জন্ত, রাজ দিবা পরিশ্রম করতঃ, আপনার আথেরাৎকে বর্বাদ করিবে না। কারণ হনিয়া অতি বেকদর বস্ত হইতেছে। হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এই যে:—হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালাম যথন গেছ থাইলেন, এবং তাঁহার পায়থানার হাজৎ হইল, তথন জাগাহ্ তালাশ করিতে লাগিলেন যে, আপন হাজৎ হইতে ফারাগৎ পাইতে পারেন। আলাহ্তাআলা উনার নিকট এক ফেরেশ্তাকে পাঠাইলেন। ঐ ফেরেশ্তা জিজ্ঞাসা করিল, আপনি কি তালাশ করি-তেছেন ? তিনি ফর্মাইলেন আমি চাহিতেছি—যাহা আমার পেট মধ্যে আছে, তাহা কোন স্থানে রাখিয়া দেই। ঐ ফেরেশ্তা বলিল যে, আলাহ্তাআলা বেহেশ্তের কোন খানার মধ্যে ঐ তাছির রাথেন নাই, কেবল মাত্র গেছঁর মধ্যে রাখিয়াছেন, আপনি উহা আরশের উপর, কিখা কুর্ছির উপর, কিখা বেহেশ্তের নহর সকলের মধ্যে, কিখা মেওয়া বুক্ষের নীচে, কোন স্থানে রাখিবেন ? গুনিয়ার মধ্যে যান, কারণ এমন নাজাছৎ রাথিবার জায়গা ঐ স্থানে আছে।" হাজার আফ্ছোছ, যথন হজরৎ হৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালাম ছনিয়ায় আসিলেন, তথন তাঁহার আপন খোদাওল করিম, মেহেরবানের মেহেরবানী, এবং এহ্ছান্ সমূহ স্মরণ হইল, রহ্মতের মকানের আরামের বিষয় সকল তাঁহার স্মরণ হইল, এবং নিজের এক মাত্র লগ্জশের বিষয় ও সারণ হইল। পছ্, পেশ্মান হইলেন, হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছাম, এবং

কাদিলেন তিন শত বংশর—এইাতাক তাঁহার চকুর পানিতে নহর সকল জারি হইল। আয় আলাহ্ভাআলা, হজরৎ হৈরেদেন। আদম আলায় হেচ্ছালাম এক মাত্র লগ্জশের জন্ত, এরপ হর্দশাগ্রন্ত হইরাছিলেন, আমি অসংখ্য অসংখ্য গোনাহ্ করিরা আমার নামা আমল ছিয়াহ্ করিরা ফোলার নামা আমল ছিয়াহ্ করিরা ফোলারছি, আমার উপায় কি হইবে ? আয় জবরদন্ত বখ্শনেওয়ালা মেহেরবান, মেহেরবানী করিরা আমার গোনাহ্ সকল, এবং উন্মতান্ জনাব হজ্রৎ হৈরেদেনা মোহাখাদোর রাছুলুলাহ্ ছায়ায়াহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিছি ওয়া ছালামের গোনাহ্ সকল আপনি মাফ করুন। আয়ে বেরাদর, বালা মুমিনের জন্ত য়নিয়া বড় রহ্মতের স্থান হইতেছে; এই স্থানে বালা মুমিন হুর ইমান পাইয়াছে, এই স্থানে আপন খোদাওন্দ করিমের এবাদত-বন্দিগী, এবং ফর্মাবরদারি করিয়া, আলাহ্-ভাআলার রহ্মতের মকানে স্থান লাভ করিবে; এবং বশারৎ গুনিবে ভালামূন্ আলায়তুম তিব্তুম্ ফাদ্ধুলুহা খালিদিনা ইয়া আহ্লাল্ জালাতি।"

سَلَامٌ عَلَيْكُمْ طِبْنُمُ فَأَدْخُلُوهَا خَالِدِينَ بِا أَهْلَ الْجَنَّتِ \*

উহার অর্থ এই, ছালাম হউক তোমার উপর, থোশ্ হও তুমি, দাথেল হও ঐ বেহেশ্তের মধ্যে হামেশার জন্ত, আয়ে বেহেশ্তের হক্দার। আয়ে বেরাদর মুমিন, তুমি এই বশারৎ শুনিতে পাইবে—যদি ইমানের ছালামতির সঙ্গে ছনিয়া হইতে চলিয়া বাইতে পার। স্কতরাং সতর্কতা সহকারে ছনিয়াতে আপন ইমানকে রক্ষা করিবে। হজরৎ লোক্মান আলায়হেচ্ছালাম আপন বেটাকে নহিহৎ করিয়াছিলেন, ছানয়া এক গভীর সমুদ্র হইতেছে, উহাতে বছত লোক ভ্বিয়া গিয়াছে। তুমি ছনিয়াতে পরহেজগারিকে তোমার কিন্তি বানাও, এবং ইমানকে তাহার মধ্যে রাথ, এবং তোয়াজেলের পাল উঠাইয়া দাও, যে উহার তুকান হইতে নাজাৎ যিলে। কিন্তু আমাকে

মালুম হয় না যে, নাজাৎ মিলে কি না। আয়ে বেরাদর, ছনিয়াতে ভূমি পরহেজ্গারি এক্টেয়ার করিবে, এবং জিকির এলাহিকে ভোমার পেশা বানাইবে। কারণ ক্রিকির এলঃহি হইতে আফুক্তল্ বস্তু ত্নিয়াতে আর কিছুই নাই। কিমিয়া ছাআদাৎ মধ্যে লিখিত আছে, একদিন হজরৎ ছৈমেদেনা ছোলায়মান আলায়হেচ্ছালাম, আপন তত্তের উপর ছোয়ার হইয়া চলিয়া যাইতেছিলেন, জানোরার এবং দেও পরি সকল তাঁহার থেদ্মতে হাজের ছিল। তিনি বানি এছাইল কওমের আবেদদিগের মধ্যে, এক আবেদের নিকট গেলেন। ঐ আবেদ আরোজ করিল, আরে এব্নে দাউদ্ (আলায়হেচ্ছালাম), আপনাকে আলাহ্তাআলা বড় চুল্তানৎ এনায়েৎ করিয়াছেন। হজরৎ ফর্মাইলেন, মোছলমানের নামা আমলে এক তছ্বিছ্, এই ছুলতানং যাহা আমাকে এনায়েৎ হইয়াছে, ভাহা হইতে বেহ্তর ্হইতেছে, কারণ ঐ ভছ্বিহ্ বাকি পাকিবে, আর আমার এই চুলতানৎ বাকি থাকিবে না। হজরৎ ছোলারমান আলায়হেচ্ছালাম সমস্ত পৃথিবীর বাদ্শাহ ছিলেন, ভিনি এভ বড় বাদশাহীকে এক ভছ্বিহ্ হইভে 🔳 হকির জানিতেন। কারণ ইহা হইতে শ্রেষ্ঠ বস্তু আর কিছুই নাই; স্কুতরাং বান্দা মুমিনকে লাজেম হইতেছে যে, মোদাম জিকির এলাহি করিতে থাকে। জবানে বলিতে সহজ, এবং ফজিলতে জেয়াদা এক তছ্বিহ্ আমি তোমার আমল করিবার জক্ত এইস্থানে লিখিয়া দিভেছি, তাহা এই :---

سُبْعَانَ النَّهِ وَبِعَهْدِهِ سُبْعَانَ النَّهِ الْعَظِيْمِ وَ بِحَهْدِهِ اَسْتَغَفِّرُ النَّهَ \*

"ছুব্হানাল্লাহে ওয়া বেহাস্দিহি ছুব্হানাল্লাহিল্ আজিমী ওয়া বেহাস্-দিহি আছ্তাগ্ ফিক্লাহ্।" উহার অর্থ এই যে, "পাক হইতেছেন

আল্লাহ্, এবং উনার তারিফের 💴 আমি উনাকে ইয়াদ করিতেছি, পাক হইতেছেন আল্লাহ, ধিনি সকল হইতে বড়, এবং উনার তারিফের সঙ্গে আমি উনাকে ইয়াদ করিতেছি,আমি আল্লাহ্ তালার নিকট মাফি চাহিতেছি। নামাজের অগ্রে তুমি এই দোওয়া এক শত বার প্রভাকে রাজে পড়িতে থাকিবে, যে ছনিয়া ভোমার তরফ জন্ধর মতওয়াজ্জা হইয়া হাইবে, এবং খোরার ও জলিল হইরা তোমার নিকট আসিবে, আলাহ তাআলা এই দোওয়ার প্রত্যেক কল্মা হইতে, এক ফেরেশ্তা পয়দা করিবেন, যে ঐ ফেরেশ্তা কেরামৎ তক্ আলাহ তাআলার তছবিহ্ করিতে থাকিবে, এবং উহার ছওয়াব তোমাকে মিলিবে। ইহা আক্ছির হেদায়েৎ ■ নেজাকাল আর্ফিন হইতে লিখিত। এই দোওয়া যে রাত্তে আলাহ্তাআলা আমাকে ভৌফিক দেন, আমি, ভাহাজ্জাদ্ নামাজ বাদ পড়িয়া থাকি। প্রথম করিতে এগার মর্ত্তবা দর্মদ শরিফ পড়িয়া শুরু করি, এবং এক শত বার পড়া সমাধা হইলে, আর এগার মর্ত্তবা দর্দে শরিফ পড়িয়া শেষ করি; ইহাই আফ্জাল, হইভেছে। কথনও কথনও এক শত মর্বা হইতে ও জেরাদা পড়িয়া পাকি। যদি কোন বানদা মুফিন, এই দোওয়া দেখি মহব্বতে জেয়াদা পড়েন, তবে খোদাওন করিম, কদর্দান হইতেছেন ব্বাহের ও পুশিদা জাগ্নেওরালা, তাহাকে নেক্ বদলা দিবেন।

বিতীয় আদব ইহা হইতেছে যে, আওরৎদিগের সঙ্গে মর্দ নেক্থো রাখিবে, ইহার মানে ইহা নহে যে, আওরৎকে রঞ্জ দিবে না, বরং ইহার মোরান ইহা হইতেছে যে, উহাদিগের রঞ্জকে সন্থ করিবে। এবং তাহারা মুস্কিল হুকুম করিলে, তাহার উপর ছবর করিবে। হাদিছ শরিক মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এই:—''আঙরৎদিগকে জোফ্ অর্থাৎ নাতোয়ানি, এবং ছিপাইবার বস্ত হইতে পয়দা করিয়াছেন। উহাদিগের নাতোয়ানির ঔষধ খামোলী হইতেছে, এবং ছিপাইবার তদ্বির

ইহা হইতেছে যে, উহাদিগকে ঘরের মধ্যে কএদ করে।" হক্তরৎ নবি করিম ছালানাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, ওফাতের সময় এই তিন কথা আন্তে বলিতেছিলেন, যাহার ভাবার্থ এই,—''নামাজ পড়িতে থাকিও; লেওণ্ডি গোলামদিগের সঙ্গে ভালাই করিও; এবং আওরৎদিগের বিষয়ে কেবল মাত্র আল্লাহ্ভাআলাই আছেন। উহারা তোমাদিপের কএদি হইতেছে, উহাদিগের সঙ্গে ভাল রকম নেক ছলুক করিও।" ঐ সময়ে যে সকল লোক উপস্থিত ছিলেন, তাঁহারা ইহা ভনিয়াছিলেন। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, বিবি ছাহেবা (বা গণ গোস্থা করিলে বর্দাস্ত করিয়া থাকিতেন। হজরৎ নবি করিম ছাল্লাছ আলারতে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম বলিয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই: - 'ভোনাদিগের মধ্যে ঐ ব্যক্তি বেহ্তর হইঙেছে, যে আপন বিবির সঙ্গে বেহ্তর হইতেছে, এবং আমি আমার বিবিদিগের সঙ্গে তোমাদিগের সকল হইতে বেহ্তর হইতেছি।" আয়ে বেরাদর, আপন বিবি সহ নেক ছলুক করিয়া স্থা থোশ, গুজরাণ করিবে, এবং সতত আপন থে:দাওন্দ করিমের তরফ দেলকে রুজু রাখিবে। বুজুর্গাদে দিন বলিয়াছেন, "ছনিয়া এক বিয়ানা মোকান হইভেছে, এবং ঐ ব্যক্তির দেশ, উহা হইতেও জেয়াদা বিরানা হইতেছে, যে ছনিয়াকে তলব করিতে মশ্গুল আছে। এবং বেহেশ্ত এক আবাদ মোকান হইতেছে, এবং ঐ ব্যক্তির দেল, উহা হইতেও জেয়াদা আবাদ হইতেছে —যে ব্যক্তি বেহেশুতকে তলৰ করিতে মশগুল আছে i"

আরে পাঠক, তুমি স্বরণ রাথ যে, কোরাণ শরিফ পড়া সমস্ত এবাদত হইতে বেহ্তর হইতেছে। থাছ্ করিয়া নামাজ মধ্যে দাঁড়াইয়া কোরাণ পড়া বড়ই বেহ্তর হইতেছে। জনাব রছুল মক্বুল্ ছাল্লালাহ আলায়হে

ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন যে, আমার এবাদতের মধ্যে সকল হইতে আফ্জল কোরাণ শরিফ তেলাওয়াৎ করা হইতেছে; এবং ফর্মাইলাছেন যে, যে ব্যক্তিকে আলাহ্তাআলা **মেশ্বাম**ত কোরাণ আতা করিয়াছেন, এবং সে ব্যক্তি বিবেচনা করে যে, অন্ত কাহাকে: উহা হইতেও বেহ্তর কোন বস্ত মিলিয়াছে, তাহা হইলে শেই বাজি, ঐ বস্তর তহ্কির করিল, যে বস্তর আলাহ্তাআলা তাজিম ■ তওকির করিয়াছেন। এবং কর্মাইয়াছেন, দিন কেরামতে কোন ফেরেশ্ভা, এবং পরগ্মরান আলায়হিম্ছোলাম, আলাহ্ভাআলার নজ্দিক্ কোরাণ হইতে বেহ্ভর শাফারাৎ কর্নেওরালা নাই। হজরৎ এব্নে মছ্উদ্ (রা), ছাহেবের কণ্ডল আছে, যে "কোরাণ পড়ো যেহেতু প্রত্যেক হরফের वमरण मर्भ मर्भ निक छअप्रांव मिलिया थारक। आमि ইश विल मा रव আলেফ, লাম, মিম, এক হরফ হইতেছে। বরং "আলেফ্" এক হরফ হইতেছে, "লাম" দোছরা হরফ হইতেছে; এবং "মিম্" ভেছরা হরফ হুইতেছে। আরে বেরাদর, কোরাণ শরিফের হরফ গুলীকে কেবল মাত্র চকু ষারা দেখা এবাদৎ হইতেছে। ইহা আকৃছির হেদায়েৎ হইতে িখিত। আরে বেরাদর, উপরোক্ত তিন হরফ পড়িবার জ্ঞা তুমি ত্রিশ নেকি পাইবে। স্থতরাং ইহা হইতে কোরাণ মঞ্জিদ ভেলাওয়াৎ করিবার ফব্দিলত বুঝিয়া 🚃। এবং প্রত্যেক দিন, দিবদে ও রাত্তে কোরাণ মহিদ তেলাওরাৎ করা আমল কর। বড় বড় ছওদাগর ■ হাকিমগণ উকিল ও মোক্তার ছাহেবানদিগকে দেখিয়াছি, প্রাতঃকালে উঠিয়াই দোকানদারি করিতে, থবরের কাগজ দেখিতে, এবং আইনের কেডাব দেখিতে মশগুল হইয়া যান। কোরাণ মজিদখানি একটীবার 🗷 দিবা রাত্রের মধ্যে দেখেন না, হাজার আফ্ছোছ **ছ হজরৎ ফছিল** (র) বলিয়াছেন "ধদি ত্নিরা শোণার হইত এবং ফানি হইত ; এবং আথেরাৎ মাটীর হইত এবং

বাকি হইত; তাহা হইলেও আকোলমন্দের উচিৎ ছিল, যে মাটা বাকি পাকিবে, উহাকে **ঐ শোনা হইতে,** যাহা ফানা হইয়া যাইবে, বহুত দোক্ত রাথে, এবং ভলৰ করে। ফের কি জন্ম ভূমি ফানি মাটীকে, থাকি, শোণার পরিবর্জে এক্কেয়ার করিবে 🖓 আরে পাঠক, আথেরাৎ শোণা হইতেও মুশ্যবান হইভেছে। কারণ দেখানে স্নামালে মৌলা দেখা যাইবে। তুমি তাহার তর্ফ রজু হও। আমা**র নছিবে করণ আল্লাহ্, আমি আথেরাতে আ**পনাকে দেখি : তৌরিত মধ্যে শেখা আছে যে, আলাহ্ভাআলা এর্শাদ করিয়াছেন, আরে আমার বান্দা, তোমাকে শরম করে না বে, যদি ভোমাকে ভোমার ভাইয়ের চিঠি পৌছে, তবে তুমি যদি রাস্তার থাক, দাঁড়াইয়া যাও, কিমা রা**ন্তা হইতে আল**গ হইয়া যা**ন্ত,** এরং তাহার এক এক হরফ করিয়া পড় এবং তাহাতে গণ্ডর ও তামেল কর; এবং এই কেতাব আমার নামা হুইতেছে, তোমাকে আমি লিখিয়াছি বে, তুমি উহাতে গওর ও তামেল করিবে, এবং তুমি উহার উপর কার্বন হইবে; এবং তুমি উহাকে এন্কার কর ? যদিও তুমি পড়, তাহা হইলেও গওর ও ভামেল কর না ? আয়ে পঠিক, কোরা**ণ মজিদ** ভোমার নিকট ভোমার থোদা<del>ওন্</del>দ কবিম মেহেরবানের নাম। হইতেছে, চিঠির স্থায় হইতেছে, স্থতরাং মনোধোগ করিয়া তুমি তাহা প্রত্যেক দিন পড়, এবং ভাহার উপর আমল কর।

তৃতীয় আদব ইহা হইতেছে যে, আপন বিবির সঙ্গে মজ্হা অর্থাৎ হাসি তামাশা ও থেলা করিবে, কিন্তু হাসি তামাশা ও থেলা এত অধিক পরিমাণে করিবে না, যাহাতে বিবি শওহর হইতে নির্ভন্ন হইরা যার; এবং বুরা কাজ মধ্যে তাহাদিগের মোরাফ্কৎ করিবে না। বরং যদি শরা শরিষতের বর্থেলাফ্ কোন কাজ দেখিবে, তাহা হইলে তাহার উত্তমরূপ শাসন করিবে। ভূমি শারণ রাখিবে যে, আল্লাহ্তাআলা কোরাণ শরিফ মধ্যে এক স্থানে বলিয়াছেন, যাহারা ভাবার্থ এই:—"শরদ

দিগকে আ**ওরৎদিগের উপর হাকিষের ন্তা**র হামেশা **গালেব** থাকা চাই।" এবং 📉 নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলহি ওয়া আছ্হাবিহি ওরা ছালাম, এক হাদিছ শরিফ মধ্যে ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :---"জরুর গোলাম বদবক্ত হইতেছে।" স্থুতরাং তুমি নিচ্ছের উপর নেগাহ রাখিও, যেন বিবির সোলাম বদবক্ত না হইয়া যাও। বদ্কাঞে কখনও আওরৎকে প্রশ্রর দিবে না। এই জন্ত আওরৎকে চাই বে, শওহরের বান্দি হইয়া থাকে, এবং বুজুর্গানে দিন বলিয়াছেন যে, আওরৎদিগের সঙ্গে পরামর্শ কর, কিন্তু তাহারা যাহা বলে তাহার থেলাফ আমল কর। প্রকৃত প**ক্ষে আওর**তের জাত ছেরকশ্ নাফ্ছের মত হইতেছে। যদি মর্দ সামাস্ত পরিমাণেও উহাদিগকে উহাদিপের মর্জি মত কাব্স কর্মা, চলা ফেরা করিতে দিবে, ভাহা হইলে মর্দের কব্রা কুদরৎ হইতে ষাইতে থাকিবে; এবং হদ্ হইতে গুলারিরা যাইবে, এবং পরে ভাহা তদারক করা মুস্কিল হইয়া পড়িবে। যে ব**ন্ধ আওরতের পক্ষে** বালা ও মছিবৎ মনে করিবে, তাহা হইতে তাহাকে পরহেজ্ করিতে নছিহৎ ক্রিবে; এবং সাধ্যমতে তাহাকে কথনও বাহিরে যাইতে দিবে না। যেন আওরৎ কোন নামহ্রেম্ মরদকে না দেখে, এবং কোন নামহ্রেম্ মরদ আওরৎকে না দেখে; এবং থিড়্কি জানালা ইত্যাদি দিয়া, মরদ দিগের তামাশা দেখিতে একাজৎ না দের। কারণ আফৎ সকল চকু বারাই পর্মা হইয়া থাকে। হজরৎ নবি করিম ছালালাছ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, বিবি ফাতেমা (রা:) ছাহেবাকে জিজ্ঞাসা করেন, আওরতের পক্ষে কি কাল বেহ্তর হইতেছে, হজরৎ বিবি ফাতেমা (রা:) বলিলেন, ইহা বেহ্তর হইতেছে যে, কোন নামহ,রেম্ মরদ তাহাদিগকে না দেখে, এবং কোন গয়ের মরদ্কে উহারা না দেখে। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়তে ওয়া আলিহি

ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম নিকট এই কথা বহুত পছন হইয়াছিল। হজরৎ মাআজ (রা) আপন বিবিকে দেখেন যে, খিড়কি দিয়া উকি মারিয়া দেখিতেছেন, ইহা দেখিয়া তিনি আপন বিবিকে মারিয়াছিলেন; এবং আরো দেখেন যে, ছেব্ ফল হইতে নিজে এক টুক্রা থাইলেন, এবং অন্ত এক টুক্রা গোলামকে দিলেন, ইহাতে ও বিবিকে মারিয়াছিলেন। হজরৎ ওমার (রা) বলিয়াছেন, আওরৎদিগকে ভাল কাপড় পরিতে দিও না, তাহা **২ইলে** তাহারা ঘরে বসিয়া থাকিবে। কারণ বথন তাহারা ভাল কাপড় পরিধান করিবে, তথন তাহাদিগের বাহিরে যাইবার এরাদা रहेरव। এक मिन **ए**जद्र९ नवि कद्रिम छोझोझोर आनाद्रह खन्ना आनिहि ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের দৌলত থানাতে এক অন্ধ ব্যক্তি আইসেন। হজরৎ বিবি আয়েশা (রা) এবং অন্তাক্ত আওরং সকল যাহারা ঐ স্থানে বসিয়াছিলেন, তাঁহারা উহাকে দেখিয়া উঠিয়া যান না, এবং ব্লেন যে ঐ ব্যক্তি অন্ধ হইতেছে। হ**জরৎ নবি <sup>শ</sup>করিম ছালালা**হ আলারতে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বলিলেন, যাহার ভাৰাৰ্থ এই:---"যদি ঐ ব্যক্তি অন্ধ হয়, তবে তুমিও কি অন্ধ হইতেছ 🕍 ইহাতে জানা যাইতেছে যে, স্ক্রিন্ধ লোকদিগের সমুখেও আওরৎদিগকে যাঁইতে দেওয়া উচিত নহে। স্কুতরাং যেথানে কোন ফেৎনা হইবার ভয় আছে, এমন স্থলে আওরৎদিগকে যাইতে দেওয়া কদাচ উচিত নহে।

আরে বেরাদর, তুমি শ্বরণ রাখ বে, আল্লাহ্ তাআলার রাস্তার মঞ্জেল
সম্বের মধ্যে ছনিয়া এক মঞ্জেল হইতেছে; এবং যাবতীয় মহ্যা এই
মঞ্জেলে মোছাফের সদৃশ হইতেছে। তুমি ■ তোমার বিবি এই বিপদসন্থল ছনিয়ার ছই মোছাফের হইতেছ। অল্ল দিনের জন্ত তোময়া উভয়ে
একল আছ, ইহার পরের মঞ্জেল তোমাদিগের কবর হইতেছে। তাহার
পরের আছে কেয়ামত হইতেছে। তাহার পরের মঞ্জেল দোজধ কিছা

বেহেশ্ত হইতেছে। কে কোণার বাইবে, তাহার কোন নিশ্চরতা নাই
ক্রেরাং ছনিরার জেন্সোনিকে গনিমৎ মনে করিয়া, সতত খোদাওন
করিমের দল্কে রজু রাখিবে; এবং জিকির এলাহি মোদাম
করিতে থাকিবে; এবং নামা আমলে নেকিজমা করিতে সতত ষত্রবান
থাকিবে। যখন বাজারে যাইবে, তখন এই তছ্বিহ্ পড়িবে।

لاَ اللهُ اللهُ وَهُدَهُ لاَ شَرِيْكَ لَهُ لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْمَهُونَ لِيَمُونَ بِيَدِهِ الْحَمْدُ يَحْى وَيُمِيْتُ وَهُوَ حَى لاَ يَمُوْتُ بِيَدِهِ الْحَمْدُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْ قَدِيْرٌ \* الْمَحْدُرُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْ قَدِيْرٌ \*

লাইলাহা ইলালাহ ওয়াহ্দাহ লা শারিকালাহ লাহল, মুক্ ওয়া লাহল, হাম্ছ ইউহ্রি ওয়া ইউমিতু ওয়া ছওয়া হাইউন্ লাইয়াম্ভু বেইয়া দিহিল ধারত্বে ওয়া ভাগা কুলে শাইয়িন্ কাদির্ণ হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলাগহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই:—যে ব্যক্তি বাজারে যাইবে, এবং এই তছ্বিহ্ পড়িবে, তাহার জন্ত বিশ লক্ষ নেকির ছওয়াব লিখিবেন। এবং ফর্মাইয়াছেন যে, "গাফেলদিগের মধ্যে আলাহ্তাআলার জিকির কর্নেওয়ালা এমন হইতেছে, যেমন ভাগ্নেওয়ালাদিগের মধ্যে জেহাদ্ কর্নেওরালা কিমা মুর্লাদিগের মধ্যে জেনা ব্যক্তি।" হজরৎ হাছান্ বছুরি (রা) ফর্মাইয়াছেন যে, বাজার মধ্যে আলাহ্তাআলার জিকির কর্নেওয়ালা ময়দান কেয়ামতে, এমন রওশ্নির সঙ্গে আসিবে; যেমন চল্লের রঞ্খনি । এবং উহার গোল্বা স্র্য্যের মত হইবে। হজরৎ এব্নে ওমার (রা) এবং ছালেম এব্নে আব্লাহ্ (রা) এবং অন্তান্ত বুজুর্গানে দিন কেবল মাত্র এই তছ্বিহ্ পড়িবার জন্ত বাজারে বাইতেন।

চতুর্থ আদব ইহা হইভেছে যে, মরদকে উচিত আওরৎকে খানা ভাল রকম দেয়; ইহাতে ভঙ্গি না করে, এবং এছ্রাফ্ও যেন না করে, এবং ইহা ষেন স্মরণ রাথে যে, আওরৎকে খানা দিবার ছওয়াব খয়রাত দিবার ছওয়াব হইতে জেয়াদা হইতেছে; এবং মরদকে উচিত খেন কোন ভালখানা একেলা না খার। যদি ভাল খানা খাইয়া থাকে, তাহার বিষয় বিবিকে না বলে; এবং যে থানা পাকাইবার কুদরৎ না রাখে, আওরং দিগের সমূথে যেন ভাহার ভারিফ বরান না করে। যদি কোন মেহ্মান না থাকে, তবে আপন আওরতের সঙ্গে থানা থাইবে। কারণ হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাবার্থ এই :—"যে বাড়ীর লোক পরম্পর মিলিরা থানা থার, তাহাদিগের উপর আলাহ তাআলা রহ্মৎ নাজেল করিয়া থাকেন, এবং ফেরেশ্তা তাহাদিগের গোনাহ, মাফির জন্ত দোওয়া করেন।" মরদকে উচিৎ, যে নোফ্কা আগুরৎকে দিবে, তাহা হালাল কামাইদ্বারা পর্দা করিয়া দিবে। কারণ বাড়ীর লোকদিগকে হারাম মাল ছারা পরওয়ারেশ করা বড় খেয়ানত ও জুলুম, হইতেছে। ইহা হইতে বড় জুলুম ও থেয়ানত আর নাই। আল্লাফ্সা ছালিয়ালা ছৈরেদেনা মোহামদ্। আয়ে বেরাদর, আলাহ্তাআলা কোরান মজিদ মধ্যে এক স্থানে বলিয়াছেন, যাহার ভাৰার্থ এই:- "হালাল পাকিজা বস্তু সকল থাও এবং নেক কাজকর ।" এবং হজরৎ নবি করিম ছাল্লালয় আলায়ছে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম কর্মাইয়াছেন যে, "হালাল তল্ব করা মোছলমানদিগের উপর ফরজ হইতেছে।" এবং ফর্মাইয়াছেন, "যে বাক্তি আপন আয়েল্কে হালাল মাল উপাৰ্জন করিয়া থাওয়াইয়া পাকে, ঐ ব্যক্তি এমন হইতেছে, বেন আল্লাহ্তাআলার রাস্তাতে জেহা<del>দ</del> করিতেছে, এবং যে ব্যক্তি ছনিয়াকে হালাল্ পরহেজ্গারির সঙ্গে তলব করে, ঐ ব্যক্তি শহিদদিগের মর্ত্তবা পাইবে।" রওয়ায়েৎ আছে,

হজরৎ ছাদ্ (রা) হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিছি - ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছাল্লাম নিকট আবোজ করিলেন যে, আপনি আমার দোওয়া করেন, যে আলাহ্তাআলা আমার দোয়া কবুল করিয়া লইডে থাকেন; হজরৎ ফর্মাইলেন, আপন খানা পাক্ 🖿 হালালু কর, তোমার দোওয়া কবুল হইবে। হাদিছ শরিক মধ্যে আছে, ধাহার \* ভাবার্থ এই : —"আলাহ্তাআলার এক ফেরেশ্তা বয়তুল ম**কদছের** উপর প্রত্যেক রাত্রে নেদা করিয়া থাকেন, যে ব্যক্তি হারাম থাইবে, উহার ফরজ ও নফল কিছুই মক্বুল্ হইবে না।" এবং ফর্মাই-রাছেন, "যে ব্যক্তি এক কাপড় দশ দেরেম দিয়া থরিদ করিয়া লয়, এবং উহার মধ্যে এক দেরেম হারাম থাকে, তবে বে পর্যান্ত ঐ কাপড় উহার শরীরে থাকিবে, আল্লাহ্তাআলা উহার নামা<del>ক</del> কবুল করিবেন না।" এবং কর্মাইয়াছেন যে, "এবাদতের দশ হিস্তা আছে, উহার মধ্যে নয় হিস্তা হালাল তলৰ করা হইতেছে।" এবং ফর্মাইয়াছেন যে, আলাহ্**ভাআলা** এশাদ করিয়াছেন, যে ব্যক্তি হারাম হইতে পরহেজ করে, আমাকে শরম আছে যে, উহার নিকট আমি হেছাব লই।" এবং ফর্মাইয়াছেন, "ষে ব্যক্তি হারামের মাল কামাই করিবে, যদি ছদ্কা দিবে, তবে কবুল হইবে না, এবং যদি জমা করিয়াঁ রাখিবে, ভবে উহা দোজখের দরওয়াজা পর্যান্ত উহার রাস্তা খরচ হইবে।" হজরৎ ছেহেল তছ্তরী ( র ) বলিয়াছেন, "যে ব্যক্তি হারাম মাল খায়, সে জানিতে পারে কি না পারে, নিশ্চরই তাহার সমস্ত শরীর আলাহ্তাআলার নাফর্শাণ হইয়া যায়; এবং ঘাহার থানা হালাল পাক হয়, তাহার সমস্ত শরীর আলাহ তাআলার এবাদৎ বন্দিগী, এবং ফর্ম্মাবরদারি করিতে 📰 থাকে, এবং উহাকে নেক কাজ করিবার তওফিক নছিব হয়।" এক দিন হজরৎ ফছিল্ (র) আপন বেটাকে দেখিলেন যে, এক সোনার মোহর পানি বারা ধৌত করিতেছেন।

কারণ তিনি ইচ্ছা করিয়াছিলেন যে উহা বিক্রেয় করিবেন, এবং তিনি এই 💶 উহা ধৌত করিতেছিলেন ষে, উহার উপরে যে ময়লা আছে, তাহা উঠাইয়া ফেলাইয়া দেন---যে ময়লার 📉 উহার ওজন জেয়াদা না হয়। তিনি ইহা দেখিয়া বলিলেন, আয়ে বেটা, তোমার এই কার্য্য ফুই হজ্ এবং বিশ্ ওম্রাহ্ হইতে বেহ্তর হইতেছে। আগেকার জামানার মোছলমান সকল রোজগার হারাম ত্ইবার ভরেতে শোনার ময়লা দুর করিয়া বিক্রা করিতেন; এবং কোন বস্তুতে কোন আয়েব থাকিলে, তাহা পরিদারকে দেখাইয়া দিতেন। এ জমানার এ প্রকার ইমানদারের সংখ্যা নিতান্ত কম হইয়া পড়িরাছে। আজ কাল আমাদিগের দেশে ক্লুষক শ্রেণীর মধ্যে কতক নাদান লোক হইয়াছে, তাহারা পাটের মধ্যে পানি মিলাইয়া দাগাবাজি করত বিক্রয় করে। ইহাদিগের কি নাকেছ আফেল যে, বুঝিতে পারে না, উহাতে ভাহাদিগের কেছমৎ বড় হইয়া যায় না; অধিকন্ত রোজগার হারাম হইয়া যায়; এবং তাহাতে বর্কৎ থাকে নাঃ কোন মোছলমান ব্যক্তির এ প্রকার করা কদাচ কর্ত্তব্য নহে। কারণ রোজি রোজগার আলাহ্তাআলার একেরার মধ্যে রহিয়াছে, তাহা আলাহ্তাআলার নাফর্মানি করিলে পাওয়া যায় না। স্ত্রাং প্রত্যেক মোছলমান ব্যক্তি, হর্ হাল্তে আলাহ্তাআলার ফর্মাবরদারি করিবে। দাগাবাজি করিয়া, খরিদারকে প্রতারণা করিয়া কোন বস্তু বিক্রয় করিবে না। যদি করিবে, ভবে ভাহার রোজগার হারাম হইবে। আয়ে ভাই মোছলমান স্কল, হারামু হইতে প্রছেজ কর, এবং হালাল ব্যবসা বানিজ্য দ্বারা নিজের, এবং পরিবারস্থ ব্যক্তি দিগের ভরণ পোষণ নির্বাহ কর। কেজাকাল আর্ফিন মধ্যে লিখিয়াছেন, এক বুজর্গ হন্ধরৎ এবাহিম এব্নে আধম (রা) ছাহেবকে দেখিলেন যে, তাঁহার মাথার উপর লাকডির বোঝা বহিয়াছে। ইহা ছেথিয়া জিনি বলিলেন আমে

ভাই, তুমি এত কঠ কেন করিতেছ? তোমার খেদমতের জন্য তোমার ভাই যথেষ্ঠ হইতেছে। হজরৎ এবাহিম এব্নে আথম (রা) বলিলেন, আরে ভাই, বিষয়ে তুমি আমাকে নিষেধ করিও না, কারণ আমি শুনিরাছি, খালাল রেজেক তলব করিবার । বে ব্যক্তি জিল্লতের স্থানে দাঁড়াইবে, তাহার । বেহেশ্ত ওয়াজেব হইবে: আল্লাছত্মা ছাল্লিরালা মোহাত্মন্।

গঞ্চন আদৰ ইহা হইতেছে বে, আওরৎদিগকে এলেন বাহা নামান্ত্র, তাহারাৎ, হায়েল, নেফাছ ইত্যাদিতে কাম আইসে তাহা শিক্ষা দিবে। বিদি দিনের স্তক্ষ সকল আওরৎকে শিথাইতে কছুরি করিবে, তাহা হইলে শওহর নিজে গোনাহ্পার হইবে। কারণ আল্লাহ্তাআলা কোরাণ শরিক নধ্যে বিশ্বাছেন, বাহার ভাবার্থ এই :— "নিজেকে এবং ঘরের লোকদিগকে দোলথ হইতে বাঁচাও।" এবং ইহাও আওরৎদিগকে শিক্ষা দেওরা বড় দরকার বে, যদি আওরৎদিগের হায়েল, স্বা ড্বিবার অত্যে বন্দ হইয়া যায়; তাহা হইলে তাহাদিগের আছরের নামান্ত কালা পড়িতে হইবে। আক্ছের আওরৎ সকল এ মছরালা জানে না। হায়েল, নেকাছ্ ও বিবিদিগের প্রেরাজনীয় বিবয়গুলি আমি লিথিয়া দিতেছি। আল্লাছ্যা ছালিয়ানা মোহাম্মদ্।

হারেজ ঐ খুন হইতেছে, যাহা আওরতের বাচ্চাদানি হইতে, বিনা
দর্দে নিচড়িরা বাহির হয়। আওরৎ বালেগের এই মানি হইতেছে যে,
ঐ আওরতের বয়স নয় বৎসর হইয়ছে। আর যদি নয় বৎসরের কম
বয়সের মেয়ে খুন দেখে, তবে তাহা হায়েজ মধ্যে গণ্য নহে। উদাহরণ
য়রপ বলিতেছি, যেমন যদি ছয় বৎসর বয়সের মেয়ে, কিম্বা সাত বৎসরের
মেয়ে খুন দেখে; তবে তাহা হায়েজ নহে, বরং বেমারি হইতেছে।
এবং নয় বৎসর বয়সের মেয়ে খুন দেখিলে, উহা হায়েজ হইতেছে,

হইতে না পড়ে, উহাও হায়েজ নহে। এবং এইরূপ যে খুন বাচ্চাদানি হইতে বেমারের 💶 বাহির হয়, উদাহরণ স্বরূপ বলিতেছি, যেমন দর্দ হয়, উহাও হায়েজ নহে; 📰 হায়েজ আসিবার মুদ্ধৎ ছেন আয়াছ্ তক্ মকরর করিয়াছেন; এবং ছেন আয়াছের আন্দাকা ইহা ছইতেছে যে, আওরং বাইট বংসর বয়সের হয়। পুনঃ যদি আওরং ছেন আয়াছের পরে কিছু খুন দেখে, তাবে তাহা হারেজ নহে। কিন্তু যুখন ছিয়া রক খুন, কিয়া যথন খুব ছুর্থ বঙ্গ খুন দেখিবে, ভাহাকেও হায়েজ জানিবে। আর যদি অর্ণ, কিখা ছব্জা, কিখা নাটীর রক্ষের খুন দেখিবে, তাহা হইলে উহা এন্তেহাজা হইতেছে। এবং হায়েজের বহুৎ কম মুদ্দৎ তিন দিন, এবং উহার রাত্র হইতেছে; এবং হায়েজের বহুৎ জেয়াদা মুদ্দৎ দশ দিন হইতেছে। যেমন নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলাগ্নহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম বলিয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই:---"হায়েজের বছৎ কম মুদ্দৎ আওরতের জন্ম (আওরৎ বিবাহিত) হউক কিমা অবিবাহিতা হউক ) তিন দিন এবং তাহার রাজ হইতেছে ; এবং হামেজের বছত জেয়াদা মুদ্দৎ দশ দিন হইতেছে।" হামেজ হইতে পাক্ হওয়াকে তহুর বলে; এবং ভহুরের বহুৎ কম মুদ্ধ পদর দিন হইতেছে, এবং জেয়াদা মুদ্দতের হদ মকরর নাই; এবং আওরৎ ছুই হায়েজের মধ্যে যে সময়টা পাক থাকে, ঐ পাকিকে তত্ত্ব বলে। উদাহরণ স্বরূপ বলিতেছি, ষেমন এক বিবি রমজান ম্বারকের প্রথম তারিথে থুন দেখিল, এবং দশই তারিখে সে পাক হইল। এবং পুনশ্চ শওয়ালের প্রথম ভারিখে খুন দেখিল; ভাহা হইলে এই যে বিশ দিন তুই হায়েজের মধ্যে গত হইল, উহাকে তহুর সময় বলে।

মছন্নালা। হামেজের মৃদং মধ্যে ছই খুনের মধ্যে যে পাকি দেখে, ঐ পাকিও হামেজ মধ্যে দাখিল হইতেছে। উদাহরণ স্বরূপ বলিতেছি, বেমন এক বিবির আদেং আছে বে, তাহার । দিন হামেজ থাকে,

বিবি ছই দিন পুন দেখিয়াছে, এবং ছই দিন পাক রহিয়াছে, তাহার

ছই দিন পুনশ্চ খুন দেখিয়াছে; তাহা হইলে ঐ ছই দিন, ঘাহা
দর্মিয়ানে পাক রহিয়াছে, ঐ ছই রোজও হায়েজ মধ্যে দাখেল হইতেছে;
এবং উহাকে "তছর মংখলন্" বলে। আল্লাছত্মা ছাল্লিয়ালা মোহাত্মদ্।

মছয়ালা। হায়েজওয়ালি আওরৎ হায়েজের মৃদ্ধং মধ্যে যে রঙ্গের খুন
দেখুক না কেন, (কেবল মাত্র খালেছ ছাফেদ্ রক্ষ ভিন্ন) উহা হায়েজ
হইতেছে। এবং হায়েজের খুনের ছয়টী রক্ষ আছে। ছোর্খ এবং ছিয়াহ্;
জর্দ এবং ছব্জা; এবং ভিরা রক্ষ; শা মাটীর রক্ষ। ভিরা রক্ষ উহাকে
বলে, খাহাতে ছাফেদি মায়েল হন; এবং মাটীর শা উহাকে বলে, যে
ছিহাই মায়েল হন; এবং মায়েল মানে ইহা হইভেছে বে, ঈষং মলিনত্ব
দেখা যার। আলাহামা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা ওয়া মৌলানা মোহামান।

আর হায়েজের এই হতুম হইতেছে যে, হায়েজওয়াল বিবি নামাজ না পড়ে, এবং রোজা না রাখে। কিন্তু যখন পাক ছাফ হইবে, তখন যত দিন রোজা রাখিতে পারে নাই, তত দিন রোজার কাজা রাখে; এবং যে নামাজ ঐ হালতে কাজা হইয়াছে, তাহার কাজা নামাজ না পড়ে। উহার কারণ এই, যখন হজরৎ হৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালাম, এবং হজরৎ হাওয়া (রা) ছনিয়াতে আদিলেন, তখন হজরৎ হাওয়া (রা) এক দিন নামাজ মধ্যে ছিলেন, এমন সময় হায়েজ দেখিলেন, এবং হজরৎ হাওয়া (রা) বেহেশ্ত মধ্যে কথনও হায়েজ দেখিয়াছিলেন না। যখন হজরৎ হাওয়া (রা) ছাহেবার নামাজ মধ্যে হায়েজ হইল, তখন হজর ও ছেয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালামকে জিজ্ঞাসা করিলেন, নামাজ আদা করিব কি না ? হজরৎ হৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালামকে জিঞ্ঞাসা করিলেন। হজরৎ জিত্রাইল আলায়হেচ্ছালাম্বে

আলাহ্তাআলাকে ক্রিলোন। ভুকুম হইল, নামাজ আদা না করে! কতক দিন পরে পুনশ্চ হায়েজ আসিল, তখন হজরৎ হাওয়া (রা) হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালামকে ঞ্জিজানা করিলেন (दाका दाश्वि कि ना ? इक्षद्र हिस्सामना आपम आणाम्य दिल्लान, রোজা রাখিও না। পুনশ্চ যথন হজরৎ হাওরা (রা) হারেজ হইতে পাক হুইলেন, তথন হ**জ্বৎ জিবাইল আলায়হেছালাম আলাহ**্তা**জালার ছুকু**ম পৌছাইলেন যে, হজরৎ হাওয়া (রা) কে বল যে, রোজার 🚃 কাজা রোজা রাথে। তথন হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালাম মোনাজাত ক্রিলেন, আর আলাহ্ভাআলা নামাজের বদ্লা কাজা নামাজ পড়িতেতো ছকুম হয় নাই ? জওয়াব আসিল যে, নামাজ পড়িতে আমি নিষেধ করিয়াছিলাম যে নামাজ পড়িও না ; পুনঃ তাহার কাজাও না পড়ে; এবং ব্যেজার বিষয় তুমি বলিয়াছ যে, ব্যেজা রাখিও না, ফের তাহার কাজা রোজা রাখিবে। হায়েজ্ওয়ালি আওরৎ মছ্জেদ্ মধ্যে ধাইবে না; এবং কাবা শরিফের তোয়াফ্ করিবে না, এবং ঐ আওরতের বদন হইতে বে অংশ ইজারের নীচে আছে, নাভি হইতে জামু পর্যান্ত, কারদা লওয়া ময়দের 💶 হারাম হইতেছে 🛮 এবং বোছা লওয়া, এবং বে শরীর ইন্ধারের উপর আছে. তাহা স্পর্শ করা হালাল হইতেছে। আলাফ্রনা ছালিয়ালা মোহামদ্। মছয়ালা। শওহরের জন্ম আপনার আওরতের সঙ্গে হায়েজের হালতে

মছয়ালা। শওহরের জন্ম আপনার আওরতের সঙ্গে হায়েজের হালতে হাম্বিস্তার হওয়া: (স্বামি স্ত্রী ব্যবহার) হারাম হইতেছে; এবং যে ব্যক্তি ইহাকে হালাল জানে, সে কাফের হয়।

মছ্য়ালা। যদি কোন ব্যক্তি ভূল বশতঃ কিম্বা নাদানি বশতঃ হেরেছের জন্ম হার্মেজের হালতে আপন আওরতের সঙ্গে হাস্বিস্তার (স্থামি স্ত্রী ব্যবহার) হইয়া থাকে, তবে তাহার উপর ওয়াজেব্ হইতেছে যে, রাত দিন

যে, এক দিনার কিখা আধা দিনার উহার কাফ্ফারা জন্ত ছাদ্কা দের। এবং হায়েজ্ওয়ালি আওরৎ কোরাণ পড়িবে না। নেকাছ ঐ খুন হইতেছে, ৰাহা সন্তান পয়দা হইবার পরে আইসে। ইহার কম মুদ্দতের হদ্ মকরর নাই, এবং উহার বছত জেয়াদা মৃদ্দতের হদ্ চল্লিশ দিন হইতেছে। আর খদি তুই সন্তান প্রদা হয়, এক প্রথমে এবং এক পরে-- তাহা হইলে প্রথম সন্তান পরদা হইবার পর হইতে নেফাছু হইতেছে। যদি হামেল পড়িয়া যায়, এবং উহার কোনও কোনও অঙ্গ প্রত্যঙ্গ গঠিত হইয়া থাকে, তাহা হইলে উহাও সন্তান বলিয়া ধর্ত্তবা 📒 ঐক্লপ সন্তান প্রস্তুতি আওরৎও নেফ্ছা বলিয়া গণ্য। হায়েজের এবং নেফাছের একই ছকুম। যাহা হাম্বেজ মধ্যে নিষেধ, নেফাছ মধ্যেও ভাহা নিষেধ। যে আওরতের পুন, হায়েজ ও নেফাছের বড় মুদ্ধতের পরে বন্দ হইল, অর্থাৎ দশ দিন পরে হায়েজ বন্দ হইল, ্এবং চল্লিশ দিন পারে নেকাছ বন্দ হইল, ঐ আপ্ররতের সঙ্গে গোছল করিবার অগ্রে হাম্বিস্তার হওয়া **ত্রস্ত আছে। যে আওরৎ** দশ দিনের কম সময় মধ্যে হায়েজ হইতে পাক হইয়াছে, এবং চলিশ দিনের কম সময়ে নেফাছু হইতে পাক হইয়াছে, ঐ আওরতের সঙ্গে গোছলের প্রথম হাম্বিস্তার হওয়া ছুরন্ত নহে। কিন্তু যথন এই পরিমাণ সময় গুজরিয়া যাইবে যে, ঐ সময় মধ্যে গোছল করিতে পারে, এবং নামাজের তহ্রিমা বান্ধিতে পারে, তাহা হুইলে ঐ পরিমাণ সময় গত হইলে পর, তাহার দক্ষে হাম্বিস্তার হওয়া হরস্ত আছে—যদিও ঐ আওরৎ গোছণ না করিয়া থাকে। কিন্তু বেগায়ের গোছলে নামাব্দ পড়া ছরন্ত নহে।

যথন কোন আগুরতের খুন দশ দিন হইতে কম সময়ে বন্দ হয়, অর্থাৎ তিন কিয়া চারি, কিয়া পাঁচ কিয়া ছয় কিয়া সাত, কিয়া আট কিয়া নয় দিনের মধ্যে, এবং উহার আদত হইতে কম হয়। উদাহরণ স্বরূপ বলিতেছি, যেমন উহার আদত ছিল যোহরের সময়, এবং এই খুন

হুই প্রহরের সময় বন্দ হইল, তাহা হইলে এই ছুরতে নামাজের আথের ওয়াজ পর্যান্ত গোছল করিতে দেরি করা ওয়াজেব ছইতেছে। এই কারণ বশতঃ যে হইতে পারে, কি জানি পুনশ্চ খুন জারি হইতে পারে। কেননা উহার আদতের প্রথমে খুন মৌকুক হইয়াছে; এবং এত দেরি না করে বে, ওয়াজ মকরাহ্ হইয়া যায়, বরং মন্তাহার সময় পর্যান্ত দেরি করে; এবং বদি নামাজ কোউৎ হইয়া যাইবার ভর হয়, তাহা হইলে গোছল করিয়া নামাজ পড়িয়া লইবে। যাহাতে নামাজ কোউৎ হইয়া ষায়, এমন দেরি কদাচ করিবে না। আলাজ্যা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ ওয়া আলা আলিছি ওয়াআছ্ হাবিছি ওয়া বারিক ওয়াছাল্লেম্।

মছরালা। যদি এক বিবি সন্তান প্রস্ব করিরা থাকে, এবং দশ দিন, কিলা জেরালা সময়েতে পাক হর, তবে উহার উচিৎ যে নামাজ পড়ে, এবং রোজা রাথে, এবং চল্লিশ দিন গুজরিরা ঘাইবার জন্ত অপেক্ষা না করে। বাজে আওরৎ সকল চল্লিশ দিনের কম সমরে যে পাক হইরা থাকে, এবং চল্লিশ দিন যে পর্যান্ত গত হইরা না যার, তত দিন নামাজ পড়ে না, ইহা উহাদিগের নিতান্ত ভূল হইতেছে। এ রকম কথনও করা চাই না। অর্থাৎ চল্লিশ দিনের কম সমরে যদি নেফাছের খুন বন্দ হইরা যার, তবে পোছল করিয়া নামাজ পড়িবে, এবং রোজা রাখিবে চল্লিশ দিন গত হইরা যাইবার জন্ত কখনও বিলম্ব করিবে না।

মছরালা। যে খুন হায়েজের কম মুদ্দৎ মধ্যে—অর্থাৎ তিন দিনের কমে বন্দ হইয়াছে, কিম্বা উহার বড় মুদ্দৎ; অর্থাৎ দশ রোজ হইতে জেয়াদা হইয়াছে, কিম্বা নেফাছ্ চল্লিশ দিন হইতে জেয়াদা হইয়াছে, কিম্বা হামেলা আওরং খুন দেখে, এই সমস্তকে "এস্তেহেজা" বলে। যে আওরৎ এমন হইতেছে যে, তাহাকে কথনও হায়েজ্ ■ নেফাছ্ হইয়াছিল

ভকুম :—অর্থাৎ বদি উহার খুন জেরাদা দিন তক্ জারি থাকে, তাহা হইলে
তাহার জন্ম হারেজ হর মাসের দশ দিন হইতেছে; এবং মে খুন দশ দিন
হইতে জেরাদা হয়, তাহা এস্তেহেজা হইতেছে; এবং নেফাছ্ তাহার 
চরিশ দিন হইতেছে, এবং বাকি দিন যাহা চরিশ দিন হইতে জেরাদা
হইরাছে, তাহা এস্তেহেজা মধ্যে গণ্য। এস্তেহেজার এই ভুকুম হইতেছে
যে, যে আওরংকে এস্তেহেজা হইবে, সে নামাজ পড়িবে, এবং রোজা
রাখিবে, এবং তাহার শগুহর তাহার সহিত হাম্বিস্তার করিবে। আলাভ্রমা
ছারিয়ালা ছৈরেদেন। ওয়া মৌলানা মোহাম্বদ্।

ইজরৎ নবি করিম ছালালাছ আলারতে ওরা আলিহি ওরা আছ্ হাবিহি ওরা ছালাম ফর্মাইরাছেন, যাহার ভাবার্থ এই:—বে বিবির হারেজ্ হইরাছে, যদি সে বিবি হারেজের অবস্থার প্রভ্যেক নামাজের সমর সম্ভর মর্তবা।

## أَسْتَغُفِرُ اللَّهُ \*

"আন্তাগ্ ফেরারাই" বলে, তাহা হইলে আরাহ্তাআলা তাহাকে হাজার রেকাত নামাজের ছওরাব দিবেন; তাহার সত্তর গোনাহ্ মাফ করিবেন; সত্তর দর্জ্জা বেহেশ্ত মধ্যে এনায়েৎ করিবেন; আন্তাপ্ ফেরারাহ্" শব্দের প্রত্যেক হরফের বদলা এক সুর এনায়েৎ করিবেন। তাহার শরীরে যত চুল আছে, প্রত্যেক চুলের শোমার হজ্ ও ওম্রার ছওরাব তাহার লিখিবেন, এবং যখন হায়েজ হইতে পাক হইবে, ও গোছল করিবে, ও গুই রেকাত নামাজ পড়িবে, প্রত্যেক রেকাতে ছুরা কাতেহার পর, তিন বার ছুরা এখলাছ পড়িবে, ঐ অবস্থার আল্লাহ্ তাআলা তাহার ছিগরা । কবিরা সমস্ত গোনাহ্ ( যাহা সে পূর্বের্ক করিয়াছে ) মাফ করিবেন, এবং ঘিতীয় হায়েজ্ পর্যান্ত তাহার উপর পোনাহ্ লিখিবেন না।

এতদাতীত ঐ বিবি সন্তর শহিদের ছণ্ডয়াব পাইবে; বেহেশ ত মধ্যে ঐ বিবির জন্ত মহল গ্রন্থ করা হইবে; তাহার মাণার বত চুল আছে প্রত্যেক চুল পিছে ঐ বিবির আ এক মূর এনারেৎ হইবে, এবং বদি দিতীয় হারেজের অত্যে মরিরা যায়, তাহা হইলে শহিদরূপে মরিবে। আর হারেজ্ওয়ালি আওরতের উপর মন্তাহাব হইতেছে বে, প্রত্যেক নামাজের সময় ওজু করিবে, এবং মান্তি বিলি আই করিবে, এবং মান্তি বিল নামাজ পড়িত, তাহা হইলে তাহার নামাজ পড়া সমাধা হইরা যাইত। ইহাতে এই উপকার হইবে বে, ঐ আওরতের নামাজ পড়িবার আদত যাইবে না। (মেক্তাছল জারাৎ)।

ষষ্ঠ আদব ইহা হইতেছে যে, যদি কোন মরদের তুই বিবি থাকে, তবে তাহাদিগের নধ্যে বরাবরির লেহাজ রাখিবে। হাদিছ শরিক মধ্যে আসিয়াছে, বাহার তাবার্থ এই :— "যে ব্যক্তির এক আগুরতের তরক জেয়াদা রগ্বৎ থাকিবে, কেয়ামতের দিন তাহার আধা শরীর টেড্হা হইয়া যাইবে।" এনাম-বথ্শেষ, খানা-লেবাছ ইত্যাদিতে, এবং রাজে তাহাদিগের নিকট থাকিতে, যাহাতে কমি বেশী না হয়, তাহার লেহাজ রাখিবে। কিন্তু মহববৎ এবং মোবাশরৎ করিতে বরাবরির লেহাজ রাখা ওয়াজেব নহে। কারণ ইহা আপন এজেয়ারি নহে। যদি কাহারও তুই বিবি থাকে, তবে সতর্কতা সংকারে বয়াবরির লেহাজ রাখিয়া, সতত দেলকে খোদাওশ করিমের তরফ্ রজু রাখিবেন।

আর বেরাদর, আল্লাহ তাআলা কোরাণ মজিদ মধ্যে, ইমানদার ব্যক্তি-দিগকে হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া-আছ্হা-বিহি ওয়া ছাল্লামের উপর, দর্মদ শরিফ পুড়িবার জন্ম তাকিদের সঙ্গে ত্ত্বম করিয়াছেন; এবং হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি

ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম, হাদিছ শরিক 💴 কর্মাইয়াছেন ; যাহার ভাবার্থ এই :—"যে ব্যক্তি আমার উপর একবার 🚃 পড়ে, আল্লাহ্-তাআলা তাহার উপর দশবার রহ্মৎ নাজেল করেন; এবং তাহার দশ পোনাহ্মাফ করেন; এবং তাহার দশ দর্জা বলন্দ করেন।" তিনি ইহাও ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :—"যে মোছলমান আমার উপর দরুদ পড়ে, ফেরেশ্তা ঐ দরদকে লইয়া আমার নিকট পৌছাইয়া দিয়া থাকে; এবং নাম লইয়া বলিয়া থাকে যে ফালানা এই প্রকার দর্ম ভেন্ধিতেছে।" তিনি আরও ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই:—"বে 🤌 ব্যক্তি প্রাতঃকালে দশবার, এবং সন্ধ্যাকালে দশবার আমার উপর দর্দ পড়িবে, কেরামতের দিন উহার 💌 আমার শফারাৎ হইবে।" এবং ফর্মাইয়াছেন, যাহায় ভাবার্থ এই :— "যে ব্যক্তি জুমার দিনে এক শত বার আমার উপর দক্তদ পড়িবে, তাহার **আশি বৎসরের গোনাহ**ু মাফ হটবে।'' এবং হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, বাহার ভাবা**র্থ এই:**— "যে বাজি জুম্মার দিনেতে এক হাজার বার দরদ পড়ে, ঐ ব্যক্তি বে পর্যাস্ত আপন স্থান বেহেশ্ভ মধ্যে না দেখিবে, তুনিয়া হইতে যাইবে না।" ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :—"তোমাদিগের মধ্যে যে ব্যক্তি আমার উপর অধিক পরিমাণে দরদ পড়িয়া থাকে, উহার জ্বন্ত বিহেশ্ত মধ্যে সংখ্যক হর পাওয়া ঘাইবে।" পুর্ব্ব জমানার বৃজুর্গানেদিন দিগের আদত ছিল, কশ্রতের সঙ্গে তাঁহারা 📉 শরিফ পড়িতেন; এবং এই জন্ম তাঁহারা হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া ছাল্লাম নিকট, নিভাস্ত পেয়ারা হইতেন। যিনি হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আশায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম নিকট পেয়ারা হইতেন, তিনি আলাহ্তাআলার পেয়ারা ওলি হইয়া <mark>যাইতেন। কা</mark>রণ যিনি মক্বুল্ রছুল হইতেছেন, তিনি আলাহ্তালার মক্বুল্ বান্দা হইতেছেন। এবং যিনি

' আল্লাহ্তালার মক্বৃল বানদা হইতেছেন, তিনি মক্বৃল্ রছুল হইতেছেন। আম্মে বেরাদয়, আপন পেরারা উক্ষতের উপর হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাছ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লামের কি পরিমাণ শাফাকাৎ থাকে, ভাহা দেখ। হজরৎ এহ ইয়া মাজ (র) এক আরেফ কামেল, তরিকতের বড় বুজুর্গ পীর ছিলেন। তিনি জমানার এমাম, এবং বড় ছথি ছিলেন। হাজি, গাজি, ফজির, ছুফি, এবং আলেম দিগের উপর ধর্চ করিয়া, এক সময়ে তিনি এক লাখ দেরেমের করজদার হইয়া-ছিলেন। করজ দেনেওয়ালা টাকার জন্ত তাকাদা করিতেছিল, তিনি চিস্তিত ছিলেন। অতঃপর একদা জুমার রাত্রে তিনি স্বপ্নে দেখিলেন যে, হজরৎ নবি-করিম ছাল্লালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছংলাম বলিতেছেন, "আছে এহ্ইয়া (র) তঃখীত হইও না। কারণ তোমার হঃধ আমাকে ছঃধিত করিয়া থাকে। তুমি উঠ, এবং খোরাছানের দিকে যাও। ভুমি যে এক লাখ দেরেম ফকিরদিগকে দিয়াছ, ভাহার বদ্লা ভিন লাখ দেরেম এক ব্যক্তি ভোমার জ্বন্থ রাখিয়া দিয়াছে, যেন তোমার আন্দেশা দূর হয়, এবং করজ আদা হয়।" এছ ইয়া (র) জিজাসা করিলেন, "ইয়া রাছুলালাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, ঐ ব্যক্তি কে 🕆 এবং তিনি কোথায় আছেন ?'' ফর্মাইলেন, "তুমি শহর-বশহর ওয়াজ করিতে করিতে যাও, কারণ তোমার ওয়াজ মাহুষের দেলের জন্ত শাফা হইতেছে। আমি যেমন তোমার নিকট আসিয়াছি, এইরূপ ঐ ব্যক্তির নিকটও ষাইব।" এই স্বপ্ন দেখার পর, জনাব হজরৎ এহ ইয়া (র) প্রথমে নেশাপুর আসিলেন। লোক দকল আগ্রহ সহকারে মেম্বার থাড়া করিয়া দিল। তিনি মেশারের উপর দাঁড়াইয়া বলিলেন:—"আরে নেশাপুরের লোক সকল, আমি এই স্থানে হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলারছে ওয়া

আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালামের এশারা অহুবারী আসিয়াছি, কে এক ব্যক্তি আমার আদা করিয়া দিবে, এবং আমি 📨 লাখ দেরেম চান্দির করজ্দার আছি, তোমরা স্থান যে, আমি কি পুবি ও রৌনকের সঙ্গে ওয়াজ করিতাম, কিন্তু এখন এই করজ আমার ওয়াজের জ্বভাপদা স্বরূপ হইয়াছে।" হাজেরীন লোক সকলের মধ্য হইতে এক ব্যক্তি বলিয়া উঠিলেন, আমি পঞ্চাশ হাজার দেরেম দিব। দ্বিতীয় এক ব্যক্তি বলিলেন, আমি চ**ল্লিশ হাজা**র দেরেম দিব। তৃতীয় **এক ব্যক্তি** বলিলেন, আমি দশ হাজার দেরেম দিব। হজরৎ এহইয়া (র) শুনিরা বলিলেন, আমি হরগেজ ইহা লইব না। কারণ হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া-আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম এশীদ করিয়াছেন, বে এক ব্যক্তি আমার করল আদা করিরা দিবে। তাহার পর তিনিওয়া<del>জ</del> প্রকাকরিলেন। ওয়াজ সমাধা হইলে 🖥 মজলেছে সাত ব্যক্তির মৃত দেহ পাওয়া গিয়াছিল। হজরৎ এহ্ইয়া (র) ত**থা হইতে বল্ধ**ু ও মারাজ শহর হইয়া, ওয়াজ করিতে করিতে হর্রি শহরে পৌছিলেন, এবং তথায় ওয়াজের মজ্লেছে করঞের বিষয় এবং জুনাব নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের এশাদ বয়ান করিলেন : হর্রি শহরের আমিরের ছাহেবজানী ঐ ওয়াজ মজ্লেছে উপস্থিত ছিলেন, তিনি বলিলেন, "আয়ে এমাম ছাহেব, আপনি করজের আন্দেশা দেল হইতে দুর করুন। যে রাত্রে হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলামছে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আপনার নিকট স্বপ্নে গিয়াছিলেন, ঐ রাত্রে তিনি আমার নিকট ও আইসেন। আমি জিজ্ঞাসা করি, "ইয়া রাছুলালাহ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু-হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আমি তাঁহার নিকট যাই ?" হজবৎ ফর্মাইলেন, "না তুমি যাইও না, তিনি খোদ তোমার নিকট আসিবেন।" সেই

হইতে আমি হুফুরের এত্তেজার করিতেছি। আমি তিন লাখ সেরেম চান্দি হুজুরকে ধএরাৎ করিলাম, মেহেরবানী করিয়া কর্ল করিয়া এ বান্দিকে সরক্রাঞ্জ করুন। কিন্তু আমি এক আজু রাখি, তাহা এই:—হুজুর মেহেরবানী করিয়া, আর চারি দিন এথানে ওয়াজ বয়ান কর্মন।" তৎপর হজরৎ এহ ইয়া (র) চারি দিন ওয়াজ বয়ান করিলেন। প্রথম দিন হজরতের ওয়াজ মজলেছ্ হইতে দশ ব্যক্তির জানাজা উঠান্ হইল; দ্বিতীয় দিন পটিশ ব্যক্তির জানাকা উঠান হইল; ভূতীয় দিন চলিশ ব্যক্তির জানাজা বাছির হইল; চতুর্থ দিন সত্তর ব্যক্তির জানাজা বাহির হইল। পঞ্চম দিবস তিনি হর্রি শহর হইতে রওয়ানা হইলেন। হর্বি শহরের আমিরের ছাহেবজাদী, সাত উটের উপর চান্দি বোঝাই ক্রিয়া দিরাছিলেন। আরে বেরাদর, পূর্ব জামানার আলেম দিগের শরাফৎ দেখ। তিন ব্যক্তি এক লাখ দেরেম দিতে সম্মত হইরাছেন, গ্রহণ করেন নাই। এ ক্ষমানার কি ঐকপ আলেম নাই ? আছে-ত্তি ক্ষ। সে জামানার বুমিন দিগের দেলের ছেকংকে দেখ, কি প্রকার মহকাৎ এলাহিতে পরিপূর্ণ ছিল, যে ওরাজ শুনিরা এলাহিতে, খোয়াফ্ এলাহিতে, তাঁহাদিগের জান কবজ হইয়া পিরাছে। সে জামানার দৌলংমন্দ লোক দিগের ছথী দেল্কে দেশ, বুজুর্গানদিগের অভাব মোচন করিতে, তাহাদিগের হাত কেমন কোলাদাহ ছিল। সে জামানার বিবিদিগের নেকবথ্তীকে দেখ, কভ কোশেশ ও মহব্বতের সঙ্গে আল্লাহ্ভাব্যালার এবাদৎ বন্দিগী ক্রিয়া, ও ক্পরতের সঙ্গে দক্ষ শরিফ পড়িয়া, হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের পেয়ায়া হইসাছিলেন। আর সকলের উপর, আর আমার ভাই, দেখ হজরৎ এহ ইয়া (র) প্রতি নিৰ করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া

শাফাকাৎকে দেখ, তাঁহার বেছেরবানীকে দেখ। বিনি ছনিয়াতে উন্নৎ প্রতি এই প্রকার এহ ছান্ ও মেহেরবানী করিতেকেন, ময়দান কেয়ামতে গোনাহ গার উন্নতকে দোলধ হইতে বাঁচাইনার অন্ত, তিনি কি পরিমাণ কোশেশ করিবেন । আমি নিশ্চয়রপে বলিতেছি, নাদান গোনাহ গার উন্নৎ তাহা ব্রিবার দেয়াকং রাখে না। আর আমার দোল্ড, অগ্রসর হও, নর্কা কার্যা পরিত্যাগ করিয়া প্রথমতঃ জেয়ারং জনাব হলরং হৈয়েদেন। মোহান্মাদোর্ রাছুলুয়াহ্ ছায়ায়াহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছায়াম হাছেল করিতে বছবান্ হও, এবং তাঁহার মহর্কাৎ লাভের আলান ও মাল নেছার কয়, বে তোমার ওক্রা খায়ের হয়। হল্ডরৎ নবি করিম ছায়ায়াহ আলারহে ওয়া আলিহি করা ছায়াম ছাহেবেয় জেয়ারং নছিব হইতে পারে, এমন এক তল্বির আমি যোতাবর কেতাব হইতে এই স্থানে লিথিয়া দিতেছি; তাহা এই:—দর্মদ শরিক

জুমা রাত্রে, ছই রাকাৎ নফল নামান্ধ্য, প্রভাবে রাকাতে বাদ
ছুরা ফাতেহা, এগার মর্ত্রা আয়তল্ কুর্ছি, এবং এগার মর্ত্রা ছুরা
এখ্লাছ পড়িরা ছালাম ফিরাইবে। তাহার পর এই দক্ষদ শরিক্ষ
এক হালার মর্ত্রা পড়িবে। ওজুর সহিত, পাক বিছানাতে জাতর
বোশব ইত্যাদি লাগাইরা, ডাহিন করোটে শুইয়া থাকিবে। ইন্শাআল্লাহ্
জ্বোরৎ নছিব হইবে। অনেক মুমিন বান্ধা ইহা আমল করিয়া, জ্বেয়ারৎ
ক্রনাব র্ছুল করিম ছাল্লাল্লাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিছি
ওয়া ছাল্লাম হাছেল করিয়াছেন। বদি প্রথম রাত্রে জ্বেয়ারৎ নছিব না হয়,
তবে তিন রাত্র পর্যান্ত্র পড়িবে।

ছাল্লালাৰ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছুহাবিহি ওয়া ছাল্লাম, বাহার ভাবার্থ এই:--"দক্রদ পড় আমার উপর রৌশন রাত্রে, এবং রৌশন দিনেতে, অর্থাৎ জুন্মা রাত্রে এবং জুন্মা দিনেতে। আয়ে বেরাদর, জুন্মা দিন অতি মোবারক দিন হইতেছে। এই দিনেতে হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলার হেচ্ছালাম পরদা হইরাছিলেন। এই দিনে তিনি বেহেস্ত মধ্যে দাখেল হইয়াছিলেন। এই দিনে তিনি ছনিয়ায় আইসেন। এই দিনে তাঁহার তৌবা কবুল হয়। এই দিনে তিনি এস্তেকাল করেন। এই দিনে কেরামৎ কারেম হইবে। এই দিন বেহেশ্ত মধ্যে আলাহ্ভাআলার দিদার নছিব হইবে। স্থতরাং এই দিনেতে নিতান্ত কম পক্ষে, এক হাজার দক্ষদ পড়িবে। ছনিয়া পরস্ত লোকদিগকে দেখ নাই, কেমন দিবা রাত্র দৌশত হুনিয়া জমা করিতে পরিশ্রম করিতেছে; তবে আথেরাৎ ওয়ালাদি-গের কি হইয়াছে, যে দৌলৎ ওক্বা জমা করিতে কাহিলি করে? এবং যে সময়ে নাম মোবারক হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলারহে ওরা আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম জবানে বলিবে, কিম্বা কাণে শুনিবে, ঐ সময়ে দক্ষদ শরিফ পড়িবে। যেহেতু জনাব রাছুলুলাহ্ ছালাল্লাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছুহাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই:-- "বধীল ঐ ব্যক্তি হইতেছে, যাহার নিকট আমার নাম লওয়া যার; এবং সে দরুদ শরিফ পড়ে না।" আল্লাভ্যা ছালিয়ালা মোহামদ্।

পূর্বে জামানার ছালেক লোকদিগের আদত ছিল, এশা নামাজ বাদ তাঁহারা অধিক পরিমাণে দক্ষদ শরিফ পড়িতেন। এবং এই আমলের জন্ত বড় বড় বুজুর্গ মর্ত্তবা লাভ করিয়াছেন। শেখ হজরৎ এবনে হাজর মঞ্চি (র) লিখিয়াছেন; এক ছালেক ব্যক্তি, প্রত্যেক রাত্রে শরন করিবার সমর, আপন মকররি দক্ষদ শরিফ পড়িয়া শরন করিতেন। এক রাত্রে তিনি স্থাপ্ন দেখিলেন যে, জনাব রাছুলুরাহ্ ছারালাহ আলায়হে আলানিহি

ওরা আছ্ হাৰিহি ওরা ছালাম, তশ্রিফ্ আনিয়াছেন। তাঁছার আগমনে সমত্ত ঘর রৌশন হইরা সিরাছে। হজরৎ ( ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি 💴 আছ্থাবিহিভিয়া ছালাম ) তাঁহাকে বলিলেন, ঐ সুথ আমার নঞ্জিক শইয়া আইস, যে মুখে আমার উপর বহুৎ দক্তদ পড়িয়া থাকে, যে আমি ভাহাতে বোছা দেই। আহা, ছিনা চাক্ হইয়া যাইবার মোকাম হইতেছে 🛭 হজরৎ নবিকরিন ছাঞ্লাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লামের এহছান্ ও মহববংকে দেখ। আরে বেরাদর, এই সমস্ত দৌলং হাছেল করিবার জন্ত, তুমি কোন আথেরাতের ছওদাগরের নিকট যাও, ভরিকতের পির মুর্শিদের নিকট যাও। ছনিয়ার ছওয়াগর যেমন অহর্হ দৌলৎ ছনিয়া জ্বমা করিতে মশ্পুল আছে; তুমি তাঁহাকে সভত আল্লাহ, আল্লাহ্, করিতে দেখিবে। আল্লাহ্, আল্লাহ্, করিয়া নিজে পরশ পাথর সদৃশ হইরাছেন। ভূমি তাঁহার নিকট যাও, তোমাকে সোণা খালেছ করিয়া দিবেন। ছনিয়ার ছণ্ডদাগরের আল্মারিতে বেমন তবকে **তবকে মাল** সজ্জিত দেখিতে পাও; তাঁহার কলবে সেইরূপ, তবকে তবকে দৌলৎ ওক্বা তছাওফের দাররা গুলির কৈফিয়াৎ সজ্জিত রহিয়াছে। তোমার কলব্কে তাঁহার নজদিক পেশ্ কর, তিনি যে রঙ্গে মন্তি করিবেন, ব্যক্ত তাঙ্খালা তোমার কলবকে রঞ্জিত করিয়া দিবেন। এক সময়ে হজরৎ আবু ছরিদ (র) হজরৎ আবৃশ হোছেন থার্কানি (র) ছাহেবের নজদিক গিয়াছিলেন। কতক দিন তাঁহার সঙ্গে থাকিয়া, দেশে ফিরিয়া আইসেন। তিনি আপন দোক্তদিগকে বলিয়াছিলেন, আমি এক মাটীর পোক্তা ইট ছিলাম, এখন থার্কান শহর হইতে বেবাহা মতি হইয়া ফিরিয়া আসিয়াছি। আর বেরা**দর, আ**থেরাতের ছওদাগর, তরিকতের পির বৃজুর্গ হইতেছেন। যদি তুমি তাঁহার নিকট যাও, ইন্শা আলাহ্, তুমি বেবাহা মতি হইয়া যাইবে, ইহাতে কোন সন্দেহ নাই ? এবং তুমি তাঁহাকে সভত, আপন মাতা হইতে

শক্ষিক, পিতা হইতে মেহেরবান, এবং মাদার্জাদ ভাই হইতে রক্ষিক পাইবে। আল্লাফ্সা ছালিয়াণা ছৈয়েদেনা মোহাস্মদ্।

সপ্তম আদ্ব ইহা হইতেছে যে, যদি বিবি শওহরের ফর্শ্মাবরদারী না করে ; এবং কর্মাবরদারি করিবার ক্ষমতা বিবি না রাখে, তবে শওহর তাহাকে 💶 অবানে মেহেরবানীর 💶 আপেন ফর্ম্মাবন্ধারী করাইবে। যদি,ফর্মা-বরদারী না করে, তবে শওহর তাহার উপর পোখা করিবে 🛚 🚃 শুইবার: সময় তাহার তরক পীঠ দিয়া শরন করিবে। যদি এরকম করিলেও ফর্মাবরদার না হয়, তবে তিন রাজ বিবি হইতে পৃথক হইয়া 📟 করিবে। যদি তিন রাত্র পৃথক্ হইরা শরন করিলেও ফর্মাবরদারী। একেরার না করে, তবে তাহাকে মারিবে। কিন্তু মুথের উপর মারিকে না; এবং এমন জোর করিয়া মারিবে না, যাহাতে বিবি জথ্মি হুইয়া বাইতে পারে। যদি নামাব্দ কিখা দিন এছলামের অন্ত কোন কার্য্যে কছুরি করে, তাহা হইলে এক মাস তক বিবির উপর থাফা থাকিবে; কারণ হলবৎ নবি করিম ছাঞালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি 📶 আছ্তাবিহি ওয়া ছালাম এক মাস তক্ বিবি ছাহেবান দিগের উপর থাফা রহিয়াছিলেন। কিন্তু বিনা কারণে বিবি হইতে পৃথক্ হইয়া শরন করিবে না; কারণ বিবির সঙ্গে শরন করা ও 🌉 হইতেছে। আর্মে বেরাদর, বিবি সহ খোশ গুজরান করিবে—বাগড়াকলহ করিবে না ৮ গোখার সময়ে ফাহেশা কালাম ঘারা কথনও তাহাকে গালাগালি দিবে না। ক্রানের উত্তম রূপ নেগাহ্ রাখিবে। আল্লাহম্মা ছাল্লিয়ালা মোহামদ্।

হলবং মালাজ (রা), হলবং নবি করিম ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম নিকট জিজ্ঞাসা করিলেন, কোন্ আমল আফ্লাল হইতেছে ? নিব করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়াঃ আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম জবান মোবারক সুথের বাহিব

করিলেন, এবং উহার উপর অসুলী রাখিলেন, অর্থাৎ এশারা করিয়া এই क्योंहर्जन (४, शासानी चाक्कान ट्रेटिट्ड। এवः कर्नाव नवि कत्रिम আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়া-ছেন বে, মাহুষের আক্ছের ধাতা সকল তাহার জবান মধ্যে আছে। কর্মাইয়াছেন, যে এবাদত সকল হইতে জেয়াদা আছান হইতেছে, উহা আমি তোমাদিগকে বাতাইয়া দিতেছি, উহা জবানকে থামোশ রাথা, এবং নেক থাছলৎ হইভেছে। এবং কর্মাইয়াছেন, বে ব্যক্তি আলাহ্তাআলা এবং রোজ কেরামতের উপর ইমান রাথে, উহাকে বলিয়া দেও বে, নেক কথা ভিন্ন কিছু না বলে, কিছা খামোশ থাকে। এবং কর্মাইরাছেন, যে ব্যক্তি বহুৎ কথা বলে, উহার কালাম মধ্যে আক্ছের থাতা এবং গল্ভি হর। এবং বাহার কালামে আকৃছের থাতা 🚃 গল্ভি হয়, ঐ ব্যক্তি বড় গোনাহ্-গার হয়। এবং বে ব্যক্তি বড় গোনাহগার হয়, ভাহার <del>বস্তু</del> আতশ দোজধ সর্ব্ব অপেকা উপযুক্ত হইতেছে। এই কারণ বশতঃ আধিরল মুন্দিনিন্ হজরৎ আব্বকর ছিন্দিক (রা) মুখের মধ্যে পাথর রাখিতেন, যে ভজ্জ কথা বলিতে না পারেন। আরে বেরাদর, তুমি সরণ রাধ যে, জবানের আৰু আছে। থেহেতু জবান দারা হামেশা বেছনা কালাম বাহির 💌। উহাবলাঅভি সহজ, কিন্তু নেক 🖿 বদ্মধ্যে তমিক করা বড়ই কঠিন। এবং থামোশ থাকিলে উহার গোনাহ্ হইতে লোক বাঁচিয়া ধাকিতে পারে। স্তরাং তুমি সাবধান সহকারে জবানের নেগাছ্ রাখিবে। উহা দারা বেছদা কালাম করিবে-না। এবং 🚃 স্ববান দারা জিকির এগাহি করিতে মশ্গুল থাকিবে। এবং শারণ রাখিবে যে, মামুষের জেন্দেগানী নিতান্ত কম হইতেছে। এবং আমাদিগের সেই কম জেন্দে-গানীর ক্ষেয়াদা অংশ চলিয়া গিয়াছে। কি পরিমাণ অবশিষ্ট আছে, কেহই অবগত নহে। মৃত্যু সম্বৃধে দরপেশ আছে। স্তরাং জবান দারা

সতত জিকির এলাহি করিয়া, আপন নামা আমলে অসংখ্য ২ খাজানা ক্ষমা করিয়া লও, যে রোজ কেয়ামতে তোমার নাজাতের ওছিলা হয়। এবং হরগেজ হরগেজ কথনও জবান দ্বারা ফাহাশা কালাম বলিবে না। যেহেতু হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হা-বিহি ওয়া ছাল্লান ফর্নাইয়াছেন, বাহার ভাবার্থ এই:—বে ব্যক্তি ফাহাশা কালাম বকে, উহার উপর বেহেশ্ত হারাম হইতেছে। এবং ফর্মাইয়া-ছেন, বে, লোক্সপ 🚃 কতক লোক হইবে, বে উহাদিপের মুখ হইতে নাজাছৎ বহিতে থাকিবে, এবং উহার বদ্বুর জন্ত ব্যাজ্থী করিয়াদ করিবে, এবং জিজ্ঞানা করিবে যে, ইহারা কোন্ লোক হইতেছে ? তথন বলিবে বে, ইহারা ঐ সমস্ত লোক হইতেছে, যাহারা বুরা কথা, এবং ফাহালা কালামকে দোস্ত রাখিত এবং বকিত। আরে বেরাদর, যদি কখনও তোমার বিবি, তাহার আচার বাবহারে তোমাকে ইজা দের, কিছা কোন জাহেল ব্যক্তি বৃথা ফজিহৎ করে, তবে তুমি পূর্ব জামানার বুজুর্গান দিগের ভার, আপন বুজুর্গী রাথিয়া গোখাকে বর্দান্ত করিবে। হজরৎ নবি করিন ছালালাৰ আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম ফৰ্মাইয়াছেন যাহার ভাবার্থ এই:--যে ব্যক্তি গোখাকে বর্দান্ত করে ঐ হালতে বে, সে বাজি ঐ গোখাকে জারি করিতে কুদরৎ রাখে, তাহাকে আল্লাহ্তাআলা দিন কেয়ামতে খালায়েকের সম্বুখে ডাকিবেন যে, উহাকে মোখ্তার করিয়া দেন, পছন্দ করিয়া লইতে, যে হুরুকে লইতে ইচ্ছা করে। এই স্থানে কএকটা বৃজুর্গ ছাহেব কামেলের আহ্ওয়াল আমি বয়ান করিতেছি। মোছলমান ভাইদিগের সঙ্গে এই প্রকার ব্যবহার করিবে। এক ব্যক্তি হজরৎ ছোলায়মান (রা) ছাহেবকে গালি দিয়াছিল। তাহার উত্তরে তিনি ৰলিয়াছিলেন যে, যদি কেয়ামতের দিন আমার গোনাহর পাল্লা ভারী হয়,

ৰদি পোনাহর পালা হাৰা হয়, তবে ভোষার গালাগালিতে আমার কি ভয় আছে ? হজরৎ রবেএ এব্নে খশিম (র) ছাহেবকে কোন ব্যক্তি গালি শিশাছিল। ভাহাতে তিনি বলেন, আমার এবং বেহেশ্তের মধ্যে শাটি আছে, আমি তাহা পার হইতে মশ্গুল আছি। যদি পার হইরা বেহেশ্ত মধ্যে যাইতে পারি, তবে তোমার কথার আমার কোন ভর নাই। আর যদি পার হইয়া বেহেশ্ত মধ্যে যাইতে না পারি, তবে ভূমি যাহা বলিতেছ, তাহা আমার পক্ষে বছতই কম বলিতেছ। হলবং মালেক দেনার (র) ছাহেবকে এক আওরৎ রেরাকার বলিয়া গালি দিরাছিল। তাহার উত্তরে তিনি বলেন, আরে নেকবখ্ত, ভূমি ভিন্ন আমাকে কেহ এই শহরে চিনিতে পারে নাই। হজরৎ শবি (র) ছাহেবকে এক ব্যক্তি কোন বুরা কথা বলিয়াছিল, ভাহার উত্তরে তিনি বলেন, ভূমি ধাহা বলিতেছ, ৰদি তাহা সত্য হয়, তবে আলাহ্তাআলা আমাকে মাফ কয়েন। ৰদি তাহা মিথ্যা হয়, তবে আলাহ তাআলা তোমাকে মাফ করেন। যদি তুমি ভূল চুক বশতঃ কাহারও সহিত ঝগড়া কর, তবে উহার কাফ্ফারা 💌 ছই রাকাত নামাজ পড়িবে। হজরৎ রছুল মক্বুল ছালালাহ আলায়হে ওরা আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওরা ছালাম ফর্শ্বাইয়াছেন, যদি কাহারও সঙ্গে তুমি ঝগড়া কর, তবে ছুই রাকাৎ নামাজ উহার কাফ্ফারা হইতেছে। এবং ইহা ছুন্নৎ হইতেছে যে, মহুয়া পোখার সময়ে যদি দাড়াইয়া থাকে, ভবে বসিয়া যাইবে, এবং যদি বসিয়া থাকে, ভবে শুইয়া যাইবে, যদি ইহাতে গোশা নিবারণ না হয়, তবে শীতল পানি হারা ওক্তু করিবে। যেহেতু বছুল মক্বুল ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন যে, গোখা আগুণ হইতে হইতেছে, পানি দ্বারা ঠাপ্তা হইয়া বায়। এবং এক রেওয়ায়েৎ মধ্যে আছে বে, ছিজ্দা করিবে, এবং 💶 মাটীর উপর রাখিবে, যেন মালম ভটনা বাব যে আমি মাটি 🔻 🛣

পরদা হইয়াছি, এবং বান্দা হইডেছি, এবং আমার গোশা করা কর্ম্বর নহে। কিন্তু যদি কোন জালেম অনুর্থক জুলুম করে, কিন্তা দিন এছলামের কোন প্রকার ক্ষতি করে, তবে ভাহাতে এই প্রকার ছবর এক্টেয়ার করা শাক্ষেম নহে। দানেশমন মুমিনের ভার মেহেরবানীর স্থানে মেহেরবানী, **ছবরের ছানে ছবর, এবং পজবের ছানে গজব করিবে। হজরৎ ছেফারেন** ছুরি (র) বলিয়াছেন, বে-ব্যক্তি জালেনের 💶 কল্ম বানাইয়া দেয়. কিখা তাহার দওয়াত মধ্যে লিথিবার 🚃 কালি দেয়, কিখা তাহার হাতে লিথিবার জয় কাগজ দেয়, ভাহা হইলে ঐ ব্যক্তি **জালেম**-দিগের জুদুম মধ্যে শরিক হইবে। এবং উনাকে লোকে জিজাসা করে, ধন্দি কালেম বিয়াবন মধ্যে পেরাছা হয়, এবং পিপাসার জভা বদি মরিবার উপক্রম হয়, ভাহা হইলে ভাহাকে পানি দিব কি না 📍 ভাহার উদ্ভরে ফর্মাইলেন যে, না, পানি দিও না। পুনশ্চ উনাকে ব্রুজাসা করিল, ষদি উহাকে পানি না দেওয়া হয়, তবে তো দে মরিয়াই যাইবে। তাহার উত্তরে তিনি বলেন, উহাকে মরিয়া বাইতে দেও। (তকছির কাদেরিয়া ছুরা হুদ—দসম রকু দেখ)। কোন মোছলমান ব্যক্তি জালেম, এবং ভাহাদিগের মদদগারদিগের সহিত দোন্তি মহববৎ করিবে না। বদি এমন ব্যক্তি পিতা কিন্তা ভাই হয়, তবুও তাহাকে র্ফিক জানিবে না।

আর বেরাদর, তুমি কদাচ কাহারও গীবৎ করিও না; এবং শারণ রাথ বে, গীবৎ করা হারাম হইতেছে। হজরৎ আবৃহোরায়রা (রা) রেওয়ায়েৎ করিয়াছেন বে, হজরৎ নবি করিম ছাল্লায়াহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম লোকদিগকে ফর্মাইয়াছেন, বাহার ভাবার্থ এই :— তোমরা কি জান, কাহাকে গীবৎ বলে ? লোক সকল আরোজ করিল, আলাহ্ এবং আলাহ্তালার রছুল্ ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি আ আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম জেয়াদা ওয়াকেফ আছেন। ফর্মাইলেন ধাহার ভাবার্থ ইবঃ হইডেছে বে ঃ—এক মোছলমান অন্ত বোছলমানের আয়েবের चिक्तित्र करत्र, अवर के कथा अभन इत्र त्य, यनि के वाक्ति-- शहात्र विषय বশ্বান করিয়াছে সে শুনিলে নাথোশ হয়, তবে ইহা গিবৎ হইবে। জিজ্ঞাসা করিল, যদি ঐ আয়েব তাহার জাত মধ্যে থাকে, তাহা হইলেও কি গীবং হর ? হজরৎ নবি করিম হালালাহ আলায়হে ওরা আলিছি ওরা আছ্ হাবিহি ওরা ছালাম ফর্মাইলেন, অবঙ্গ ইহাকেই গীকং বলে যে, ঐ আয়েব উহার মধ্যে আছে, এবং বদি ঐ আয়েব উহার 📉 না থাকে, তাহা হইলে তুমি উহার উপর জুলুম করিলে, ইহা বিতীর গোমাহ হইল। এবং ফর্মাইলেন হজরৎ নবি করিম ছারারাহ আলারহে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, বাহার ভাবার্থ এই:—যে বাজি কাহারও গীবং করিবে, ঐ ব্যক্তি আমার শাকারাৎ হইতে মহরুম হইবে। এবং গীবৎ কর্নেওয়ালার নেকি সকল বাহার গীবৎ করিয়াছে, তাহার নামা আমল মধ্যে লেখা যাইয়া থাকে। কেয়ামতের দিন উহার ভাহিন হাতেতে ঐ নামা দেওয়া বাইবে। ঐ ব্যক্তি দেখিয়া তাজ্জব করিবে যে, আমি ভো এই সমস্ত নেকি করি নাই, কেমন করিয়া আমার নামা আমলে লেখা গেল। ফেরেশ্তা বলিবেন, যে সমস্ত লোক ছনিয়াতে তোমার আয়েব ভাছের ক্ষিয়াছিল, আলাহ্তাআলা উহাদিগের নেকি সকল লইরা তোমার আমল্নামা মধ্যে লেথাইয়া দিয়াছেন। বিনা রোজগারে এই দৌলৎ তোসাকে মিলিয়াছে। উহা যে গীবৎ করিয়াছে ঐ ব্যক্তি হইতে ছিনা গিরাছে। হজরৎ রছুল মক্বুল ছালালাহ্ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফৰ্মাইয়াছেন, বাহার ভাবার্থ এই :—চোগোলুখোর বেহেশ্ত মধ্যে যাইবে না। এবং ফর্মাইয়াছেন যে, আমি তোমাদিগকে থবর দেই যে, ভোষাদিগের মধ্যে সকল হইতে বদুলোক কোন ব্যক্তি ু ইতেছে १. ঐ সকল লোক বদতর হইতেছে, ধাহারা চোগোল্থােরি **করে**;

এবং মিথা কথা সকল মিলাইয়া বলে, এবং লোকদিগকে বর্হম্ অর্থাৎ নারাজ করিয়া দেয়। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন যে, চোগোলখোর হালালজাদা নহে। প্রত্যেক মোছলমান ব্যক্তিকে লাজেম হইতেছে যে, গীবৎ চোগোল্থোরি হইতে পরহেজ করে। এবং যে ব্যক্তিকে চোগোল্থোরি করিতে দেখিবে, নিশ্চর জানিবে ঐ ব্যক্তি হারামজাদা হইতেছে।

অন্তম আদৰ ইহা হইতেছে বে, ছোহ্বৎ করিবার সময়, কেব্লা রোথ হইতে মুখ ফিরাইয়া লইবে, এবং প্রথমতঃ কথা বার্তা, থেলা, পেরার, বোছা ইত্যাদি বারা বিবিকে সন্তুষ্ট করিবে; এবং নিয়ত করিবে যে, আমি আমার দিনের ছরন্তি জন্তা, এবং নেক আওলাদ জন্তা, যে আমার বাদ আলাহ্তাআলার এবাদৎ বন্দেগী করিবে, এবং উন্মৎ জোনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম বাজিবে এই জন্তা, এবং বিবির দেলথোশ করিবার জন্ত মিলিতেছি। ধখন স্করিবে তথন বলিবে,

بِسَمْ اللَّهِ الْعَلِي الْعَظِيمِ اللَّهُ اكْبَرُ اللَّهُ اكْبَرُ اللَّهُ اكْبَرُ

"বিছমিল্লাহিল আলিরেল আজিনে আল্লান্থ পড়িরা লইবে, তাহা হইলে বেচ্তর হইবে। এবং মনি পড়িবার সমন্ধ এই ধেয়ান করিবে বে, সমস্ত তারিক আলাহ্তাআলার জন্ত, যিনি বেকদর পানি হইতে মন্ত্র্যুকে পর্না করিয়াছেন; এবং তাহাকে নছব্ওয়ালা এবং শশুরাল্ওয়ালা করিয়াদিয়াছেন। আরো ধেয়ান করিবে বে, এখন বে বেকদর মনি, আমার শরীর হইতে পড়িল, কয়েক বৎসর পূর্বে আমিও এই প্রকার বেকদর পানি আমার পিতা মাতার শরীরে ছিলাম; এবং সেই বেকদর পানি হইতে, আলাহ্তালা আমাকে এমন হোছেন জামাক্র এনারেং

করিয়াছেন। আরো ধেরান করিবে ধে, করেক দিন পরে আমি মরিয়া বাইব, আমার আত্মীয় স্থলন আমাকে কাফন পরাইয়া করের রাথিয়া আসিবে। কররের কেহ আমার সঙ্গে বাইবে না। বিবি বাইবে না, বেটা বেটা কররে কেহ সঙ্গে বাইবে না। কেবল নেকি ও বদি গুইটা বস্তু আমার সঙ্গে বাইবে মাত্র।

আন্ন বেরাদর, তথন ভূমি কবরের তোষা তৈয়ার করিবার জ্ঞা, উঠিবে। গোছল করিবে, ওজু করিবে, পাকিজা লেবাছ পরিবে, ভাহাতে আতর গোলাপ লাগাইয়া, জায়নামাজের উপর যাইয়া দাঁড়াইবে, এবং এই সমস্ত বিষয় ধেয়ান করিয়া করিয়া, ভূমি তাহাজ্ঞাদ নামাজ পড়িবে, এবং কান্দিরা কান্দিরা ভূমি আপন থোদাওন্দ করিমকে ছিজ্মা করিবে। ছনিয়াতে তিনি ভিন্ন তোষার কেহ মদদ্গার নাই, ক্বরে তিনি ভিন্ন তোমার কেহ মদদ্গার থাকিবেন না। ময়দান কেয়ামতেও তিনি ভিন্ন তোমার উপর রহম্ কর্ণেওয়ালা কেহ থাকি-বেন না। এই সমস্ত বিষয় শ্বরণ করিয়া তুমি তাহাজ্ঞাদ নামাজ অন্তে জিকির এলাহি মধ্যে গরক হইয়া যাইবে। আর যদি ভূমি তরিকতের ফর্জন হও, তবে তুমি এমন সময় আল্লাহ্তাআলার মছব্বতের ফয়েজে ব্সিয়া মোরাকাবা করিবে, এবং স্মরণ রাখিবে যে, আওলিয়ায়ে বুজুর্গ হজরৎ এহ ইয়া (র) বলিয়াছেন, এক রাই পরিমাণ মহক্তৎ আমার নজদিক সম্ভর বৎসর বেমহক্তৎ এবাদত হইতে ভাল। আর বেরাদর এমন সময়, বে সময়ে ছনিয়াদার লোক সকল তাহাদিগের দিনের হয়রানী পেরেশানী দূর করিবার গাফ্লং বশতঃ আপন আপন প্রিয় বস্তু লইয়া নিদ্রিত পাকে, এমন সময় ভূমি তোমার মেহেরবান খোদাওন্দ করিম্কে ইয়াদ করিবে; এবং আফিকির সভে মহরেও ও মাফ তের চওয়াল করিবে এমন সময়ে ইনশা

আলাহ্ তোমার দোওয়া মক্রুল হইতে পারে। মেঞাকাল আর্ফিন্ লিখিত আছে, বাহার ভাবার্থ এই:--আলাহ্তাআলা কোন ছিদ্দিক্কে ওহি পাঠাইয়াছিলেন যে, আমার বানাদিগের 💴 আমার কতক খাছ বান্দা এমন আছে যে, উহারা আমার 📉 মহক্ষৎ রাথে, এবং আমি উহাদিগের সঙ্গে মহকাৎ ঝাৰি; এবং উহারা আমার মন্তাক হইতেছে, এবং আমি উহাদিগের মন্তাক হইডেছি, এবং উহারা আমাকে ইয়াদ করিয়া থাকে, এবং আমি উহাদিগকে ইয়াদ করিয়া থাকি, এবং উহারা আমার তর্ফ দেখিয়া থাকে, এবং আমিও উহাদের তরফ দেখিয়া থাকি। যদি ভূমি উহাদিগের ভরিকা মত চলিবে, ভবে আমি ভোমাকে মহকাৎ ক্রিব, আরু বদি তুমি উহাদিগের তরিকা হইতে ফিরিবে, তাহা হইলে আমি তোমার উপর নেহায়েৎ দর্জার গোমা হইব। ঐ ছিদ্দিক আরোজ করিলেন যে, এলাহি, ঐ সমস্ত বাব্দাদিগের নেশানা কি ? তুকুম হইল যে, ভাহারা দিনের বেলায় ছায়ার প্রতি 📉 নেগাহ্ রাথে, বেমন মেহেরবান বক্রি রক্ক তাহার বক্রি সকলের উপর নেগাহ্ রাখিয়া থাকে, এবং স্ব্য ভুবিবার আ এমন ম্ন্ডাক হইয়া থাকে, যেমন পরেন্দা আনোয়ার সন্ধার সময় তাহার আপন বাসাক্র জন্ত মস্তাক হয়। পছ, বখন রাত্রি অধিক হয়, এবং পৃথিবী অন্ধ্ৰণারে আচ্ছন্ন হয়, এবং প্রত্যেক দোন্ত আপন দোন্তের সঙ্গে মিলিত হইয়া থাকে, ঐ সময়ে আমার ঐ সমস্ক বান্দা, আমার 📖 কেয়াম করিয়া থাকে, এবং তাহাদিগের চেহ্রাকে আমার ছাম্নে জমিনের উপর রাখে, এবং আমার কালাম দারা আমার নিকট মোনাজাত করিয়া থাকে, এবং আমার এনামের জন্ত আমার নিকট থোশামোদ করিয়া থাকে। ঐ সা কেন্ত চিথ্ মারিয়া থাকে, কেন্ত কাঁদিয়া থাকে; কেন্ত আন্ আন্ করিতে থাকে; কেহ দীর্ঘ নিশ্বাস ফেলিতে থাকে; কেহ দাঁড়াইয়া থাকে;

বাহা কিছু ভক্লিফ উহারা আমার অন্ত বর্দান্ত করিয়া বাকে, তাহা আমি দেখিয়া পাকি, 💶 আমার মইকাতের জন্ত, বে সমস্ত ফরিয়াদ করিয়া থাকে, সে সমস্ত আমি শুনিয়া থাকি। আমার প্রথম বথুশেশ্ উহাদিগের প্রতি ইহা হইতেছে বে, আমি আমার কিছু হেদায়েতের স্থর তাহাদিগের ঢালিয়া দেই। তথন উহারা আমার আজ্মৎ লোকেয় নিকট ব্যান করিয়া থাকে, বেমন আমি উহাদিগের অবস্থা কেরেশ্তাদিগের মধ্যে বয়ান করিয়া থাকি। তাহাদিপের প্রতি আমার দ্বিতীয় বধ্পেশ্ ইহা হইতেছে বে, যদি সাত তবক আছমান, এবং সাত তবক ক্ষমিন, এবং উহার মধ্যের সমস্ত বস্তু, উহাদিগের মোকাবেলার হয়, তাহা হইলে ঐ 📉 বস্তুকে, উহাদিগের তুলনার আমি কম <del>আ</del>নি। তাহাদিগের প্রতি আমার তৃতীর বথুশেশ ইহা হইতেহে বে, আমি ( মহকাতের সহিত, মাগ্ফিরাতের সহিত, ও রহ্মতের দহিত ) তাহাদিগের আন মতওয়াজ্ঞা হইয়া থাকি। তাহা হইলে বল, যে ব্যক্তির তরফ আমি এই প্রেকার মতগুরাজ্ঞা হই, কেই কি বলিতে পারে, আমি তাহাকে কি দিতে চাই ? আরে বেরাদর, 📉 বেমন বিশু বিন্দু করিয়া গলিয়া, আথের তাহার নাম ও নেশান কিছুই থাকে না ; সেইরূপ তোমার জেন্দেগানী বরফ সদৃশ, এক দিন হুই দিন করিয়া গলিয়া যাইতেছে, তুমি পাফ্লং বশতঃ তাহা জানিতে পারিতেছ না। আমি শাৰ্ধান ক্রিতেছি তোমাকে, আয় আমার দোস্ত, এখন সময় পাকিতে, আপন থোদাওন্দ করিমের ভরফ জান 🔳 দেল ছারা মতওয়াজ্ঞা হইয়া যাও। এইব্লপ করিলে হইতে পারে, আল্লাহ্তাআলা আপন ফঞ্ল ও করম্ হইতে, তোমাকে নেক্বজ্ঞ লোকদিপের সহিত, শহিদদিপের সহিত, ছিদ্দিকদিগের সহিত, পরগ্ররাণ আলারহিমুচ্ছালাম দিগের সহিত, আপনার রহ্মতের বাগানে হামেশার 🚃 দাথেল করিবেন। আল্লাছস্মা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা শোহামদ ওয়া আলিছি 💷 আছ্হাৰিছি ওয়া ছালেম।

আরে বেরাদর, আলাহ্তাআলা কোরাণ সঞ্জিদ মধ্যে বার্যার নামাঞ পড়িবার জক্ত ভুকুম করিয়াছেন। এবং ভ্জরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছুহাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইয়াছেন, বাহার ভাবার্থ এই:—বে ব্যক্তি দেল দারা মতওয়াজ্জা হইয়া জামায়াতের সঙ্গে পাঁচ ওয়াক্ত নামাজকে উত্তমরূপে আলা করে, আলাহ্তাআলা তাহাকে পাঁচ 📖 এনায়েৎ করেন। প্রথমে তাহাকে কবরের আজাব হইতে বাঁচাইবেন। বিভীয় ভাহার রেজেকের ভক্তি এত হইবে না— যাহাতে সে পেরেশান থাকে। ভৃতীয় ইমানের মুরেতে তাহার চেহ্রা রৌশন হইবে। চতুর্থ ভাহার ডাহিন হাতেতে আমলনামা দিবেন, এবং পুলছেরাৎ বিজ্লির মত পার হইয়া যাইবে। পঞ্চম বেহেছাব এবং বেআজাব বেহেশ্ত মধ্যে দাখেল হইবে, এবং আমি তাহার উপর রাজি থাকিব, এবং যে ব্যক্তি নামাজ পড়িতে কাহিলি ও হুস্থি করে, সে বারো প্রকার তথ্লিফ্ মধ্যে গেরেফ্তার হয়। তিন ছনিয়া মধ্যে, তিন মরিবার সময়; তিন কবরের মধ্যে; তিন ময়দান কেয়ামতে। ছনিয়ার বুরাই ইহা হইতেছে, যে ব্যবসা-বাণি<del>জ্য</del> করিবে উহাতে বর্কৎ পাইবে না**; চেহ্**রা বেমুর হইবে; ইমানদার লোকদিগের সঙ্গে মহববৎ থাকিবে না। মরিবার সময়ের তথ্ঞিফ ইহা হইতেছে যে, পেয়াছা ■ ভূথা হইয়া মরিবে; জান কান্দানির কর্তে পড়িবে; হজরৎ মালেকালমৌৎ আলায়হেচ্ছালামকে ভয়ানক ছুরতে দেখিবে। কবরের বুরাই ইহা হইতেছে যে, মনকের নকির গজবের ছুরতে কবরে আসিবে; কবরের তঙ্গি জাহের হইবে; কবরের 👇 অন্ধকার মধ্যে রহিবে। কেয়ামতের বুরাই ইহা হইতেছে যে, হেছাবের তথ্লিফ মধ্যে পড়িবে; আল্লাহ্তাআলার গজব মধ্যে গেরেফ্তার হইবে; **লোজ**থ মধ্যে বড় বড় আজাবের স্থানে আজাব পাইবে। এবং ধে ব্যক্তি

রাকাতের বদলে হাজার বংসর ভাহাকে দোজধে ডালিবেন। (ডাগিহল্ গাফেলিন্)। আলাহসা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাসদ্।

হব্দরৎ আবু হোরায়রা (রা) রেওয়ায়েৎ করিয়াছেন যে, এক দিন নক্ষি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম মছ্মেদের এক পার্স্থে বিসিয়াছিলেন, এমন সময় এক ব্যক্তি আসিয়া নামাজ পড়িল, তদ্পর হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের সমুথে ঘাইয়া ছালাম আলায়েক্ করিল। হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাছ আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম, ছালামের জওয়াব দিয়া বলিলেন যে, তুমি পুনশ্চ নামাব্দ পড়; কারণ ভূমি নামাব্দ আদার কর নাই। ঐ ব্যক্তি পুনরার বাইরা নামাজ পড়িল। তদ্পর পুনশ্চ হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়তে ওয়া ছালামের সমুথে আসিয়া ছালাম আলায়েক বলিল। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছালামের জওয়াব দিয়া বলিলেন, যাও তুমি পুনশ্চ নামাজ পড়, হরগেজ তুমি নামাজ পড় নাই। ঐ ব্যক্তি ভৃতীয়, কিন্তা চতুর্থ বারে আরোজ করিল, ইয়া রাছুলালাহ, ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম, আমাকে বলিয়া দেন কেমন করিয়া নামাজ পড়িব ? হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, নামাজ পড়িবার আদব্, এবং আর্কান শিখাইয়া দিলেন, এবং বলিলেন যে, নামাজের প্রত্যেক রোকন্কে এৎমিনানের সঙ্গে পড়, জল্দি করিও না, এবং বলিলেন, যদি তুমি এইরূপ নামাব্দ পড়িবে, তবে তোমার নামাব্দ কামেল হইবে, এবং ধে পরিমাণ উহাতে কমি করিবে, এবং ঘাব্রাইয়া জল্দি পড়িবে, ঐপরিমাণ তোমার নামাজ নাকাছ, হইবে। এবং' ষশাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :--যে ব্যক্তি পাঁচ ওয়াক্ত নামাজের

হেফাজত করে, বে কামেল ওজু করিয়া আওয়াল ওয়াক্তে নামাজ আদা করে, ঐ নামাজ দিন কেয়ামতে উহার জন্ত হুর এবং বোর্হান হইবে, এবং যে কেহ উহা তরক করিবে, ফেরাউন ও হামানের সঙ্গে তাহার হাশর হইবে। (তাহিহল গাফেলীন ও মেজাকাল আর্ফিন।)

ফর্মাইয়াছেন জনাব নবি করিম ছাল্লালাই আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, যাহার ভাবার্থ এই :—বে বাজি জ্মার দিনেতে জামায়াতের সঙ্গে নামাজ পড়ে, তাহার আলাহ্ তাআলা মক্ব্ল হজের ছওয়াব লেখেন।" এবং ফর্মাইয়াছেন বাহার ভাবার্থ এই :—"জ্মা মিছ্কিনের আহল হজ হইতেছে।" এবং ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :—যে কেহ জামায়াতে নামাজ পড়িতে হাজের হইল, আলাহ্ তাআলা তাহার জন্ম আলিতে, এবং বাইতে প্রত্যেক কদম প্রতিদশ নেকি লেখেন; এবং উহার দশ বদি মিটাইয়া দেন; এবং উহার জন্ম দশ দর্জা বলন্দ করেন। আল্লাভ্যা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামান্।

আরে বেরাদর, জুন্মা দিন বহুতই মোবারক দিন হইতেছে, এই দিনে আপনি জরুর জরুর এই দরদ শরিফ এক হাজার মর্তবা পড়িবেন, কথন ও নাগাহ করিবেন না। আল্লাহ্তালা আপন কলল রহমতে আপনাকে ছোওয়াব আজিম এনায়েৎ করিবেন। হাদিছ শরিক মধ্যে আসিয়াছে, যাহার ভাষার্থ এই :—জুন্মা দিবসে যে ব্যক্তি এক হাজার মর্তবা এই দরদ শরিফ পড়িবে, যে পর্যান্ত তাহার আপন বসিষার স্থান বেহেস্ত মধ্যে না দেখিবে, ত্নিয়া হইতে এন্তেকাল করিবে না। ঐ দরদ শরিফ এই :—

ٱللَّهُمُّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّد وَّ أَلِهُ ٱلْفَ ٱلْفَ اللَّهِ مَلَّ قَ

অংয়ে বেরাদর, বান্দা মুমিন যিনি ছনিয়াতে মহব্বতের সহিত জেয়াদা স্ক্রদ শরিফ পড়িবেন, বাদল মৌৎ তাঁহার কি পরিমাণ উপকার ইন্শা আল্লাহ্তালা হইতে পারে, একবার খেয়াল করিয়া দেখিবার মোকাম হইতেছে। আল্লাহুশা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা ওয়া মৌলানা মোহামদ্।

মোতাবর কেতাব মধ্যে লিখিত আছে, আরেফ রব্বানি ছুফি হাঞ্চানি জ্লাব হজরৎ শেখ আহ্মদ্ এবনে আবুবকর (র) আপনার মোতাবর কেতাবের মধ্যে, আরেফ রঝবানি ছুফি হাক্কানি জনাব হজরৎ শিব্সি (র) হইতে লকল করিনাছেন যাহার মজ্মুন এই :—জনাব হজরৎ শিব্লী (র) বলিয়াছেন, আমার পড়োশের মধ্যে এক ব্যক্তি এস্তেকাল করিয়াছিলেন। আমি তাঁহাকে স্বপ্ন মধ্যে দেখিয়া জিজাসা করিয়াছিলাম, আলাহ্তামালা আপনার দক্ষে কি মামলা করিয়াছেন? ইহার উত্তরে তিনি বলিলেন, আমাকে আপনি কি জিজ্ঞাসা করিতেছেন ? আমার উপর বড় বড় আজায়েব কঠিন ঘটনা গুজুরিয়া গিয়াছে, আর মনকের নকিরের ছওয়ালের সময় আমার উপর নেহায়েত তঙ্গ ওয়াক্ত হইয়া পড়িয়াছিল। ঐ সময় আমি আমার দেল মধ্যে ব্লিলাম, বোধ হয় আমার দিন এছলামের উপর মৃত্যু হয় নাই। এমন সময় গায়েব হইতে এক আওয়াক আসিল বে, তুমি ভোমার লবলৈকে ছনিয়াতে বেকার করিয়া রাথিয়া দিতে, তাহাই এই আজাবের কারণ হইতেছে। যথন আজাবের ফেরেন্ডাগণ আমাকে আজাব করিবার চেষ্টা করিলেন, তথন এক মর্দ নেহায়েৎ থবছুরৎ পাকিজা খোশ্বোওয়ালা আমার, এবং ঐ ফেরেস্তাদিগের মধ্যে আড় হইয়া গেলেন, আর আমাকে ইমানের দলিল ইয়াদ দেলাইয়া দিলেন। ইহা শুনিয়া আমি বলিলাম আলাহ্তালা আপনার উপর রহমৎ করেন, আপনি আমাকে বলুন যে আপনি কে হইতেছেন ? ঐ থব্ছুরৎ মদ আমাকে বলিলেন, আমি এক ব্যক্তি হইতেছি, আপনি জনাব রাছুলুলাহ্ ছালালাহ আলামহে ওয়া ছালামের উপর যে বছৎ দর্রদ শরিফ পড়িতেন, আলাহ্তালা আমাকে সেই দর্রদ শরিফের ছারা পয়দা কয়িয়াছেন, এবং আমার প্রতি ছকুম হইয়াছে যে, আমি আপনার প্রত্যেক তক্লিফ, বেচায়েণী ও ঘাব্রাহাট মধ্যে মদদ্গারি করি। আল্লাহুস্মা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা ওয়া মৌলানা মোহাম্মদ্।

আরে আমার দোস্ত, আল্লাহ্তালার বান্দা হইয়া কেহ তাঁহার এবাদৎ বন্দিগী হইতে গদান ফিরাইবেন না, হর হালতে আপন খালেক মালেক, রাহিম রাহ্মান, করিম ছাভার আলাহ্ভালার ফর্মাবরদারি এক্টেরার করিবেন। তফ্ছির মধ্যে লেখা আছে, একদিন হস্তরৎ জিব্রাইল আলায়ংহজালাম বাদ্শাহ ফেরাউনের দেওয়ান থানাতে আইদেন, এবং এই ছওয়াল লিখিয়া ভাহার সমূথে পেশ করেন যে, যে গোলামের মাল, এবং নেয়ামৎ মালেকের মেহেরবানীতে জেয়াদা হয়; এবং মালেকের পরওয়ারেশ অন্তান্ত গোলাম হইতে সেই গোলাম জেয়ানা ইজ্জৎ প্রাপ্ত হয় ৷ তৎপর বদি সেই গোলাম না শোকরি এবং কুফ্রান্ নেয়ামৎ করিয়া, এমন দাবি করে যে, আমি থোদ মালেক হইভেছি, এবং আপন মালেকের ফর্মাবরদারি না করে। তবে এমন গোলামের হক্কেতে কি সাজা হওয়া কর্ত্তব্য 🤊 ফেরাউন স্বহত্তে জঞ্মাব শিথিয়া দেয় যে, যে গোলাম আপন মালেকের ছকুমকে অমাক্ত করে, এবং তাহার নেয়ামতের নাশোকর গোজার হয়, তবে ঐ গোলামের সাজা এই যে, উহাকে দরিয়া মধ্যে ভূবাইয়া দেওয়া লাজেম। হব্দরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম ঐ হুকুম লেখা কাগজ ফেরাউন হইতে গ্রহণ করেন। তৎপর যথন ফেরাউন দরিয়া মধ্যে ডুবিতে লাগিল, এবং ইমান জাহের করিতে লাগিল যে, "আমি ইমান আনিলাম বানি এছাইলের আল্লাহ্তালার উপরে, এবং তাঁহার রছুলের উপরে।" তথন হন্ধরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম উহাকে উহার লিখিত ছকুম নাম। দেখাইলেন, এবং বলিলেন, তোমারই নিজ ছকুম অনুসারে তোমাকে দরিয়া মধ্যে ডুবাইয়া দেওয়া হইল। আয়ে ভাই মোছলমান সকল, বড় ভয়ের মোকাম হইতেছে। তোমরা স্মরণ রাখ, যদি নামান্ত তরক করিবে, তবে বড় কাফের ফেরাউনের tara vizur afta afta situata vizur celegra ista sibra i

নবম আদৰ। বধন আওলাদ প্ৰদাহয়, তথন তাহার ডাহিন কাণে আঞ্চান, এবং বাম কাণে তক্বির বলিবে। হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে, ষাহার ভাবার্থ এই :--যে ব্যক্তি এইরূপ করিবে, তাহার বালক শৈশবকালের বেমার হইতে মহ্ফুজ থাকিবে, এবং ভাহার নাম ভাল রাখিবে। যদি সস্তান পেট হইতে পড়িয়া যায়, অৰ্থাৎ হামেল নষ্ট হইয়া যায়, তবু ■ তাহার নাম রাখা ছুন্নত হইতেছে। ইহার উপরে আমল করিবে। এবং আকিকা করা ছুন্নতে মোরাকেদাহ হইতেছে। বেটীর আকিকাতে এক বজি কিছা বক্রা, এবং বেটার আফিকাতে ছই বক্রা কিমা বক্রি জবাই করা আবগ্রক। আর যদি এক বক্রা কিমা বক্রি জবাই করিবে, তাহার ও এজাজং আছে। ঐ জানোয়ারের বয়:ক্রম এক বংগর হওয়া আবশ্রক, এবং কোর্বানীর জানোরারের যে শর্ত, আকিকার জানোরারের 🔳 ঐ শর্ত্ত জানিবে। যথন সন্তান পর্দা হয়, তথন তাহার মুথে মিষ্টি বস্তা দিবে, ইহা ছুয়ত হইতেছে। এবং সপ্তম দিবসে তাহার চুল কামাইয়া ফেলিবে, এবং তাহার চুল ওজন করিয়া ঐ পরিমাণ চান্দি, কিম্বা সোণা ধররাৎ করিবে। এবং ইহা জানা নিতান্ত আবশ্যক যে, বেটী পদ্ধনা হইলে কেহ কেরাহাৎ করিবে না, এবং বেটা পরদা হইলে কেহ খুণী করিবে না। কারণ মানুষের বেহ্তরী কিসে আছে, তাহা মানুষ জানে না। বেটী পয়দা হওয়া বছৎ মোবারক, এবং উহার ছওয়াব জেয়াদা হইতেছে। হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :—যে ব্যক্তির তিন বেটী কিম্বা তিন বহিন হইবে, এবং উহাদিগের জক্ত মেহ্নৎ উঠাইবে, তাহা হইলে ঐ মেহেরবানী যাহা ঐ ব্যক্তি করিয়া পাকে, তাহার বদলে **আলাহ্তাআলা উ**হার উপর রহম করিবেন। কোন ব্যক্তি আবোজ করিল ইয়া রাছুলাপ্লাহ, ছাপ্লাপ্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছালাম, যদি চুইটী মাজ হয় ? হজুরং নবি করিম ছালালাহ

আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইলেন, যদি হুইটী মাত্র হয় তবুও হইবে। কোন ব্যক্তি আরোজ করিল, যদি একটী মাত্র হয়, তবে কি হইবে 📍 হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইলেন, তাহা হইলেও হইবে। এবং হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্ড আলারতে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্তাবিহি ওয়া ছালাম ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :— যে ব্যক্তি বাজার হইতে মেওয়া খরিদ করিয়া বাড়ীতে আইসে, ছওয়াবেতে উহা ছদ্কার মত হইতেছে, প্রথমতঃ উহা বেটীকে দেওয়া উচিত, তাহার পর বেটাকে দিবে, যে ব্যক্তি বেটীকে সন্তুষ্ট করিবে, ঐ ব্যাক্তি এমন হইতেছে, যেন আলাহ্তাআলার ভয়েতে সে কাঁদিল, আর যে আল্লাহ্তাআলার ভয়েতে কাঁদে, তাহার উপর দোজধের আগগুণ হারাম হইয়া যায়। হাদিছু শরিফ মধ্যে আসি-য়াছে, যাহার ভাবার্থ এই:—মা বাপের উপর সম্ভানের হক তিন ব**ন্ত** হইতেছে, সন্তান যথন পয়দা হয়, তথন ভাহার নাম ভাল রাথা, যথন আক্রেল 🔳 দানাই হয়, তথন কোরাণ মজিদ, ফেকাহ, এবং দিন এছলামের আকাষেদ শিকা দেওয়া, যথন বালেগ্ছয় তথন তাহার বিবাহ দেওয়া। মোতাবার কেতাব মধ্যে শিখিত আছে, হজরৎ ওমার (রা) ছাহেবের নজদিক এক ব্যক্তি বশিল, ইয়া আমিরলু মুমিনিন, আমার বেটা আমাকে ইন্ধা দেয়। হজরৎ উহার বেটাকে বলিলেন, তুমি আপন বাপকে ইন্ধা দিয়া থাক, আলাহ্তাআলাকে ডরাও নাং বেটার উপরে বাপের বড় হক্ আছে। বেটা বলিল, ইয়া আমিরল মুমিনিন, বাপের উপর বেটারও কোন হক্ আছে কি না ? হজরৎ উত্তর করিলেন হাঁ, আছে। ফর্জনের মাতা শরিফ হওয়া চাই, অর্থাৎ কমিনা আওরৎকে বিবাহ না করে, যে ফর্জনের উপর কেহ আয়েব না শোনায়, এবং ফর্জু নের নাম ভাল রাথে, এবং কোৱাণ-মক্তিদ এবং এলেম দিন শিক্ষা দেয়। ঐ বেটা বলিল

আল্লাহ তালার কছম করিয়া বলিতেছি, আমার মা শরিফ নহেন, বরং বান্দি হইতেছেন, আমার পিতা তাহাকে চারিশত দেরেমে খরিদ করিয়াছেন, এবং আমার নাম ও ভাল রাখেন নাই, আমার নাম জুল হইতেছে। এবং কোরাণ মজিদের এক আয়েৎও আমাকে শিকা দেন নাই। হজরৎ ওমার (রা) ইহা শুনিরা উহার বাপের ভরক মতওজ্জা হইয়া বলিলেন, তুমি বলিতেছ, আমার বেটা আমাকে ইজা দিয়া থাকে, ভোমাকে ইজা দিবার আগে উহাকে ভুমি ইজা দিয়াছ, এখন উঠ, এখান হইতে চলিয়া যাও। আমে বেরাদর, আপন সম্ভানের উপর কেহ জুলুম করিও না। তাহার প্রতি তোমার যে কএকটা হক্ আছে, তাহা আদা না করিলেই তাহার উপর ভোমার জুলুম করা হইল। বিশেষতঃ যদি তুমি ভাহার হক্ আদা না কর, তবে গোনাহ্গার হইবে। স্ক্রাং স্ক্তানকে এলেম দিন শিখাই-বার জন্ত বড় কোশেষ করিবে। কারণ এলেম না শিথিলে নেক-বদ, হালাল-হারাম, শেরেক-বেদায়াৎ ইত্যাদি কিছুই তমিজ করিতে পারা যায় না। এই এলেন শিক্ষার অভাবে আজকাল আমাদিগের দেশে, কতক মোছলমানদিগের মধ্যে শেরেক পর্য্যন্ত প্রবেশ করিয়াছে, এবং অনেক লোক জাহেলতি বশতঃ বেইমান ও মোশ্রেক হইয়া যাইতেছে। স্তরাং এলেম দিন শিক্ষা করা প্রত্যেক মোছলমানের অবশ্র কর্ত্তগ্য, এবং ইহা করব হইতেছে। আয়ে আমার দোন্ত, যদি আল্লাহ্তালা ভোমাকে শস্তান বখ্ৰীয়া থাকেন, তবে তাহাকে জন্তন জন্তন মাদ্রাছায় পড়িতে দেও, তুমি আজীম ছণ্ডয়াব পাইবে, এবং ইন্শা আল্লাহ্ ইহাই তোমার নাজাতের কারণ হইতে পারে, চুনাঞ্চে হজরৎ মৌলানা শাহ্ আব্দুল আজিজ দেল্ছবি (র) তাহার তফ্ছির মধ্যে লিখিয়াছেন:-একদা হজরৎ ছৈয়েদেনা ইছা আলায়হেচ্ছালাম, এক কবরের নিকট দিয়া ধাইতেছিলেন, তিনি দেখিতে পাইলেন, আন্ধাবের ফেরেস্তা ঐ কবরের ছাহেবকে আন্ধাব করিতেছেন। তাহার পর, তিনি যে কার্য্যে গিয়াছিলেন, তাহা সমাধা করত, পুনরায় ঐ কবরের নিকট দিয়া আসিতেছিলেন, তথন দেখিতে পাইলেন, রহ্মতের ফেরেস্তা মুরের তবক লইয়া, ঐ কবরের উপর উপস্থিত আছেন, আজাব দ্র হইয়াছে ৷ হজরৎ ছৈয়েদেনা ইছা আলায়হেচ্ছালাম এই ঘটনা দেথিয়া তাজ্জব হইলেন। তাহার পর, তিনি নামান্ধ পড়িলেন, এবং ইহার কারণ জানিবার জয় আলাহ্তালার নিকট মোনা**জা**ৎ করিলেন। অলাহ্তালা তাঁহার নিকট ওহি পাঠাইলেন, যাহার ভাবার্থ এই।—আয়ে ইছা (আলারহেচ্ছালাম এই বান্দা গোনাহ্গার ছিল, আর ইহার মৃত্যু হওয়ার পর হইতে আজাব মধ্যে গেরেপ্তার ছিল। ইহার মৃত্যুর সময়, ইহার এক বিবি হামেলা ছিলেন, তিনি এক পুত্র শস্তান প্রসব করেন, ঐ বিবি তাহাকে পরওারেশ করিলেন, এহাতাক যে ঐ ছেলে বড় হইল। ইহার পর ঐ বিবি, ঐ বেটাকে মক্তব্ मक्षा भाष्ठाहेब्राह्न। खखान ছाट्व जाहारक ما لله الرحين الرحيم বিছ্মিল্লাহের রাহ্মা'নের রাহিম পড়াইলেন। স্তরাং আয়ে ইছা ( আলারহেচ্ছালাম ) আমাকে হায়া আসিয়াছে ধে, আমি আমার বান্দাকে কবরের মধ্যে আগুণের দারা আজাব করি, আর তাহার বেটা জমিনের উপর আমার নাম লইতেছে। আয়ে ভাই, খেয়াল করিবার মোকাম হইতেছে যে, বেটা আল্লাহ্তালাকে ইয়াদ করিয়াছে, তদ্জ্ঞ আলাহ্তালা তাহার মৃত পিতার আজাব দূর করিয়া রহমৎ করিলেন। মহুধ্যের অবশ্র কর্ত্তব্য, ধে জিকির এলাহি, আপনার লতিফার মধ্যে, ক্রেছ্ম ও জানের মধ্যে, মহব্বতের দঙ্গে জারি করিয়া রাখে, এবং দোনো জাহানে আপন খোদাওন্দ করিম হইতে গাফেল হইয়া না যায়।

আরে বেরাদর, তুমি জান ও দেল দারা ইহা একিন রাথ বে, মোছলমান হওয়া বড় নেরামৎ হইতেছে। বে ব্যক্তি মোছলমান হইল, সে আছাত ডাআলার ছোকালিপের চালাবেল তইল। জনিয়াতে তাহার জন্ম

আল্লাহ্তাআলার রহমৎ আছে, এবং আথেরাতে আল্লাহ্তাআলার নজনিক বড় বড় দৰ্জা পাইবে। এবং মোছলমান না হইয়া কোন এবাদৎ করিলে, তাহা কদাচ আল্লাহ্তাআলার নজদিক কবুল হয় না। এই 💶 প্রত্যেক মোছলমানকে লাজেম হইতেছে যে, প্রথমতঃ ইমান এবং এছলামের আকায়েদ ও মছয়ালা শিক্ষা করে, এবং নিজের আওলাদদিগকে, এবং বাড়ীর সমস্ত লোকদিগকে তাহা শিক্ষা দেয়, তাহা হইলে মোউতের পরে ইন্শা আলাহ আজাব হইতে নাজাত পাইবে। আর যদি ইহা শিকা না করে, তবে দে ব্যক্তি নিজে, এবং তাহার বাড়ীর লোক সকল বড় আজাবে কষ্ট পাইবে। সমস্ত আওরৎ এবং মরদদিগকে মনোযোগ করিয়া স্মরণ রাখা উচিত যে, সমস্ত মমুষ্য আলাহ তালার বান্দা হইতেছে, এবং বান্দার কার্য্য বন্দিগী করা হইডেছে, যে ব্যক্তি বান্দা হইয়া বন্দিগী করে না, সে ব্যক্তি বানার কাবেল কথন ও নহে। এবং আসল বন্দিগী ইমানকে তুরস্ত করা হইতেছে। বাহার ইমানে কোন প্রকার ধলল্ আছে, তাহার কোন বনিগী আল্লাহ্ভাআলার নজদিক মক্বৃল নহে, এবং বাহার ইমান হরন্ত আছে, তাহার অল্ল বন্দিগী অনেক হইতেছে। স্বতরাংপ্রত্যেক লোকের উচিত যে, তাহার ইমানকে হুরস্ত করিবার জন্ত বড় কোশেশ করে, এবং তুনিয়াতে ইহা হাছেল করা সমস্ত বস্তু হইতে শ্রেষ্ঠ জানে। আমি ইমানও আকারেদের বিষরণ এই স্থানে লিথিয়া দিতেছি।

#### ইমান ও আকায়েদ্ বিবরণ।

প্রথম কল্মা 'তৈয়ব্' হইতেছে।

لَا إِنَّهُ إِلَّا اللَّهُ مُعَدَّمَّدٌ رَّسُولُ اللَّهِ

লাএলাহা ইল্লাল্লাহো মোহাম্মাদোর রাছুলোল্লাহ্।

আলাহ্তাআলা ভিন্ন এবাদৎ বন্দিগীর লায়েক আর কেহই নাই, এবং হজরৎ ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্ ছাল্লালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম আলাহ্তাআলার প্রেরিত রছুল হইতেছেন।

#### দিতীয় কল্মা 'শাহাদৎ' হইতেছে। وَاشْهَدُ اَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَحُدَهُ لا شَرِيْكَ لَهُ وَاللهُ وَحُدَهُ لا شَرِيْكَ لَهُ وَ

اَ شَهَدُ اَنَ مُحَمَّدًا عَبْدُلاً وَ رَسُولُكُ \*

আশ্হাদোআন্ লাএলাহা ইলালাহো ওয়াহ্দাত লাশারিকা লাভ ওয়া আশ্হাদো আলা মোহামাদান্ আব্দোত ওয়া রাছুলোত ■

আমি গাওয়াহি দিতেছি, আল্লাহ্তাআলা ভিন্ন এবাদং বন্দিগীর লারেক আর কেহই নাই, তিনি একা হইতেছেন, কেহ তাঁহার শরিক নাই, এবং আমি গাওয়াহি দিতেছি যে হজরং ছৈরেদেনা মোহাম্মদ্ ছাল্লাল্লাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আলাহ্তাআলার বান্দা এবং প্রেরিত রছুল হইতেছেন।

লাএলাহা ইল্লা আন্তা ওয়াহেদান্ লা ছানিয়া লাকা মোহাম্মাদোর রাছুলোলাহে এমামোল্ মুভাকিনা রাছুলো রাবিবল্ আলামিন্ ■

ইয়া আল্লাহ্ তুমি ব্যতীত এবাদৎ বন্দিগীর লায়েক আর কেহই নাই, তুমি একা হইতেছ, কেহ তোমার ছানি (সমতুল্য) নাই, এবং হজরৎ হৈরেদেনা মোহাম্মদ্ ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, আল্লাহ্তাআলার প্রেরিত রছুল হইতেছেন, এবং পরহেজ্-গারদিগের ছরদার হইতেছেন, এবং সমস্ত জাহানের পরওয়ারেশ্ কর্ণেওয়ালা পরওয়ার দেগার জাল্লা জালাল্ছ জালাশানুছর প্রেরিত হইতেছেন।

# চতুর্থ কল্মা 'তমজিদ্' হইতেছে।

لَا إِلَٰهُ إِلَّا أَنْتُ نُورًا يَهْدِى اللَّهُ لِنُورِةِ مَنْ يَشَاءُ

منحمد وسول الله إمام الموسلين خادم النبيين -

লা এলাহা ইলা আন্তা হুৱাই ইয়াহ্দি আলাহো লেনুরিহি মাইয়াশায়ো মোহামাদোর রাছুলোলাহে এমামোল্ মুর্ছালিনা থাতেমোরাবিয়িন্ ■

ইয়া আলাহ তুমি ভিন্ন এবাদং বন্দিগীর লারেক আর কেহই নাই, তুমি
মুর (রৌশন কর্ণেওয়ালা) হইতেছ, আলাহ তাআলা আপন মুরের তরফ
যাহাকে মর্জি হয় হেদায়েং করেন, হজরং ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্ ছাল্লালাহ
আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম, আলাহ তাআলার
প্রেরিত রছল হইতেছেন, সমস্ত প্রগশ্বরিদ্গের ছরদার হইতেছেন, সকল
নবির শেষ নবি হইতেছেন। আলাজ্যা ছালিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

## পঞ্ম ইমান 'মোজ্মাল্' হইতেছে।

أَمَنْتُ بِاللَّهِ كَمَا هُو بِا شَمَا يُهُ وَ صِفَا يَهُ وَ قَبِلْتُ

جَمِيْعَ أَحْكَامِهُ وَأَرْكَانِهُ \*

আমান্তো বিল্লাহে কামা হুৱা বে আছু মাইহি এয়া ছেফাতিহি এয়া কাবেল্তো জামিয়া আহু কামিহি ওয়া আর্কানিহি •

আমি আল্লাহ্তাআলার উপর ইমান আনিলাম, যেমন তিনি তাঁহার সমুদ্য নাম, এবং ছেফাতের সহিত আছেন, এবং তাঁহার সমুদ্য স্কুম এবং সমুদ্য রোকন্কে আমি কবুল করিলাম।

### ষষ্ঠ ইমান 'মোফাচ্ছাল্' হইতেছে।

المَنْتُ بِاللَّهِ وَمَلَّكِكَتِهِ وَكُتُبِهِ وَرُسُلِهِ وَ الْبَوْمِ الْأَخِرِ وَالْبَوْمِ الْأَخِرِ وَالْبَعْثِ بَعْدَ مَدَدُ

ا ثَمَوْتِ »

আমান্তো বিল্লাহে, ওয়া মালায়েকাতিহি, ওয়া কোতোবিহি, ওয়া বাছুলিহি, ওয়াল্ এয়াওমিল্ আথেরে, ওয়াল্ কাদ্রে থায়রিহি, ওয়া শাররিহি মিনাল্লাহে তাআলা ওয়াল বা'আছে বা'দাল্ মাওৎ \*

আমি ইমান আনিলাম আলাহ ভাআলার উপরে, যে সমস্ত জাহানের পর্দা কর্নেওয়ালা এক আলাহ্ পাক্ হইতেছেন। কেহ তাঁহার শরীক নাই। সমস্ত বড়াই ও কামাল কেবল মাত্র তাঁহারই আছে, এবং তিনি সমস্ত আয়েব্ হইতে পাক্ হইতেছেন। কোন কালে তিনি কাহারও মহ্তাজ্নহেন, এবং সমস্ত বস্ত তাঁহার মহ্তাজ্ হইতেছে। আলাহ্-তাআলী দানা হইতেছেন, সমস্ত বস্তুর খবর তিনি কানেন, এক জার্রা বস্তু তাহা হইতে পুশিদা নাই। মনুযুজাতি আপন দেলের মধ্যে যে নেক চিস্তা কিমা বদ্ চিস্তা করে, তাহা তিনি জানেন। আলাহ্তালার মধ্যে কোন বস্তু হলুল্ (প্রবেশ) করেনা, এবং আল্লাহ্তালা কোন বস্তুর মধ্যে হলুল (প্রবেশ) করেন না। তিনি দেখ্নেওয়ালা, এবং চুয়ে ওয়ালা, বেচু, বেমানিন্দ, ■ বেমেছাল হইতেছেন। তিনি হর চিঞ করিতে কুদরৎ রাধেন। বরং যাহা এরাদা হইয়াছে তাহা করিয়াছেন, এবং যাহা এরাদা হইবে ভাহা করিবেন। সাত ভবক্ আছ্মান, সাত তবক্ জমিন, এবং আরশ কুর্ছি যাহা কিছু আছে, সমস্ত বস্তু তাঁহার:

কব্জা কুদরৎ মধ্যে রহিয়াছে, বাহা মর্জ্জি করিতে পারেন। আল্লাহ্-তাআলার ছকুম ব্যতিরেকে কোন বস্তু প্রদা হয় না। বাহা তিনি করিতে এরাদা করেন, কেহ তাহা রদ্ করিতে পারে না।

এবং আমি ইমান আনিলাম ফেরেশ্তা সকল আল্লাহ্ভাআলার বান্দা হইতেছে। আল্লাহ্তাকালা তাঁহাদিগকে ফুরের হারা পরদা করিয়াছেন। তাঁহার। গোনাহ্হইতে পাকৃ, অর্থাৎ কোন গোনাহ্ করেন না। যে বে কার্য্য সম্পাদন করিবার জন্ম আলাহ্তাআলা তাঁহাদিগকে মকরর করিয়া দিয়াছেন, তাঁহারা তাহা করিতে কায়েম আছেন। তাঁহারা মরদ নছেন, আওরং ও নহেন। খানা পিনা করেন না, আল্লাহ্তাআলার জিকির তাঁহাদিগের জেন্দেপানী হইতেছে। তাঁহাদিগের সংখ্যা আলাহ্তাআলা ভি**ন্ন কে**হ জানেন না। তাহার মধ্যে চারি ফেরেশ্তা বড় নামোয়ার আছেন। হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেজালাম, আলাহ্তাআলার তরফ হইতে কেতাৰ সকল, এবং ভুকুম সকল প্রপশ্বর আলায়হিমুছ্যলাম ছাছেবান্-দিগের নিকট লইয়া **আ**সিতেন। *হঙার*ৎ মেকাইল আলায়হেচ্ছালাম, আলাহ্-তাআলার স্কুমে বানাদিগের রেজেক পৌছাইয়া থাকেন, এবং মেঘ ও আবরের বন্দোবন্ত করিয়া থাকেন। হজরৎ এছ্রাফিল আলায়হে-চ্ছালাম, ছুর্ অর্থাৎ নরসিঙ্গার উপর মুখ রাখিয়া আর্শের তরফ তাকাইয়া ত্কুমের এস্তেজার দাঁড়াইয়া আছেন, কেয়ানতের সময়ে আলাহ্তাআলার ছকুমে সেই নরশিক্ষা ফুকিবেন। এবং হজরৎ আজ্রাইল আলায়হেচ্ছালাম মৃত্যু সময়ে জান বাহির করিয়া থাকেন। আল্লাফ্মা ছালিয়ালা মোহামদ্।

এবং আমি ইমান আনিলাম আল্লাহ্ভালার কেতাব সকলের উপর, হজরৎ ছৈয়েদেনা মৃছা আলায়হেচ্ছালামের উপর তৌরিৎ, হজরৎ ছৈয়েদেনা দাউদ্ আলায়হেচ্ছালামের উপর জববূর, হজরৎ ছৈয়েদেনা ইছা আলায়-হেচ্ছালামের উপর ইঞ্জিল, এবং ছিয়েদেনা মোহাত্মদ্ মন্তফা ছায়ায়াহ

আলায়হে ওয়া আলিহি:ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লামের উপর কোরাণ মঞ্জিদ নাজেল করিয়াছেন। এবং আরো কেতাব সকল, যাহাকে ছহিফা বলে, স্পান্ধর আলায়হিমুছ্যালাম ছাহেবান্দিগের উপর নাজেল করেন। যাহা কিছু আলাহ্তাআলার কেতাব সকলে লেখা আছে, তাহা হক্ হুইতেছে। আলাহ্মা ছাল্লিয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

এবং আমি ইমান আনিলাম আলাহভাতালা বান্দাদিপকে হেদায়েৎ করি-বার জন্ম ত্নিরাতে পর্গম্বর আলায়হিমুচ্ছালাম ছাহেবান্দিগকে পাঠাইরাছেন, এবং ভুকুম করিয়াছেন, যে রাস্তায় পয়গম্বরে খোদা ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছাব্লাম লইয়া চলেন, ঐ রাস্তার উপর চলে। তাহা হইলে তোমাদিগের দিন ও তুনিয়া তুরস্ত থাকিবে, এবং যে কেহ অন্ত রাস্তার চলিবে, সে দোজধী হইবে। সমস্ত পর<del>গর</del>র আলারহিম্ছালাম বর্হক হইতেছেন, এবং গোনাহ্ হইতে পাক্, এবং আলাহ্তাআলার সমস্ত মধ্লুক হইতে আফ্জাল হইতেছেন। উহাদিগের রোৎবাতে কেহ পৌছিতে পারে না। প্রথম পরগম্বর হজরৎ ছৈরেদেনা আদম আলারহে-চ্ছালাম, এবং তিনি সকল মহুয়োর বাপ হইতেছেন। উনার পরে আভলাদ হইতে বহুৎ পর্গন্বর আলায়হিমুজ্ছালাম প্রদা হইয়াছেন। তাঁহাদিগের সংখ্যা আল্লাহ্তাআলা জানেন। এবং সমস্ত পর্পম্র আলার্হিমুচ্ছালাম ছাহেবান্ দিগের পর হজরৎ ছৈয়েদেনা মোহামদ্ মত্তফা ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্ল'ম আসিয়াছেন। এবং হজরৎ ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের উপর পরগম্বরী থতম হইয়াছে। যদি আমাদিগের পরগম্বর ছালাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের পরে কেহ প্রপ্রবীর দাবি করে, তবে সে ঝুটা 🖫 কাফের হইতেছে। এই দিন কেয়ামত তক্ জারি থাকিবে। এবং আমাদিগের পয়গশ্ব হজরৎ

হৈরেদেনা মোহাম্মদ মন্তকা ছারারাহ আলায়হে ওরা আলিহি তবা আছ্হাবিহি ওরা ছারাম ছাহেবের ■ সকলের আগে পরদা হইরাছিল এই জন্ত তিনি সকল পরগন্ধর আলায়হিমুচ্ছালাম ছাহেবান্দিগের ছরদার হইতেছেন। জনাব হক্তরং আহ্মদ্ মন্ত্তবা মোহাম্মদ্ মন্তকা রছুল করিম (আলাছমা ছারি ওরা ছারিম আলা ছৈরেদেনা মোহাম্মাদিন ওরা আলিহি ওরা আহ্হাবিহি ওরা আহলে বায়তিহি ওয়া ওয়াজ্ ওয়াজিহি ওয়া জুর্রিয়াতিহি ওয়া বারিক্ ওয়া ছারিম্) ছাহেবের য়র মোবারক মথ্লুখ হইতেছে। এই য়র মোবারক করা কুকর হইতেছে। সকল মোহাল্মান এই য়র মোবারককে য়র মথ্লুখ বলিয়া বিখাস রাধিবেন। মখ্লুখ্ মানে ইহা হইতেছে, যে আলাহ্ তাআলার ইহা পরদা করিয়াছেন। যেমন হাদিছ শরিক মধ্যে আসিয়াছে:—

ইহার ভাবার্থ এই :—জনাব হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলারহে ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইয়াছেন, আলাহ্তালা সর্ব্ব প্রথম আমার মুরকে পর্মা করিয়াছেন। মকাশরিফে তিনি জন্ম গ্রহণ করেন। যথন হজরৎ ছাল্লাল্লাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের চল্লিশ বৎসর বয়স হয়, তথন আলাহতাআলার তরফ হইতে তিনি পরগন্ধর হন। এবং কোরাণ মলিদ নাজেল হইতে ভক্র হয়। তাহার পর অয়োদশ বৎসর মকা শরিফে ছিলেন, ঐ মোবারক স্থানে হজরৎ ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবকে মেরাজ নছিব হইয়াছিল! হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেছেলাম বোরাক লইয়া আইসেন। হজরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবকে বেয়াজ নছিব হইয়াছিল!

**শেই স্থান হইতে হজর ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ইাবিহি** 📉 ছাল্লাম সাতই (৭ম) আছ্মানের উপর তশ্রিফ লইয়া ধান। আরশ ও কুছি তিনি দেখেন, এবং বেহেশৃত ও দোজধে ছায়ের করেন, এবং ঐ বাত্রে আলাহতাআলার তর্ফ হইতে বড় বড় নেয়ামত পাইয়া-ছিলেন। এবং আল্লাহ্ভাআলার 🚃 কালাম করিয়াছিলেন। এবং পাঁচ ওয়াক্তের নামাজ ঐ স্থানে 🚃 স্থা। যথন হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে **ওয়া আলিছি ওয়া আছ্**হাবিহি ওয়া **ছালাম** ছাহেবেব তিপ্লান্ন বংসর বয়ঃক্রম হইল, তথন আলাহ্তাআলার ভুকুমে ম্কা শিরিফ হইতে মদিনা পাকেতে গেলেন, সেই স্থানে আরোদশ বৎসর ছিলেন। ষ্থন তেষ্ট্র বৎসর বয়ঃক্রম হয়, তথন এস্তেকাল করেন। চুনাঞ্চে শরিক ঐ মোবারক স্থানে আছে। হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলাহহে ওয়া আলিহি ওয়া আছুহাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের চারি কুছি এই :--- হজরৎ ছৈয়েদেনা মোহামদ্ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম এব্নে আকুলাহ্। আকুলাহ এব্নে আকুল মংলেব। আফুল মংলেব এব্নে হাশেম। হাশেম এব্নে আব্দু মনাফ্। আলাভন্মা ছাল্লিয়ালা ছৈরেদেনা মোহাম্মদ্।

এবং আমি ইমান আনিলাম আখেরাতের দিনের উপর, অর্থাৎ কেরামতের দিনের উপর, যে কেরামত বহু ক হইবে। কি ছামানা প্রস্তুত করিয়াছ তুমি, আয়ে গোনাহগার ছদরদ্দীন সেই দিনের অস্তুত্ব মে দিন আল্লাহ্তাআলা নাফর্মান লোকদিগকে দোজথ মধ্যে দাখেল করিবেন, এবং ফর্মাবরদার লোকদিগকে আপন নেরামতের বাগানে, আপন রহ্মতের বাগান বেহেশ্ত মধ্যে দাখেল করিবেন। পড়ে থাকিবে বেহেশ্ত দাখেল হোনেওয়ালা আরামের মধ্যে হামেশার অস্তু। দুবে থাকিবে বেহেশ্ত দাখেল হোনেওয়ালা নেরামতের মধ্যে হামেশার জন্ত। গরক থাকিবে বেছেশ্ত দাখেল হোনেওয়ালা আলাহ্তাআলার রহমতের হামেশার জন্ত। কি তোষা তৈয়ার করিয়াছ তুমি আয়ে গোনাহ্গার ছবিজনীন সেই এন্ছাফের দিন কেয়ামত । ?

এবং আমি ইমার্ম আনিলাম তাহার তক্দিরের উপর, অর্থাৎ আলাহ্তাআলার কদ্র 
কাজার উপর, বাহা মকদ্রে লিখিরাছেন, তাহার
থেলাফ কদাচ হইবে না। ভাল ছউক কিশ্বা মল্ল হউক, থারের লোভাগ্য
আরাম রাহাৎ ইত্যাদি, এবং খারাবি আপদ বালা বেমারি ইত্যাদি
আলাহ্তাআলারই তরফ হইতে পর্দা হইতেছে। কিন্তু আলাহ্তাআলা
ইমান বলিগী 
নিকিতে রাজি, এবং কুফর ও বদিতে নারাজ। মানব
ভাতির কছব্ করিবার দ্রণ, নেক্কার 
বদ্কার হইতেছে, এই কারণে
কেহ বা দোজ্যে কেহ বা বেহেশ্তে বাইবে।

এবং আমি ইমান আনিলাম, কেয়ামতের দিনের উপর। ঐ দিন
হজরৎ এছ্রাফিল আলারহেচ্ছালাম ছুর্ব ফুকিবেন। আছ্মান কাটিয়া
যাইবে, এবং তারা টুটিয়া ঝরিয়া পড়িবে। এবং পাহাড় ধোনা তুলার
রেজার মত উড়িয়া বেড়াইবে: আছ্মান ও অমিনে যত কান্দার ■■
থাকিবে, সমস্ত মরিয়া যাইবে। কেবল মাত্র চারি মকররব ফেরেশ্তা
হজরৎ জিব্রাইল আলারহেচ্ছালাম, হজরৎ মিকাইল আলারহেচ্ছালাম,
হজরৎ এছাফিল আলারহেচ্ছালাম, হজরৎ মিকাইল আলারহেচ্ছালাম
বাকি রহিয়া যাইবেন। ফের হজরৎ আজাইল আলারহেচ্ছালাম
কর্ম এলাহি হইবে যে, হজরৎ জিব্রাইল আলারহেচ্ছালামকে
কর্জ করে, তাহার পর হজবৎ ফিবাইল আলারহেচ্ছালামের জান্কে
কর্জ করে, তাহার পর হজবৎ এছাফিল আলারহেচ্ছালামের জান্কে
কর্জ করে। তাহার পর হজবৎ মালেকোল মৌৎ আলারহেচ্ছালামকে
হকুম হইবে, তিনি খোদ্ মরিয়া যাইবেন। সমস্ত জাহান ফানা ইইবে।

আলাহ্তাআলা হজরৎ এছাফিল আলারহেচ্ছালামকে পুনঃ জৈনা করিয়া
দিতীরবার নরসিলা কুকিবার হুকুম করিবেন। পুনশ্চ সমস্ত বস্তু
মৌজুদ হইয়া যাইবে। মুর্দা করর হইতে জেন্দা বাঁহির হইয়া আসিবে।
আমলের তারাজু খাড়া করা যাইবে। ছনিয়াতে নেক কাজ করিয়াছে,
কিছা বদ ভাজ করিয়াছে তাহা হিসাব ভরিবেন। হাত পাও
গাওয়াহি দিবে। এবং দোজপুর পিঠের উপর প্লছেরাৎ খাড়া হইবে,
তলওয়ার হইতে ভেজু এবং চুল হইতে বারিক, ভাহার উপর দিয়া চলিয়া
যাইবার হুকুম হইবে। নেক্কার বান্দা সকল তাহাদিগের আমল
অমুযায়ী, কেহ বিজ্লির মত, কেহ বাতাসের মত, কেহ তেজ ঘোড়ার
মত চলিয়া যাইবে। এবং বাজে লোক সকল পেয়াদা পাও চলিয়া যাইবে।
এবং বছৎ লোক পুল ছেরাৎ হইতে কাটিয়া দোজধ মধ্যে পড়িবে।

আয়ে বেরাদর আবেদ, এবাদত কর যে, খোদাওল করিম তোমাকে দেখিতেছেন, তোমার প্রত্যেক কার্যা আমলনামাতে লিখিবার জন্ত কেরামান কাতেবিন ছর্দার লিখনেওয়ালা ফেরেশ্তাম্বরকে মকরর করিরা রাখিরাছেন। তুমি যাহা করিতেছ তাঁহারা জানিতেছেন, দেখিতেছেন, এবং লিখিরা রাখিতেছেন। এবাদত এলাহিতে মশ্ভল হইরা যাও, তোমার আমল নামা রোজ কেরামতে তোমার আম মোবারক হইবে, তোমার আমল অমুবারী আল্লাহ্তাআলা তোমাকে জাজা দিবেন। আগ্লাহ্তাআলা কোরাণ মজিদ ছুরা নেছা মধ্যে এক স্থানে ফর্মাইয়াছেন:—

قَالَ اللَّهُ تَعَالَى وَالَّذِينَ امْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَاتِ سَنُدُخِلُهُمْ جَنَّتِ تَجُرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهُرُ خَالِدِينَ

ভাবার্থ এই:—এবং ঐ সমস্ত মান্ত খাহার। ইখান আনিয়ছে, এবং নেক্ আমল করিয়াছে, করিব্ (বহুৎ নিকট) আছে বে, জামি উহাদিগকৈ বেহেশ্ভ সমূহের মধ্যে, দাখেল করিব, যাহার দর্থ্ত আলা নীচে নহর সকল জারি অছে, হামেশা থাকিবে উহার মধ্যে হামেশা।

আরা হতাআলার স্কুম অনুযারী কার্য্য করিতে প্রবৃত্ত তেবা কর, এবং আরাহ্তাআলার স্কুম অনুযারী কার্য্য করিতে প্রবৃত্ত হও, আরাহ্তাআলা তোমাকে দেখিতেছেন। তোমার প্রত্যেক কার্য্য লিখিবার জন্ত কেরামান্ কাতেবিন্ হরদার লিখ্নেওরালা কেরেল্ভাহরকে তোমার স্করের উপর মকরর করিয়া রাখিরছেন। তোমার কার্য্য সমূহ জানিতেছেন, দেখিতেছেন এবং লিখিরা রাখিতেছেন। রোজ কেরামতে তোমার কেছেক্ ও ফজুরি বিদির পারা ভারী হইরা তোমাকে জাহারামে দাখেল করিবে। আরাহ্ন ভাআলা কোরাণ মজিদ ছুরা ছিজ্লা মধ্যে স্থানে কর্মাইরাছেন:—

قَالَ اللَّهُ تَعَالَى وَ أَمَّا الَّذِينَ فَسَعُوا فَمَا وَهُمُ النَّا ر \*

ভাবার্থ এই:—এবং ঐ সমন্ত মমন্তা যাহারা বেছকুম হইরাছে, পঁছ উহাদিগের ঠেকানা (থাকিবার স্থান) দোজধ হইতেছে। এই প্রকার ছকুম যুক্ত
আরেৎ শরিক কোরাণ মজিদ মধ্যে প্রায় প্রত্যেক ছেপারাতে যথেষ্ট মৌজুদ
রহিরাছে, দানেশ্যক মুমিন তাহা অবগত আছেন। আমি কেবল মাত্র উন্দি
লোকদিগের জানিবার স্থানী আরেৎ শরিক উপরে উদ্ভ করিয়া
দিলাম।

এবং ইমান আনিলাম বে, মরিবার পরে ছই কেরেশ্তা মন্কেরও নকির
মনুধ্যের নিকট আসিরা ছওরাল করে—"তোমার রব কে হইতেছেন ?
তোমার দিন কি হইতেছে? ইনি কোন শথ্ছ হইতেছেন বে,
তোমার নিকট আসিরাছিলেন ?" ঐ সমরে হলরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ

আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিছি ওয়া ছালাম ছাহেবের ছুরত
মেবারক দেখা যাইবে। উনার তরফ এশারা করিয়া বলিবেন। যদি
মুদা ইমানের সলে থাকে, তবে উহার জওয়াব দেয়ু য়ে, "আলাহ্ আমার
রব্ হইতেছেন। আমার দিন এছলাম হইতেছে। এবং ইনি রছুলে-থোলা ছাল্লালাই আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিছি ওয়া ছাল্লাম
হইতেছেন, আমার আলায়হে ওয়া আলিছি ওয়া আছ্হাবিছি ওয়া ছাল্লাম
হইতেছেন, আমার আলায়হতাআলায় হহমৎ হয়, বেহেশ্তের তরফ
উহার আলয়হতাআলায় রহমৎ হয়, বেহেশ্তের তরফ
উহার আলয়হতাআলায় রহমৎ হয়, বেহেশ্তের তরফ
উহার আলয়হতাআলায় রহমৎ হয়, বেহেশ্তের তরফ
বিবা শেন। আর যদি ঐ মুদা বেইমান থাকে,
তবে সে মন্কেয় আলহতার জওয়াব দিতে পারে না। প্রত্যেক বারে
বলে আমি জানি না। তথন তাহার উপর শক্ত আলাব আরম্ভ হয়।
এবং দোজধের তরফ উহার জল্ল দরওয়ালা খুলিয়া দেন।

এবং আমি ইমান আনিলাম বে, হজরৎ নবি করিম ছালালাই আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ হাবিধি ওয়া ছালাম ছাহেবকে আলাই ডাআলা হাউজ কওছর দিয়াছেন, তাহার পানি শহদ হইতে মিঠা, এবং হুং হইতে ছফেদ হইতেছে। তাহার বছত কুজা আছে, বেমন আছু মানের তারা। হজরৎ নবি করিম ছালালাই আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম হাউজ কওছরের উপর বসিয়া, কেয়ামতের দিন আপন উম্পংকে পানি পিলাইবেন। বে ব্যক্তি তাহা পান করিবে, সে আর কর্বন ■ পেয়ায়া হালেআলা ছৈয়েদেনা মোহাম্মন্।

এবং আমি ইমান আনিলাম বে, হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম, এবং সমস্ত পর্গদ্ধর আলারহিম্ছোলাম, এবং আওলিয়া, এবং নেক মহয়া সকল কেয়ামতের দিন আলাহ্তাআলার হুকুম অহুসারে সোনাহ্পার লোকদিগের শাফায়াৎ করিবেন। আলাহ্মা ছাল্লিআলা ছৈয়েদেনা মোহামদ্।

এবং আমি ইমান আনিলাম মে, মোছলমানদিগকে বেছেশ ত মধ্যে বড়
বড় নেয়ামত সমস্ত নিছিব হইবে। থাইবার বিবি সকল, এবং পেল্মান,
থাকিবার ভাল ভাল মোকান, এবং সকল হইতে বড় মেয়ামং আলাই,
ভালালার দিলার হইতেছে। থোলাওল করিম আপন ভাল ও কর্ম
হইতে মোছলমানদিগকে নছিব করিবেন। আলাহথা ছালিআলা মোহালদ্।

এবং আমি ইমান আনিলাম যে কাফেরদিগকে দোজধ মধ্যে বড় বড়
আজাব হইবে। দোজধের আগুণ, নাপ, বিচ্চু, পরম পানী, তাওক
জিপ্তির, কাঁটা, বদ্বুদার মোকান, এবং তাহাদিগের আগুরো আজাব
আছে। এবং হামেশা দোজধ আজাবে থাকিতে হইবে, কথনও
খালাছ পাইবে না। আলাহ্ভাআলা আমাদিগকে ইমানের সজে হনিরা
হইতে উঠাইয়া নেন, এবং সমস্ত মোছ্লমানদিগকে আজাব হইতে নাজাৎ
দেন। আলাহোমা ছাল্লেআলা ছৈরেদেনা মোহাম্বা।

এবং আমি ইমান আনিলাম যে, যাহা কিছু কোরাণ মজিদ, এবং হাদিছ্ শরিফ মধ্যে বেছেশ্ত এবং দোজখের আহওয়াল, এবং আগে যাহা হইরা গিয়াছে, ও পরে যাহা হইবে, লেখা আছে, তাহা তক্ হইতেছে। এবং যে সমস্ত কথা শরিয়তের তকুম মত হইতেছে, তাহা হক্ হইতেছে, এবং বে কথা কোরাণ মজিদ এবং হাদিছ্ শরিফের বর্ণেলাফ, তাহা বাতিল এবং বুরা হইতেছে। আল্লাক্তবা ছালিআলা হৈরেদেনা মোহামদ্।

এবং অমি ইমান আনিলাম বে, আলাহ্তাআলা বে সকল বস্তু হালাল করিয়াছেন, তাহা আমি হালাল, এবং যাহা হারাম করিয়াছেন, তাহা আমি হারাম জানিলাম। বে ব্যক্তি আলাহ্তাআলার হালালকে হারাম, এবং হারামকে হালাল জানে, তবে এমন ব্যক্তি মোছলমান নহে, কাজের হইতেছে। আলাজনা ভালিআলা হৈরেদেনা ওয়া মৌলানা মোহামদ্ এবং প্রত্যেক মোছলমান ব্যক্তির উপর লাজেম হইতেছে, হজরৎ নবি
করিম ছাল্লালাই আলারহে ওয়া আলিই ওয়া আছ্ শ্লবিই ওয়া ছাল্লাম
ছাহেবের সজােবের সমস্ত আহ্লে বয়েৎ, এবং আজ্ওয়াজ্ মোতাহেরাৎ
(রা) দিগের সজে মহববৎ, এবং নেক এতেকাদ রাখিবে, এবং সমস্ত ওমং
মধ্যে উনাদিগকে আফ্লাল, এবং বেহুতর জানিবে, এবং উনাদিগের
সকলের তাজিম করিবে। বখন উনাদিগের কাছারও নাম শুনিবে "রাজি
আলাহ্তাআলা আন্ত্" বলিবে। জানো, আয় বেরাদর, কোরাণ মজিদ
মধ্যে উনাদিগের বড় তারিক আছে, এবং হজরৎ পয়গয়রে-খোদা ছাল্লায়াহ
আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম উনাদিগের বড় খ্বি
বয়ান করিয়াছেন। উনাদিগের দোন্তদার বেহেশ্তি, এবং উনাদিগের
ছয়ন দোজ্থী হইতেছে। উনাদিগের মধ্যে হজরৎ আব্বকর (রা) হজরৎ
ওমার (রা), হজরৎ ওছ্মান্ রা), হজরৎ আলি (রা), ছাহেবানদিগকে
অফ্লাল্ জানিয়া বছৎ নেক এতেকাদ রাখিবে এবং তাজিম করিবে।

#### সপ্তম কলেমা 'রদ্ধে কুফর'।

اَلَّلْهُمَّ إِنِّى أَعُوْدُ بِلِكَ مِنْ أَنَ الشَّرِكَ بِلِكَ شَيْئًا وَ أَلْلَهُمَّ إِنِّى أَعُودُ بِلِكَ مِنْ أَنَ الشَّرِكَ بِلِكَ شَيْئًا وَ أَنَا اَعْلَمُ بِعِ تُبُتُ عَنْهُ وَ أَنَا اَعْلَمُ بِعِ تُبُتُ عَنْهُ وَ أَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الل

আল্লাহুদ্মা ইন্ধি আউজোবেকা মিন্ আন্ ওশরেকা বেকা শাইয়ান্ ওয়া আনা আ'লামু বিহি ওয়া আন্তাগ্ফিরকা লামা লা আলামু বিহি তুব্তো আনৃত্ ইয়া আল্লাহ বেশক আমি তোমার নিকট পানাহ চাহিতেছি, যেন
কোন বস্তকে তোমার শরিক না করি, এবং লা পোনাহ আমি জানিয়া
করিয়াছি, এবং যে গোনাহ আমি না জানিয়া করিয়াছি, সেই সকল
গোনাহর জন্ত তোমার নিকট মাফি চাহিতেছি। এবং আমি সেই সমস্ত
গোনাহ হইতে ভৌবা করিলাম, এবং ইমান আনিলাম, এবং বলিতেছি
আর আলাহতাআলা তুমি ভিন্ন এবাদং বন্দেগীর লামেক আর কেহই নাই,
এবং হজরৎ হৈরেদেনা মোহাম্মদ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া
আছ হাবিহি ওয়া ছালাম, আমাদিগের হেদারেৎ অন্ত আলাহ ভাআলার
প্রেরিত রছল হইতেছেন। আলাহমা ছালিআলা হৈরেদেনা মোহাম্মদ্।

## শেরেক, কালাম কুফর, **কঠিন পাপ ইত্যাদির বি**ররণ।

আরে বেরাদর, এ জমানার বহুৎ লোক শেরেক শো গেরেপ্তার
রহিরাছে, এবং আসল তৌহিদ লুপ্ত প্রায় হইয়াছে। স্কুতরাং যে যে
কার্য্য করিলে শেরেক ছাবেৎ হয়, এবং মোছলমান ইয়ান হইতে থারেজ
হইয়া কাফের ও মোশ্রেকের দর্জায় পৌছিয়া যায়, তাহার বিষয়
আমি নিয়ে লিথিয়া যাইতেছি। মোছলমান ব্যক্তির দেল মধ্যে, ইহা
খুদিয়া রাথা উচিৎ য়ে, ইমান এই ছই কথার উপর মৌকুফ আছে মাতা।
আল্লাহ তাআলাকে এক জানা, এবং রছুল করিম ছালালাহ আলারহে
ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালামকে আল্লাহতাআলার য়ছুল
জানা। আল্লাহ তাআলাকে এক জানা এই প্রকার হইতেছে য়ে,
কাহাকে আল্লাহ তাআলার শরিক না কানে, এবং আল্লাহ তাআলার যত
ছেফাৎ আছে, ঐ সকল ছেফাৎ বিশিষ্ট কাহাকে না জানে, এবং আলাহতাজালার ফাক এক চেফাৎ সমস্তকে কদিম জানে, অর্থাৎ হামেশা হইতে

আছেন এবং হামেশা থাকিবেন, এবং রছুল করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লামকে আলাহ্ তাআলার বছুল জানা এই প্রকার হইতেছে যে, রছুলের ভিন্ন কাহারও রাস্তায় না চলে, তাঁহার তরিকা ভিন্ন অন্ত কাহারও তরিকা এখ্তেয়ার না করে। প্রথম কথাকে তৌহিদ বলে, এবং তাহার থেলাফ্কে শেরেক বলে। এবং ৰিতীয় কথাকে এতেবা চুন্নৎ বলে, এবং তাহার থেলাফ্কে বেদাআৎ বলে। স্তরাং মোছলমান ব্যক্তিকে চাই বে, আলাহ এবং রছুল করিম ছালালাহ আলারতে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহেবের কাশামকে আপন আখল বস্তু জানে। উহাকেই সনদ ধরে, এবং কোরাণ ্ও হাদিছ্ অর্থাৎ শরিয়তের স্কুষ্ম অনুযায়ী চলে। এবং ইহাতে নিজের কোন আকল ও বিজা বৃদ্ধির দখল না দের। ধাহা কোরাণ ও হাদিছ অমুদ্ধপ হয়, তাহা কবুল করে, এবং বাহা কোরাণ 🔳 হালিছের বরখেলাফ্ হয়, তাহা এথ্তেয়ার না করে। তৌহিদ্ এবং এতেবা ছুয়ৎকে বস্তুৎ মজবুৎ করিরা ধরে, এবং শেরেক 🖿 বেদায়াৎ হইতে নিজেকে বাঁচাইয়া রাথে। কারণ শেরেক ও বেদাআৎ এই হুই 📉 আশল ইমানে খলল পর্দা করে, এবং বাকি সমস্ত গোনাহ্ ইহার নীচে হইতেছে। আলাহ্-তাআলা কোরাণ মজিদ মধ্যে ফর্সাইয়াছেন,

قَالَ اللَّهُ تَعَالَى: إِنَّهُ مَنْ يَشُرِكُ بِاللَّهِ فَقَدْ حَرَّمَ اللَّهُ

عَلَيْهِ الْجَنَّةَ وَمَا وَالْا النَّارُ •

ভাবার্থ এই : — তহ্ কিক্ যে ব্যক্তি আল্লাহ্তাআলার সঙ্গে শেরেক করে, পছ তহ্ কিক্ আল্লাহ্তাআলা তাহার উপর বেহেশ্তকে হারাম করিয়া দিয়াছেন.

তাহার থাকিবার 
লেক্স ক্রডেন্ড ।

ভাবার্থ এই :-- তহ্কিক্ যে ব্যক্তি আলাক্তাআলার সঙ্গে শেরেক করে, আলাহ্তাআলা ঐ ব্যক্তিকে মাফ করিবেন নী; এবং ঐ সমস্ত গোনাহ্ বাহা শেরেক ভিন্ন হয়, তাহা বাহাকে মর্জি হয় মাফ করেন। (অর্থাৎ শেরেকের নীচে যে সমস্ত গোনাহ্ হয় তাহা যাহাকে শর্জি হয় মাফ করেন।) এবং যে কেহ আলাহ্ভাআলার সঙ্গে শেরেক করিল, তহ্কিক্ ঐ ব্যক্তি হক্ হইতে গোমরাহ্ হইল। আয়ে বেরাদর, আল্লাহ্-ভাতালার রাভা ভুলা এ প্রকার ও হইতে পারে যে, হালাল ও হারাম মধ্যে তমিক না করে, চুরি ও বদ্কারি মধ্যে মশ্গুল্ হইয়া যায়, নামাজ রোজা ছাড়িয়া দেয়, বিবি এবং সস্তানাদির হক্ আদা না করে, মা বাপের সঙ্গে বেআদবি করে। কিন্তু যে শেরেক মধ্যে পড়িল, দে সকল হইতে আলাহ তাআলার রাজা জেয়াদা ভূলিল। কারণ ঐ ব্যক্তি এমন গোনাহ করিল যে, তাহার ইমান গেল, দায়রা এছ লাম হইতে খারেজ হইল, বেহেশ্ত তাহার জন্ম হারাম হইল, আল্লাহ্তাআলা তাহার গোনাহ্ কথনও মাফ করিবেন না। হজরৎ মাআজ্ এব্নে জবল (রা) নকল করিয়াছেন বে, ফর্মাইয়াছেন আমাকে রাছুলুলাহ্ ছাল্লাল্ছ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম যে, আলাহ্তাআলার শরিক কাহাকে

স্তরাং আয়ে ভাই মোছলমান সকল, শেরেক হইতে বছৎ বাচিয়া চলিবে। যদি কোন জালেম তোমাকে আগুণের মধ্যে জালাইয়া দেয়, কিমা তোমাকে কতল্ করে, তাহা হইলেও তুমি আল্লাহ তাঞ্চলার সঙ্গে কাহাকে শরিক করিও না। আল্লাছকা ছালিআলা ছৈয়েদেনা মোহামদ্।

হাদিছ্ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে যাহার ভাবার্থ এই: -- হজরৎ জায়েদ এব্নে থালেদ্ (রা) নকল করিরাছেন, পরগদরে থোলা ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম আমাদিগকে তুদাইবিয়া মধ্যে কজরের নামাজ পড়াইলেন বৃষ্টি হইবার পরে, ( 🖥 রাত্রে পানি বর্ষিয়াছিল)। তৎপর যথন নামাজ পড়িয়া বসিলেন, তথন লোকদিগের তরফ মুথ করিলেন। কের বলিলেন জান কি ভোমরা, কি ফর্মাইলেন তোমাদিগের রব ? লোক সকল উত্তর করিল যে, আলাহ ও তাঁখার রছুলই ভাল জানেন। বলিলেন, আলাহ তাআলা ফর্মাইলেন বে, আজ ফজরের সময় আমার বাজে বান্দা মুমিন হুইয়া গিয়াছে, এবং বাজে বান্দা কাফের হইয়া গিয়াছে, যেহেতু যে বলিয়াছে আমি বৃষ্টি পাইয়াছি, আলাহ তাআলার ফজলে এবং আলাহ্তাআলার রংমতে, তবে ঐ ব্যক্তি আমার উপর একিন আনিরাছে, এবং ছেভারার মন্কের হইরাছে। এবং যে ব্যক্তি বলিয়:ছে আমি বৃষ্টি পাইয়াছি ফলানা ফলানা ছেতারা হইতে, তবে ঐ ব্যক্তি আমার মন্কের হইয়াছে, এবং ছেতারার উপর একিন আনিয়াছে। অর্থাৎ যে ব্যক্তি পৃথিবীর কারবারকে ছেতারার তাছিরের জন্ম হয়, এ প্রকার এতেকাদ করে, এখন ব্যক্তিকে আল্লাহ্তাআলা আপনার মন্কের দিগের মধ্যে পণ্য করেন, এবং ছেতারা পৃক্নেওয়ালাদিগের মধ্যে গণ্য করেন, এই প্রকার এতেকাদ্ করা শেরেক হইতেছে, এবং যে কেহ এই সমস্ত কার্বার ও কার্থানাকে আল্লাহ্তাআলার ভর্ক হইতে এতেকাদ করে, তাহা হইলে উহাকে আল্লাহ্তাআলা আপন মক্রুল বান্দাদিগের

মধ্যে গণা করেন। এই হাদিছ্ হইতে মালুম হইল, যে বাজি নেক্ ও বদ্
ছারাৎ মানিতে লাগিল, এবং পঞ্জিকা দেখিয়া ভাল মন্দ ভারিখ, 
দিনের
মঙ্গল অমঙ্গল অনুসন্ধান করিতে লাগিল, এবং নজ্জ্মি, অর্থাৎ গণনাকারক
দিগের কথার উপর একিন করিতে লাগিল, এমন বাজি দিন এছলাম
হইতে বুদা হইয়া গেল। কারণ নজ্জুমদিগকে মানা ছেভারা পরস্তের (তারা
প্রার ) কান হইতেছে। আল্লাহোম্মা ছাল্লেআলা ছৈয়েদেনা মোহাম্মা।

আরে বেরাদর, ছনিয়া মধ্যে আপন এরাদার নিজের ছকুম জারি করা, এবং প্রত্যেক বস্তু দুরে হউক কিম্বা নিকটে হউক, ছিপা হউক কিম্বা খোলা হউক, পুশিদা হউক কিমা লাহেরা হউক, অন্ধকারের মধ্যে হউক কিছা আলোকের মধ্যে হউক, আছ্মানের মধ্যে হউক, কিছা জমিনের মধ্যে হউক, পাহাড়ের উপর হউক, কিখা সমুদ্রের তলে হউক, তাহার 💴 প্রত্যেক সময়ে বরাবর রাখা, এবং নিজের ইচ্ছাতে মারা এবং জেনা করা, রোজির কোশায়েশ ও তঙ্গি করা, তন্দুরত ও বেশার করা, ফতেহ্ 🖿 সেকেন্ত দেওয়া, মোরাদ সকল পুরা করা, বেমারি ও বালা দকে করা, মুস্কিলের সময় দশুগিরি করা, এই সমস্ত আলাহ আলার শান হইতেছে। বে কেই এই সমস্ত ক্ষমতা অন্তের আছে বলিয়া ছাবেৎ করে, এবং তাহার নিকট মোরাদ চাহে, এবং তাহার নজর ও নেয়াজ মানে, এবং তাহাকে মছিবতের সময় ডাকে, এমন বাক্তি মোশ্রেক হইতেছে, এই প্রকার আকিদা করা মহজু শেরেক হইতেছে। আমাদিগের দেশে আকছের জাহেল লোক সকল পিরদিপের, ষেমন পির, গান্ধি, মাদার, নেংড়া পির ইত্যাদি, এবং হিন্দু জাতির বোতদিগের--- যেমন কালি, মনসা, লক্ষী, শীতলা, শুবচুনি, কামরূপ-কামাথ্যা, হাড়িঝি, পাঁচ, পাঁচি ইত্যাদিকে মুস্কিলের সময় ডাকিয়া থাকে, এবং বেমার বালা দফে হইবার জন্ত, এবং মোরাদ

বালাকে 📉 করিবার জন্ত, নিজের বেটা বেটীদিগকে উহাদিগের তরফ নেছবং করিয়া থাকে, কেহ আপনার বেটার নাম নবি বকস্, আলি বর্ণ, কেহ হোছেন বখুশ্, কেহ পাঁচ, কেহ পাঁচি, কেহ মাদার ইত্যাদি রাখে, এবং উহাদিগকে বাঁচিয়া থাকিবার জন্ত, কৈহ কোন বেদিন ফকিরের নক্শি পড়া আনিয়া সন্তানের গলায়, কিছা সন্তানের মায়ের গলায় পরাইয়া দের, কেহ কাহারও নামে মানস করিয়া মাখার চুল রাখে, এই প্রকার সমস্ত কার্যা শেরেক হইভেছে। বোভ পরস্তির পোষকতা ও মদদগারি করা, বেমন কালি-পুজা, ছুর্না পুজা, চড়ক পুজা, রথযাত্রা, দোলযাত্রা, জন্মান্তমী পুজা, মহালয়া, জগদাত্রী পূজা, বাদন্তি পূজা, শ্রীপঞ্ষী সরস্বতী পূজা, পুঞার দিনের পূজা, রাস্যাত্রা ( শ্রীক্লফের ক্রীড়া বিশেষ), ঝুলন যাত্রা, মনশা পুজা, কার্ত্তিক পুজা, লক্ষ্মী পূজা, স্থান যাত্ৰা ইত্যাদিতে চাঁদা দেওয়া, কিন্বা পাঁঠা, ভাব, ইক্ষু, ফল, বাঁশ, শামিয়ানা, ছগ্ধ, কলা বা শারিরীক পরিশ্রমের ছারা, কিছা কোন সহারতা স্থচক কথা ইত্যাদি দারা সাহাব্য করা, শেরেক হইতেছে। আলাহ্ভাআলা ভিন্ন গায়েবী কথা কেহ জানে না। প্ৰনা কারক যে হাত দেখিয়া, किया भंदीरत्रत्र অন্ত কোন লকণ দেখিয়া পালেবী কথা বলে, ইহা শেরেক হইতেছে। গায়েবী কথা বোল্নেওয়ালা এবং উহা বিখাস কর্ণেওয়ালা উভয়ে মোশ্রেক হইতেছে। কতক স্বাহেল লোক বৃহস্পতি বারে, কিম্বা অপর দিনে তাহাদিগের মাচা 🔳 বাক্স হইতে কোন 🐃 বাহির করিয়া কাহাকে ধার কর্জ দের না, তাহাদের বিশ্বাস যে, লক্ষ্মী বেজার হইবে, লক্ষ্মী বেজার হইলে গৃহস্থালি হইতে বর্কৎ চলিয়া ধাইবে, এই প্রকার সমস্ত কার্যা শেরেক হইতেছে। আমাদিগের দেশে কতক জাহেল লোক নৌকাতে তেজারৎ করিতে যাইতে হইলে, নৌকা ছাড়িবার সময় "পাঁচ পির পাজির বদর" চীৎকার করিয়া বলিতে বলিতে নৌকা ভাতিয়া যায় এবং **আৰু আকিদা রাথে, ঐ সমস্ত** পির নাফা **লোকছা**নের

মালেক, এবং বিদেশে বড় জুফান আপদ বালা হইতে বাঁচাইবে, ইহা শেরেক হইতেছে। কোন মোছলমান ব্যক্তি এরূপ এতেকাদ্ করিবে না। নৌকার তেবারতের ব্রক্ত বাইতে হইলে আল্লাহ্তাআলাকে এয়াদ করিয়া যাইবে। ডাছা হইলে ডেজারতে বর্কৎ হইবে। কোন প্রকার বেষার বালাতে, কিম্বা লাগ বিচ্ছুতে কামড়াইলে, ৰোভ পরস্তদিগকে ডাকিরা ঝাড়াইবে না, একং তাহাদিগের পানি পড়া, তেল পড়া, বেত পড়া, নক্শি পড়া ব্যবহার করিবে না, এবং উহাদিগের ভন্ত মন্ত্র পড়িবে না, এবং পড়াইবে না, এই সমস্ত কার্মা শেরেক হইভেছে। কারণ ঐ 🚃 মন্ত্রে বোতের নাম থাকে। প্রকৃত পক্ষে বে ব্যক্তি বোত পরস্তগগের তন্ত্র মন্ত্র পড়িল কিশ্বা পড়াইল, সেই বাজি বেন বোতদিগকে সত্য জানিল, এবং বোত সকলের বেমার বালা দুর করিবার কুদরৎ আছে বিশাস করিল, এমন বাজি মোশ্রেক হইতেছে। যদি কাহাকে সাপে কামডায়, তবে <del>ও</del>জু করির৷ যে স্থানে সাপে কামড়াইয়াছে, ঐ স্থানে ছুরা এথ বাছ পড়িয়া দম করিবে। কিখা আলাহ্ পাকের এই মোবারক নাম "এরা আহাদো" ইহা পড়িয়া ফুক দিবে, তাহা হইলে ইন্শাআলাহ্ সাপের বিষ পানি হইয়া যাইবে, এবং রোক্লী আরাম পাইবে ইন্শা আল্লাহ,তাআলা। উহা ঝাড়িবার ভিদ্বি এই 🛮 – যে পর্যাক্ত শাপের বিষ উঠিয়াছে বলিয়া মনে হয়, দেই পর্যাক্ত আলাহ্তাআলার এই মোবারক নাম "এয়াআহাদো" পড়িয়া ৫, 🗈 মিনিট পর্যাস্ত ফুর্স' দিতে থাকিবে, ভাহা হইলে শাপের বিষ নষ্ট হইয়া নীচের দিকে নামিয়া যাইবে, তথন রোগীর পায়ের পাতা টাটাইতে থাকিবে, তখন পায়ের আঙ্গুলের মাথায় কোন থারালো বস্ত বারা, কিখা মোটা বারা সামান্ত ছিদ্র করিয়া টিপিয়া দিলে বিষ 💶 বাহির হইয়া যাইবে, এবং রোগী আরাম পাইবে ইন্শা আলাহ্ভাআলা; তবে সাবধানতা অবলম্বন করিতে হইবে ষে, ঐ বিষ মিশ্রিত রক্ত বাহা বাহির হইবে, তাহা অন্তের শরীরে না লাগে।

কারণ এক স্থানে আমি এইরূপ দেখিয়াছি, ঐ বিবাক্ত রক্ত গুই ব্যক্তির শরীরে লাগিয়াছিল, ঐ হুই ব্যক্তির শরীরেই বিষে আছর করিয়াছিল। পুন: তাহাদিগকে ও ঝাড়িতে হয় 🔳 আরাম পায়। 🛮 হঞ্জরৎ নবি করিম ছাল্লাগ্রাহ আলায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন। যাহার ভাবার্থ এই:---যে ব্যক্তি আপন মোছলমান ভাইকে বলে আরে কাফের, পছ্ বার বার এই কল্মা 🖥 হুই ব্যক্তির মধ্যে এক ব্যক্তির উপর রজু করিবে। ইহা হজরৎ মছ্লেম এবং হজরৎ বোধারি (র) বাহির করিরাছেন। यদি কোন শোহল্যান কোন মোছল্যানকে কাফের বলে, এবং হকিকতে ঐ ব্যক্তি কাঞ্চের নহে, কিম্বা মালাউন কহে, এবং ঐ ব্যক্তি উহার লারেক নহে, তাহা হইলে বোল্নেওয়ালা খোদ কাফের ও মালাউন হয়। যদি কোন ব্যক্তি কাহাকে বলে, যদি ভূমি খোদা হও, তবুও আমি, আমার হক তোমার নিকট হইতে লইব, তবে কাফের হইবে। এক ব্যক্তি অপর এক ব্যক্তিকে বলিল যে, তুমি খোদাকে এমন এক্তেয়ার মধ্যে করিয়া রাখিয়াছ, যে তুমি ধাহা বল তিনি তাহা করেন, তবে ঐ ব্যক্তি কাফের হইবে। যদি কেহ কাহাকে বলে বে, থোদা তোমার উপর জুলুম করিতেছেন, কিস্বা বলে কোন মোকান থোদা হইতে থালি নাই, এবং আলাহ ডাআলা উপরে ৠড়াইয়া আছেন, কিমা বসিয়া আছেন, তাহা হইলে ঐ ব্যক্তি কাফের হইয়া যাইবে। যদি কেহ বলে যে, আমি ছওয়াব্ এবং আজাব হইতে পাক্ আছি, তবে ঐ ব্যক্তি কাফের হইবে। এক ব্যক্তি বিবাহ করিল, এবং ঐ মোকামে কোন সাক্ষী ছিল না, তথন ঐ ব্যক্তি বলিল, আলাহ্ এবং বছুল ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্ হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবকে সাকী করিলাম, কিয়া ফেরেশ্তাকে সাক্ষী করিলাম, তাহা হইলে ঐ ব্যক্তি কাফের হইতেছে, এবং কাফের হইবে। যথন আলাহ্ ভাঙ্গালার শানেতে এমন চিজ বয়ান করিবে, যাহা আল্লাহ্তাআলার শানের লায়েক নহে,

কিশ্বা আল্লাহ্ **ভাআলার কোন মোবারক নাম, কিশ্বা ছেফা**তের উপর ঠাট্টা করিবে, কিন্বা আলাহ্ভাআলার কোন ওয়াদাহ্ (বেমন নেককারের 📧 নেয়ামত বেহেশ্ত ) কিম্বা ওয়াইদের উপর ( বেমন বদকারের 📉 আজাব দৌষ্প ) একার করে, কিয়া কাহাকে আলাহ্তান্সালার শরিক করে, কিমা কাহাকে আল্লাহ্তাআলার বেটা কিমা বেটী মকরর করে, কিমা আলাহ্তাআলাকে নাদানি কিখা, আজিজি, কিখা নোক্ছানির তর্ফ নেছবং করে, ভাষা হইলে এই সমস্ত কার্ষ্যে মহুদ্য কাফের হইরাঞ্চার। ৰদি কেহ বলে যে, আলাহ্তাআলা আমাকে এই কাজ করিতে বদি তুকুম করেন, তবে আমি করিব না, তাহা হইলে বেশক্ কাকের হইবে। যদি কেহ বলে যে, আলাহ্তাআলা ভোমার জবানের সঙ্গে পারেন না, আমি কেমন করিয়া পারিব । তবে সে কাফের হইবে। যদি কেহ বিবিকে বলে যে, তুমি খোদা হইতে আমার জেয়াদা পেয়ারি হইতেছ, তাহা হইলে কাফের হইবে। ষদি কেহ বলে আমার জন্ত উপরে আল্লাহ্ আছেন, এবং নীচে তুমি আছ্, তবে ইহা কুফর কালাম হইবে। যদি কেছ বলে যে, আমি বেছেশ্ত মধ্যে আলাহ তাআলাকে দেখিতেছি, তবে ইহা কুকর কালাম হইতেছে। যদি কেহ বলে আর আরাহ্তাআলা ভুমি আমার উপর রহমত করিতে কছুর করিও না, তবে ইহা কুফর কালাম হইতেছে! যদি কেহ কাহাকে বলে, মিথ্যা কথা বলিও না, তাহার উত্তরে ঐ ব্যক্তি বলে যে, মিথ্যা কথা কি হইরাছে ? এই 💶 মিথা৷ হইরাছে যে, লোকে বলিবে, তাহা হইলে কাফের হইবে। ধদি কাহাকে বলা ধাষ্ট্র জালাহ তাআলার রেজা-মন্দি তালাশ কর, তাহার উত্তরে ঐ ব্যক্তি বলে যে, আল্লাহ্তাআলার ব্ৰেজামন্দি আমার আবগ্রক নাই, কিম্বা আমান বদি আলাহ তাআলা আমাকে বেহেশ্ত মধ্যে দাৰেল করেন, তবে আমি এবাদৎ করিব, কিম্বা যদি কাহাকে বলা যায়, আলাহ্তাআলার নাফর্খানি করিও না, যদি করিবে আলাহ্-

তাআলা তোমাকে বেশক্ জাহাল্লামে দাখেল করিবেন, তাহার উদ্বরে ঐ ব্যক্তি বলে যে, আমি জাহাল্লামের আন্দেশা করি না, কিখা যদি কাহাকে বলা যাল্ল যে, তুমি বছৎ খাইও না, যদি বছৎ খাইবে তোমাকে বেশক্ আলাহ দোন্ত রাখিবেন না। পছ, তাহার উদ্ভরে যদি ঐ ব্যক্তি বলে যে, আলাহ তাআলা হয় ছল্লন রাখুন, কিলা দোন্ত রাখুন, আমি জেয়াদা খাইয়া থাকি, এই কুফুর কালাম হইতেছে। বদি কেহ বলে যে, তুমি তোমাল বিবির সঙ্গে পারিয়া উঠিলে না । ঐ ব্যক্তি বলিল বে, আলাহ-তাআলা আওরত দিগের সঙ্গে পারিয়া উঠিন না, আমি কেমন করিয়া পারিব । তাহা হইলে কাফের হইবে। যদি কোন ব্যক্তি কোরাণ শরিকের আলেতের এলার করে, কিলা কোন আহেৎ শরিফের উপর হাসি তামাশা করে, কিলা আরেব করে, (কিলা কেহ কোরাণের অর্থের উল্টা অর্থ বানাইয়া বয়ান করে), তাহা হইলে এই সকল কার্যে কাফের হইবে। (তালিহল গাফেলন)

ছজরৎ আব্বকর ছিদ্দিক (রা) এবং হল্পরৎ ওমার (রা) ছাহেব দিগকে বুরা বলিলে কাফের হয়। আলাহ্তাআলার দিদারের একার করিলে কাফের হয়। এবং আলাহ্তাআলার জেছ্ম আছে, এবং হাত পাও আছে, এরপ বলিলে কাফের হয়। বদি কুদরি কালামকে কুফরি কালাম না জানিয়া আপন এক্লেয়ারে বলিবে, তবে আক্ছের আলেমদিগের নক্ষদিগে কাফের হইবে, এবং না জানিবার ওল্পর কবৃল হইবে না। যদি কুফর কালাম বেগায়ের কছুদ্ শ্বনান হইতে বাহির হয়, তবে কাফের হইবে না। (কিন্তু তৌবা করা সর্ভ্ হইতেছে।) যদি এক মুদ্দৎ দারাজের পরে কাফের হইবার এরাদা করিবে, তাহা হইলে তৎক্ষণাৎ কাফের হইয়া বাইবে। যদি কাতাই (খাট) হারামকে হালাল, কিন্বা কাভাই হালালকে হারাম বলিবে, কিন্বা যদি ফরলকে ফরজ্ জানিবে না, তাহা হইলে কাফের

হইবে। ধনি এ<del>ক ৰাজি অন্ত আৰু ব্যক্তিকে</del> বলে বে, তুমি আলাহ্তাআলাকে ভরাও না, **ভাহার উত্তরে সে** যদি বলে যে, না, ভরাই না, তাহা হইলে শেষোক্ত ব্যক্তিক কাক্ষের হইবে; কিন্তু মোহাম্মদ এব্নে ফল্লেল (র) ছাহেবের নঞ্জিক্ এই হইতেছে বে, যদি কাতাই গোনাহ্ মধ্যে এইরপ এছার করিবে, তবে কাফের হইবে, তাহা না হইলে হইবে না৷ যদি বলে আলাহ্তাআলা তোমার মোকাবেলায় কেফায়েৎ করে না, ( অর্থাৎ আলাহ্তাআলা তোমার সঙ্গে আটিয়া উঠিতে পারে না ), আমি তোমার সঙ্গে কিরুপে কেনারেৎ করিতে পারিব ? তাহা হইলে সে কাফের হইবে। যদি কাহার ও বেটা মরিয়া যায়, এবং সে ব্যক্তি বলে বে, আলাহ্তাআলা উহার মহ্তাজ ছিলেন, তাহা হইলে কাফের হইবে। যদি কেহ কাহারও উপর জুলুম করে, এবং মজ্লুম ব্যক্তি বলে থে, আর থোদা ভূমি উহাকে কবুল করিও না, যদি ভূমি উহাকে কবুল করিবে, আমি কবুল করিব না, তাহা হইলে কাফের হইবে। যদি কোন ব্যক্তি বলে যে, আমি আলাহ্তাআলার আলাব এবং ছওরাব্ হইভে বেজার আছি, ভবে কাফের হইবে। বদি কেহ বলে, আলাহ্তাআলার কছম, এবং তোমার পায়ের কছম, তবে কাঞ্চের হইবে। বদি বলে রোজি আলাহ্তাআলার তরফ হইতে পাওয়া বাইয়া থাকে, কিস্ক বন্দাদিগকে তালাশ করিয়া লওয়া জন্তর চাই, (অর্থাৎ তালাশ করিয়া না লইলে কথনই পাইবে না ) এইরূপ বলিলে কাফের হইবে। যদি কেহ বলে, ফলানা ব্যক্তি যদি নবি হয়, ভবে আমি ভাহার উপর ইমান আনিব না, কিম্বা এমন কথা বলৈ যে, যদি কেব্লা ঐ তর্ফ হইবে, তবে নামাজ পড়িব না, তাহা হইলে কাফের হুইবে। যদি কোন পরগাম্বর আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের এহানৎ করে, অর্থাৎ জাঁহাকে হেকারৎ (নিন্দা) করে, তবে কাফের হইবে। যদি কেহ বলে, যদি হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালাম গেছ না খাইতেন, তবে আমরা ক্বেণ্ড হইতাম না, তবে কাফের হইবে।

যদি কেহ বলে যে, পরপাশ্ব আলারহেচ্ছালাম এইরূপ করিতেন, শিতীয় ব্যক্তি বলে যে, ইহা বে-আছবি হইতেছে; 📉 কাফের হইবে। যদি কেহ বলে, নাখুন তারাশ্না ছুন্নত হইতেছে, ছিতীয় ব্যক্তি বলে যে, ষ্দিও ছুরৎ হইতেছে, কিন্তু আমি তারাশিব না, তবে কাফের হইবে। যদি কেহ আমনু মাক্নফ**্, অর্থাৎ শরিরৎ 🚃 হেদারেৎ করে, দি**তীর ব্যক্তি ভাহার কওল অর্থাৎ বাক্যকে রুদ্ করিবার 📟 বলে বে, তুমি 🔳 কি শোর ও গোল মাচাইরাছ ? ভাহা হইলে কাফের হইবে। বদি কোন কাছেক ব্যক্তি কোন মৃত্তকিকে বলে বে, আইস মোছলমানির ছায়ের করি, এবং কেছেকের মঞ্জাদের তর্ম্ব এশারা করে ( যেমন বেশ্রালয়, মদ গাঁজার দোকান, কিছা গান বাজনার মজলিশ ইত্যাদি ), তবে কাফের হইবে। বদি কোন স্ত্রীলোক বলে যে, দানেশমন্দ আলেম শগুহরের উপর লান্ৎ হউক, তাহা হইলে কাফের হইবে। বৃদি কোন ব্যক্তি বলে, যে পর্যান্ত আমাকে হারাম মিলে, আমি কেন হালালের তরফ ধাইব 📍 তাহা হইলে কাফের হইবে। যদি কোন ব্যক্তি বেমারির হালতে বলে, যদি ভূমি চাও আমাকে মোছলমান মারো, কিছা কাফের মারো, তাহা হইলে কাফের হইবে। যদি এক ব্যক্তি আজান দেয়, অপর এক ব্যক্তি বলে যে, ভূমি মিথা৷ বলিলে, তবে কাফের হইবে। যদি কেহ পর্যাধ্বরে থোদা ছাল্লাহো আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ছাহেবের আয়েব করিবে, তবে কাফের হইবে। যদি কোন ব্যক্তি বলে যে, আল্লাহ্তাআলা তুমি আমার উপর যদি রোজি কোশাদাহ না কর, তবে আমার উপর জুলুম করিও না, তাহা হইলে কাফের হইবে। ( কারণ খাল্লাহ্তাখালার উপর জুলুমের এতেকাদ করা কুফর হইতেছে।) যদি কোন ব্যক্তি কাহাকে নামা<del>জ</del> পড়িতে বলে, ঐ ব্যক্তি বলে যে, তুমি এত মুদ্ধং নামাজ পড়িয়া কি হাছেল করিয়াছ? কিছা যদি ে ব্যুদ্ধ আমি নামাজ পড়িয়া কি হাছেল করিয়াছি ? তবে

কাফের হইবে। যদি কোন ব্যক্তি কোন আগুরতকে বলে, তুমি মতে দ্ ক্ট্যা বাও, অর্থাৎ বেদিন হট্যা যাও, তাহা হুইলে ভূমি তোমার শওহর হুইতে মুদা হুইয়া ষাইবে, এক্লগ বোল্নেওয়াল। কাফের হুইয়া ষাইবে। নিব্দের হউক, কিশা অন্তের ইউক, কুফরের উপর রাজি হওয়াও কুফর হইতেছে। যদি কোন ব্যক্তি আর্জু করে, এবং বলে বে, যদি জেনা কিয়া জুলুম কিয়া নাহক কতল হালাল হইত, তবে কি উত্তম হইত 📍 তবে কাফের হইবে। মস্ত্রকি মধ্যে লিখিত আছে, বিবি 🔳 ধছম্ মধ্যে এক 🕒 মর্তেদ্, অর্থাৎ বেদিন হইবামাত্র, তৎক্ষণাৎ ভাহাদিগের নেকাছ টুটিয়া যায়, কাজির হুকুমের আবঞ্চক করে না। যদি কোন ব্যক্তি আতশ্ পরস্তের মত টুপি মাথায় দেয়, কিছা হিন্দুদিগের মত লেবাছ পোশাক করে, বাজে আলেম সকল বলিয়াছেন যে, কাফের হইবে; 💵 বাজে আলেম সকল বলিয়াছেন যে, কাফের হইবে না; এবং বাজে মোতাথরিন্ ওলামা বলিয়াছেন যে, যদি জরুরৎ বশতঃ পরিধান করিবে, তবে কাফের হইবে না। যদি কোন ব্যক্তি ছগিয়া কিশা কবিয়া গোনাহ, কয়ে, 💵 অন্ত ব্যক্তি তাহাকে তৌবা করিতে বলে, তাহার উক্তরে ঐ ব্যক্তি ধুদি বলে, আমি কি করিয়াছি যে ভৌবা করিব ? ভবে কাফের হইবে। যদি কেহ হারাম মাল হারা ছদ্কা করে, এবং ছওয়াবের উমেদ রাথে, তবে কাফের रहेरव। इन्का लात्मध्यामा यनि कात्म या, वे इन्का हादाम मान इहेरक দিয়াছে, ইহা জানা সত্তে ও যদি দোওয়া করে, এবং ছদ্কা দেনেওয়ালা আমিন বলে, ভাহা হইলে উভয়ে কাফের হইবে। যদি এক ব্যক্তি বলনা স্থানে ব্যাস্থ্য থাসু, এবং অক্সান্ত লোক সকল, উহাকে হাসি ভাষাশা ক্রিয়া শরিয়তের মছআগা জিজ্ঞাসা করে, এবং ঐ ব্যক্তি হাসি ঠাটার স্থায় তাহার জপ্তয়াব দের, তাহা হইলে ঐ ব্যক্তি কাফের হইবে। (বেমন এক তাড়ি পিনেওয়ালা "লাল কেতাব মে লিখ্থা হায় ইয়ুঁ; ভাজি পিয়েকে

নেহি কেঁও।) দিন এছলামের অলুমের সঙ্গে (অর্থাৎ কোরাণ হাদিছের সঙ্গে) হাসি তামাশা করা, হাসি কর্ণেওয়ালা বলন্দ স্থানে হউক, কিম্বা নিয় স্থানে হউক, কুফর হইতেছে। ধদি কেহ বলে বে, আলেমের মজলিশে আমার কি কাজ আছে ? কিখা যদি বলে, বেসকল কণা আলেমগণ করিতে বলে, তাহা কে করিতে পারে ? কিমা বলে বে, আমি আলেম-দিগের হিলা মানি না, (ইহাতে হাদিছ ও কোরাপের একার হইল) তাহা হুইলে কাফের হুইবে। যদি বলে যে, টাকা আবশুক, এলেম (দিনের এলেম) কি কাজে আসিবে, তবে কাফের হইবে। যদি বলেবে, এ এলেম সকলকে (দিনের এলেম) কে শেখে ? ইহা তো কেচ্ছা কাহিনী হইতেছে, কিখা এমন বলে যে, ইহা তো মকর ও কেরেব হইতেছে, তবে কাফের হইবে। কোরাণ মজিদের আয়েৎ শরিফের সঙ্গে হাসি তামাসা করা কুফর হইতেছে। যদি কোন ব্যক্তি বিছ্মিলাহ্ বলিয়া শ্রাব পান করিবে, কিছা জেনা করিবে, তবে কাফের হইবে। ধদি বিছ্মিলাহ্ বশিরা হারাম থাইবে, তাহা হইলেও কাফের হইবে। কোন কোন নাদান মোছল্মান থানা মেজুমানিতে নিমক দিতে বিলম্ভ হইলে হাসি তামাসা ঠাটা করিয়া বলে "বিছ্মিলাহ্র শুড়ী দেও" এইরূপ বলা কুফর হইতেছে। যদি রম্বান মোবারক আইসে, এবং বলে যে, কি রাঞ্মাধার উপর আসিল, তবে কাফের হইবে। দক্তরাল্ কুজ্জাৎ মধ্যে এমাম হজরৎ জাহেদ আব্বকর (র) হইতে নকল করিয়াছেন, যে ব্যক্তি কাফেরদিগের ইদের দিন, ষেমন মজুছ্ (আতশ্ পরস্ত ) দিপের নওরোজ, এবং এই প্রকার বে বাজি হিন্দুদিগের হুলি, দেওয়ালি এবং দশহরা ইত্যাদিতে যাইবে, ( অর্থাৎ বেদিনের পর্ব্ব লাভাষ্টবে ) লাভাষ্টবিদের কান্ধেরদিপের সঙ্গে বাজির মধ্যে শরিক হইবে (ভার্বাৎ ঐ পর্কের খেলা, রঙ্গ, ভামাশা মধ্যে শরিক হইবে। তাথা হইলে কান্ধের হইবে। বে মালাউন, পয়গাম্বর

ছালালাহ আলায়হে 💴 আলিহি 📖 আছ্হাবিহি 🕶 ছালাম ছাহেবকে গালি দের, কিমা এহানং করে, কিমা উনার দিনের হকুমের মধ্যে, ( অর্থাৎ সরিয়তের কোন গুকুমকে ) কিম্বা উনার ছুরত মোবারক মধ্যে, কিছা উনার ছেফাৎ সকলের দান কোন ছেফাতের আয়েব করে, যদিও হাসি তামাশার মত করে, তবে ঐ ব্যক্তি কাঞ্চের হইতেছে। সম্প্ত এই কথার উপর একিন রাথে যে, নবিদিগের মধ্যে বিনিই হউন, উনার যনাবে বে-আদ্বি করা, এবং উনাকে থফিফ্ জানা ( অর্থাৎ হাকির জানা) কুফর হইভেছে। বে-আদ্বি কর্ণেওয়ালা যদি হালাল জানিয়া ক্রিয়া থাকে, কিথা হারাম ক্লানিয়া ক্রিয়া থাকে, তাহা হইলে কাফের হইবে। যদি কোন ব্যক্তি কাহাকে বলে, নবির চলন মত চল, তাহার উপ্তরে ঐ ব্যক্তি বলে যে, নবির চাল্ বে-আব্দাক, ( অর্থাৎ নবির তরিকা হদ্ হইতে বাহের) তবে কাফের হইবে। বদি কোন ব্যক্তি কাহারও প্রতি জুলুম করে, আর ঐ ক্যক্তি যদি বলে, আরাহ্তাআলা কানা হুইতেছেন যে দেখেন না ( অর্থাৎ ঐ কালেমের উপর পঞ্চব নাজেল করেন না ), তবে কাফের হইবে। কোন ব্যক্তি কাহাকে বলে, ভোর 💴 কেউ পারে না, আমিও পারি না, আল্লাহ্ ও পারেন না ? তবে কাফের হইবে। এক ব্যক্তির কথা কোন মজলেছ মধ্যে হইতেছে, এমন সময় সেই ব্যক্তি হঠাৎ আগিয়া সেই স্থানে উপস্থিত হইলে, অনেক নাদান লোকে এতেকাদ করে 🖿 বলে, ভোমার ধুব হয়াৎ আছে, এইরূপ এতেকাদ করা B বলা কুফর হইতেছে। হয়াৎ আছে কি না এক আলাহ্পাক ভিন্ন কেহ জানে না; সুতরাং এইরপ কথা বলা গারেবের কথা বলা হইল, আর যে গায়ের কথা বলিবে মোশ্রেক হইয়া যাইবে। স্থতরাং এইরূপ কালাম কেহ বলিবেন না। নিজের শরীরের উপর বেশী মাছি পড়িলে,

ও বেঙ্গ ডাক দিলে, এবং বাতাস বেশী চলিলে, ও দাড়ি পাখী ( যাহাকে

দাইরকা পাখী বলে ) সারি ধরিয়া (লাইন ধরিয়া) এক দিক হইতে ষম্ভ দিকে উড়িয়া গেলে, এবং গোণ্ডালিয়া পোকা উড়িলে, ■ উলি পোকা দলে দলে মাটীর মধ্য হইতে বাহির হইয়া উড়িলে, এবং আমাবস্তা ও পুর্নিমা নিকটে আসিলে, এবং শরীরে দাউদ খুজ্লাইলে অনেকে বলে যে, বৃষ্টি ও বাড়ি হইবে, এইরূপ বলা 🔳 এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে। বৃষ্টি না হইলে অনেক নাদান লোকে বলে কল্লাপাতের বোড়ায়, বা নাগভাষানির বোড়ার, বা কাচ্চা ডোলানির বোড়ার, বা আড়ংগের ডাওরে বা বুড়া বুড়ীর ডাওরে বৃষ্টি হইবে, এইরূপ এতেকাদ করা, ও বলা কুফর হইতেছে; এইরূপ বোল্নেওয়ালা ও এতেকাদ কর্নেওয়ালা মোশ্রেক **হইবে, কারণ গায়েব কথা বলা হইল। বতের ভাত, বা হিন্দু বথ পূজার** ভাত, কোন কোন স্থানে আখিন মাসের শেষ তারিখে রন্ধন করে, ও কার্ত্তিক মাসের প্রথম তারিখে থায়, বাব্দে নাদান মোছল্মানের স্ত্রীলোকেরা এইরূপ এভেকাদ করে যে, এই ভাত থাইলে সস্তান হবে, এইরূপ এতেকাদ করিরা তাহা ভক্ষন করা, এবং ঐ ভাত আনিয়া মুরপ মুর্গিকে এই এতেকাদ করিয়া থাওয়ায় যে, বৎসরের মধ্যে আপদ বালা হইবে না, এইরূপ এতেকাদ করা, 🖿 ইহার উপরে আমল করা কুফর হইভেছে। পূঞ্জার যোগ উপস্থিত হইলে, অনেক গ্রামা লোকে মনস্থ করিয়া কাল পাঠা, ছাগল ও কলা ইত্যাদি সকল সময়ে বিক্রম্ব না করিয়া, সেই পূজার সময় বিক্রেয় করিব বলিয়া রাখিয়া দেয় 🔳 পূজার সময় আদিলে বিক্রয় করে, এবং 📉 বে, পুরু। আসিয়াছে ভাল হইয়াছে, মূল্য বেশী পাওয়া যাইবে, ইহাতে শেরেকের তাইদ 🔳 মদদগারি হইল, বোৎপরক্তি উপলক্ষে অন্তকরণে থোশ, ও রান্ধি হওয়াও পাওয়া গেল, ইহা কুফর হইতেছে। অনেক নাদান মোছল্মানেরা কথা বলিভে বলিভে বলিয়া

কোন মহয়াকে গ্রা, দীতাকুও ভীর্থ করিতে উপজেশ দেওরা কুকর হইতেছে । সনসা পূজার সময় কোন মোছল্যানকে বলিয়া সেওয়া, যে নাগ পূজা কর, অর্থাৎ মনসা পূজা কর, বা তাহার সাহায্য কর, তাহা হুইলে শাপে কামড়াইবে না, এইরূপ উপদেশ দেওয়া কুফর হুইভেছে। চীচকের বেমার হইলে শীতলার ডালা দেওরা, মাছ গোন্ত ঐ বাড়িতে আনিতেও থাইতে নিবেধ করা কুফর হইভেছে। ফাছেক বদমাইশ নামাজ পড়াকে ঠাটা করিয়া পশ্চিম মুখে আছাড় খাওয়া বলে, এইরূপ বলা কুফর হইতেছে, এখন কথা বোল্নে ওয়ালা কাফের হইবে, প্রভরাং তাহার বিবি তালাক হইর। যাইবে। ফাছেক বদমাইশ রমজান শরীকে রোজাকে মুখে কামইর : ঠুলি ) লাগিয়াছে বলিয়া ঠাটা করে, এইরূপ ঠাটা করিয়া বলা কুফর হইতেছে। যদি কোন ব্যক্তি হল করাকে গরা বা শীতাকুও যাওয়া বলে, কিম্বা এইরূপ যে, ক্রিলে মানুষ চোর ও মিণ্যাবাদী হয়, কিম্বা বলে হজ করা ভাল নহে, তবে কাফের হইবে, ও তাহার বিবি তালাক হইয়া যাইবে। যদি কোন ব্যক্তি বলে, হিন্দু আভিন মধ্যে তালাক নাই, ইহা খুব ভাল, মোছল্মান জাতির মধ্যে তালাক আছে, তদ্জয় মৌলধিরা কত হিলা করে, এইরূপ যে বলিবে কাফের হইবে, ও তাহার বিবি তালাক হইরা যাইবে। ধদি কেহ বলে মোছল্মান এক ব্যক্তি মরিলে বহু লোক তর্কা পায় (তর্কা মানে অংশ) স্কুতরাং বর্টা বিরানা হইয়া যায়, হিন্দু জাতির মেয়েরা তর্কা (অংশ) পার না, ইহা কি ভাল প্রথা! অর্থাৎ এই প্রথাকে ভাল বলা কুফর হইতেছে, এমন বাজি দিন এছলাম হইতে ঝারেজ হইয়া ষাইবে, ভাহার বিবি তালাক হুইয়া বাইবে। যদি কেহ বলে 👚 থাইলে মোচল্যান ধনবান হুইতে পারিত, শুদ না থাওয়াতে মোছল্মানেরা অংপাতে যাইতেছে, এইরূপ বলা কুফর হইতেছে। আলাহোমা ছালেআলা ছৈয়েদেনা মোহামদ্।

ষদি কেহ তুচ্ছ ভাবে বলে, নামাজ রোজা না করিলে কি হয়, তবে কাফের হইবে। কোন পরগাম্বর আলায়হেচ্ছালামকে অম্বিকার করা, কিমা রছুলগণের কোন ছু**য়তকে নাগছ<del>ন্দ</del> করা কু**ফর হইতেছে। भाइल्मानशन अवाप वानियन, माफि नचा कविवा वाना बहुन निश्व ছুমতের মধ্যে এক ছুমত হইতেছে, মোছল্যান ব্যক্তি দাড়ি নাজায়েজ ভাবে কাটা ছাটার অশ্রে, ও খুর দিয়া কামানের অগ্রে, ভাহার ইমানের প্রতি লক্ষ্য করিবেন। কোন প্রকারের ছুন্নত, ধেমন দাড়ি রাখাকে এহানৎ করিয়া, দাড়ি মোড়াণকে ভাল জানিয়া, দাড়ি মোড়ান ও খুর দারা কামানো কুফর হইতেছে। যদি কেহ দাড়ি রাখা, লখা কোর্ত্তা, পাগ্ড়ী, মেছ্ওয়াক, ঢেলা কুলুখ ইত্যাদি ব্যবহার করা খারাপ প্রথা, মনে করিবে, ও এই সকল কেবল মাত্র ধোনকারি দস্তর বা মোলাগিরি বলিবে, তবে কাফের হুইবে। লখা পিরান 🗷 চোগা পরিধান করিলে আলামভারা ও লীলাফে পায় দিয়াছে বলা, কোরান কিখা আরবী পড়াইলে কি লাভ হইবে, আজকাল ইংরাজি না পড়িলে ভাত পাইবে না, এই সকল কথা বলা কুফর হইতেছে। কিন্তু আরবী, পার্দি, বালণা, ইংরাজি, উর্দু, নাগরি, কোন রকম ভাষা পড়া নিষেধ নছে, সকলই পড়িতে পারেন। কতক চুল্লাফকির নামাজ, রোজা, জাকাৎ ইত্যাদি আহ্কাম শরিষ্ণকে এন্কার করে, ও নাচ গান হলা করিয়া মামুষকে ছিজ্দা করে, ও মানুষকে ছিজ্দা করা দূরস্ত আছে বলে, ইহারা কাফের হইতেছে, ইহাদিগের সহিত মোছল্মানগণ খানা পিনা, শাদি বিবাহ তর্ক করিবেন, যদি বেভৌবা মরিয়া যায়, ইহাদিগের জানাজার নামাজ পড়িবেন না, এবং মোছল্মানের কবরস্থানে দাফন করিবেন না । আলেম তহবন পরিধানকারী মুত্তকিদিগকে বামন, বৈরাগী ঠাকুর, গোদাই, কাঠমোলা ইত্যাদি বলিয়া তীরস্কার করা কুফর হইতেছে। গণকের

নিকট বালী ও ভাল মন্দ দশা দশী, বিবাহ ইত্যাদিতে অন্তভ জিজাসা করা, ও ভাহারা গনিয়া যাহা বলে, ভাহা বিশ্বায় করা, ■ গনক্ষারা কুষ্টি পত্র তৈয়ার করা, ও তাহাতে হয়াৎ মওৎ দশাদশী ভাল মন্দ লেখাকে বিশাষ করা কুফর হইতেছে। ফলানা ঠাকুরের গণনা ঠিক, মগ বামনের কথা নড়ে না, এইরূপ বলা কুফর হইতেছে। শেরেক তন্ত্র মন্ত্র হারা জিন চালা দেওয়া, ও হাজিরা চাহিয়া ভাল মন্দ জিজ্ঞাসা করা, 🗷 তাহা বিশ্বাষ কথা কুফর হইতেছে। শেরেক তন্ত্র মন্ত্র দারা লাঠি চালান, বাটী চালান দিয়া হারানো জিনিষ তালাশ করা, ও তাহা বিখাষ করা কুফর হইতেছে। क्षित्र स्त्रात्म शास्त्रती कथा विगएड भारत यस्न विश्वाम कर्ना, 😣 व्यामन्ना যাহা বলিতেছি, তাহায়া ভাহা দূর দেশ থাকিলেও জানিতে পারে, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। বাজে নাদান মোছলুমান চিঠি লিথিতে হইলে আল্লাহ্ নামের স্থানে "৬ (চক্রিন্দু) ক্রপার" লিখিয়া থাকে, এইরূপ লেখা কুফর হইতেছে, কারণ ইহা আলাহ্নাম নহে, ইহার (৬) মা'নি হইতেছে স্বর্গীয় বা মৃত। কোন মোছল্মানের নামের আগে জী, বা জীযুক্ত, বা শ্রীমান লেখা কুফর হইতেছে, কারণ শ্রী শব্দের অর্থ নারায়ণী বা লক্ষী হইভেছে। শন্তান ছেফাতের বেদাতি খোনকারগণ যে গণা পড়া করে, তালু নামা ফালু নামা দেখিয়া যে সব লোক গণা পড়া করে, বেবাজিয়া বা বাদিয়াগণ যে গণা পড়া করিয়া গারেব বলে, প্রকৃত পক্ষে ইহারা মোশ্রেক হইতেছে। বহু নাদান মোছলমানগণ বানরের ছারারও গণা পড়া করার তাহা বিশ্বাষ করে, এইজন্ত বানর ওয়ালাকে পয়শা দেয়, নিশ্চয় এমন লোক সকল মোশ্রেক হইতেছে, তাহারা এছলাম হইতে থারেজ হইতেছে। ইহাদিপের বৃদ্ধি বিবেচনা বানর জাতি হইতেও বদ্তর হইতেছে।

বাজে নাদান মোছল্মানগণ টনা শাহ্র নামে, জমির শাহ্র নামে, আজিম শাহ্র নামে, মাদা খাঁর নামে, মির্গান শাহ্র নামে, শেখ ফরিদের

মাইজ ভাণ্ডারের নামে নজর নেয়াজ মানৎ করা, ও দোহাই দেওয়া কুফর হইতেছে, এবং ভাগুারি দিলে খাইমু, ভাগুারি বলিলে যাইমু, ভাগুারি দিলে করিমু, ভাগুরির তুকুম হইলে নামাজ পড়িমু, এইরূপ বলা কুফর হইতেছে৷ স্তরাং মোছলমান সকল এমন কথা কথনও বলিবেন না, আলাহ তাআলাকে বহুৎ ডরাইবেন, আপন আপন ইমান দুরুক্তির জয় বড় কোশেশ করিবেন। আলাহ্তাআলা ইমানের বদ্লা আথেরাতে বেহেজ দিবেন। বে-ইমানকে আলাহ্তাআলা হামেশার জন্ত দোজথের মধ্যে আজাবে রাধিবেন, বে-ইমান কথনও দোজ্ঞ হইতে থালাছী পাইবে না। মামুষ, পির, দরবেশ, কবর, ফকিরের বসিবার স্থানকে ছিজ্মা করা কুছুর হইতেছে। আলাহ্ পাক ভিন্ন অন্তকে ছিব্ৰুদা করিলে কাফের হইবে। দরগার নামে ছেলে মেয়ের মাথার মানৎ করিয়া চুল রাথে, টিক্লী রাথে, যে ছেলে মেয়ে মরিবে না, বাঁচিয়া পাকিবে, এইরূপ মানৎ করা, এবং প্রত্যেক রকমের মানৎ আলাহ্ পাক ভিন্ন অপরের জভ্ত করা কুফর হইতেছে। বদ্লা বা বদৈল্লা ( মাঠের কাব্দ করার লোক ) ও মাচী কাটিবার লোকেরা, বে সময় মাটী কাটে (পুকুর খনন ইত্যাদি), তথন তাহারা বার বার

চিংকার করিয়া **"জাগার মালীক পির বদর" কহিয়া মাটী কাটা আরম্ভ** করে, এইক্লপ বলা কুকর হইতেছে। আলাহ্ পাকের নাম লইয়া মাটী কাটিবে, পির বদরের নাম লইরা বাটী কাটিবে না । মা, বাপ, পির, ওস্তাদ, শওহরকে অনেক নাদান লোকে জাহেরী খোদা বলে, এইরূপ বলা কুফর হইতেছে। অনেক নাদান লোকে আগুণ, মাটা, বেটা, বেটার কছম করিতে বলে, যে ইহাদের কছম কর ভবে বিশ্বাস করিব, ইহাদের কছম করা কুফর হইতেছে। কছম করিতে হইলে আলাহ্তাআলার কছম করিবে, আলাহ্তাআলা ভিন অগু কাহারও কছম করা কুকর হইতেছে। প্রথম প্রথম কোন নৃতন 📰 ( ম্বিপে ) আবাদ করিতে গেলে, ঐ 📧 কোন ফকির আছে ধারণা করিয়া, ফকিরের 💻 গাঁজা শাজাই করিয়া দের, নচেৎ অমঙ্গল হইবে, 🗷 বর্কৎ হইবে না মনে করে, এইরূপ এতেকাদ কর। কুষর হইতেছে। আলাহ্ ■ রছুলকে হাজের নাজের জানিয়া কছম করা কুফর হইতেছে। কছম করিতে হইলে আলাহ্তাআলাকে হাজের নাজের জানিয়া কছম করিবেন। কারণ রছুল করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়াছালামকে সর্বাহানে হাজের নাজের জানা, আল্লাহ্তাআলার ছেফাভের মত হাজের নাজের জানা কুফর হইতেছে। কাহাকে বাতাস দিতে যদি পাথা পান্ন লাগে, তবে এই নিমতে মাটীতে ঠোকা দেয় যে, যদি মাটীতে ঠোকা না দেওয়া হয়, তবে উহার উপর বিপদ হবে, এইরূপ এতেকাদ করা কুকর হইতেছে। পচা মিঞা, ফেজা, ফোরা, ঝারা, পিছা, হাইছলি, দাইনি ইত্যাদি দ্বণা স্থচক নাম রাখিলে মরিবে না, বাঁচিয়া থাকিবে মনে করিয়া ভাল নাম না রাথিয়া, এইরূপ নাম রাথা কুফর হইতেছে। কোন কোন ন্ত্রীলোকের প্রথম সম্ভান মরিয়া গেলে, পরে পুন: সস্তান হটলে, তাহা তিন কড়া পাঁচ কড়া মূল্যে দাইর নিকট, কিছা কাহারও নিকট বিক্রম করে, পরে ঐ সম্ভান চাহিয়া রাখে, এবং মনে ধারণা করিয়া থাকে, এইরূপ করিলে সস্তান বাঁচিয়া থাকিবে, এইরূপ ধারণা করিয়া

সস্থান বিক্রয় করা ও পুনঃ তাহা চাহিয়া রাখা কুফর হইতেছে। যাহাদিপের বংশে পূৰ্ব্বে কেহ নারিকেল, কিমা বাঁশ গাছ কিমা কোন লতা গাছ, পান ইত্যাদি লাগায় নাই, তাহাদিপের মধ্যে ধারণা ঐ সমস্ত গাছ লাগাইলে নাশ হইবে, এইরূপ ধারণা করিয়া ঐ সমস্ত গাছ রোপণ করে না, এইব্লপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। কোন কোন স্থানে নৃতন বৌ ঘরে আনিলে ছেলের মাতা, বৌও ছলাকে কোলে করিয়া ওজন করে, যদি বৌ ভার হয়, ভবে ধারণা করে বে, গুলাকে টানিবে, অর্থাৎ গুলা আগে মরিবে, এবং যদি ছুলা ভার হয় তবে ধারণা করে বে, বৌকে লইবে, অর্থাৎ বৌ আগে মরিবে, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হুইতেছে। কোন কবর হইতে মাটী টানিলে, ও ওলাউটার সময় বাড়ি হইতে কাহাকে ডাকিলে, ও পেই সময় কোন খাত্য বস্তু তেলে ভাজিবার 💌 থোলা (রান্না করিবার পাত্র ) চুলার উপর দিয়া তাহা তেলে ভাব্দিলে, মৌৎকে ভাকিয়া আনা হইবে, এইরূপ এতেকাদ কর। কুফর হইতেছে। যে বাড়িতে লোক মরে, অনেক লোকে বলে, এই বাড়িতে পুস্করালী দোষ লাগিয়াছে, তদ্জস্ত লোক মরিতেছে, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। ওলাউটা বেমারের সময় বাজির দরওয়াজাতে ঢেকি, কাটা, পিছা ( ঝাড়ু ) শীল, চাই, মাছ মারিবার 🔳 ইত্যাদি রাখিয়া দিলে, ও লটকাইয়া দিলে, মৌৎ আদিবে না, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। চৈত্র মাশে, জৈচি মাশে, পৌষ মালে, মহরমের চাঁদে, অমাবক্সা, পূর্ণিমা ও প্রতিপদের সময়, শনি, মঙ্গলবারে বিবাহ হইলে অমঙ্গল হইবে, এতেকাদ করা কুষর হইতেছে। বর্ত্তমান বাড়ি ঘরে দোষ পাইয়াছে, তদ্**জন্ত ছেলে মে**য়ে মরিয়া ধার মনে করিয়া, অক্স স্থানে বাড়ি করিলে বাঁচিবে, এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। কোন বাজিতে ঘরের চালের উপর, কিম্বা গাছের উপর বসিয়া রাত্রে পেঁচা বা কুলী ডাকিলে, মনে করে বাড়ি বিরানা হইবে, অমকল হইবে, এইরূপ

এতেকাদ করা কৃষর হইতেছে। শণ্ডহর আগে মরিবে, না শ্রী আগে মরিবে, ইহা উভয়ের নামের হিসাব করিয়া তাহা বলিয়া থাকে, এইরূপ মৃত্যু বিষয় হিসাব করিয়া বলা, 🖶 তাহা এতেকাদ করা কুষর হইভেছে। কোন স্থানে যাইতে হইলে যাত্রা কালে মাথায় দুশ লাগিলে, কিন্তা পায়ে ঠোকর লাগিলে, কিন্তা থালি ঠিল্লা কলনী) দেখিলে, কিন্তা সেই সময় টিকটিকি ডাকিলে, কিমা কেহ হাঁচিলে, কিমা কেহ পিছে হইতে ডাকিলে, মনে করে যে অমঙ্গল হইবে, এইরূপ এতেকাদ করা কুষর হইতেছে। ছোট ছেলে মেয়েকে জিজ্ঞাসা করে, তুমি বাঁচিবা নি ? কিম্বা ফলানা বাড়িতে আসিবে নি ? সেই ছোট ছেলে মেয়েকে এইরূপ জিজাসা করা, ও তাহারা যাহা বলে, তাহা বিশ্বাস করা কুফর হইতেছে। পানির মধ্যে তুধ কলা ভোগ দিলে, ছেলে মেরে পানিতে পড়িয়া মরিবে না, মনে করিয়া, পানিতে হুধ কলা দেওয়া কুফর হুইভেছে। মা বাপ জীবিত থাকিতে বেটা, বেটী সূরগের মাথা থায় না, এই ধারণা করে যে; সুরগের মাথা খাইলে পিতা মাতাকে মৃত্যু সময় দেখিতে পাইবে না, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে ৷ প্রথম ও শেষ পিঠা, ■ হাড়ির নিংরাণী জিনিষ খাইলে ছেলে হইবে না, মেয়ে হইবে, এইরূপ এতেকাদ করিয়া উহা থায় না, এইরূপ এতেকাদ করা কুষ্ণর হইতেছে। শন্দিপের লোক পয়গাম্বর হইলেও বিশ্বাৰ নাই, এইরূপ ঠাট্টা বা ভীর্কার করিয়া বলা কুফর হইতেছে। বে সময়ে খানের জালা ভূলিয়া বর্ষাকালে থেতে রোপণ করে, ঐ রোপণ করিবার প্রথম দিন বদৈলাদিগকে মাঠে পাঠাইবার সময়, খুব বেশী করিয়া তাহাদের শরীরে তেল মালিশ করিতে দেয়, তাহারা তেল মালীশ করিয়া জালা রোপণ করিতে যায়, খেতে যাইয়া প্রথমতঃ এক হাতা জালা হাতে লইয়া, খেতে নামিয়া ঐ জালার সহিত কাল কচুর গাছ, ও নারিচ গাছ (পাটের গাছ) একতা করিয়া কেতে, এক এক গোছা করিয়া রোপণ

করে, পরে ঐ রোপণ করা গোছাগুলীকে এই ভাবে গণনা করিতে আরম্ভ করে "দিয়া, নন্দা, কড়া" শেষ গোছা যদি "দিয়া" হয়, তবে বলে যে, এই বংসর বিয়া হবে, আর যদি শেষ গোছা "নন্দা" হয়, তবে বলে কান্দাই হবে, অর্থাৎ ধান ভাল হবে না, সে 💶 কাঁদিতে হবে, আর শেষ গোছা যদি কড়া হয়, তবে বলে বে, এই বংসর ঘর ভরাইবে, এইরূপ বলা গায়েব কথা বলা হইভেছে, দ্বিতীয়ত বদৈয়াদিগের শরীরে বেশী তেল মালিশ এই 🚃 করে যে, ধান ভেল্ভেলে হবে, কচু 🗷 নারিচ গাছ এইজ্জ রোপণ করে ষে, জালা কচু গাছের মত কাল হবে, ও নারিচ গাছের মত লখা হবে, ব্লোপ্ৰ সমাধা কবিয়া যথন বলৈলারা বাড়িতে আইদে, তখন থাছ করিয়া সেই দিন কচু শাক রাধিয়া থাওয়ায়, এই সকল কার্য্য, এই জন্ত করে যে, ধান্ত তেল তেলে হবে, লখা হবে, কাল ভরতাব্দা হবে, এইরূপ গোছা গণনা করিয়া গায়েব বলা, 🖿 কচু গাছ, নারিচ গাছ, কচু শাক থাওয়ার উপর এতেকাদ রাথে যে, এইরূপ করিলে ধান্ত তেল্তেলে, কাল, লহা ও অধিক পরিমাণে হবে, ইহা কুফর হইতেছে। মোছল্মান ভাইগণ জালা রোপণের দিন, মাঠে আলাহ্ পাক্কে এয়াদ করত, আলাহ্ পাকের উপর ভরশা স্থাপন করিয়া জালা রোপণ করিবেন, ইহাতে আপনাধিগের দিন ও ইমান দূরত্ত থাকিবে, এবং ধায়ে আলাহ্ পাক বর্কৎ এনামেৎ করিতে কাদের আছেন। তবে কচু শাক থাইতে আমি কাহাকেও নিষেধ করিভেছি না, কচু শাক বার মাশ আপনারা খাইতে পারেন, কেবল মাত্র নির্দিষ্ট জালা রোপণের দিন, ঐরপ নিয়তে কেহ খাইকেন না, আমি কেবল মাত্র ইহাই নিষেধ করিতেছি। প্রাভঃকালে বরে ঝাড়ু দিয়া পরিস্কার না করিলে, ও মগ্রেবের সময় শিদ্র 🚃 বাতি না দিলে, লকী থাকিবে না, লকী বেজার হইয়া চলিয়া যাইৰে বলা, ও এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। বদৈলা নৌকা চালকগণ, নৌকা ছাড়িবার সময় প্রথমত: আল্লাহ্ আল্লাহ্ উচ্চেশ্বরে বলিয়া, পরে এক ব্যক্তি বলে লা এলাহা, আর বাকি সকলে বলে ইলালাহ্ অর্থাৎ প্রথম ব্যক্তি লা এলাহা শব্বের পরে আর ইল্লালাহ, বলে না, ইহা কুফর হইতেছে। সকলেই লা এলাহা ইপ্লাল্লাহ বলিবেন। খাইবার সময় কোন জিনিষ নাকে কিখা মন্তিকে উঠিলে বলে যে, কে যেন ভোমার কথা উঠাইয়াছে, এইরূপ গায়েব বলা কুফর হইতেছে। বংসরের প্রথম দিন বদৈলা দিলে সমস্ত বংসর বদৈলা দিতে হইবে, এবং রোজগারে বর্কৎ হইবে না, মনে করিয়া অনেকে ঐ নির্দিষ্ট দিনে বদৈলা দের না, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। কোরান শরিফের বিতীয় পারা "ছায়াকুল" পড়িলে তুই কুলের এক কুল হুইবে, উহা পড়ানো থারাব মনে করিয়া, কেহ কেহ ছেলেদিগকে ঐ পারাটী পড়ার না, ইহা কুফর হইতেছে। রবিবারে বাঁশ কাটিলে বাঁশ হইবে না, এবং বুহুম্পতিবারে বাঁল কাটিলে গৃহণ্ডের অমকল হইবে, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। বাঁশ যখন ও যে দিনে কাটা দরকার হয় কাটিবেন, জেহালতের জনানার চাল চলন ও প্রথা মোছত্যানগণ আলাহ্র ওয়াডে ছাড়িয়া দিবেন : , বিবাহ শাদিতে বাজে বাজে স্থানে স্ত্রীলোকেরা গান করে, ইছা হারাম, এইরূপ জ্রীলোকদিপের গান করা হালাল বুঝা কুফর, হইতেছে: দেখুন হানফি মজ্হাবের প্রধান ফেক্হার কৈতাব হেদারার পুঠার আছে :---

وَ دَ لَنْتِ الْمُسْئَلَةُ عَلَىٰ آنَ الْمَلاَهِ هِى كُلَّهَا حَرَامٌ حَتَّى اللَّهَ اللَّهَ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُهُ عَلَى اللهُ عَلَ

ভাবার্থ এই:—অর্থাৎ সকল প্রকার গান বাঞ্চাদি হারাম হইতেছে, এমন কি বাঁশের উপর বাঁশ বাড়ি দিয়া গান করাও হারাম হইতেছে। এবং হাদিছ শরিফের মধ্যে আসিয়াছে যে, হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাছ আলায়হে ওয়া ছালাম বলিয়াছেন:—

"বাছ যন্ত্রাদি ও বাজনাদী আমি মিটাইবার আবাদেশিত হইয়াছি।" আবে ভাই মোছল্মান সকল বিবাহ ইত্যাদি উপলক্ষে, ও আমোদ প্রমোদ উপলক্ষে, কেহ গান বাজনা করিবেন না। ছনিয়ার মধ্যে আল্লাহ্ভাজালার খাওফ্ দেলের মধ্যে রাথিয়া ছনিয়ার কারবার করিবেন।

মরিচ গাছ থেতে রোপন করিবার সময়, হাতের ধুলা ঝাড়িয়া ফেলিলে, মরিচ হইলে ঝরিয়া বাইবে, এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। মরদের জন্ম রেশ্নী লেবাছ, 🔳 শোনার অসুরি হাতে দেওয়া হারাম হইতেছে, মরদের জন্ত ইহা ব্যবহার করা হালাল বিবেচনা করা কুফর হইতেছে। কবরস্থান বাঁধিয়া দিলে কবরে টানিবে, অর্থাৎ মরিয়া যাইবে, ও মছুজেদ উঠাই:ল ঐ বাজি বিরানা হইয়া ধাইবে, এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। নৃতন গঞ্, মহিষের গায়ে শোনা রূপা ভিজানো পানি দেয়, ও এতেকাদ করে যে, এইরূপ করিলে এই গরু, মহিষ হইতে আমার সৌভাগ্য হইবে, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইভেছে। ওলাউঠা হইয়া কোন কোন বাড়িতে মানুষ মরিলে, সে বাড়িতে গেলে ওলাউঠা হইয়া মরিবে মনে করিয়া, কাফন দাফন করিতে বায় না, 🏿 তাহাদিগকে বদৈল্লা দেয় না, এইরূপ এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। বিবাহের জ্বন্য ভাল মেয়ে কোন্ দিকে গেলে মিলিবে, ও হারানো যাওয়া বস্তু, মহিষ, গরু, ঘোড়া ইত্যাদি কোন্দিকে গেলে মিলিয়া যাইবে, ইহা গণকের নিকট জ্বিজ্ঞাসা করা কুফর হইতেছে। *দেশে* বালা আসিলে বা**ন্ধু নাদান লোকে কোরবানি করাকেও** খারাব বিবেচনা করে, এইরূপ বিবেচনা করা কুফর হইতেছে। কোন

বেমারে, বালার, মামলা মোকর্দমার পড়িলে, চাট্ গাঁরের কোন পিরের কবরে কিছু মানৎ করা, বা চাকায় হাফেব্র আহ্মদ্ (র) র মাজারে কিছু মানৎ করা, কুফর হইতেছে। এইরূপ মছিবতে পড়িয়া, সকল রকম কবরে কোন বস্তু মানৎ করা কুফর হইতেছে। গাজির গান দেওয়া, এবং হজরৎ ছৈরেদেনা এমাম হাছেন হোছায়েন (রা) গণের জারিগান দেওয়া, ও করা হারাম হইতেছে, এবং উহা করা হালাল জানা কুফর হইতেছে। ছশিয়ার থাকিবেন, এমন কার্যা মোছলমান হইয়া কেহ করিবেন না। আছ্মান নাই বলা কুফর হইতেছে। কারণ ৭ তবক আছ্মান আছে, ইহা কোরান মজিদ হইতে ছাবে**ৎ আছে।** যদি দোহাই দেওয়া আবশ্রক হয়, তবে এক আলাহ্ তাআলার দোহাই দিবেন, আলাহ্ডাআলা ভিন্ন অন্তের দোহাই দেওয়া কুষ্ণর হইতেছে। গাভী দোহন করিয়া, গোয়াল ঘরের ছারে ভগবতীর নামে, কিছু হুধ ঢালিয়া দেওয়া কুফর হইতেছে। থাজুরের রশ জ্বাল দিবার আগে, বর্কৎ হইবার জন্ত শেখ্ ফরিদের নামে চুলার উপর কিছু রশ ঢালিয়া দেওয়া কুফর হইভেছে। পৌষ মাস যাইবার দিন, কিন্তা ভাহার কএকদিন পরে, জশহর জেলার বাহর্বা গ্রামে, ও অক্তাক্ত স্থানে লোকেরা তাহাদিগের খোড়া আনিয়া, ঘোড়া দাব্ডাইয়া থাকে, তন্মধ্যে অধিকাংশ ঘোড়ার মালেক, আপন ঘোড়াকে জিতাইবার জন্ত, একজনা বেশরা ফ্রির্কে নিযুক্ত করে, ঐ বেশরা ফকির ঘোড়া ব্রিতাইবার জন্ম শেরেক তন্ত্র 📰 ব্যবহার করিয়া থাকে, ঘোড়া দাবড়ের পরে, ঘোড়ার মালেকের নিকট দেই বেশ্রা ফকির পূরস্বার পায়। এইরূপ শেরেক তন্ত্র মন্ত্র পড়াইয়া, যে সকল ছোড়া-ওয়ালা লোকেরা তাহাদের ঘোড়া জিতাইবার চেষ্টা করে, এবং যে সমস্ত লেখা পড়া জানা লোকেরা মাতুকারি করিয়া, এইরূপ ঘোড় দাবড় করিতে লোকদিগকে উত্তেজিত করে, তাহারা মোশ্রেক হইয়া যায়, এবং তাহাদিগের বিবি তালাক হইয়া যায়। এইরূপ গজিৎ কার্য্য হইতে সমস্ত

মোছল্মান বাঁচিয়া চলিবেন। সকলেই অবগত হইবেন, ঘোড়া নামের জন্ত খরিদ করা হারাম, কেবল মাত্র তেজারৎ ও ছোওয়ারির 📉 পরিদ করা দুরস্ত আছে, স্কুতরাং নাম নামির 📉 কেহ ঘোড়া থরিদ করিবেন না। কেহ কেহ বলিয়া থাকে, ষরের মধ্যে শালের খুটী 🔳 তালের পাইড় লাগাইলে অমঙ্গল হয়, মাতুষ মরিয়া যায়, ঐ ঘরে বর্কৎ হয় না, এইরূপ এতেকাদ্ করিয়া উহার উপর আমল করে, অর্থাৎ খুটী কিশা পাইড় বদ্লা-ইয়া ফেলিয়া দেয়, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে! শেরেকের মেলা, পূজা, পার্কান ইত্যাদি উপলক্ষে জশহর জেলার ও পাবনা জেলার লোকে, তাহাদিগের নৌকা কইয়া বাহিছ দিয়া, ঐ শেরেকের আমোদ আহলাদের মধ্যে শরিক হয়, ও যোগদান করত আমোদ আহলাদ করে, ইহা কুষ্ণর হইতেছে। কেহ কেহ সন্তান হইলে পরে, ঘরের দরওরান্ধার উপরে, কাটা কুমরে লতা বাঁধিয়া দেয়, এবং ছেলের বিছানার নিচে, ছিরানায় একথানা লোহা কিম্বা দাও, কিম্বা জুতা রাখিয়া দেয়, আর এতেকাদ্ করে যে, এইরূপ করিলে এই ছেলে নিরাপদে থাকিবে,ইহার উপরে আর কোন আপদ বালা বেমারি আদিবেনা, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে। বছলোক মধুর চাক্ ভাক্সিবার সময়, শেরেক মন্ত্র ভাত্ত পড়িয়া মধুর চাক ভাঙ্গিরা থাকে, শেরেক মন্ত্র তন্ত্র, সকল রকম কার্য্যে ব্যবহার করা, শেরেক 🖿 কুফর হইতেছে। কতক স্ত্রীলোকদিগের শস্তান হইলে, ঘরের দরওয়াজায় একটা আগুনের কুণ্ড করে, কিমা কোন হাড়ির মধ্যে আগুন রাখে, ছেলের মা বাহিরে আসিলে, পুনশ্চ ঘরে প্রবেশ করিতে, ঐ আগুন দারা হাত পাও ইত্যাদি না ছেকিয়া, ঘরে প্রবেশ করে না, এবং এতেকাদ্ রাথে ধে, আমার শরীরে, ধে বাও বাভাস, দোষ ইত্যাদি হইল, তাহা এই আগুনে কাটিয়া গেল, ইহা কুফর হইবার ভয় আছে; স্থুতরাং এইরূপ কার্য্য বর্জন করিবেন। শীতের অস্ত কিম্বা ঘর গরম রাখিবার জন্ম, যদি আগগুনের প্রয়োজন হয়, । তাহা ব্রের দরওয়াজায়, কিমা ঘরের ভিতরে আবশ্রক সময়ে রাখিবেন। মোছল্মানের হর হালতে আল্লাহ ভাজালার উপরে ভরশা রাখা অবশ্র কর্তব্য, ও কামেল ইমানের লক্ষণ শ্রানিবেন। বাজে মোছলুমান মেয়েকে, বৌকে, গাইকে বলিয়া থাকে, আমার সক্ষীমেয়ে, লক্ষী বৌ, লক্ষী গাই, ( অর্থাৎ লক্ষী সমতুল্য ) এইরূপ বলা কুফর হইতেছে। বাজে মোছলুমান কাহাকে তীরস্কার করিতে বলিয়া ফেলে, বেটা অলকী, অর্থাৎ লক্ষীর দৃষ্টী ভাহার উপরে নাই, এইরূপ কালাম বলা কুফর হইতেছে। পাকাধান প্রথম কাটিবার সময়, এক মৃট ধান কাটিয়া, তাহা মাটিতে না লাপাইয়া বাড়িতে আনিয়া ঘরের মধ্যে তাহা আল্গা বাঁধিয়া রাখে, লোকে ইহাকে লক্ষী ধান বলে, এইরূপ রাখিলে ধানে বছৎ বর্কৎ হইবে এতেকাদ্ করে, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইবার ভয় আছে। মছ্জেদ থড়ের ঘর থাকিলে, তাহা পাকা এই জন্ত অনেকে করেনা, বে পাকা করিলেই পাকা কর্ণেওয়ালা মরিয়া ষাইবে, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইভেছে। ডিন্ন জাতির কোন কোন দোকানদার তাহার জিনিষ মাপিতে, প্রথমত বলে "রাম", কেহ কেহ বলে "লাভে শাভ" তাহার পত্নে বলে চুই, তিন ইত্যাদি, তাহাদিপের ধারণা, এক বলিলে কারবারে লোকছানি হইবে। এই ভাবে কোন মোছলুমানের তাহার জিনিষ মাপা কুষ্ণর হইতেছে: মোছশ্মান তাহার জিনিষ মাপিতে ১, ২, ৩ এইরূপ विनिद्यमः नाहर विनिद्यमः---

#### بسم الله الرحمي الرحيم

এক, ছই, তিন। এইরপ ভাবে মাপিলে ইন্শা আলাহ্ কারবারে বর্কৎ
হইবে। জোমক্ (যোড়) পেয়ারা, জোমক্ কলা, জোমক্ শুপারি, এবং
অক্সান্ত ফল যাহা জোম্ক প্রদা হয়, তাহা অনেক স্ত্রীলোকেরা ■ প্রুষ্বেরা
খারনা, এবং এতেকাদ্ করে বে, ইহা খাইলে জোমক্ ছেলে হইবে, এইরপ

এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে। কতক নাদান মোছল্মান শ্রীপঞ্চমীর দিন, একটা ঘটাতে পানি ভরিয়া, তাহার মুথে কচি পাতা বিশিষ্ট একটা আমের ডাল রাখে, তদ্পর উহা মাঠে লইয়া যায়, এবং যে জমিতে চাষ করিবে, তাহার নিকট রাখিয়া, জমি চষিতে আরম্ভ করে, আড়াই পাক চষা হইয়া গেলে, হাল ছাড়িয়া বাড়িতে চালয়া যায়, এই চাষের সময়, যে ছিপা ঘারা গরু থেলাইয়াছিল, তাহা ঘরের মধ্যে এক স্থানে বন্ধ করিয়া উঠাইয়া রাথে, ঐ ঘটার ভালসহ আম পাতা চালের কোলে যত্ন করিয়া গুলিয়া রাথে, ঐ ঘটার ভালসহ আম পাতা চালের কোলে যত্ন করিয়া গুলিয়া রাথে, ঐ ঘটার পানি বাড়ির সকল ঘরের চালের উপর ছিটাইয়া লেয়, মনে ধারণা করে যে, এইরপ করিলে খুব ফশল হইবে, যে গরুর ঘারা চাষ করে, ঐ গরুষ যদি চাষের সময় লাদে, তবে এতেকাদ্ করে যে, এই বৎসর পানি স্থবিধামত বর্ষণ হইবে না; আর যদি চোনায়, তবে এতেকাদ্ করে যে, এ বৎসর পানি বেশী হইবে ও ধলোটে যাইবে, এইরপ কার্য্য করা, ও এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে। আলাহোম্মা ছাল্লেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহাম্মদ্।

কোন কোন স্থানে, এই প্রকার ক্প্রথা আছে যে, খুব জোরে বান্
তুফান্ আসিতে দেখিলে, মেরে লোকেরা তৎক্ষণাৎ একখানা পীড়া (বসিবার
জিনিব) উঠানের মধ্যে ফেলাইয়া দিয়া বলিতে থাকে, "বান্কুরিরমা
ফিরিয়া বয়, আমাদিগকে রক্ষা করে য়া, পানাহ্ দিয়ে য়া," ( অর্থাৎ আমি
তোমাকে সন্মান করিয়া বসিতে আশন দিলাম, তুমি ব্দিয়া বিশ্রাম করতঃ
আমাদিগকে পানাহ্ দিয়া চলিয়া যাও, আমার বাড়ি য়র ভালিয়া চ্রিয়া
ফেলিও না। ইহাতে তাহারা এইরূপ এতেকাদ্ করে যে, বান্ তুফানের
মা, এরূপ সন্মান পাইয়া, থোশ্ হইয়া স্থির হইবে, তংহাদের বাড়ি য়য়
ফেলিবে না। মোছল্মানদিগকে স্মরণ রাখা চাই য়ে, বান্ তুফান্, ঝড়
রুষ্টি আলাহ্তাআলর তুকুম মত হইয়া থাকে, আলাহ্তাআলার নিকট পানাহ্
না চাহিয়া; বান্ তুফানের নিকট পানাহ্ চাওয়া কুফ্র হইতেছে।

চাঁন্দ স্থ্যের গ্রহণ আলাহ্তাআলার ত্রুমে হইয়া থাকে। আলাহ্-তাআলার এই কুদরৎ নমাই দেখিয়া মোছগমানদিগের জানানা, মর্দকে চাই বে, তাহারা এই সময়ে নফল নামাজ পড়েন। ইহাতে তাহারা আজীম ছওয়াব পাইবেন, কিন্তু কোন কোন স্থানের নাদান মোছলমানেরা, ও কতক স্ত্রীলোকেরা এই এভেকাদ্ করে যে, চাঁলের মা, রাছ চাড়ালের নিকট হইতে আড়াই তোলা শুড়া করজ লইয়াছিল, তাহা পরিশোধ করিতে পারে নাই বলিয়া, তাহার জন্ম তাহাকে রান্ত চাড়াল আসিয়া গ্রাশ করিয়া থাকে, এই সময়ে তাহারা কিছু থায় না, এবং এতেকাদ্ করে যে, তথন কেহ কিছু ধাইলে তাহার গ্রহনী বেমার হইবে, এবং কোন গর্ভবতী স্ত্রীলোক তথন কিছু খাইলে, পেটের সস্তান কানা, খোড়া, কিম্বা কোন প্রকার আয়েবদার হইবে, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে। কোন কোন স্থানে এই প্রকার কুপ্রথা আছে যে, বিবাহের দিন, যে কন্তার বিবাহ হইবে, তাহার নিকট কোন বিধবা জ্রীলোককে আসিতে দেয় না, এবং এতেকাদ করে যে, বিধবা স্ত্রীলোক নিকটে আদিলে ঐ কন্তাটীও বিধবা হইয়া যাইবে। এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে । আলাহোমা ছাঙ্গোলা মোহামদ্।

কতক নাদান মোছল্মান গরুকে মানিক পিরের ধন মনে করে, এবং গরুর ভাল মন্দ হয়য়াৎ মোউৎ মানিক পিরের এক্তেয়ার মধ্যে আছে এতেকাদ্ করে, এবং কথার কথার গরুর নেছবৎ বলে যে, মানিক পিরে ফেলে গেলে হয়, নচেৎ কোন চারা নাই, এইরপ এতেকাদ্ করা ■ বলা কুফর হইতেছে। কোন কোন স্থানে এ রকম কুপ্রথা প্রচলিত আছে বে, কাহারও প্রথম শস্তান যদি মরিয়া যায়, তবে তাহাকে কবরস্থানে দাফন না করিয়া, কোন রাস্তার পার্যে দাফন করে, এবং এতেকাদ্ করে যে, কবরস্থানে দাফন করিলে ভবিষ্যতে যে শস্তান হইবে, তাহাও মরিয়া যাইবে, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইভেছে। যদি থোশামদের জক্ত কেহ কাহাকে বলে, যে চিজ

আলাহ তাআলা চাহেন, এবং আপনি চাহেন, তাহা হইয়া ঘাইবে, এইরপ বলা কৃফর হইতেছে। কোন কোন মুরিদ আপন পিরকে বলিয়া থাকেন, আলাহ র ফজলে 
আপানার দোওয়ার বর্কতে হইয়া ঘাইবে, এইরপ বলা, কৃফর কালাম হইতেছে, স্ভরাং এইরপ কথা কেহ বলিবেন না। ইহার পরিবর্তে এইরপ বলিবেন বে, "আলাহ ভাআলার ফজলে হইয়া ঘাইবে," ইহারই উপর বছ করিবেন, আর ধদি পির ছাহেবকে - একেবারেই ছাড়িতে না চান. তবে এইরপ কথা মাত্র বলিয়াই বছ করিবেন যে, "য়ড়ুরের দোওয়ার বর্কতে হইয়া ঘাইবে"। এইরপ বলায় পির 
মৃরিদ উভয়ের ছালামতি আছে। যদি কোন মুরিদ ভূল বশত এইরপ বলে, তবে তাহাকে আদেব শিক্ষা দেওয়া কর্তব্য, যে পির তাহার মুরিদের জন্ত গোনাহ মধ্যে গেরেপ্তার না হইয়া পড়েন। আলাহোন্সা ছালেয়ালা মোহান্সাদ্।

হজরৎ নেছাই এবং এব্নে মাজা (র) হজরৎ এব্ণে আববাছ (রা)
হটতে রওয়ায়েৎ করিয়াছেন, একদিন এক ব্যক্তি হজরৎ জনাব নবি করিষ
ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া ছালামকে বলিলেন :---

# مَا شَاءَ اللَّهُ وَشَعُتَ =

ترجمه — جوچیز که خدا نے چاھی اور تم چاھو ھوجاویکی =

অর্থাৎ যে চিজ আল্লাহ্তা আলা চাছেন, আর আপনি চাছেন, উহা হইয়া যাইবে। ইহা শুনিয়া, জনাব হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ খালায়হে ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইলেন---

جَعَلْتَنْ لِللهِ فِدَّا - بَلْ مَا شَاءَ اللهُ وَ هُدُلاً .

ترجه مقرر کیا تو نے مجہدو الله کا شریک - بلکه خداکی هی مشیت سے هر چیزهوتی ہے .

ইহার ভাবার্থ এই :—তুমি আমাকে আলাহ তাআলার শরিক মকরর করিলে, কারণ আলাহ তাআলারই মশিয়াৎ, অর্থাৎ এরাদা ■ ইচ্ছা হইতে প্রত্যেক ■ হইয়া থাকে। (ভফ্ছির আজিজি)

কোন কোন হানে থড়ি চাওয়ার কুপ্রথা প্রচলত আছে, অর্থাৎ কোন
বাজির কোন মক্ছুদ পূরা হইবে কি না, যথা-ছেলে মেয়ের বিবাহ কোন
দিকে হইবে, ছেলে কি আজিয় বিদেশ হইতে আসিবে কি না, গরটী যাহা
হারাইয়াছে তাহাকোন দিকে গিয়াছে ইত্যাদি ইত্যাদি, এইয়প মক্ছুদ
জানিবার জন্ত, থড়ি চাওয়া ব্যক্তির নিকট যাইয়া, মক্ছুদ জানিতে চার,
তথন থড়ি চাওয়া ব্যক্তি মাটীতে কএকটী আক্ চোক্ দিয়া, ঘর ঘর
বানাইয়া, তাহার মধ্যে হাত দিতে বলে, এবং হাত দেওয়ার পর, তাহার
মক্ছুদের কথা বলিয়া দেয়, বে এইয়প, এইয়প হইবে, এই রকম থড়ি চাওয়া,
ও ঐ থড়ির উপর এতেকাদ করা কুফর হইতেছে। কারণ গায়েব বলা
হইল। আল্লাহোম্মা ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা মোহামাদ্।

# بسم الله الرحمي الرحيم \*

আরে বেরাদর, "বন্দে মাতরম্" বলা মোছলমানের ক্ষুক্র ইইতেছে, স্বতরাং ইরগেজ কোন মোছলমান "বন্দে মাতরম্" বলিবে না। ইহার অর্থ এই, "বন্দে", বন্দ ধাতু উত্তম প্রুষ্বের বর্ত্তমান কালে, এক বচনে বন্দ শব্দের সহিত (বন্দ + এ) এ বিভক্তি বোগে "বন্দে" ইইয়াছে, আর "মাতৃ" শব্দ দিতীয়ার এক বচনে "মাতরম্" ইইয়াছে, সংস্কৃত ব্যাকরণ অমুসারে। "বন্দে" শব্দের অর্থ ইইতেছে, স্তব, স্তুতি করিতেছি, পূজা করিতেছি, বন্দনা করিতেছি ইত্যাদি, অর্থাৎ বন্দিশী করিতেছি। "মাতরম্" ইহার অর্থ ইইতেছে মাতা, জননী, পৃথিবী, ব্যাহ্মী, মাহেশ্বরী, বৈন্দ্রী, চামুগুা, গৌ, লক্ষী, ইন্দ্র, বারুণী, জটামাংশী, তুর্গা, ভগবতী, পার্বতী ইত্যাদি। স্বতরাং উভয়

শব্দ মিলিত হইরা "বন্দে মাতরম্" হইরাছে। ইহার মাইনি হইতেছে, আমি মাতাকে পূজা করিতেছি, আরাধনা করিতেছি। আমি "বন্দে" এবং "মাতা" শব্দের অর্থ উপরে লিখিরাছি। প্রাকৃতি বোধ অভিধান, শব্দ করেজম; অমরকোশ, ইত্যাদি অভিধান দেখুন। সংস্কৃত অভিধান, কিছা বাঙ্গালা অস্তান্ত অভিধান, বাহা দেখিবেন, ভাহাতেই আপনার সন্দেহ দূর হইরা যাইবে। আমরা মোছলমান এক আল্লাহ তাআলা ব্যতীত অন্ত কাহারও বন্দিগী করি না, এবং করিতে পারি না। যদি কোন মোছলমান ভূলবশত, ইহার মাইনি না জানার জন্স, অজ্ঞানিত ভাবে, "বন্দে মাতরম্" শব্দ বলিয়া থাকেন, তবে তিনি ভৌবা করিবেন, এবং তাহার বিবি সহ নেকাহ দোহ রাইয়া লইবেন। আল্লাহোম্মা ছাল্লেআলা হৈরেদেনা মোহাম্মদ ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া বারিক ওয়া ছাল্লেম।

আরে বেরাদর, বেশক আপনি জানেন, "বন্দে মাতরম্" সংস্কৃত শক্ত হইতেছে। এই সংস্কৃত শক্ত মোছলমান জাতির মধ্যে কখনও কোন জমানার কেহ বলেন নাই, বাবহার করেন নাই। কখনও কোন জমানার, এই সংস্কৃত শক্ত দিন এছলামের মধ্যে প্রচলিত ছিল না। আর দিন এছলামের মধ্যে, যে ব্যক্তি কোন নৃতন কথা প্রদা করিবে, তাহার নেছবৎ জনাব হজরৎ নবি করিম ছাল্লাক্লাহ আলারহে ওয়া ছাল্লাম কর্দ্মাইয়াছেন:—

ইহার ভাবার্থ এই :-- যে ব্যক্তি নৃতন কথা দিনে (দিন এছলাম মধ্যে)
ইজাদ করে ব্যথা কোন বেদ্যাতি ব্যক্তিকে জায়গা দেয়, ভাহার উপর
আল্লাহ,তাআলা, এবং ফেরেস্তাগণ, এবং সমস্ত মমুয়াগণের লানং হউক।

এই স্থানে আমি আমার পির মুর্শিদ বুজুর্গ ছাহেবের নছিহৎ পত্রথানি, বা মোছলমান সমাজের অবগতির জন্ত নকল করিয়া দিতেছি। আফ্লাহোত্মা ছাল্লেআলা ছৈরেদেনা ওয়া মৌলানা মোহাত্মদ, ওয়া আলা আলিহি, ওয়া আছহাবিহি ওয়া বারিক ওয়া ছাল্লেম।

জনাব হজরৎ কুতৃব্ল আক্তাব্ হাজিয়ল্ হেরেমাইন শরিফায়েন্ মৌলানা মুশিদানা শাহ্মোহাম্দ আবুবকার ছাহেবের নছিহৎ পতা।

### بسم الله الرحمي الرحيم .

এই কেতাব থানি আমার আদেশ অমুযায়ী লিখিত হইরাছে। আমি আশা করি, ইহার দ্বারা সর্কাসাধারণ মোছল্মানগণের, এবং তরিকতের ছালেকগণের বিশেষ উপকার সাধিত হইবে। আমি আমার মুরিদদিগকে অমুরোধ করিতেছি, যে, তাহারা এই কেতাব থানি মহক্বতের সহিত পড়িবেন, এবং ইহার উপর আমল করিবেন।

আমি বিশেষরূপে আমার মুরিদ বর্গকে, এবং সর্বসাধারণ মোছলমান ছাহেবগণকে নছিহত করিতেছি, যে, আপনারা "আল্লাহো আক্রার্ন' এই লফ্জ্ সতত মুথে উচ্চারণ করিবেন, এবং কথনও "বন্দে মাতরম্" শব্দ কোন কারণ বশত বলিবেন না, এবং বাবহার করিবেন না। কারণ মোছলমানের জন্ত "বন্দে মাতরম্" বলা কৃফর হইতেছে। এই কৃফর লফ্জ্ বলা জায়েজ আছে. এইকপ এতেকাদ্ কর্ণেওয়ালা, ও বোল্নেওয়ালা কাফের হইবে, তাহার বিবি তালাক হইয়া যাইবে, ইহাতে কোন সন্দেহ নাই। বদি আথেরাতে নাজাৎ কামনা করেন, বেহেস্ক, এবং আল্লাহ্-তাআলার দিদারের উমেদ রাখেন, তবে সর্বপ্রকার কৃফরি বাক্যা, ও কুফরি কার্যা বর্জন করিয়া, এবং তাহা হইতে তৌবা করিয়া, আল্লাহ্ তাআলার এবাদৎ বন্দিগী কর্ণেওয়ালা খালেছ বান্দা মুমিন হইয়া যাইবেন। বর্তমান

জামানার বাজ্ বাজ্ শরিরৎ অনভিজ্ঞ, হাল ফ্যাসনের লোকদিগের চিক্না চিক্না কথায়, আপনার দিন ও ইমান বর্বাদ করিবেন না।

دستخط: ـــ محمد ابربكر عفى عنه

پهرپهره شريف - ضلح هو گلي

আরে আমার দোস্ত, আপনি তুনিয়াতে বত কাল জীবিত থাকিবেন, সতত নেককার পরহেজগার লোকনিগের সঙ্গে মিলিয়া মিলিয়া থাকিবেন, এবং তাঁহাদিগের উপদেশ অমুধারি আলাহ্তাআলার এবাদৎ বিদিগী মধ্যে মালগুল থাকিবেন, এবং হরগেজ কোন বদ লোকের ছোহ্বৎ এক্তেয়ার করিবেন না; এবং তাহার নাজায়েজ কথায় কর্ণপাত করিবেন না; বরং তাহাকে সর্প সমত্লা মনে করিয়া, তাহার নিকট হইতে দূরে পলায়ন করিবেন। মৌলানা ফর্মাইয়াছেনঃ—

ای برادر میگریز از یار بد یار بد بدتر بنود از مار بد مار بد تنها ترا بر جان زند یار بد برجان وبرایمان زند

ইহার ভাবার্থ এই :—আয় ভাই. এয়ার বদ হইতে দ্রে পলাও, কারণ বদ্ এয়ার বিশধর শর্প হইতে ও থারাণ হইতেছে। কারণ বিশধর শর্প কেবল ভোমার জানের ক্ষতি করিতে পারে মাত্র, কিন্তু বদ এয়ার ভোমার জান ■
ইমান উভয়কে বিনাশ করিয়া দিতে পারে।

#### بسم الله الرحمي الرحيم .

জনাব হজরৎ মাহ্বৃব্ ছোব্ছানি, কুতৃব্ রকানি, গাওছ আজম, শেখ আবু মোহাম্মাদ মহিউদ্দীন ছৈয়দ আবহুল কাদের জিলানি (রা) বলিয়াছেন:—মুখ্য চারি প্রকার ইইয়া থাকে, এক প্রকার মুখ্য এই রকম হইয়া থাকে যে, না তাহাদিগের ব্যান আছে, না তাহাদিগের দেল আছে। তাহারা অন্ধ, বোকা, অকর্মণা হইতেছে, আলাহ,তাআলার নব্দিগ তাহাদিগের কিছু মাত্রও মত্বা নাই, আর তাহাদিগের 📟 কোন বেহ্তরিও নাই, কিন্তু যদি আল্লাহ্তাআলা তাহাদিগের উপর রহমৎ নাঞ্জেল করেন, আর ভাহাদিগকে ইমান আনিবার ভৌফিক নছিব করিয়া হেলায়েৎ করেন, এবং আপন ফল্লল রহ্মতে ভাহাদিগকে এবাদৎ বন্দিগী করিবার তৌফিক দান করেন। অতএব আঞাহ্তাআলাকে ভর করা চাই, এবং বাঁচিয়া চলা চাই, ষেন এই প্রাকার মহয় শ্রেণীভূক না হয়ে যায়। কারণ ভাহাদিগের কোন এৎবার নাই, আর তাহারা আলাহ্তাআলার গজব, ও নারাজির লায়েক হইতেছে, তাহাদিগের থাকিবার স্থান দোজধ হইতেছে। আলাহ্ভাআলা ইহা হইতে আমাদিগের স্কলকে পানাহ, দান করেন। যদি ভূমি আলেম, বা হাদি, বা কাওমের পেশ্ওয়া হও, তবে তুমি তাহাদিগের মধ্যে যাও, তাহাদিগের সহিত মিলা মিশা কর, আর তাহাদিগকে আল্লাহ্তাআলার রাহে আনিবার 💌 কোশেষ কর, আর তাহাদিগকে আলাহ্তাআলার নাফর্মানি হইতে ভরাও, তাহা **হইলে ঐ সময়ে তুমি আলাহ্তা**শালার নজ্নিগ**্** বাহাছর আলেম হইয়া যাইবে, আর তুমি রছুল 🔳 নবিদিগের ছোওয়াব পাইবে, বেমন জনাব হজরৎ রছুল কারিম ছালালাছ আলায়হে ওয়া ছালাম জনাব হজরৎ আলী (রা) কে ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :--- যদি আলাহ-তাআলা তোমার তালিমের ঘারা, কোন মহুখ্যকে হেদায়েৎ করেন, তবে এই কার্য্য তোমার জ্বন্ত, ঐ সকল বস্তু হইতে বেহতর হইবে, যে সকল উপর সুর্য্যের কিরণ পড়িয়া থাকে। দ্বিতীয় প্রকারের মন্থয় এই রক্ষ, ষে তাহাদিগের জ্বান আছে বটে, কিন্তু দেশ নাই, অর্থাৎ তাহারা লোক দিগকে তো নছিহৎ করিয়া বেড়ায়, কিন্তু নিজেরা তাহার উপর আমল

করে না, তাহারা অস্তাস্ত মনুয়াদিগকে তো আল্লাহ্তাআলার তরফ ডাকে, কিন্তু নিজেরা আল্লাহ তাজালার রাস্তা হইতে পলায়ন করে, অক্তান্ত লোক দিগের আয়েব সমূহকে মন্দ বিবেচনা করে, আর তাহারা তাহাদিগের নিজের আরেব সমূহের উপর থেয়াল ও করে না, লোকদিগের মধ্যে, তাহারা আপন এবাদৎ 🗷 লেয়াকৎ জাহের করে, এবং নিজেরা আলাহ্-তাআলার নাফর্মানি করিতে রত থাকে, আর বখন ভাহারা একেলা হয়, তথন যেন, তাহার। মহুষ্মের ছুরতে ব্যান্ত বিশেষ হয়। এই শ্রেণীর লোক হইতে জনাব হজরৎ রছুল কারিম ছাল্লালাহ আলারহে ওয়া ছাল্লাম ও আমা-দিগকে ডরাইয়াছেন। হজরৎ জনাব নবি কারিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া ছাল্লাম কর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই :-- আমার ওম্মৎদিগের মধ্যে বুরা আলেমগণ অতি ভয়ক্ষর হইতেছে, আলাহ্তাআলা তাহাদিগের সংশ্রব হইতে রক্ষা করেন, স্থতরাং তাহাদিগের নিকট হইতে দুরি এক্তেয়ার করা, এবং পলাইয়া যাওয়াই বেহ্তর হইতেছে। কারণ এমন যেন না হয়, যে, তাহাদিগের মিষ্ট মিষ্ট কথায়, তোমরা তাহাদিগের ফান্দে পড়িয়া যাও, আর যেন, তাহাদিগের নাফর্মানির আগুন, তোমাদিগের জানের হালাকির কারণ না হয়, আর তাহাদিগের বাতেনের পচা ভট্ভটে বদ্বো যেন, তোমাদিগকে হালাক করিয়া না ফেলে।

এই স্থানে ফকির হাকির ছদরউদ্দীন আহমদ্ বলেন, যদি কেহ তোমাকে হাছাদ করিয়া কাফের, বেদিন বলে, তবে ছবর এক্তেয়ার করিবে, চুপ করিয়া থাকিবে, নেহায়েৎ থোশ হইবে, কথন ও রাগ করিবে না, একিনান জানিয়া রাথিবে, আলাহ তাআলা বেহেতর বদ্লা দেনেওয়ালা হইতেছেন।

তৃতীয় প্রকারের মন্ত্র্যা এই রকম হইতেছে, যে, তাঁহাদিগের দেল তো আছে, কিন্তু তাঁহাদিগের জবান নাই, আর ইহারাই দিন এছলামের

বান্দা মোমেন হইতেছেন। আল্লাহ্তাআলা তাঁহাদিগকে আপন রহ্মতের দামনের ছায়াতলে পানাহ্ দিয়াছেন, আর আপনার রহমৎ তাঁহাদিগের উপর নাজেল করিয়াছেন, আল্লাহ্ভাআলা তাঁহাদিগকে বিনা ( বাতেনের চকুদান ) করিয়াছেন, যেন তাঁহারা নিব্দেদের আয়েব দেখিতে পারে। তাঁহাদিগের দেল রৌশন হইতেছে, আর তাঁহারা আওয়ামোয়াছের ছোহ্বতের থারাবি জানিতে পারেন, আর আলাহ্তাআলা তাঁহাদিগকে এল্ছামের দারা থবরদার করিয়া দিয়াছেন, আর তাঁহারা জানিতে পারিয়াছেন, যে, চুপ থাকা ও একাকি থাকা বেহ্তর হইতেছে, যেমন জনাব হলবং নবি কারিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া ছালাম ফ্রাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই:—যে চুপ থাকিল, সে নাজাৎ পাইল, আয়ো ফর্মাইয়াছেন, যাহার ভাবার্থ এই, বে, এবাদতের দশ অংশ আছে, যাহার ■ (নয়) অংশ থামোশী মধ্যে আছে। স্ত্রাং এই শ্রেণীর মনুষ্য আলাহ্-তাআলার দোন্ত হইতেছেন, আলাহ্তাআলা তাঁহাদিগকে আপন মার্ফং নছিব করিয়া শরকরাজ করিয়াছেন। তামাম ছনিয়ার ভালাই তাঁহাদিগের নিকটে আছে। স্তরাং তাঁহাদিগের ছোহ্বৎ এক্রেয়ার করা বেহ্তর হইতেছে, অর্থাৎ তাঁহাদিগের খেদমৎ কর, তাঁহাদিগের সহিত দোস্তি রাথ, আর তাঁহাদিগের হাজৎ পূরা কর, তাঁহাদিগের উপকার করিতে থাক, তাহা হইলে আল্লাহ্তাআলা তাঁহাদিপের তোফায়েলে তোমাকেও আপন দোস্তি মধ্যে দাথেল কৰিবেন। আল্লাহোম্মা ছাল্লেআকা মোহাম্মদ্।

চৌথা শ্রেণীর ঐ সকল মহয় হইতেছে, বাঁহাদিগের জ্বান ■ আছে, দেল ও আছে, আর ইহারা ঐ সমস্ত মহয় হইতেছেন, বাঁহাদিগকে আলমে মালাকুৎ মধ্যে আজ্মতের সহিত ডাকা বাইরা থাকে। চুনাঞ্চে হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিরাছে, বাহার ভাবার্থ এই, যে ব্যক্তি এলেম শিক্ষা করত, তাহার উপর আমল করিয়াছে, এবং অন্তান্ত লোকদিগকে ও শিক্ষা দান করিয়াছে, তাঁহাদিগকৈ আলমে মালাকুৎ মধ্যে আজিম (আজ্মৎওয়ালা) বলা ধাইয়া থাকে, আর তাঁহারা আলাহ্তাআলার মাফ তের, এবং তাঁহার আমানতের রাজদার হইতেছেন ৷ আলাহ্তাআলা তাঁহাদিগের দেলের মধ্যে আপন এলেমের আজারেবাৎ আমানৎ রাথিয়া-ছেন, আর তাঁহাদিগকে ঐ সমস্ত আছুরার জানাইয়া দিয়াছেন, যাহা অন্তাম্ভ লোক সমৃহ হইতে পুশিদা রহিরাছে৷ আর আলাহ্তাআলা তাঁহাদিগকে আপন ফজল রহ্মতে মক্বুল ও বও জিদাহ্ করিয়াছেন ; আর তাঁহাদিগকে আপন নক্দিগি নছিব করিয়াছেন, এবং তাঁহাদিগকে হেদায়েৎ করিয়াছেন,আর আপনার তর্ফ তর্কি আতা কর্মাইয়াছেন। তাঁহাদিগের ছিনাকে পুশিদা ভেদ, এবং এলেম সমূহের 🚃 খুলিয়া দিয়াছেন। আলাহ্-তাআলা তাঁহাদিগকে বছৎ নেয়ামতিন আতা করিয়াছেন। তাঁহারা আলাহ্-ভাষালার বান্দাদিগকে নেকির ভরফ ডাকিয়া থাকেন; আর তাঁহাদিগকে আলাহ্তাআলার নাফর্মানি হইতে বাজ থাকিবার জন্ম তামি করিয়া থাকেন, আর আল্লাহ্তাআলার জাৎপাক, ও ছেফাৎ পাক দলিলের ধারা ছাবেৎ করিয়া, তাঁহাদিগকে বুঝাইয়া ছম্ঝাইয়া দিয়া থাকেন। তাঁহারা ছেদায়েৎ কর্ণেএয়ালা হইভৈছেন, আর তাঁহারা হেদায়েৎ পাইয়াছেন, তাঁহারা শাফায়াৎ কর্ণেওয়ালা হইতেছেন, এবং তাঁহারা শাফায়াৎ লাভ করিয়াছেন। তাঁহারা ছাচ্চা মহুদ্ম গ্ইতেছেন, আর তাঁহারা সত্য কথাই বলিয়া থাকেন, আর তাঁহারা নায়েব বছুল, এবং ওয়ারেছ আম্মিয়া হইতেছেন । এনছানের ইহাই আথেরি ও বলন্দ দর্জা হইতেছে, যাহা হইতে উচ্চ দর্জা নবুওৎ ভি আর কিছু নাই ৷ স্থতরাং তুমি তাঁহাদিগের সঙ্গে মিলিয়া মিশিয়া থাক ; আর তাঁহাদিগের নিকট হইতে আলাহেদা হইও না, এবং তাঁহাদিগের নিকট হইতে ভাগিও না, কিমা তাঁহাদিগের সহিত তুখানি করিতে কোশেশ করিও না। এমন নাহয়, যে তুমি তাঁহাদিগের কথা করুল

না কর, এবং তাঁহাদিগের নছিহৎ কান লাগাইরা শ্রবণ না কর, যাহা তাঁহারা বলেন, বছ্ উহাতে ছালামতি আছে, এবং অন্তান্ত লোকের কথার মধ্যে হালাকি ও শুম্রাহি ভরা রহিরাছে, কিন্তু যাঁহাদিগকে আলাহ্তাআলা ভৌফিক আতা করেন, এবং রাছ্তিও রহ্মতের ছারা মদদ্গারি করেন। আমি মহ্যাদিগকে এইরূপ ত্কছিম্ করিয়া দিলাম। এখন লোকদিগের উচিৎ হুদিয়ার ও সাবধান হইয়া যায়, এবং তাহাদিগের আকেলকে কামে লাগায়, তাহা হইলে তাহায়া আপন নাফ্ছকে বাঁচাইতে সক্ষম হইবে, এবং তাহায়া তাহাদিগের উপর শাফাকাৎ কর্ণেওয়ালা লোকদিগকে, এবং মেহেরবাণি কর্পেওয়ালা লোকদিগকে চিনিয়া লইতে পারিবে। আলাহ্তাআলা আপন ক্ষল রহ্মতে আমাদিগের সকলকে, উহার তরফ হেলায়েৎ করেন, যাহা তিনি দোন্ত রাখেন, এবং তাহায় রেক্তামন্দির রাহে চলিবার ভৌফিক নছিব করেন।

আরে আমার প্রাণের ভাই মোছলমান সকল, আপনারা মোছলুমান
হইয়া কখনও কোন কাছেকের, কোন কাফেরের, কিয়া কোন মোপ্রেকের
জয়ধানি দিবেন না, এবং জয় ঘোষনা করিবেন না; কারণ কোন
ফাছেকের, কোন কাফেরের, কিয়া মোশ্রেকের জয় ঘোষনা করা,
মোছল্মানের আল শরিষতে হরগেজ জায়েজ নহে। এয়াদ রাখিবেন,
জনাব হজরৎ নবি কারিম ছালালাহ আলায়হে ওয়াছালাম ফর্মাইয়াছেন:—

اَخْرَجَ الْبَيْهُ قِي شَعْبِ الْآيِمَانِ عَنْ اَنْسِ (رض) الْخَرَجَ الْبَيْهُ قِي فَيْ اَنْسِ (رض) قَالَ وَسُولُ الله صلى الله عليه وسلم إذا مُدِحَ

الْقَاسِقُ غَضَبَ الرَّبِ تَعَالَى وَاهْدَزَّلَهُ الْعَرْشُ =

ইহার ভাষার্থ এই:—মেস্কাৎ শরিফ মধ্যে লিখিত আছে, জনাব হজ্রৎ এমান বায়হকি (র) আপন কেতাব স্থবল ইমান মধ্যে, জনাব হজবং আনেছ (রা) হইতে একটি হাদিছ নকল করিয়াছেন যে, জনাব রজরৎ রচুল কারিম ছাল্লালাহ আলারতে ওয়া ছালাম কর্মাইয়াছেন, ষ্থন কোন ফাছেক লোকের তারিফ করা হয়, তথ্ন আলাহ্তাআলা গল্পবে আইদেন, এবং ভাহাতে ভাঁহার আরশ মোরালা কাঁপিতে থাকে। এই হাদিছ হইতে পরিশ্বার মালুম হইতেছে, যে সমস্ত লোক দাড়ি মুড়াইয়া থাকে, খুর দ্বারা দাড়ি কামাইয়াথাকে, কিন্তা নামাজপড়ে না, অথবা জাকাৎ দেয় না, বা শরাব পান করে, অথবা জেনা করে, অথবা গান করা, ও বাজুনা বাজানোকে এবাদতের অঙ্গ মনে করে, অথবা কবর পুজা কর্ণে-ওয়ালাদিগের, পির ছিজ্দা কর্ণেওয়ালাদিগের তারিফ করে, এই সমস্ত গোক আলাহ তাআলার গলবের মধ্যে গেরেফ্ডার হয়, এবং উহাদিগের তারিফ করার সময় আলাহ্ভাঝালার আরশ মোরালা কাঁপিতে থাকে। এইরূপ গলব এলাহি বেশরাই মোছলমানদিগের জন্ত হ্ইতেছে, ভবে যদি কেহ কোন কাফেরের কি**য়া মো**শ্রেকের, বা বেদিনের তারিফ করে, ভবে সেই তারিফ কর্ণেওয়ালার কি অবস্থা হইবে ? তাহা আয়াহ্তাআলা ভিন্ন কেহই জানে না। আয় ভাই মোছল্মান সকল এয়াদ রাথিবেন যে, মৌতের পরে আল্লাহ্জালাজালালুক জালা শাসুছর স্ভুরে হেছাবের জন্ম হাজের হইতে হইবে। স্তরাং ত্নিয়ার কারবার করিতে আপনারা সাবধানের সহিত ইমান বাঁচাইয়া কারবার করিয়া বেড়াইবেন। যদি কখন ■ কোন কঠিন বিষয় দরপেশ হয়, ভবে তাহা আলাহ্তালার বগুজিদাহ্ খাছ্ লোক, যাহারা নামেব রছুল হইভেছেন, তবিকতের পির হইতেছেন তাঁহাদিগের নিকট জিজ্ঞাসা করিয়া অবগত হইবেন, ও তদনুযায়ী আমল করিবেন, আম্লোকের নাঞ্চায়েজ কথা শুনিয়া; এবং বুরা আমেলগণের কথা বিশাস করিয়া, তাহার উপর আমল করিবেন না।

আরে নির্দর নির্চুর শরিষত অনভিজ্ঞ নামের মোছলমানগণ, তোমরা আপন নাফ্ছের উপর রহম কর, আর কুফর গোনাহ্র করি লিপ্ত হইও না; তোমাদিগের বিবেচনা করিয়া দেখা কর্ত্তরা, যে, তোমাদিগের বাপ দাদা পোছ্ত পোছ্তানের মধ্যে, কেছ কখন ও মোছলমানের ক্রুফর লফ্ছ্ "বল্দেমাতরন্" বলা ভারেজ আছে, এইরূপ এতেকাদ্ করেন নাই, এবং বলেন নাই, এবং কেছ কখনও ইছা মোছলমান সমাজের মধ্যে প্রচলন করিবার করিছা চেট্টা করেন নাই। তোমরা তোমাদিগের নিজের মন্তকে কুড়ালি মারিও না, আপন নাফ্ছের প্রতি রহম কর। তৌবা করিয়া, খালেছ বান্দা মোমেন হইয়া, আরাহ্তাআলার এবাদৎ বন্দিগী মধ্যে মণ্ডল থাক। মোছলমান ইইয়া, আর কখনও "বন্দেমাতরন্" বলিও না, কোন ফাছেকের কোন মোশেকের, কোন কাফেরের করিও না। সাবধান সহকারে অরণ রাথ, জনাব হজরৎ নবি কারিম ছায়ায়াছ আলায়হে ওয়া ছায়াম ধর্শাইয়াছেন ঃ—

ইহার ভাবার্থ এই:—যে ব্যক্তি যে কাওমের হাব্, ভাব্, রাহ্, ■
বছ্ন এথ্তেরার ক্রিবে≱ সেই ব্যক্তি (আধেরাতে) সেই কাওমের
সহিত হইবে। আলাভ্যা ছালিবালা ছৈয়েদেনা মোহাম্ম ।

স্তরাং আরে বেরাদর্র, এখন সময় থাকিতে গোনাচ্র কার্য্য হইতে তৌবা করিয়া; একমাত্র আল্লাহ্তাআলারই এবাদৎ বন্দিগী কর, এবং ছুর্মৎ তরিকা অনুযায়ি আমল করিতে মশগুল থাক।

আমার প্রাণের ভাই মোছলমান সকলের শ্বরণ রাখা কর্ত্তব্য যে, শেরেক করিলে, ও কালাম কুফর বলিলে, মোছল্মান কাফেরের দর্জার দাথেল হয়, ভাহার বিবি তালাক হইরা যার, অর্থাৎ নেকাহ্ টুটিরা যার। যদি তাহার পর নেকাহ্ না দোহ্রাইরা বিবির আছে ছোহবৎ করিবে, তবে জেনা হইবে। ভাহা হইতে শস্তানাদী পরদা হইলে হারামজাদা হইবে, এবং শস্তানাদী হারামজাদা হইলে, যা বাপের নাফর্যান, আ আলাহ্তাআলার নাফর্যান হইবার ভর আছে। স্তরাং শেরেক ও কুফর হইতে বহুৎই পরহেজ করিয়া চলিবে। হাছিছ শরিক মধ্যে আলিরাছে:—

# إِذَا لَقِينَتَ الْفَاجِرَ فَالْقِهِ بِبُرَجُهِ خَشِي =

ترجمہ — جب ملاقات کر تو فاجر کی یعنے مشرک یا بدعتی کی تو ملاقات کر ترش روئی سے

ইহার ভাবার্থ এই:—বথন তুমি মোলাকাৎ কর ফাজেরের সঙ্গে, অর্থাৎ মোশ্রেক মহয়দিসের সহিত, কিখা বেদ্য়াতি মহয়াদিসের সহিত, তো তরণ-রুমি, অর্থাৎ বেজার মুখে মোলাকাৎ কর, এবং হাকাঞ্জেন্জিল্ মধ্যে লিখিত আছে, জনাব হলরৎ ছেহেল তছ্তরি (র) বলিতেন:—

مَنْ صَحَّمَ إِيْمَانَةَ وَ آخَلُصَ تَوْحِيْدَةً فَإِنَّهُ لَا يَانِسُ اللَّهِ مُبْتَدِع وَ لَا يُجَالِسُهُ وَ لَا يُواكِلُهُ وَلاَ يُشَارِبُهُ وَ يَظْهَرُ لَهُ مِنْ نَفْسِةِ الْعَدَاوَةَ - وَمَنْ دَاهَنَ بِمُبْتَدِع وَ يَظْهَرُ لَهُ مِنْ نَفْسِةِ الْعَدَاوَةَ - وَمَنْ دَاهَنَ بِمُبْتَدِع مَسَلَبُهُ اللَّهُ تَعَالَى حَلَاوَةَ الْإِيْمَانِ - وَمَنْ يُسِّعِبُ اللَّي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْإِيْمَانِ مِنْ قَلْبِة \*

ترجمه محبت اورالفت فرکیے - اور اُنکے ساتھ بیٹھنے اور کہائے اور پینے کی عادت فرکیے - اور اُنکے ساتھ بیٹھنے اور کہائے اور پینے کی عادت نقالے اور دل سے اُنکے ساتھ عداوت رکیے - اور جو شخص بدعتی لوگوں سے ملتا ہے اور اُنکی خاطر سے دیں کی بات میں سستی کرتا ہے تو اُس سے ایماں کی حلاوت الله تعالی لے لیتا ہے - اور جو بدعتی لوگوں سے دل سے دوستی رکھتا ہے - اور دل سے ایماں کا نور نکال لیا جاتا ہے ۔

অর্থাৎ ছাচ্চা ইমানদারের উচিৎ বে, বেদ্রাতি লোকদিগের সহিত দোডি মহববৎ না রাখে, এবং ভাহাদিগের সহিত থানা পিনা, উঠা বসা, 
ওলা মেলা না করে, এবং দেলের সহিত তাহাদিগের বলে আদাওতি রাখে। যে ব্যক্তি বেদ্রাতি লোকদিগের সহিত মিশা মিশি করে, এবং তাহাদিগের থাতিরে, দিন এছ্লামের কোন কালে ছুন্থি করে, তবে আলাহ্তাআলা তাহার দেল হইতে ইমানের হালাওরাৎ (মজা) নইরা যান। বে ব্যক্তি বেদ্রাতি লোকদিগের সহিত দেলের সহিত মহববৎ রাখে, তবে আলাহ্তাআলা তাহার দেল হইতে ইমানের নূর বাহির করিরা লইরা বান। (তক্ছির আজিজি।) আলাহোত্মা ছাল্লেআলা মোহাত্মদ্।

আরে বেরাদর, তক্ষু ছির কাদেরিয়া মধ্যে লিখিরাছেন, আগে জমানার বোত পরস্তনিগের এই রেছম ছিল যে, বোত সামা মধ্যে মধু ও খোশর লাগাইরা, বোত পরস্তগণ দরওরাজা বন্দ করিয়া চলিয়া যাইত। মাছি সকল বোত খানার জানালা ছারা প্রবেশ করিয়া ঐ শহদ । খোসরু চাটিয়া খাইরা হাইত। কতক দিন পরে, যখন বোত পরস্তগণ বোতের মধ্যে শহদ, এবং খোশবুর নেশান পাইত না, তথন খুনী করিত যে, তাহাদিগের বোত শহদ্ । থোশবু খাইয়াছে, তদ্জন্ত আলাহ্তাআলা বোত সকলের আজিজি ও জয়িফির বিষয় কোরাণ ছুরা হজ, মধ্যে থবর দিয়াছেন।

مکھی اگرچہ سارے جمع ہوں اور اگر کچھ چھیں لے اونسے

مکھی چھٹا نہ سکین وہ اوس سے 🔹

ভাবার্থ এই:—আরে মহয় জাতি, আলাহ তাআলা উদাহরণ স্থরপ এক মেছাল কোরাণশরিফ মধ্যে কর্মাইরাছেন, তাহা তোমরা কাণ লাগাইরা শোন:—আলাহ পাক্ ব্যতীত, যে সমন্ত বোডদিগকে তোমন্ত্রা পূলা করিতেছ, হরগেল (কথনও) উহারা এক মাছি বানাইতে পারে না, যম্প্রপি ছনিরার যাবতীয় বোত সকলও একত্র মিলিত হয়। এবং যগ্রপি উহাদিগের নিকট হইতে কোন বস্তু মাছিতে কাড়িয়া লয়, তাহা হইতে উহারা উহা কাড়িয়া লইতে পারে না। ইহা হইতে জানা যাইতেছে যে, যদি পৃথিবীর যাবতীয় বোত একত্র মিলিত হয়, তবুও সামান্ত একটী মাছি ও পরদা করিতে পারে না, কিম্বা তাহাদিগের শরীরের উপর হইতে মাছিকে উড়াইরা দিবার ক্ষমতাও রাথে না। বরং কতক সমুখ্য উহাদিগকে গড়িতেছে, এবং এক শ্বান হইতে জপর স্থানে লইয়া বাইতেছে, এবং বোতপরস্তর্গণ, যে উহাদিগকে

ডাকে, উহারা ঐ ডাকা ও শুনিতে পার না। আল্লাহ্তাআলা কোরাণ শব্দি ছুৱা আহ্কাফ্ 🚃 ফর্মাইয়াছেন।

وَ مَنْ أَضَلَّ مِمَّنْ يَدَّعُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ مَنْ لَا يَسْتَجِيبُ لَكُ إِلَى يَوْمِ الْقِيدَةِ وَهُمْ عَن دُعَاتِهِم غَفِلُونَ = وَإِذَا حُشِرَ النَّاسُ كَانُوا لَهُمْ أَعْدَاءً وَّ كَانُوا

بعبادَ تهِمْ كغرين \*

ترجمه — اور اوس سے بہکا کون جوپکارے اللہ کے سواے ایسے کو کہ نہ پونجھے اوسکی پکار کو دن قیامت تک اور اونکو خبر نہیں اونکی پکارنے کی اور جب لوگ جمع هونگے ولا هونگے اونکے دشمن اور هونگے اونکے ہرجنے سے منکر 🔹

তফ্ছির কাদেরিয়া মধ্যে শিধিয়াছেন, ছনিয়ার মধ্যে ঐ ব্যক্তি হইতে জেয়াদা শুমরাহ কেহ নাই, যে আল্লাহ্ পাক্ ভিন্ন এমন বেকদর বস্তুকে ভাবে এবং পূজা করে—যে ভাহাকে জওয়াব দিতে পারে না, এবং ভাহার দোওয়া কর্ল করে না। ,ধদি বোতপরস্তগণ তাহাদিগের বোতদিগকে ত্নিয়ার মৃদ্ধং বরাবর ডাকে, তাহা হইলে ও ঐ বোত সকল হইতে বোত-পরস্তদিগের ডাকের জওয়াব দিবার আছোর প্রকাশ হইবে না, এবং ঐ বোড সকল বোতপরস্তদিগের ডাকা হইতে গাফেল এবং বে-খবর হইতেছে, কারণ উহাদিগের ডাক ৰখন শুনিতে পায় না, তখন তাহার লওয়াব কেমন করিয়া ্দিবে ? পছু , বদুবথত ঐ ব্যক্তি হইতেছে, যে ছুল্লেণ্ডয়ালা, কবল কর্ণেণ্ডয়ালা,

থোদাওন্দ করিমের, এবাদত বন্দিগী করিয়া, কভকগুলি ইন্দ্রিয় বিহীন

(যেমন করর, প্রস্তর, রক্ষ, মৃত্তিকা, ধাতু ইত্যাদি)—যাহারা দেখিতে
পারে না, ভনিতে পারে না, তাহার তরফ মতওয়াজ্জা হয় ? এবং লোক
সকলকে যখন হলর করা বাইবে (কেয়ামতের ময়দানে) তথন বোতপরস্তর্গণ
তাহাদের বাতেল মাআবৃদ সকলের প্রতি বে শাফায়াৎ ও মদদগারির গুমান
রাধিত, তাহার পরিবর্ত্তে ঐ বোত সকল বোতপরতদিপের হয়ন হইবে, এবং
বোত সকল বলিবে যে, উহারা আমার পরস্তল, করে নাই। (কোরাণ
তফ্ছির কাদেরিয়া, ছয়া আহ্কাফ্।) আল্লাহ্তাজ্ঞালা কোরাণ মজিদ
ছুরা ইউন্ছে মধ্যে ফর্মইয়াছেন।

وَ يَوْمَ نَحْشُو هُمْ جَهِيْعًا ثُمَّ نَقُولُ لِلَّذِينَ آشَرَكُو ا مَكَا نَكُمْ آ نَنُمْ وَشُوكَا وُكُمَّ جَ فَزَيَّلُنَا بَيْنَهُ مَ وَقَالَ شُرَكَاوُ هُمْ مَّا كُنْتُمْ إِيَّانَا تَعْبُدُونَ •

ترجمه - اور جسد سے جمع کرینگے هم اون سب کو پهر کہینگے شریک والونکو کهترے هو اپنی اپنی جگه تم اور تمهارے شریک پهرتو آوینگے آپس میں اونکو اور کہینگے اونکے شریک تم همکو بندگی نه کرتے ہے \*

ভাবার্থ এই:—এবং আমি যে দিন জমা করিব, হশরের বিদ্ধ ও বদ সমস্ত লোকদিগকে। কের বলিব উহাদিগকে বাহারা শেরেক করিয়াছে। তোমরা এবং তোমাদিগের বাতেল মাবুদ আপন আপন মোকাম মধ্যে খাড়া থাক। ফের আমি যুদা করিব, কাফেরদিগকে তাহাদি-গের মাবুদ সকল হইতে, এবং আমি জিল্ঞানা করিব কাফেরদিগকে ধ্য তোমরা বোতের পূকা কি করিরাছ ? কাফেরগণ বলিবে, এই বোতসকল আমাদিনকে তাহাদিগের পূজা করিবার স্কুম করিয়াছিল। হক্তাআলা ঐ সকল বোতদিগকে বলিবার ক্ষমতা এনায়েত করিবেন, এবং
বোত সকল বলিবে, তোমরা আমার পূজা করিতে না, বরং তোমাদিগের
থাহেশের পূজা করিতে। ইয়ানাবি মধ্যে লেখা আছে যে, কাফেরগণ
ঝগড়া করিতে আরম্ভ করিবে, এবং বলিবে এমন কখন ও নহে—বরং
তোমরা আমাদিগকে পূজা করিবার স্কুম করিয়াছিলে। ঐ সমর বোত
সকল বলিবে যে, পছ্, আমাদিগের এবং তোমাদিগের মধ্যে আলাহ তাআলা
লাক্ষী বছ্ হইতেছেন। তহ কিক আমরা তোমাদিগের পূজা হইতে বে-খবর
ছিলাম, কারণ আমরা দেখিভাম না, গুনিতাম না—আজেল্ 
ফহন্
রাখিতাম না। (তক্ছির কাদেরিয়া ছুরা ইউমুছ) আলাহ তাআলা
বোরাণ মজিদ ছুরা আধিয়া

ترجمہ - تم اور جو کتھہ پوجتے ہو الله کے سواسی جہونکناہے دوزخ میں تمکو اسپر پہوئتھناہے اگر ہوتے یہ لوگ تماکر نہ پہوفتھتے اوسپر اور سارے اوس میں پترے رہینگے \*

ভাবার্থ এই:—ভোমরা এবং ভোমরা আলাহ্ পাক্ ব্যতীত ধাহা কিছু (অর্থাৎ বোভদিগকে) পূজা করিভেছ, উহারা দোজধের লাক্ড়ি হইতেছে, এবং তোমাদিগকে ও ঐ দোক্ষণ মধ্যে বাইতে হইবে। ধরি
এই সমস্ত বোত সত্য মাবৃদ হইত, যে প্রকার তোমরা ওমান করিয়াছ,
তাহা হইলে দোক্ষণ মধ্যে বাইত না, এবং দকলে উহার মধ্যে পড়িয়া
থাকিবে। তোবান মধ্যে লেখা আছে, বোত সকলকে যে দোক্ষথের
মধ্যে লইয়া বাওয়া হইবে, উহাতে এই হেকমৎ আছে যে, বোতপরতদিগের আরো কেয়াদা আজাব হয়। কারপ বোতদিগের হারা আরো
আগুণ তেজ হইয়া বাইবে, এবং বোতপরত্তর্গণ আয়ো কেয়াদা জালিতে
থাকিবে, এবং বোতপরত্তদিগের নাদানি খুলিয়া বাইবে এবং দেখিবে যে,
বাহাদিগকে উহারা পূজা করিত, তাহারাও উহাদিগের সঙ্গে আপুণ
মধ্যে জালিতেছে। ঐ সমস্ত বোত—বাহাদিগকে উহারা থোদা গুমান
করিত, বদি থোদা হইত, তবে দোক্ষণ মধ্যে দাখেল হইত না। কারণ
থোদা তো অঞান্তকে আজাব করেন, তাঁহাকে কেহ আজাব করিতে
পারে না। এবং সমস্ত বোতপরত্বগণ দোক্ষণ মধ্যে হামেশা থাকিবে—
কদাচ থালান পাইবে না। (তফ্ছির কাদেরিয়া ছুয়া আছিয়া।)

আরে বেরাদরান স্মিনিন, কতক জাহেল মোছলমান সকল জাহালত বশতঃ বোতপরন্তির মদদ্গারি করিয়া, এবং বেমার বালাতে বোতের মানত করিয়া, দাররা এছ্লাম হইতে থারেজ হইরা যায়। স্ক্রাং তাহাদিগের ইমান ও একিন মজবুৎ করিয়ার জল্প, আমি কোরাণ 
তফ্ছির হইতে আয়েৎ শরিফ উদ্ধৃত করিয়া বোতের ছনিয়ার অবস্থা, এবং আথেরাতের অবস্থা, বেরূপ কোরাণ ও তফ্ছির মধ্যে আদিয়াছে, তাহা আমি সংক্রেপে বয়ান করিয়াছি। ভরসা করি, ইহার পর কোন মোছলমান ব্যক্তি বোতের মানত মানিবে না, এবং বোতপরন্তির মদদ্গারি করিবে না। এখন আল্লাহ্ ভাআলার উপর ইমান আনিয়া ছাবেৎ কদম থাকিলে, এবং আল্লাহ্ পাকৃ বেনেয়াজের উপর ভরসা করিলে,

আলাহ্তাআলার নজদিক কি পরিমাণ ইমানদার ব্যক্তি রহমতের
মন্তাহাক্ হর, তাহা দেখাইবার জন্ত আমি হজরৎ হৈরেদেনা এরাহিম
আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের বিবরণ কোরাণ ■ মোতাবর কেঙাব হইতে
সংক্ষেপে লিখিতেছি। আমি বড় আর্জু রাখি, আমার মোছলমান
বেরাদর সকল, হজরৎ হৈরেদেনা এরাহিম আলারহেচ্ছালাম বেরপ
আলাহ্তাআলার উপর ভরসা করিতেন, ঐরপ ভরসা স্থাপন করিবেন;
এবং একিন জানিখেন বে, ইহাতেই মোছলমান ব্যক্তির দোনো জাহানের
বেহ্তরী নিহিত রহিরাছে। আলাহোলা ছালেআলা হৈরেদেনা মোহালাদ্।

একদা থখন কাফের নামরুদ, এবং ভাহার কওমের লোকসকল, ভাহাদিগের পর্বা উপলক্ষে মরুদানে চলিরা গিরাছিল, হজরৎ ছৈরেদেমা এরাহিন্ আলারহেচ্ছালাম ঐ সমর কাফের নামরুদের বোভখানার মধ্যে প্রবেশ করিলেন, আলাহ্ভাআলা কোরাণ শরিক মধ্যে তাহার বিষয় ফর্মাইরাছেন:—

فَواغَ اللَّى اللَّهَدِّهِمْ فَقَالَ آلَا ثَنَا كُلُونَ \* مَا لَكُمْ لَا تَنْفَطِقُونَ "

ترجمہ - پھر جا گھسا اونکے بتوں میں - پھر بولا تم کیوں نہیں کھاتے - تمکو کیا ہے کہ نہیں بولتے \*

ভাবার্থ এই ঃ— কের প্লিদা ফিরিলেন, হজরৎ এরাহিন আলারহেছোলাম উহাদিগের বোত সকলকে দেখিলেন আলারহেছালাম উহাদিগের বোত সকলকে দেখিলেন আলারহে সজিত আছে, এবং খাইবার সামগ্রীর থান্চা উহাদিগের সন্থে মৌজুদ রহিয়াছে। তথন হজরৎ ছৈয়েদেনা এরাহিন আলারহেছালাম হাসি করিয়া বলিলেন, কি জন্ত তোমরা এই সমস্ত থানা খাইতেছ না ? যথন বোত সকল হইতে কোন উত্তর পাইলেন না, তথন হাসি করিয়া বিতীরবার বলিলেন, তোমাদিগকে কি হইয়াছে, যে তোমরা কথা

বলিতেছ না ? এবং আমার কথায় জণ্ডাব দিতেছ না ? তফ্ছির কাদেরিয়া। আল্লাহ্তাআলা কোরাণ মজিদ ছুরা আধিয়া মধ্যে ফর্মাই-রাছেন:—

فَجَعَلَهُمْ جُدَادًا إِلَّاكِبِيْرًا لَهُمْ لَعَلَّهُمْ اِلَيْهِ يَرْجِعُونَ . ترجمه - پهر كرد الا اونكو تكريه مكر ايك بوا اونكا كه شايد اوس كے باس پهر آوين .

ভাবার্থ এই:—ফের হজরৎ ছৈরেদেনা এরাহিম আলারহেছালাম বোভ সকলকে তবরের ঘারা (অর্থাৎ কুড়ালি ঘারা) টুক্রা করিয়া ফেলিলেন, কিন্তু এক বড় বোভকে টুক্রা করিলেন না। বরং ভাহার গর্দানের উপর কুড়ালি রাখিয়া বাহির হইয়া আসিলেন। সারেদ কার্ফের নামরূদের লোক ঐ বড় বোভের ভরফ প্নঃ আসিতে পারে, এবং জিজ্ঞাসা করিতে পারে বে, উহাদিগকে কে টুক্রা টুক্রা করিয়াছে। (ভফ্ছির কাদেরিয়া)। আলাহোমা ছালেআলা ছৈরেদেনা ওয়া যৌলানা মোহামান।

ইহা দেখিরা শয়তান মছ দ ময়দানে কাফের নামরাদ, এবং তাহার লয়বের নিকট কাঁদিতে কাঁদিতে যাইরা হাজের হইল, এবং চাঁৎকার করিরা বলিল যে, তোমাদিরের বোতদিগকে ভালিয়া চুরিয়া জের ■ জবর করিয়া ফেলিয়াছে। ইহা শুনিয়া ঐ ময় দ সকল মংহির হইয়া সহরে ফিরিয়া আসিল, এবং বোত সকলের য়রবস্থা দেখিয়া বলিতে লাগিল, যে ব্যক্তি আমাদিরের বোত সকলের সঙ্গে এই অকর্ম করিয়াছে, নিশ্চয় ঐ বাজি কোন বে-এন্ছাফ হইবে, তাহার আময়া বদ্লা লইব। আয়ে বেরাদর, তাহার পর কাফের নামরাদ, এবং ভাহার কওম হজারৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম আলায়হেচছালামকে আশুণে আলাইবার বন্দোবস্ত করিল। কাফের নামরাদ ছকুম করিল বে, বারো জ্রোশ বিস্তৃত, এবং

একশত 💌 উচা, এক পোক্তা চারি দেওয়ারি প্রস্তুত কর। স্তরাং তাহার হকুম অনুসারে ঐ প্রকার চারি দেওয়ারি প্রস্তুত হইল। তাহার পর সমস্ত মুপুক মধ্যে কান্ধের নামরুদ শোহরৎ করিয়া দিল যে, ভাহার দোস্ত আছে, লাক্ডি কাটিয়া ঐ চাবি দেওয়ারি মধ্যে জমা করে। তথন নামক্ল কাফেরের ছকুমে প্রত্যেক ব্যক্তি তাহার মক্তুর মত লাক্ডি আনিয়া জমা করতঃ তাহাতে আগুণ লাগাইরা দিল। ঐ আশুণের শোলা (অগ্নি-শিখা) এত বড় উচা হইল যে, ঐ স্থান হইতে তিন ক্লোশ দূরে যে জানোয়ার উড়িভ, ভাহা উহার ভাগশে জলিয়া পুড়িয়া ভশ্ম হইরা বাইত। ইহা দেখিয়া কাফের সকল ফিকিরমন হইল যে, উহার মধ্যে কি উপান্নে হুজরং হৈরেদেনা এব্রাহিম (আলারহেচ্ছালাম) ছাহেবকে কেলিরা দিখে। ইতিমধ্যে ইব্লিছ মহদ আসিরা, ঐ কাফেরদিগকে হেক্মৎ বাতাইয়া দিল, এবং বলিল যে, তোমরা এক উচা স্থান বানাও। তাহার পর উহারা ছুভারদিগকে ডাকাইয়া এক গোফন্ বানাইল, ইহার আগে কেহ গোফন্ বানাইয়াছিল না, এবং কেছ দেখিয়াছিল না। ঐ মহদ যথন গোফন্কে ঠিক ঠাক্ করিয়া ত্রন্ত করিল, তথন আলাহ্তাআলা হজরৎ জিব্রাইল আলারহেচ্ছালামকে শুকুম করিলেন, আছ্মানের দরজা সকল খুলিয়া দেও, যে ফেরেশ্তা সকল আমার ধলিল্কে দেখিতে পারে যে, আমি তাঁহাকে হুমনের হাতে দিয়াছি—যাহারা উহাকে আগাইতেছে। হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম আছ্মানের দরওয়াজা সকল খুলিয়া দিলেন। তথন সমস্ত কেরেন্তা এই অবস্থা দেখিয়া ছিজ্লায় গেলেন, এবং বলিতে লাগিলেন—আয় পাকৃ বেনেয়াজ, এই ময়দান মধ্যে এক মোয়াহেদ আছেন, বিনি তোমার বন্দিশী করিয়া থাকেন, ভুম্মনে তাঁহাকে আলাইবার বনোবস্ত করিয়াছে। আলাহ্তাআলার তর্ফ হইতে স্থুস হইল যে, আর ফেরেশ্তা সকল, তোমরা যদি মর্জি কর উইাকে

আমান দেও। শয়তান মছ্দ গোফন্কে ছুরত্ত করিয়া, তাহাতে চারি শত রদি লাগাইল। উব্দির নামরূদ মহদ্কে বলিল যে, তোমার পিরহান্ উহার শরীরে দিয়া দেও, কারণ যদি উনি আগুণে না অলেন, তবে লোক সকল বলিবে বে, হজরৎ এব্রাহিম আলায়ছেচ্ছালাম নামরদের পিরহানের বর্কতে আগুণে অলেন নাই। ইহাই সংযুক্তি বিবেচনা করিয়া নামরুদ্ মর্ছদের পিরহান্ হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম ( আলায়হেচ্ছালাম ) ছাহেবের শরীরে পরাইয়া দিল। হাত পাও বান্ধিয়া গোফন্ মধ্যে রাখিয়া, চারিশত লোক একেবারে জোর করিল, কিন্তু গোফন্ জাগাহ্ হইতে নাড়াইতে পারিদ না, এবং হজরৎ (আলায়হেচ্ছালাম) ছাহেবের পিডা আজর আসিয়া বলিল, আমাকেও এক রসি দেও, যে আমি উহা টানি। যদিও উনি আমার বেটা হইতেছেন, কিন্তু আমার দিনের হুমন্ হইতেছেন। ইহা বলিয়া এক রসি ধরিয়া টানিতে লাগিল। হুজরৎ হৈয়েদেনা এবাহিম আলায়হেচ্ছালাম নিজের পিতাকে রসি ধরিয়া টানিতে দেখিলেন, তথন বলিলেন এলাহি, আমার পিতাও আমার ত্মন হইয়াছে। আর পাক বেনেয়াক, আজ ্আমি সকলের বেগানা হইয়াছি। ভূমি ভিন্ন কেহ আমাকে পানাহ্ দেনেওয়ালা নাই। পছ্ তাহার পর বছসংখ্যক লোক বহু কই করিয়া, হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম আলায়হেচ্ছালামকে গোফনে করিয়া উঠাইয়া ময়াল্লক আগুণ মধ্যে ডালিয়া দিল। 🎺 সমস্ত কাফেরদিগের উপর লানত হইক।) ঐ সময়ে আছ্মানের সমস্ত ফেরেশ্তা এই অবস্থা দেখিয়া ছিজ্দা মধ্যে পড়িয়া গেলেন এবং বলিলেন, এয়া আল্লাহ্ তোমার খলিল আলায়হেচ্ছালামকে কাফের সকল আগুণের মধ্যে ফেলিয়া দিয়াছে। হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম সত্তর হাজার ফেরেশ্তা দকে করিয়া, হজরৎ এব্রাহিম আলায়হেচ্ছালামের নজ্দিক क्रांक्रिश (औरेडिलास १०३१ रशितास क्रांक्स हैडासरहरा क्रांक्स

( আলারহেচ্ছালাম ) আপনি যদি মজি করেন, তবে আমি 🖛 পর আগুণের উপর মারি, একং দরিয়া মহিৎ 📉 আপ্তণ ফেলিয়া দেই 🍷 হজরৎ হৈরেদেনা এবাহিম (আলারহেচ্ছালাম) বলিলেন, আরে জিব্রাইল (আলার-হেচ্ছালাম), আল্লাহ্তাআলা ইহা করিতে বলিয়াছেন কি নাণু হন্তরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম উত্তর করিলেন, না। তথন হ**লরং** ছৈয়েদেন। এবাহিম ( আলায়হেচ্ছালাম ) বলিলেন, আয়ে জিব্রাইল ( আলায়হেচ্ছালাম ) বাহা আমার পয়দা কর্ণেওয়ালা করিতে বলিয়াছেন, আপনি ভাহাই করন, পুনশ্চ হজরৎ জিত্রাইল (আলারহেচ্ছালাম) বলিলেন, আরে হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম (আলারহেচ্ছালাম), আপনার যদি কোন আৰঞ্চক থাকে, তবে আমাকে বসুন, হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম (আলায়হেচ্ছালাম) উত্তর করিলেন, আমার আবশ্রক আছে, কিন্তু আপনার নিকট কোন আবশুক নাই, আমার আবশুক ঐ পাক বেনেয়াজ খোদাওন্দ করিম নিকট আছে--সমস্ত আলম থাঁহার মহ্তাজ্ হুইতেছে। যথন হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম ( আলারহেচ্ছালাম ) **আগুণের** মধ্যে যাইয়া পড়িলেন, তখন নাপাক নাম্রুদ মহুদের ঐ পিরহান যাহা হজরৎ ( আলারহেচ্ছালাম ) ছাহেবের শরীরে ছিল, তৎক্ষণাৎ জ্বলিয়া গেল, এবং আল্লাহ্তাআলার ফজলে হজরৎ এবাহিম আলারহেচ্ছালাম ছাহেবকে কোন প্রকার তথ্লিফ পৌছিল না। ঐ সময় থোশ এলহানের সহিত আল্লাহ্তাআলার পাকীও আজ্মৎ বয়ান কর্ণেওয়ালা বুল্বুল্ পক্ষী সকল হলরৎ ছৈয়েদানা এবাহিম ( আলায়হেচ্ছালাম ) ছাহেবের 💶 আদিয়া ঐ আগুণের বাগান মধ্যে বসিল, এবং ঐ সময় গায়েব হইতে এই আওয়াক আদিল।

قُلْنَا يَا نَارُكُونِي بَرْدًا وَسَلَامًا عَلَى اِبْرَاهِيْمَ

ترجمه -- همنے کہا ای آگ ٹهندهک هوجا اور آرام ابراهیم پر =

ভাবার্থ এই:--আর আগুণ ঠাণ্ডা হইরা যাও এব্রাহিমের (আলারহে-क्हानाम) উপর, এবং উহাকে ছালামৎ রাধ। যথন হজরৎ ছৈরেদেনা এব্রাহিম ( আলায়হেচ্ছালাম ) ছাহেবকে আওনে ফেলিল, তথন তাহাতে আলাহ্তাআলা এক পানির চশ্মা সারি করিলেন, এবং হসরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম বেহেশ্ত হইতে এক মুরের তক্ত আনিয়া দিলেন, এবং বেহেশ্তের লেবাছ আনিয়া হজরৎ (আলারহেজালাম) ছাহেবকে পরাইয়া দিলেন, এবং ভক্তের উপর বসাইলেন। বে রশিতে হ**জরৎ** ছৈরেদেনা এব্রাহিম ( আলায়হেচ্ছালাম ) ছাহেবের হাত পাও বান্ধিয়া আগুণ মধ্যে ফেলিয়াছিল, উহা আগুণে জ্বলিয়া গিয়াছিল, এবং হস্তরৎ ছৈয়েদেনা এব্রাহিম (আলারহেচ্ছালাম) ছাহেবকে এক জারা আগুণের ছাদ্মা 🗷 পৌছিয়াছিল না। উহা দেখিয়া হজরত ব্বিত্রাইল আলায়হেচ্ছালাম মৎহির হইয়া হজরৎ হৈয়েদেনা এবাহিম (আলায়হেচ্ছালাম) ছাহেবের তর্ফ দেখিতে ছিলেন। হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম (আলারহেচ্ছালাম) বলিলেন, আয়ে ভাই আপনি কি দেখিলেন, যে 📰 তাজ্জবের নজরে আমাকে দেখিতেছেন • হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম বলিলেন, আমাকে আলাহ্তাআলার কুদরত দেখিয়া আশ্রব্য বোধ হইয়াছে, এবং আপনার ছবরকেও দেখিয়া আমি আশ্রেষা হইয়াছি, যে এমন দহুশতের মোকামে আপনি আলাহ্ পাক ব্যতীত কাহারও নিকট হাজত চাহেন নাই, এবং কাহাকেও কিছু বলেন নাই, এবং কাহারও নিকট কোন প্রকার মদদ্ তলব করেন নাই। এই কারণ বশত আলাহ তাআলা আপনার উপর এই কেরামৎ, 🚛 রহ্মৎ বধ্শেশ্ করিয়াছেন, 🚃 আপনার অত্যে এমন কেরামৎ 🖷 রহমৎ কাহাকেও এনায়েৎ হয় নাই।

## 

আরে আমার দোন্ত, আলাহ্তাআলার উপর এইরাপ তোয়ক্তল কল্পন, যেমন হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম আলার্হেচ্ছালাম করিয়াছিলেন; এবং স্মরণ রাখুন তরিকতের পির বুজুর্গ হজরৎ জুনায়েদ বোগুদাদি (র) বলিয়াছেন, যে ব্যক্তি আপন আমলকে সনদ ধরিল, তাহার পাও পিছ্লিয়া গেল, যে ব্যক্তি আপন মাল্কে ওছিলা মনে করিল, ঐ ব্যক্তি মফ্,লিছি মধ্যে পড়িল, এবং যে ব্যক্তি আলাহ্তাআলাকে এৎমাদ করিল, ঐ ব্যক্তি বুজুর্গ এবং বুজুর্গোরার হইল। ইহা মশহুর আছে, যে বৃক্ষ সকল ঐ আগুণে জলিয়া গিয়াছিল, ঐ সমন্ত বুক্ষের অভ কমিনে লাগান ছিল, এবং তাহার ডাল সকল তর্ ও তাহা হইয়া তাহাতে মেওয়া ধরিয়াছিল। নামরাদ্ এক মেনারার উপর চড়িয়া হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম আলায়হে-চ্ছালাম ছাহেৰের তর্ফ নেগাহ্ করিয়া দেখিতেছিল, বে নানাবিধ প্রক্টিভ ফুলের মধ্যে, ছারাদার বৃক্ষের নীচে, হক্তরৎ ছৈরেদেনা এব্রাহিম ( আলারত্বে-চ্ছালাম) তক্তের উপর বসিরা বহিরাছেন। ইহা দেখিরা ঐ মহ দ বলিল, আফ্ছোছ, আমার সমস্ত মেহ্নৎ বর্বাদ হইল। তখন ঐ মৃত্দ হজরৎ হৈরেদেনা এব্রাহিম (আলারহেচ্ছালাম) ছাহেবকে পাপর কেলিয়া মারিতে লাগিল। আলাহ্তাব্দালার হকুমে, ঐ পাধর সকল শৃক্তের উপর ময়ালক হইয়া গেল, এবং বসস্তকালের মেঘের স্থায় হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম আলায়হেচ্ছালাম ছাহেবের মাধার উপর ছায়া করিল, এবং এত পানি বর্ষিল বে, নামরুদ মহ দের সমস্ত আগুণ নিবিয়া গেল। নামরুদ মহ দের বেটী বালাখানার উপর হইতে হজরৎ ছৈয়েদেনা এবাহিম আলায়হেচ্ছালাম ছাহেবকে দেখিতেছিলেন, এমন সময় নামক্রদ মহ দ আপন বেটীকে বলিল,

ভূমি হলবং হৈরেদেনা এবাহিম আলারহেচ্ছালামকে দেখিরাছ ? ঐ বেটা বলিলেন, হাঁ, আমি দেখিরাছি, কিন্তু বাবাজ্ঞান ভূমি এখনও চুপ করিরা বিদিয়া আছ, কেন বলিভেছ না যে, হজরৎ হৈরেদানা এবাহিম (আলারহেচ্ছালাম) ছাহেবের খোদা বর্হ ক হইভেছেন । তখন নামরূদ মর্ছ দি ঝিড়্কী মারিরা বেটীকে বলিল, ভূই চুপ কর, এই বলিয়া তথা হইতে প্রস্থান করিল। তাহার পর উহার বেটী হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের নিকটে আসিরা বলিল, আরে হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম আলারহেচ্ছালাম আপনি আমার উপর করম করেন। আমি আপনার আলাহ, পাকের উপর ইমান আনিভেছি। তখন হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম আলারহেচ্ছালাম উপর ইমান আনিভেছি। তখন হজরৎ ছৈরেদেনা এবাহিম আলারহেচ্ছালাম উহাকে ইমানের রান্তা বাতাইরা দিলেন, এবং ঐ বেটা এই কলেমা পড়িতে লাগিলেন।

এবং মোছলমান হইলেন। হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিয়াছে :---

উহার মাইনি ইহা হইতেছে, বে, বেশণ্ জনাব হজরৎ ছৈরেদেনা আদম আলারহেন্ছালামকে আলাহ্তাআলা হজরৎ ছৈরেদেনা আদম আলারহেন্ছালামের উম্দাহ্ ও মণ্ছুছ্ ছুরতে বানাইয়াছেন, বে ছুরতে তাঁহাকে বানানো এলেম এলাহি মধ্যে করার পাইয়াছিল, অর্থাৎ বে মণ্ছুছ্ ছুরতে আলাহ্তাআলা হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেচ্ছালামকে বানাইতে এরাদা করিয়াছিলেন, যাহা এলেম এলাহি মধ্যে স্থিরিক্বত ছিল, সেই উম্দাহ্ য় মণ্ছুছ্ ছুরতে আলাহ্তাআলা তাঁহাকে বানাইয়াছেন। উহার মাইনি ইহা নহে, য় আলাহ্তাআলা হজরৎ ছৈয়েদেনা আদম আলায়হেন

ছালামকে আপন ছুরতের বানাইরাছেন, অথবা আলাহ তাআলার ও হজরৎ ছৈরেদেনা আদম আলারহেচ্ছালামের ছুরৎ হইতেছে, এইরপ করেবে না; এইরপ বে ব্যক্তি বুঝিবে, আ এতেকাদ্ করিবে, সে কাফের হইবে। কারণ আলাহ তাআলার জাতপাক কাহার ও মোলাববা ও কাহার মত নহে, যেমন কোরালগরিফ মধ্যে আসিয়াছে। এইরপ তাঁহার আওছাফ ও কাহার ও আওছাফের মোলাববা নহে, মানিন্দ নহে। জনাব হজরৎ মৌলানা মৌলবি আবু মোহাম্মদ আকৃ ল হক ছাহেব তফ্ছির হাকানি (র) প্রণীত আকাএদল্ এছ্লাম্ হইতে লিখিত।

कोन कोन अग्राह्मक, जाहांत्र अग्राह्मत्र मरशा विनेता थारकन :--قُلُوْبُ ا لَمُوُ مِنْيِينَ عَرْشُ اللّهِ تَعَا لَيْ

এবং ইহার ব্যথা এইরপ করিয়া লোকদিগকে বলেন, মুমিনের কলব্
আলাহ তাআলার আর্শ হইতেছে, এবং ইহাকে হাদিছ বলিয়া বয়ান করেন,
কিন্তু প্রক্ত পক্ষে ইহা হাদিছ নহে, বোধ হয় কোন জমানায় কোন দরবেশ,
ইহা বলিয়া থাকিবেন। ইহার মাইনি জাহেরা ঘাহা বুঝা যায়, তাহা নহে,
বরং ইহার প্রক্ত মাইনি ইহা হইতেছে, বে, মুমিনের কলব্ আলাহ্তাআলার
মার্ফ থাকিবার তক্ত হইতেছে, অর্থাৎ আলাহ্তাআলার জাত ও ছেকাতের
এলেম থাকিবার তক্ত হইতেছে। যে ব্যক্তি ইহা হইতে ব্বিবে, যে,
মুমিনের কলবের মধ্যে আল্লাহ্ আছেন, বা মুমিনের কলবের মধ্যে আলাহ্
থাকেন, তবে ঐ ব্যক্তি কাফের হইবে। কারণ আলাহ্তাআলা কোন
বস্তর মধ্যে হলুল করেন না, এবং আলাহ্তাআলার মধ্যে কোন বস্ত হলুল
করে না। আলাহোম্মা ছালেআলা ছৈয়েদেনা ওয়া মাওলানা মোহাম্মন্।

কতক লোক মোছলমান জাতির দাবি করে, কিন্তু এ প্রকার আকিদা রাথে যে, প্রত্যেক জীবের মধ্যে আল্লাহ্ আছে, এবং বলে যে, "যত কলা তত আল্লাহ্" এবং ইহা হইতে এই মোরাদ লয় যে, সকলেই খোদা, কিদা খোদার জংশ হইতেছে, এইরপ বলা কৃফর হইতেছে, এবং এই প্রকার বোল্নেওরালা, এবং বিশাস কর্ণেওরালা কাফের হইতেছে।

কোন কোন দেশে এইক্লপ কুপ্রথা প্রচলিত আছে, যে, কোন লোক কোন কার্য্যে যাইবার সময়, যদি তাহার বামদিকে শাপ দেখে, কিছা ডাইন দিকে শিরাল দেখে, তবে সে বিশ্বায় করে যে, এ যাত্রায় নিশ্চয় অমলল হইবে, এইরূপ এতেকাদ্ করা কুফর হইতেছে।

### বিবি ও শওহরের দশম আদব।

আরে বেরাদর, সাধ্য পক্ষে বিনা কছুরে বিবিকে তালাক দিবে না।
কারণ যদিও তালাক দেওয়া মোবাই ইইতেছে, কিন্তু আলাই তাআলা
উহাতে রাজি নহেন। কারণ বিবিকে তালাক লক্ষ্ বলিলে নিতান্ত
হঃথিত করা হয়, এবং কাহাকে । দেওয়া উচিত নহে। লেকিন যদি
নিতান্ত দরকার ইইয়া পড়ে, তবে তালাক দেওয়া রওয়া আছে। যদি
তালাক দেওয়া নিতান্ত আবশুক হয়, তবে উচিত যে, এক তালাক ইইতে
ক্যোদা না দেয়। কারণ একেবারে তিন তালাক দেওয়া মক্কহ ইইতেছে,
এবং হায়েকের হালতে তালাক দেওয়া হারাম ইইতেছে। এবং ময়্দকে
উচিত যে, তালাক দিতে ইইলে, মেহেরবানির সহিত তালাক দেওয়ার
কারণ কোন ওল্পর বয়ান করে। রাগ করিয়া কিয়া হেকারতের ।।।
তালাক না দেয়। এবং তালাকের বাদ আওরতকে তোহ্ফা দেয়, যাহাতে
তাহার দেল সম্ভট হয়। এবং আওরতের প্রিদা বিষয় কাহাকে না বলে।

করণ বশতঃ তালাক দিতেছে, তাহা ঝাহের না করে। বিবিদিপের কর্মবা যে, শওহর বাহাতে অসম্ভষ্ট হইতে পারেন, এমন কাজের নিকটেও না বার, এবং প্রত্যেক শওহরের কর্মব্য বে, সামান্ত অপরাধে বিবিকে তালাক না দের। বদি কাহার ও তালাক দিবার নিতান্ত প্রয়োজন হইরা পড়ে, তবে শীজ্র পুনঃ বিবাহ করিবে, কারণ বিবাহ করা অতি উত্তম, এবং কজিলতের কার্য্য হইতেছে। হজরৎ নবি করিম ছারাল্লাহ আলায়হে ওরা আলিহি ওরা আছু হাবিহি ওরা ছাল্লাম কর্ম্মাইরাছেন, বাহার ভাবার্ধ এই যে:— যে ব্যক্তি নিজে আলাহ্ তাআলার ওরাত্তে বিবাহ করে, কিয়া অন্তের বিবাহ করাইরা দের, এমন ব্যক্তি আলাহ্ তাআলার বেলারেতের (দোজির) মন্তাহাক্ হর। আলাহোম্মা ছালেআলা হৈরেদেনা ওরা মৌলানা মোহামদ্।

মেজাকাল আর্দ্ধিন মধ্যে লিখিত আছে যে, বিবাহিত ব্যক্তির ফজিলং, বিবি বিহীন ব্যক্তির উপর এমন হইতেছে, যেমন জেহাদ কর্ণেওয়ালা ব্যক্তির কজিলং, জেহাদে না জানেওয়ালা ব্যক্তির উপর হইতেছে, এবং বিবিওয়ালা ব্যক্তির এক রাকাড নামাজ, বিবি বিহীন ব্যক্তির ৭০ সম্ভর রাকাৎ নামাজ হইতে বেহ তর হইতেছে। আরে আমার দোস্ত, বিবি বদি আল্লাহ,র রাহে চলিতে বাধা বিশ্ব উৎপাদন করে, এবং তাহার জাচার ব্যবহারে শওহরকে দাইউছ্, ইইবার সন্তাবনা থাকে, তবে তাহাকে তালাক দেওয়া ভিন্ন আর কি উপার হইতে পারে ? বাজু আল্লাহ তাআলার নেক্বান্দা তাহার খেলাফ্ মর্জি কাজ করিবার জন্ত, ও বগড়া বচশা করিবার আপনার বিবিকে চির বিদার প্রদান করিয়াছেন। আল্লাহোম্মা ছাল্লেমালা হৈয়েদেনা মোহামদে।

মোতাবর কেতাবের মধ্যে লিখিত আছে, আরেফ রব্বানি ছুফি হাকানি জনাব হজরৎ আবদ্লাহ্ এব্নে মোবারক (র) আপনার জেন্দেগানির মধ্যে, তাঁহার সমস্ত মাল দরবেশদিগের মধ্যে তক্ছিম করিয়া দিয়াছিলেন। একদা জনাব হজরৎ আক্লাহ্(র) ছাহেবের বাড়ীতে এক মেহ্মান

আইসেন। মেহ্মানের থাতেরদারির 📉 তাঁহার নিকট যাহা কিছু মৌজুদ ছিল, তাহা তিনি সমস্তই থরচ করিয়া ফেলিলেন, এবং বলিলেন, মেহ্মান আলাহ্তাআলার প্রেরিত হইয়া থাকে, যত দ্র ক্ষমতা থাকে, তাঁহার থাতেরদারি করা আবশুক, এবং তাঁহার সঙ্গে তোয়াজুর সহিত পেশ আইস। একান্ত কর্ত্তব্য হইতেছে। জনাব হজরৎ আক্ষাহ্ (র) ছাহেবের এই কথা, তাঁহার বিবি ছাহেবার খেলাফ ্ মর্জি হইল, তিনি আপন শওহরের সহিত ঝপড়া করিতে লাগিলেন। ইহাতে জনাব হজরৎ আন্দুলাহ্ (র) অতীব ছঃখীত হইয়া বলিলেন, যে বিবি আপন শওহরের মর্জির খেলাফ্ কার্য্য করে, এবং আপন শওহরের সহিত বাগড়া কলহ করে, ঐ বিবি হরগেজ কাবেল নহে, যে ভাহাকে ঘরে রাখা যাইতে পারে। স্তরাং তিনি তৎক্ষণাৎ তাঁহার মোহরানা আদার করিয়া, তাঁহাকে তালাক প্রদান করিলেন। আলাহ তাআলাকে মন্জুর ছিল, এই ঘটনার পর, তিনি এক ওরাজ মজলেছ মধ্যে ওরাজ বরাণ করিলেন, ঐ ওরাজ মজ্লেছ মধ্যে ওয়াব্দ শুনিবার জন্তু, ঐ স্থানের ছরদারের এক ছাহেববাদি আসিয়া উপনীত হইলেন। তিনি জনাব হজরৎ আক্লাহ্(র) ছাহেবের ওয়াল ঐবণ করতঃ তাঁহার মহব্বতে ফেরিফ্তা হইয়া গেলেন। ঐ ছরদারের ছাহেব-যাদী অবিবাহিতা ছিলেন, যখন তিনি ওয়াক মক্লেছ্ সমাধা হইলে, আপ-নার বাটীতে পৌছিলেন, তথন আপন পিতার নিকট আরোজ করিলেন, যে জনাব হজরৎ আকুল্লাহ<sup>্বি</sup>র) ছাহেবের সঙ্গে আমার বিবাহ প্রস্তাব করুন<sup>ৰ</sup>। ঐ দানেশমন্দ ছুরুদার তাঁহার বেটীর এই প্রস্তাব শুনিয়া নিতাম্ভ সম্বুষ্ট হইলেন। অতঃপর তিনি বেটীকে ৫০,০০০ ( পঞ্চাশ হাজার ) দিনার প্রদান করিলেন, এবং জনাব হজরৎ আব্দুলাহ্ (র) ছাহেবের সঙ্গে তাঁহার বিবাহ দিয়া দিলেন। জনাব হজবৎ আক্সাহ (র) ইহার পর যথন নিদ্রিত হইলেন, তথন শুনিতে পাইলেন যে, তাঁহার প্রতি এর্ণাদ হইতেছে, বাঁহার

মজ্মুন এই:—তৃষি আমার জন্ত তোমার বিবিকে তালাক দিয়াছ, আমি তাহার পরিবর্তে তোমাকে এই বিবি প্রদান করিয়াছি, বে তৃমি আনিতে পার, আমার জন্ত কার্ব্য করিয়া, কাহাকে ও নোক্ছানি উঠাইতে 
। না। আয়ে খাক্ছার গোণাহ গার ছদরউজীন, ছনিয়ার জেন্দেগানিতে 
। কার্য্য কর, তাহা আল্লাহ্র ওয়ান্তে আজিজি, 
। এন্কেছারির সঙ্গে কর, ইন্শা আল্লাহ্তাআলা দোনো জাহানে তৃমি তাহার স্কল প্রাপ্ত হইবে। মৌলানা নছিহতান কি উৎকৃষ্ট পাকিজা কালাম কর্মাইয়াছেন:—

تما توانسی عجمز لازم ست قدرت و اختیار از آن خداست کارها بحکم راست کند آو تواناست هرچه خواهد آن کند

ইহার ভাবার্থ এই: — তুমি যতই পার আলাহ্ তাজালার নিকট আজিজি ও এন্কেছারি কর, আলাহ্ ভাজালারই সমস্ত কুদরৎ ও ক্ষমতা। সমস্ত কার্য্য আলাহ্ ভাজালারই হুকুম মত হইরা থাকে, আলাহ্ ভাজালা কাদের হুইতেছেন, যাহা তিনি ইচ্ছা করেন, তাহাই করিতে পারেন। আলাহোমা ছাল্লেআলা দৈরেদেনা ওরা মৌলানা মোহাম্মদ্ ওরা আলিহি ওরা আছ্ হাবিহি ওরা বারিক ওরা ছাল্লেম। ছদরউদ্ধীন আহ্মদ্।

### بسم الله الرحمٰي الرحيم =

আরে বেরাদর, আপনার নিজের বিষয়ে, এবং আল্লাহ্তাআলার এহ্ছান
ওমেহেরবানি মধ্যে বহুংই ফেকের করিতে থাকিবেন, কারন ■ সকল বিষয়ে
ফেকের করিলে, আল্লাহ্তাআলা আপন ফজল রহ্মতে আপন বান্দাকে
মার্ফং এনায়েং করেন, বান্দা মার্ফং পাইলে আপন থালেক পরওয়ারদেগারআলমকে তাজিম করিতে থাকে, এবং তাজিমের সহিত এবাদং বন্দিনী

করিতে করিতে, তাহার অন্তঃকরণ বাব এলাহিতে পরিপূর্ণ হইয় বায়।
সতরাং কেকের করাই মার্চ ৎ এলাহি পাইবার, ও মহববৎ এলাহি লাভ
করিবার চাবি স্বরূপ হইতেছে। এই কেকের করিবার নানাবিধ শাথা
প্রশাধা আছে, তাহা কোন তরিকতের ছাহেব কামেল পির মূর্শিদ বুজুর্গ
হইতে অবগত হইবেন, তবে প্রথম অবস্থার আপনি এইরূপ কেকের করিতে
থাকিলে, আপনার ইহা এক মোবারক আমল হইবে। মৌলানা
ফর্মাইয়াছেন, আলাহোমা ছালেরালা ছৈরেদেনা বোহামাদ্ :—

نظرے بسوے خود کی کہ تو جاں دلربائی مفکی بھاک خود را کہ تو از بلند جائی تو زچشم خود نہانی تو کمال خود چہ دانی چوں در از صدف بروں آے کہ تو بس گراں بہائی

ইহার ভাবার্থ এই ঃ—তুমি ভোমার নিজের তরফ নজর, ও চিন্তা করিয়া দেখ, তাহা হইলে তুমি দেখিতে পাইবে, বে তুমি এক আজব, মহবুব্ মনমুগ্ধকারী বস্ত হইতেছ। তুমি নিজেকে নিজে মাটীর মধ্যে ফেলাইরা দিও না, কারণ তুমি বহুৎ বলন্দ স্থান হইতে, বহুৎ উচ্চ জান্ধা হইতে আসিরাছ। তুমি আপন চকু হইতে পুশিলা আছ, অর্থাৎ তুমি ভোমার নিজের বিষয় চিন্তা করিতেছ না, স্থতরাং তুমি ভোমার নিজ কামালিরাতের বিষয়ে কি খবর রাখিবে ? তুমি মতির ভার বিহুক হইতে বাহির হইরা চলিয়া আইস, তুমি বেশী কিম্পতি ■ কদরদান বস্ত হইতেছ।

আর আলাহ্র বান্দা, দেখ আলাহ্তাআলা কেমন পরদা কর্ণেওরালা হইতেছেন। তুমি তোমার মায়ের বাচ্চাদান ময়ে অতি সামান্ত এক নাচিজ পানির কাৎরা ছিলে। ঐ নাচিজ পানির কাৎরা ময়ে নাক, চোধ, মুখ, কান, হাত, পাণ্ড, বৃদ্ধি, বিবেচনা কিছুই ছিলনা। আলাহ্তাআলাঃ সেই নাচিজ পানির কাৎরাকে মারের পেটের নধ্যে, টুক্রা করিরাছেন। ভাহাকে গোন্তের টুক্রা করিয়াছেন, তাহাকে হাড় ক্রিয়াছেন, হাড়ের উপর গোস্ত পরাইয়া দিয়াছেন, অসংখ্য রগ ■ রেশার দারা হাড়গুলিকে মজবুতির করিয়াছেন। যে এক অপর হইতে জুদা হইয়া যাইতে না পারে, গোল্ডের উপর চামড়া পরাইয়া দিরাছেন। নাক, চোধ, মুধ, কান, হাত, পাও, বেখানে যাহা কিছু দরকার ছিল, সমস্ত আন্দাজার সহিত ঠিক ঠাক করিয়া তৈয়ার করিয়াছেন। তাহার পর জেলা করিয়াছেন। কাহাকে মেয়েছেলে করিয়া, কাহাকে বেটাছেলে ক্রিয়া, তুনিয়ায় পাঠাইয়। দিয়াছেন, এই 💌 বে, তুমি তুনিয়ায় আসিয়া আলাহ তাআলার এবাদৎ বন্দীগী করিবে। আরে বেরাদর, আলাহ তাআলা তোমাকে কিরূপ থবছুরৎ করিয়া পর্মা করিয়াছেন, একবার তুমি তাহা চিন্তা করিয়া দেখ, একবার তুমি তোমার দেল্কে ছনিয়ার চিন্তা হইতে থালি করিয়া, নিজ মোবারক চেহারার তরফ উত্তম রূপ নজর করিয়া দেখ, তুমি কি ছিলে ? আলাহ তাআলা তোমাকে কি বানাইয়া দিয়াছেন ? তাহা হইলে আক্সৎ এলাহিতে, মহব্বৎ এলাহিতে তোমার দেল ভরিয়া ষাইবে।

আর আল্লাহ্র বান্দা, দেখ আল্লাহ্তাআলা কেমন রেজেক দেনেওরালা হইতেছেন, যথন তুমি তোমার মারের পেটে ছিলে, তুমি ছনিরাতে আসিরা কি থাইবে, আগে থাকিতে আল্লাহ্তাআলা ভোমার মারের বক্ষয়লে, তোমার জক্ত হুধ তৈরার করিয়া রাখিরাছিলেন। তুমি মারের পেট হইতে ছনিরার আসিরা, মারের কোলে বসিরা, মারের পেন্তান হইতে, ছুধ চুবে চুবে পান করিয়া পরওয়ারেশ হইরাছ, ঐ ছুধ তোমার মা তৈরার করিরাছিলেন না, তোমার বাপ তৈরার করিয়াছিলেন না, আল্লাহ্তাআলা তোমার জন্ত তৈরার করিয়া রাখিয়াছিলেন, তাহাই তুমি করিয়ার অবস্থার, পান করিয়া পরওয়ারেশ হইরাছ, বে সমর তুমি বসিতে পারিতে না, মুথে দাৎ ছিলনা,

ছনিয়ার কোন কঠিন জিনিষ থাইবার ক্ষমতা ছিল না; এমন সময় তুমি মায়ের কোলে বসিয়া, মায়ের পেন্তান হইতে, ছথ চুষে চুষে পান করিয়া পরওয়ারেশ হইয়াছ, এখন বড় হইয়া, এমন মেহেরবান আলাহ তাআলাকে কখনও ভুলিয়া যাইও না। যতকাল ছনিয়াতে বাঁচিয়া থাকিবে, পেয়ার মহব্বতের সঙ্গে, আলাহ, পাকের ছকুম সমূহকে এক এক করিয়া প্রতি-পালন করিবে, আলাহ, ভাজালার নাফর্মানির নজ্মিগে কখন ও যাইবে না।

আয় আলাহ্র বানা, দেখ আলাহ্তাআলা জালাজালালুছ জালাশাসূহ কেমন মহ**ক্বৎ কর্ণেওয়ালা হই**তেছেন। যদি ভূমি ভোমার মায়ের পেস্তানের তরফ ন<del>জর করিয়া দে</del>থ, তাহা হইলে তুমি দেখিতে পাইবে, তাহাতে তোমার প্রতি আল্লাহ্ভাআলার অতি আশ্র্যোজনক মহক্তের নেশানি ৷ তোমার মায়ের পেন্ডান্টাকে আল্লাহ্ভাআলা ভৈয়ার করিয়াছেন, উপরের দিকে মোটা করিয়া, নিচের দিকে চিকন সক্র করিয়া, পেগুনের বোটের মাথাটীকে এমন করিয়া তৈরার করিয়াছেন, যে তোমার ছোট মুখে ঠিক লাগিত। পেস্তানের বোটের মাধা যেমন নরম ছিল; তোমার মুখ তেমন নরম ছিল, আল্লাহ্তাআলা ঐ বোটের মুখে ছোট ছোট ছিন্তু করিয়াছেন, তাহা আল্গা ভাবে এমন করিয়া বন্ধ করিয়াছেন যে, তাহার ভিতর হইতে ছুধ পড়িয়া যাইতে পারে নাই, পেস্তানের ভিতরে হুধ আমানৎ করিয়ারাখিতেন, তোমার হুধ পাইবার জমানায়, আল্লাহ্তাআলা তোমার জল্প সভত ভোমার মাম্বের পেস্তান মধ্যে গ্রধ পরিপূর্ণ করিয়া রাখিয়া দিতেন, তাহাই তোমার ছোট মুখে চুষে চুষে পান করিয়া ভূমি পরওয়ারেশ হইয়াছ। এমন আল্লাহ্ পাকের তরফ, মহকবৎ কর্ণেওয়ালা, রেন্ডেক দেনেওয়ালা, মেহেরবান খোদাওল করিমের তরফ হিম্মতের সঙ্গে, পেয়ার ও মহব্বতের সঙ্গে দৌড়। আয়ে বেরাদর, তুমি এই কএকটী কথা তোমার অন্তকরণের মধ্যে খুদিয়া রাখ, যে তুমি যখন তোমার মায়ের বাচ্চাদান মধ্যে ছিলে, আল্লাহ্তাআলা

সেইস্থানে ভোষাকে ক্ষেত্ৰা করিয়া, ভোষাকে তোষার নাজীর রাস্তায় রেকেক দিরা পরগুরারেশ করিয়াছেন, তুমি ছনিয়ায় আসিয়া, কি উপায়ে পরগুরারেশ পাইবে, তোমার পিতা মাতা তাহার কোন ছামানা প্রস্তুত করিয়া রাখিয়াছিলেন না, আল্লাহ্ তাআলাই তোমার পরগুরারেশের তামার মারের পেস্তানটী ছবে ভরিয়া রাখিয়া দিতেন। মৌলানা ফর্মাইয়াছেন :—

رساند رزق بروجہے کہ شاید بسازد کارھا نوعے کہ باید بروزی ہے نوایاں را نوازد برحمت بیکسان را کار سازد

ইহার ভাবার্থ এই: আরাহ্তাআলা বাহার বিরূপ রেজেক দেওয়া লায়েক ব্বেন, তাহাকে ভদমুরূপ রেজেক পৌহাইয়া থাকেন, এবং যে কাজ, যেরূপ করা তিনি পছন্দ করেন তাহাই তিনি করিয়া থাকেন। তিনি নিঃমহায় জীবদিগকে রেজেক দিয়া প্রতিপালন করিতেছেন, এবং তিনি আপন রহমৎ কামেলা হইতে অমুপযুক্ত লোকদিগের কার্য্য আঞাম করিয়া দিতেছেন। আরাহোমা ছাল্লেআলা হৈয়েদেন ওয়া মাওলানা মোহামাদ্ ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া বারিক্ ওয়া ছাল্লেম।

"ছুব্হানাল্লাহে ওয়া বেহাম্দিহি" ত্নিয়াতে আমরা নানাবিধ ফল ফুল মেওয়া বৃক্ষ দেখিতে পাই, মেওয়াগুলী পাকিলে বৃক্ষ হইতে পড়িয়া যায়, এবং লোকে তাহা থাইয়া ফেলে, আমাদিপের আম্মাজানের পেস্তানটী আল্লাহ্ তাআলা আমাদিগের জন্ত কি উৎকৃষ্ট মেওয়া তৈয়ার করিয়াছেন। যে আমরা কএকটী ভাই ভগ্নি, ঐ একই পেস্তান হইতে, তুধ পান করিয়া পরওয়ারেশ পাইয়াছি, এক ভাই তুধ ছাড়িলে আম্মাজানের পেস্তানের তুধ শুধাইয়া গিয়াছে, যখন অপর ভাই ভগ্নি পয়দা হইয়াছে, তখন তাহার পর্ভয়ারেশের জ্ঞা আত্মাজানের সেই হুধ শুক্ত তুথ্না পেস্তানটা আল্লাহ্-তাআলা পুন: হুধে পরিপূর্ণ করিয়া,অস্ত ভাই ভগিকে পরওয়ারেশ করিয়াছেন। আমাদিগের এই শিশুকালের মেওয়া, কেহ কথন 🏾 আত্মাঞানদিগের বক্ষ হইতে, অন্ত মেওয়ার ক্লায় খশিয়া পড়িতে দেখে নাই, বরং আত্মা ছাহেবাগণ এই মেওয়া (পেন্তান) মৃত্যু কালে সঙ্গে করিয়া কবরে লইয়া গিরাছেন। আরু আমার পরওয়ার দেগার, যদি আমার সমস্ত শরীরের চুক জিহবা হইরা যায়, তবু ও আমি আপনার একটা মাত্র নেয়ামতের ও শোকর গুজারি করিতে পারিনা। এইরূপ অসংখ্য অসংখ্য নেরামতিন আমার উপর আপনার আছে, আমি তদারা আপনার লায়েক কোন এবাদৎ বন্দিগী ক্রি নাই, বুরং কুফ্রানে নেয়ামৎ করিয়াছি, আলাহ্তাআলা আপন ফলল রহমতে আমাকে মাফ করন। আমি গাওয়াহি দিতেছি, এয়া আলাহ্ আপনি ভিন্ন এবাদৎ বন্দিগীর লায়েক আর কেহই নাই, আপনি একা হইতেছেন, আপনার কেহ শরিক নাই, আপনার জাত, পাক হইতেছে, বেচু, বেমানিন্দ, ও বে-মেছাল হইতেছে। এবং আমি গাওয়াহি দিতেছি, জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা মোহামদ্ ছাল্লালাহ আশারহে ওয়া ছাল্লাম আপনার বান্দা হইতেছেন, আপনার রছুল হইতেছেন, আপনার বগুলিদাহ, নবি হইতেছেন। আল্লাহোত্মা ছাল্লেআলা ছৈয়েদেনা ওয়া মাওলানা মোহাত্মদ্।

আর আমার প্রাণের ভাই মোছলমান সকল, তোমরা এই কথা
একিনান জানিয়া রাখ, পৃথিবীতে আমাদিগের যাবতীয় মহববতের 
আছে, সকল হইতে আলাহ্তাআলা আমাদিগের বড় মহববতের বস্ত
হইতেছেন। এমন মেহেরবান পরদা কর্পেওয়ালা, রেজেক দেনেওয়ালা,
মহববৎ কর্পেওয়ালা খোদাওন করিমকে এয়াদ করিতে, ভাঁহার এবাদৎ
বন্দিগী করিতে, ভাঁহার কর্মাবরদারি করিতে, ভোমরা কাহিলি করিও না,
ভূলিয়া যাইওনা। আলাহোমা ছাল্লেআলা ছৈয়েদেনা মোহামদ্।

আৰে বেরাদর, জনাৰ সমানা শাহ্ আজুল আজিজ দেল্হবি (র) এক আয়েৎ কোরানের তক্ছির করিয়াছেন, বাহার ভাবার্ধ এই, আলাহ,পাক কর্মাইয়াছেন:—এয়াদ কর ভূমি আমাকে ফর্মাবরদারিক সঙ্গে, এয়াদ করিব আমি তোমাকে রহমৎ 🖫 মগ্ফিরাতের সঙ্গে, এয়াদ কর তুমি আমাকে মোজাহেদার সঙ্গে, এয়াদ করিব আমি তোমাকে মোশাহেদার সঙ্গে। এরাদ কর ভূমি আমাকে দোওয়ার সঙ্গে, এরাদ করিব আমি তোমাকে করুলের সঙ্গে। এয়াদ কর ভূমি আমাকে জিলিল হইয়া, এয়াদ করিব আমি তোমাকে ফজিলৎ দিয়া। এয়াদ কর তুমি আমাকে মানুষ ভরা মন্ত্রেছ মধ্যে, এরাদ করিব আমি তোমাকে ফেরেক্তাদিগের মজ্লেছ্ মধ্যে। এয়াদ কর তুমি আমাকে ফারগং হালতে, এয়াদ করিব আমি ভোমাকে ভোমার ভঙ্গির হালতে, এয়াদ কর তুমি আমাকে তোমার জেন্দ্রেগানির মধ্যে, এরাদ ক্রিব আমি তোমাকে তোমার মৌতের পরে। এয়াদ কর তুমি আমাকে ছনিয়া মধ্যে, এয়াদ করিব আমি তোমাকে আথেরাতে। এরাদ কর তুমি আমাকে বন্দিগীর সলে, এরাদ করিব আমি তোমাকে পরওয়ারেশের সঙ্গে। এরাদ কর তুমি আমাকে ছেদেক্ ও এথ্লাছের সঙ্গে, এয়াদ করিব আমি তোমাকে খাছ করিয়া জেয়াদা মহক্তের সঙ্গে। আয়ে বেরাদর, আলাহ্তাআলাই আমাদিগের সর্বশ্রেষ্ট মহব্বতের 💶 হইতেছেন; স্তরাং আমাদিগের কর্ত্তব্য কোন নেক ভরিকভের পির বৃদ্ধ্য ছাছেব কামেশের নিকট মুরিদ হইয়া, এখ্লাছের সহিত আমরা আল্লাহ্তাআলার মাফ্ৎ ও মহববং হাছেল করিবার 📕 অহ রহ কোশেশ করিতে থাকি :

মহববৎ কি মধুর কথাটী, শুনিলে প্রাণ শীতল হয়, প্রবণ জুড়াইয়া যায়।
খাছ করিয়া মহববৎ এলাহি অমূল্য কদরদান হইতেছে। ইহা সহজ্ব প্রোপ্য নহে। অতি অল সংখ্যক সৌভাগ্যবান্ মানবের কলব ভিন্ন,

কোন স্থানে ইহার পাতা পাওয়া যায় না। আয়ে বেরাদর, তুমি স্বরণ রাথ যে, আল্লাহ্ভাআলার মহকবং আলাতরিণ মোকামাৎ হইতেছে। বরং তরিকত্তের সমস্ত দায়রা হাছেল করিবার কেবল ইহাই একমাত্র উদ্দেশ্য যে, মহব্বৎ এলাহি লাভ হইবে। ইহাই দিন এছ্লাম মধ্যে সর্বন্ধন সঙ্গত বে, আলাহ তাআলার মহব্বৎ 🚃 হইতেছে। এবং হলরৎ নবি করিম ছাল্লাল্লাহ আলারহে আলাভি খেরা আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম কর্মাইয়াছেন, বাহার ভাবার্থ এই :--বান্দা বে পর্যান্ত খোদা, এবং বছুলকে আর 💶 বস্তু হইতে জেয়াদা দোস্ত না রাথে, সে পর্যস্তে ভাহার ইমান কামেণ হয় না। এক দিন এক এরাবি, হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম ছাহে-বের খেদমত শরিফে উপস্থিত হইয়া আরোজ করিলেন, এয়া রাছুলালাহ ( ছাল্লালাৰ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছুহাবিহি ওয়া ছাল্লাম ) কেয়া-মত কথন হইবে ? হজরৎ ছালাল্লাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছাল্লাম ফর্মাইলেন, আরে এরাবি, ভূমি ঐ দিনের জন্ত কি রাথিয়াছ ? ঐ এরাবি আরোজ করিলেন, এয়া রাছুলালাহ্ ছালালাহ্ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া আছুহাবিহি ওয়া ছালাম, নামাজ রোজাতো আমি জেরাদা রাথি না, কিন্ত থোদা এবং রছুলকে দোক্ত রাখিয়া থাকি। কর্মাইলেন হজরৎ ছালালাহ আলায়হে ওয়া আলিহি ওয়া ছালাম, কল্য কেরামতে তুমি উহার সঙ্গী হইবে, যাহাকে তুমি দোগু রাখিয়া থাক। এবং হজরৎ ছিদ্দিক আকবর (রা) ফর্মাইয়াছেন যাহার ভাবার্ধ এই :---যে ব্যক্তি আল্লাহ্ ভাষ্মালার খালেছ মহব্বতের মজা চাৰিয়াছে, ঐ ব্যক্তি তুনিয়া হইতে বাজ বহিয়াছে, এবং যাবভীয় স্ষ্টি হইতে বিমুখ হইয়া গিয়াছে। হজরৎ ছোহায়েল এব্নে আৰুলাহ্ তছ্তরী (র) নকল করিয়াছেন যে, আলাহ্তাআলা যখন মহববংকে পয়দা করিলেন, তখন

চারি হাজার বৎসর মহববৎ 📉 🗷 মিনভি করিতে রহিলেন, এবং <u>শোনাব্</u>ষাত করিতেছিলেন যে, আর আলাহ্তাআলা তুমি প্রত্যেক 🚃 এক মোকাম মকরর করিয়াছ, আমি জানি না আমার মোকাম কোন স্থানে মকরর করিয়াছ? আলাহ্ভাব্যালার ভরফ হইতে এশাদ হইল বে, আমার থাছ আশেকান দিগের দেল তোমার থাকিবার মোকাম হইতেছে। মহকাং আরোজ করিল, আর আ<mark>লাহ্তাআলা তোমার বালা</mark> আমার ভার বহন করিবার ক্ষমতা রাখিবে না। আলাহ্তাআলার তরফ হইতে থেতাৰ হইল যে, আমার ঐ সমন্ত বান্ধা এমন হইতেছে যে, বদি আছ্মান সমতৃল্য বালা ও পৃষ্ উহাদিগের মাথার উপর পড়ে, তাহা হইলে 🖿 তাঁহারা থোদা প্রাপ্তি পথ হইতে পশ্চাদ পদ হইবে না। তুমি এই মোকামে থাকিয়া প্রত্যেক তালেবে রাহ্মানের দেশ ও থাহেশ অমুযায়ী তাহাকে লজ্জৎ প্রদান করিতে থাকিও। আহা এই কারণ বশতঃ, অধিক রাত্রে যথন তালেবে রাহ্মান্ আলাহ্তাআলার মহকবৎ পান করিবার 📖 প্রিয় বস্তু সকল পরিত্যাগ করিয়া উঠে, এবং ওজু তেহারৎ পরে বসিয়া বলে, "আমি আমার কলবের তর্ফ মতায়াজ্জা আছি, আমার কলব আরু শের তরফ মতয়াজ্জা আছে।" আর তাঁহাকে কিছু বলিবার আবশুক া না; মুহূর্ত্ত মধ্যে আরশ আজিম হইতে কয়েজ নাজেল হয়, এবং ছালেকের দেল্কে মহক্ত এলাহিতে পরিপূর্ণ করিয়া দের, ছালেক ছনিয়া ও আথেরাৎ হইতে বে-থবর হইয়া কদিম রিফিক খোদাওক্স করিমের মহব্বৎ পান করিয়া অপার আনন্ধ অফুভব করে। আল্লাহ্র আওলিয়া বলিয়াছেন, আলাহ্ভাআলার মহব্বতে যে মজা আছে, সে প্রকার মজা বেহেন্ডের কোন বস্তুর মধ্যে নাই, হুর ■ কছুর ও খানার লজিজ বস্তু সকল, এবং হাউই কওছর ইত্যাদি সমস্ত নেয়ামতের মজা আল্লাহ্তাআলার মহব্বতের নঞ্দিক किस्ते बरु । रुक्टर स्थित स्थित (य ) रुक्टिशास्त्र (यांक (क्राधार)

যাহার দেলে মহব্বৎ এলাহি গালেব হইবে না, তাহাকে তাহার নবি (আলারহেচ্ছালাম) ছাহেবের নামে ডাকিবেন, বেমন আয়ে উন্মৎ মুছা (আলায়হেচ্ছালাম), আরে উক্তৎ ইছা (আলায়হেচ্ছালাম), আয়ে উত্থৎ মোহাত্মদ্ ছালালাহ আলারহে ওয়া আলিহি ওয়া আছু হাবিহি ওয়া ছালাম, কিন্তু আলাহ্তাআলার মহবুব্দিগকে এইভাবে চীৎকার করিয়া ডাকিবেন, আয়ে আয়াত্র **আওলিয়া সকল, আপন আয়াত্** পাক্ পরওয়ার-দেগার আলমের তরফ চলো। ইহা শুনিয়া তাহাদিগের দেল খুশিতে বাহির হইয়া পড়িবার উপক্রম হইবে। হজরৎ হরম এব্নে হাকান (র) কর্মাইরাছেন যে, ইমান দার ব্যক্তি যথন আল্লা∙্তাআলাকে জানিতে পারে, তখন আলাহ্তাআলাকে মহকং করে, যখন আলাহ্তাআলাকে মহব্বৎ করে, তথন আলাহ ভাআলার জরফ মতারাজ্ঞা হয়, যুখন আলাহ ু-তাআলার তরফ মতরাজ্জা হয়, তথন ছনিয়ার তরফ থাহেশের নম্ভবে দেখে না, এবং আথেরাতের তরফ ও কাহিলির নজরে দেখে না, আপন শরীর দিয়া তুনিয়ায় থাকে, এবং রহ বারা আথেরাতে থাকে। ছৈরেদেনা দাউদ আলারহেচ্ছালাম ছাহেবের আখ্বার মধ্যে রপ্তারেৎ আছে বে, আলাহ্তাআলা উনাকে এর্শাদ ফর্মাইয়াছেন; যাহার ভাবার্ব এই:---আমে দাউদ (আলায়হেচ্ছালাম) আমার জমিন ওয়ালাদিগকে শুনাইয়া দেও, যে আমাকে মহববৎ করিবে, আমি তাহার দোস্ত হইতেছি, এবং বে আমার নিকট বসিবে, আমি ভাহার হাম্নশিন হইভেছি, অর্থাৎ যে, ব্যক্তি আমার নজ্দীগী হাছেল করিবার 📉 বসিয়া আমাকে এয়াদ করিবে, আমার রহমৎ নেগাহ্ তাহার উপর থাকিবে। এবং যে আমার জিকিরের দারা মহকাৎ হাছেল করিবে, আমি তাহার আনিছ (দোস্ত) হইতেছি, এবং যে আমার সঙ্গে থাকিবে, আমি তাহার সঙ্গে থাকিব, (অর্থাৎ যে বাজি হামেশা আমাৰ ধেষাৰে মহা পাজিৰে আমাৰ সময়ও সকৰ কালাৰ

উপর থাকিবে) 📲 বে আমাকে এক্তেয়ার করিবে, আমি তাহাকে 🗼 স্বাব্র করিব, এবং 🗖 আমার কথা মানিবে, আমি তাহার কথা মানিব, অর্থাৎ তাহার দোওয়া কবুল করিব, এবং 🗖 ব্যক্তি আমাকে মহববৎ করিয়া থাকে, 💶 তাহার দেশি মহববং আমাকে উত্তমরূপ মালুম হইয়া যায়, তাহা ভ্ইলে আমি তাহাকে আমার মক্বুল করিয়া থাকি, এবং উহার সঙ্গে এমন মহক্ত রাখি বে, যাবতীয় সৃষ্টি মধ্যে কেহ উহার উপর মকাদ্দম (শ্রেট) হয় না। যে বাজি সভ্য সভ্য আমাকে ভগব করিয়া পাকে, ঐ ব্যক্তি আমাকে পাইয়া থাকে, এবং যে ব্যক্তি গণ্ণেরকে তলৰ করে, সে আমাকে পায় না। স্থতরাং আরে জমিনের বাসেন। সকল, তোমরা এখন বে প্রকার অবস্থায় আছু, যে জুনিয়ার ফেরেব মধ্যে ফেরিফ্ভা রহিয়াছ, উহা ছাড়িগ্ন দেও, এবং আমার কারামৎ ছোহবৎ এবং আমার নিকট বসিবার তর্ফ চল ( অর্থাৎ আমার নঞ্দিগী হাছেল করিবার 💌 আমাকে এয়াদ করিতে প্রবৃত্ত হও ) এবং আমার সঙ্গে মহকাৎ কর, আমি ভোমাকে মহব্বং করিব, এবং তোমার মহব্বতের তর্জ জ্লুদি করিব। কারণ আমি আমার দোস্ত দিপের থামির, এবাহিম, ( আলারহেচ্ছালাম ) আপন থলিল, এবং মুছা ( আলায়হেচ্ছালাম ) আপন কলিম, এবং মোহাম্মদ্ ( ছালালাহ আশায়তে ওয়া আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালাম) আপন হবিবের খামির ছারা বানাইয়াছি, এবং আমি মস্তাকদিপের দেল আপন চমকের ছারা খানাইয়াছি, এবং আপন জালালের ঘারা উহাদিগকে পরওয়ারেশ করিয়াছি। আরে রেরাদর, জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা দাউদ (আলায়হেচ্ছালাম)

আরে রেরাদর, জনাব হজরৎ ছৈয়েদেনা দাউদ (আলায়হেচ্ছালাম)
ছাহেবের আথ্বার মধ্যে লিখিত আছে, ষাহার ভাবার্থ এই:—
আলাহ্তাআলা উনার উপর ওহি নাজেল করেন; আয়ে দাউদ
(আলায়হেচ্ছালাম) বেতেশ্তকে কি পর্যান্ত এয়াদ করিবে 
শু এবং
আমার তরফ শুওকের দরধান্ত করিতে কত দিন বির্ভ থাকিবে 
শু

হস্তরৎ দাউদ (আলায়হেচ্ছালাম) আরোক করিলেন, এলাহি তোমার মস্তাক কে হইতেছে ? এশীদ হইল, ঐ সমস্ত লোক আযার মস্তাক হইতেছে, ধাহাদিপের দেল হইতে আমি সর্ব্ব প্রকার ময়লা বাহির করিয়া রৌশন করিয়া দিয়াছি, এবং আমার ডর হইতে ধবরদার করিয়া দিয়াছি, উহাদিগের দেশের মধ্যে আমার তর্ক, ছুরাথ, করিরা দিয়াছি, যাহার বারা উহারা আমার তরফ দেখিরা থাকে। আমি তাহাদিগের দেশ সমূহকে লইরা আপন আছ্মানের উপর রাখিয়া থাকি, ফের উম্দাহ্ফেরেশ্তাদিগকে ডাকিয়া থাকি, যথন তাহারা একত হয়, তখন তাহারা আমাকে ছিজ্মা করে। আমি উহাদিগকে এর্শাদ করি বে, আমি তোমাদিগকে ছি<del>জ</del>্দা করিবার জ্ঞ্জ ডাকি নাই, বরং এই জ্ঞ্জ ডাকিয়াছি যে, আমার মস্তাক দিগের দেল সমূহকে তোমাদিগকে দেখাই,এবং উহাদিগের 💌 তোমাদিগের উপর গৌরব করি। উহাদিগের দেল আছ্মান মধ্যে ফেরেশ্তাদিগকে এমন নুর প্রদান করে, যেমন স্থ্য জমিন ওয়ালাদিগকে ব্লৌশ্নি প্রদান করিয়া পাকে। আয়ে দাউদ ( আলায়হেচ্ছালাম ) আমি মস্তাকদিগের দেল আপন রেজা ( সন্তুষ্টি ) দারা বানাইয়াছি, এবং আপন নুর তাজলি দারার উহাদিগকে হেদায়েৎ করিয়াছি, উহাদিগকে আপন জাত মকদ্বছের 📟 তছ্বিহ এবং তহ্*লিল্ পড়্হ্নেও*য়ালা বানাইয়াছি, এবং উহাদিগে শরীর সকলকে জমিনের মধ্য হইতে আপেন নজর করিবার জাগাহ্ মকরর করিয়াছি, এবং উহাদিগের দেল মধ্যে এক রাস্তা রাথিয়া দিয়াছি, যাহা দারা তাহারা আমার ভরফ দেখিয়া থাকে, এবং প্রেত্যেক দিন উহাদিগের থাহেশ জেয়াদা হইয়া যাইতে থাকে। হজরৎ দাউদ আলায়হে-চ্ছালাম আরোক্ত করিলেন, এলাহি আমাকে তোমার আশেকদিগের ব্দেরারৎ করাইয়া দেও। হুকুম হইল লবনান্ পাহাড়ের উপর

যাও, ঐ হানে জোগান, বা আৰু বয়গী, চৌক (১৪) 📖 লোক আছে, উহাদিগের নিক্ট বাইরা আমার ছালাম বলিও, এবং বলিও বে, তোমাদিপের রব্ ছালাম বাদ তোমাদিগকে বলিতেছেন, তোমরা আমার নিকট কোন হাজৎ চাও না 📍 তোৰৱা তো আমার দোস্ত 👚 বর্প্তজিদাহ, এবং ওলি হইতেছ ? আমি তোমাদিগের খুশীতে রাজি হইয়া থাকি, এবং ভোমাদিগের মহব্বতের তর্ফ ছবকৎ করিয়া থাকি, ( অর্থাৎ যে পরিমান মহকাৎ ভোমরা আমাকে কর, ভাহা হইতে অধিক পরিমানে আমি তোমাদিগকে মহববৎ করি।) হতরৎ ছৈয়েদেনা দাউদ আলায়হেচ্ছালাম এশাদ অমুষায়ী পাছাড় লবণানে গেলেন, এবং ঐ সমস্ত লোকদিগকে এক চশ্যার নিকট দেখিতে পাইলেন, আলাহ তাআলার আব্রতের ধেরানে মশ্প্রল আছেন। খ্বন উহারা হ্লরৎ ছৈরেদেনা দাউদ আলারহেচ্ছালামকে দেখিলেন, তথন উঠিয়া দাঁড়াইলেন যে, উহার নিকট হইতে পৃথক হইয়া যাইবেন। তথন হক্তরৎ ছৈয়েদেনা দাউদ আলায়হেচ্ছালাম কর্মাইলেন; আয়ে মহুয় সকল আমি আলাহ্তাআলার রছুল হইতেছি, ভোমাদিগের নিকট এক পর্গাম রকানি পৌছাইতে আসিমাছি। উহারা হজরৎ ছৈমেদেনা দাউদ আলামহেচ্ছালাম ছাহেবের তরফ মতস্থাকা হইয়া কাণ লাগাইয়া দিলেন, এবং চকু নীচে করিয়া লইলেন। হজরৎ ছৈরেদেনা দাউদ আলারহেজ্ঞালাম ফর্মাইলেন, আমি তোমাদিগের নিকট এই খবর আনিয়াছি, যে আলাহ্তাআলা ছালাম বাদ তোমাদিগকে ফর্মাইয়াছেন, কেন ভোষরা আমার নিকট কোন হাজৎ চাও না ? কেন তোমরা আমাকে ডাক না, যে আমি ভোমাদিগের আওয়ান শুনি। তোমরা তো আমার দোস্ত, এবং আছ্ফিয়া, (বরশ্বজিদাছ্) এবং আওলিয়া হইতেছ ? ভোমাদিগের খুণীতে আমি রাজি হইয়া থাকি. তোমাদিপের মহব্বতের তব্ন আমি জল্দি করিয়া থাকি, এবং ধেমন আশা মেহেরবান আগন আওলাদকে দেখিয়া থাকে, এই প্রকার আমি প্রত্যেক ঘড়িতে ভোমাদিগকে দেখিয়া থাকি। ইহা শুনিয়া উহাদিগের চেহারার উপর মংকাতের অশ্রু বহিতে লাগিল, এবং প্রত্যেক ব্যক্তি

আল্লাহ্তাআলার নিকট যুদা যুদা দোওয়া চাহিলেন। উহার মধ্য হইতে এক বৃদ্ধ বলিলেন, এলাহি তুমি পাক হইতেছ, আমি তোমার বান্দা, এবং তোমার বান্দাদিগের আওলাদ হুইতেছি, যে পরিমাণ আমার বিগত জীবনে তোমার এরাদ হইতে গাফেল থাকা বশত গোনাহ, হইয়াছে, তাহা আমাকে মাক কর। বিতীয় ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি তুমি পাক হইতেছ, আমি তোমার বান্দা, এবং তোমার গোলামদিগের <del>আওলাদ হইতেছি, বে বিষয় আমার</del> এবং তোমার মধো আছে, তাহাতে এই এহছান কর, যে রহমৎ 📰 রাখিও। তৃতীয় ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি তুমি পাক হইতেছ, আমি তোমায় বান্দা, এবং ভোমার বান্দাদিগের বেটা হইতেছি, আমি ভোমার সহিত দোরা বার্ কি বাহাহরি করিব ? তোমাকে তো মালুম আছে, আমাকে আমার নিজের জন্ত কোন বস্তর আবশুক নাই, আমার উপর এই এহ্ছান কর, বেন ভোমার রান্তার উপর আমি ছাবেৎ কদম থাকি। চতুর্থ ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি আমার ধারা ভোমার রেজা (সম্ভষ্টি) তল্ব করিতে কছুরি হইয়াছে, তুমি মেহেরবানি করিয়া তাহা আমাকে মাফ্ কর। পঞ্ম ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি তুমি আমাকে নোত্কা দারা প্রদা করিয়াছ, এবং আপন আজ্মৎ মধ্যে ধেয়ান করিতে এহ্ছান্ করিয়াছ, তাহা হুইলে যে ব্যক্তি তোমার আ**জ্**মৎ মধ্যে মশগুল থাকে, এবং তোমার জালাল মধ্যে ধেয়ান করে, সে কি কখন 🔳 দোয়া বারা বে আদবি করিতে পারে ? আমার তো মক্ছুদ এই যে, ভুমি আমাকে আপন হেদায়েতের নুরের দ্বারা নিকটবর্তী কর। ষষ্ঠ ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি ভূমি আজিমস্থান হইতেছ, এবং আপন আওলিয়ার উপর রহমৎ বর্ষাইয়া থাক, এবং আপন মহক্বৎ কর্নেওয়ালাদিগের দহিত বছৎ এহ্ছান করিয়া থাক, এই জন্ম জ্বানের তাকৎ হয় না, যে, তোমার নিকট কোন প্রকার দোওয়া আমার প্রার্থনা করি। সপ্তম ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি তুমি যে আমাদিগের দেলকে আপন জেকেরের হেদারেৎ করিয়াছ, এবং আপন তরফ মশ্গুল হুইবার এরাদা ■ ভৌফিক এনায়েৎ করিয়াছ, ইহার শুকুর শুকারি

করিতে আদি যে ভক্ছির করিয়াছি, তাহা আমাকে মাফ কর। অষ্টম ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি আমার হাত্তৎ তো তোমাকে মালুমই আছে, তাহা কেবল মাত্র তোমার তরফ দেখা হইতেছে। নবম ব্যক্তি বলিলেন এলাহি, বান্দা আপন মালেকের সঙ্গে কোন প্রকার বেআদ্বি করিতে পারে না, কিন্তু তুমি মেহেরবানি করিয়া আমাকে দোওয়া করিতে হুকুম করিয়াছ, এই আরোজ করিতেছি, তুনি আমাকে ঐ নূর এনায়েৎ কর, যাহা ছারা আছ্মান সমুহের অন্ধকার তবকের মধ্যে আমাকে রাস্তা মিলিরা যার। দশৰ ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি আমি তোমার নিকট তোমাকেই চাহিতেছি, জুনি আমার তরফ মতরাজ্ঞা হও, এবং হামেশা আমার উপর রহমৎ নেগাহ, রাখ। একাদশ ব্যক্তি ব্লিলেন, এলাহি বে নেয়ামত তুমি আমাকে এনায়েৎ করিয়াছ, উহা আমংকে পুরা এনায়েৎ কর। হাদশ ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি তোমার মধ্লুক্ মধ্যে আমার তো কোন বস্তুর দরকার নাই। অতএব আপন ধামালের উপর করিবার শক্তি আমাকে এনায়েৎ কর। ত্রয়োদশ ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি তুনিয়া, এবং তুনিয়ার সমস্ত বস্তুর তরফ দেখা হইতে আমার চকুকে অন্ধ করিয়া দেও, এবং আথেরাৎ মধ্যে মশ্গুল হইতে আমার দেলকে অন্ধ করিয়া দেও। চতুর্দশ ব্যক্তি বলিলেন, এলাহি আমি জানি, তুমি তোমার আওলিয়া দিগকে ভালবাসিয়া থাক, অতএব আমার উপর এইটুকু এহ্ছান্ কর, থেন তোমাতে মশ্ওল থাকা ভিন্ন, 📉 কোন প্রতি আমার দেল আরুষ্ট না হয়। আলহ্তাআল। হস্তর্ভ ছৈরেদেনা দাউদ আলারহেচ্ছালাম নিকট এই মজমুনের ওহি পাঠাইলেন, উহাদিগকে বলিয়া দেও, আমি ভোমাদিগের কথা বার্ত্তা শুনিলাম, এবং যাহা েতামাদিগকে মহবুব আছে, আমি ভাহা কবুল করিলাম। ভোমরা প্রত্যেক ব্যক্তি পৃথক্ হইয়া বাও, এবং নিজের 💴 জমিনের মধ্যে নিরালা হর বানাইয়া লও, যে আমি তোমাদিগের, এবং আমার মধ্য হইতে হেজাব্ উঠাইরা দেই, যে তোমরা আমার নুর তাজল্লি, 📉 জালালকে মোলাহেদা করিতে পার। হলরত ছৈয়েদেনা দাউদ আলাহেচ্ছালাম আরোজ করিলেন, এলাহি

এই দর্জাতে ইহারা কেমন করিয়া পৌছিল ? স্কুম হইল, ইহারা আমার সহিত নেক শুমান রাখিত, এবং ছনিয়া ও ছনিয়ার বাশেন্দাগণ হইতে বিমুখ হইয়া, মহব্বতের সহিত আমাকেই ইয়াদ ক্রিয়াছে, এবং ইহা ঐ বোৎবা হইতেছে, বে, ছনিয়া এবং ছনিয়াতে যত 📖 আছে, যে বাজি ঐ সমস্ত বস্তুকে তরক করে, এবং উহার স্মরণ হুইতে বিরত থাকিয়া, আমার জ্ঞা তাহার দেলকে থালি করিয়া লয়, একং আমার 💶 মুখ্লুকের উপর আমাকেই এক্টেশ্বার করে, সেই ব্যক্তি ভিন্ন এই রোৎবা কাহাকে 🔳 হাছেল হয় না। বধন সে এই প্রাকার হইয়া বায়, তখন আমি ভাহার প্রতি মেহেরবানি করি, এবং উহার নাফ ছকে সমস্ত বস্ত হইতে ছাড়াইরা, উহার এবং আমার দর্মিয়ান হইতে পর্দা উঠাইয়া দিয়া থাকি, যেন আমার আজ্মতের এমন ভাবে মোণাহেলা করিতে পারে, বেমন কোন ব্যক্তি কোন বস্তুকে দেখিয়া থাকে, এবং উহাকে আপন নুর ভাজলি ছারা অর্থাৎ কণ্ফ ও এলহাম দারা তাহাকে প্রত্যেক মুহুর্ছে আপন নিকটবর্ত্তী করিতে থাকি। যদি ঐ ব্যক্তি বেমার হইয়া পড়ে, তবে আমি উহার চিকিৎসা এমন ভাবে করিয়া থাকি, যেমন মেহেরবান আত্মা আপন শিশু সস্তানের এলাজ করিয়া থাকে, এবং যদি ঐ ব্যক্তিকে পিপাসা পার, তবে তাহাকে আপন ক্লেকেরের চাট ছারা তাহার পিপাসা নিবারণ করিয়া দিয়া থাকি। ফের ইহার পর আমি উহাকে ছনিয়া, এবং ছনিয়ার সম্ভ 🔳 হইতে অন্ধ করিয়া দিয়া থাকি, ছনিয়ার কোন বস্ত ভাহার মহবুব থাকে না। আমার সহিত মশ্গুলি ভিন্নকোন মৃহুর্তে আরাম শর না। উহার এরূপ অবস্থা হয় যে, আমার নিকট আসিতে জল্পি করিতে থাকে, এবং আমি উহাকে মারা বুরা জানি, কারণ ধাবতীয় স্ষ্টি মধ্যে আমার রহমৎ নেগাহ্ উহারই উপর থাকে। আম্নে দাউপ (আলারহৈচ্ছালাম) ধ্থন আমি দেখি. ধে উহার নাফ্ছ গলিয়া গিয়াছে, এবং শরীর ছর্বাল হইয়া গিয়াছে, আজ প্রভাঙ্গ ভাঙ্গিয়া গিয়াছে, এবং ধ্থন আমার শোনে, তথন উহার দেল ঠিকানায় থাকে না, ঐ আমি উহার জন্ত আমার কেরেন্ডাদিগের, এবং আছ্মানের বাশেনাদিগের উপর পৌরব করিরা থাকি। তথন উহার ভর জেরাদা হইরা বার, এবং ঐ বাজি তথন অধিক পরিমাণে আমার এবারুৎ বন্দিপী করিতে থাকে। আরে দাউদ (আলারহেচ্ছালাম) আমি আমার ইজ্জৎ এবং জালালের কছম করিয়া বলিতেছি, আমি উহাকে বেহেণ্ড কেরদৌছ মধ্যে বসাইব, এবং ভাহার দেশকে আমার তরফ দেখিতে এত তছির দিব, যে ঐ ব্যক্তি রাজি হইরা বাইবে। বরং রাজি হইরা যাওয়া হইতেও ঐ ব্যক্তি জেরাদা ত্রথ ও শান্তি ভোগ করিবে। (মজাকাল আফিন।)

জনাব হজরৎ নবি করিন হারায়াহ আলায়হে ওয়া হায়াম ফর্মাইয়াছেন,
যাহার ভাবার্থ এই ঃ—আলাহ তাআলা রহম করেন ঐ বান্দার উপরে, বে
রাত্রে উঠিয়া নামাজ পড়ে, ফের নিজের বিবিকে জাগাইয়া দেয়, এবং সেও
নামাজ পড়ে, আর যদি ঐ বিবি ■ উঠে, তবে ভাহার সুথে পানির ছিটা দেয়;
এবং আলাহ আআলা য়হম করেণ ঐ আওয়তের উপরে, যে রাত্রে উঠিয়া
নামাজ পড়ে, এবং শওহরকে জাগাইয়া দেয়, এবং সেও নামাজ পড়ে, আর
যদি সে না উঠে, তবে ভাহার সুথে পানির ছিটা দেয়। আমি অলুরোধ
করি প্রত্যেক নেক শওহর, ও নেক বিবি এই হাদিছ অলুবায়ী আমশ
করিবেন, ভাহা হইলে জনাব হজরৎ নবি করিম ছায়ালাহ আলায়হে ওয়া
ছালামের দোওয়ার বর্কৎ পাইবেন। আলাহোলা ছালেয়ালা ছৈয়েদেনা
নোহালদ ওয়া আলা আলিহি ওয়া আছ্হাবিহি ওয়া ছালেম্।

ইহার ভাবার্থ এই:—আয়ে মনুষ্য সকল, আমার অন্ত:করণের 🞹 নানাবিধ আশা, 🕾 উমেদ ছিল, কিন্তু মৌৎ আমার হয়াৎকে খাটো করিয়া দিয়াছে, তদ্জত আমার ঐ সকল অন্তঃকরণের আশা দা উমেদ পরিপূর্ণ হয় নাই। স্তরাং বাহাকে আলাহ্তাআলা জেনা রাবিয়াছেন, এবং আমল করিবার শক্তি প্রদান করিয়াছেন, তাহাকে নিশ্চরই আল্লাহ্তাআলাকে ভয় করিয়া কার্য্য করা চাই। এই ক্বরের আমি একেলা মরিয়া আইসি নাই, বরং আমার স্তান্ধ সকলকেই মরিন্না ক্রবরে আসিতে হইবে। স্থতরাং আয়ে ভাই, আমি আল্লাহ্র ওয়ান্তে আপনাকে নছিহৎ করিভেছি, আপনি ছুম্বৎ তরিকা অমুযায়ী সর্বপ্রেকার চালচলন এক্তেয়ার করিবেন, এবং বেদায়াৎ ভরিকা সকল সাবধান সহকারে বন্ধন করিবেন। আলাই-তালার তৌহিদের উপর হামেশা কায়েম থাকিবেন, মুখে সতত আলাহো আক্বার লফ্জু বলিতে থাকিবেন, এবং হরগেজ হরগেজ "বন্দেশাতরম্" বলিয়া, কিস্বা কোন কুফর লফ্জ্জবানে বলিয়া কান্কের হইয়া যাইবেন না। সাবধান সহকারে সকল প্রকার নাজায়েজ, ও নাগছল কার্য্য হইতে, এবং সেরেক কুফর হইতে, নিজের ইমান বাচাইয়া গুনিয়ার জেন্দেগানি বছর করিবেন। মৌলানা কর্মাইয়াছেন:--

از هرچه نرواست برو دیدها به بند و زهرچه نا پسند بود دست باز دار لوح دل از غبار تعلق بشوے پاک تا باشدت بحلقه اهل قبول بار بشدت بحلقه اهل قبول بار بشدو نصیحتے زفقیر خود اے عزیز تا آیدت بدنیا و عقبی ترا بار

ইহার ভাবার্থ এই:—তুমি নাজায়েজ কাজ কর্ম হইতে নিজেকে বাচাইয়া রাথ, এবং নাপছন্দ কার্য্য হইতে ও নিজেকে দূরে রাথ। তুমি ছনিয়ার তালকের ধুলী হইতে নিজের দেলকে পরিস্থার রাথ, তাহা হইলে তুমি আল্লাহ্তালার ওলিদিগের জামায়াতের মধ্যে দাবেল হইতে পারিবে।

আরে আমার পেরারা সুরিদ, আমি পরিবের এই নছিহৎটা তুমি বাধিও, তাহা হইলে, ইহা তোমার দিন ও ছনিয়াতে বড় কার্য্যে আসিবে। আমি এইয়ানে আমার মোছলমান তাই ছাহেবানদিগের আমল করিবার ক্রেকটা বড় নাফাদারক ওঞ্জিফার বিষয় লিখিয়া দিতেছি। আমি আমার আলাহ্ পাকের জনাব কুদ্ধুছে প্রার্থনা করি, আমাকে এবং আমার ভাই ছাহেবানদিগকে আলাহ্ পাক আপন কজল রহ্মতে এই সকল নেক আমল করিবার তৌফিক নছিব করেন।

হাদিছ শরিফ মধ্যে আসিরাছে, বাহার ভাবার্থ এই: -- কর্মাইরাছেন জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলারহে ওয়া ছালাম "যে ব্যক্তি ছুরা এখুলাই দশ বার প**ড়িলেন,** তাহার <del>ৰক্ত বেহেন্ত মধ্যে এক মহল</del> প্রস্তুত করা হইল, আর বিশ বার পড়িলে হুই মহল, এবং ত্রিশ বার পড়িলে তিন মহল প্রস্তুত করা যাইবে, ইহা শুনিয়া হজরৎ ছৈয়েদেনা গুমার (রা) বলিলেন, এখন তো আমার অনেক মহল হইয়া বাইবে; হুজুর ফর্মাইলেন, আলাহ্তাআলা ইহা হইতে ও ওছৎওয়ালা হইতেছেন, অর্থাৎ আল্লাহ্তাআলা মর্জি করিলে ইহা হইতে জেয়াদা মহল দিতে পারেন।" আরু আরু আক হাদিছ শরিক মধ্যে আসিয়াছে; যে ব্যক্তি প্রত্যেক দিন (২০০) ছুই শত বার ছুরা এখ লাছ পড়েন, তাহার ৫০ বৎসরের গোনাহ্ মিটাইয়া দেওয়া হইয়া থাকে। কিন্তু ফরজ মিটিবে না। হক্তরৎ আনেছ (রা) হইতে রেয়ায়েৎ আছে, আমি ৰূজে তবুক মধ্যে হজরৎ নবি করিম ছাল্লালাহ আলায়হে ওয়া ছাল্লামের সঙ্গে ছিলাম, একদিন স্থা এমন চমকের সঙ্গে বাহির হইয়াছিল যে, আমি সেরপ চমকের সঙ্গে বাহির হইতে আর কখন ও দেখি নাই! পরে জনাব হজরৎ জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম হাজের হইলেন, এবং আরোজ করিলেন, মাবিয়া এবনে মাবিয়া (রা) মদিনা শরিফ মধ্যে এস্তেকাল করিয়াছেন, স্থাকুৰ এলাহিতে তাঁহার নামাজের জন্ত ৭০,০০০ হাজার ফেরেন্ডা আসিয়াছেন, এই সমস্ত তাঁহাদিগের রৌশনি হইতেছে, ফুম হিলেন জনাব হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া ছালাম, এই ফজিলং কি জন্ত আতা হইল গু জনাব জিব্রাইল আলায়হেচ্ছালাম আরোজ করিলেন, ঐ ব্যক্তি রাৎ দিন

চলিতে ফিরিতে ছুরা এখ্লাছ পড়িতেন। আর আমার দোন্ত, এইরপে ছুরা এখ্লাছ্ পড়া আপনি নিজের উপর লাজেস করিয়া লউন, ইন্শা আল্লাহ্তাআলা আধেরাতে নাজাৎ পাইবেন।

হাদিছ শবিক মধ্যে আসিরাছে, যাহার ভাবার্থ এই ■ -- "এই কল্মা লাইলাহা ইল্লাল্ডা মোহামাদে।ব্রাছুলুলাহ্:—

আফ্জাল 
উত্তম জিকির হইতেছে, যে ব্যক্তি ৭০,০০০ শত্র হাজার
মর্ত্বা আপন সমস্ত জেলেগানির মধ্যে ইহাকে পড়িবে, বেশ্ধ ঐ ব্যক্তি
জারাতি হইবে, আর যদি মা, বাপ, আত্মীর, স্বজন, এবং বন্ধু বান্ধবের জন্ত একবারে এই কল্মা শত্র হাজার (৭০,০০০) বার পড়িয়া বধ্শীয়া দিবে, বেশ্ধ ঐ ব্যক্তি জারাতি হইয়া যাইবে।"

আহ্ওয়ালে আধিয়া কেতাব মধ্যে লিখিত আছে: একদিন হলবং নিধি করিম ছালালাই আলায়হে ওয়া ছালাম, জুমা নামাজের পূর্বে মছজেদ মধ্যে বিসিয়া ছিলেন, হজবং বেলাল্ (রা) আজান দিতে লাগিলেন, যখন এই কালাম বলিলেন "আশ্হাহয়ালা মোহাম্মাদার রাছুল্লাহ্" তখন হজবং আব্বকার ছিদ্দিক (রা) হই হাতের আসুঠা, তাঁহার হই চক্র উপর ফিরাইলেন, এবং বলিলেন:—

কোর্রাতো আয়নি বেকা এয়া রাছুলালাহ ( ছাল্লাবাহ আলায়হে ওয়া ছালাম। যথন আজান দেওয়া সমাধা হইল, তবন হজরৎ নবি করিম ছালালাহ আলায়হে ওয়া ছালাম বলিলেন, আয়ে আব্বকার (রা) যে ব্যক্তি এইরপ বলিবে, ও শওক ■ মহব্বতের সঙ্গে করিবে; যেমন ভূমি বলিয়াছ ও করিয়াছ, আলাহ্তাআলা তাহার কাদিম্ ও জিদি, আমাদান্ ও থাতায়ান, পৃশিদা ও জাহের, সমস্ত গোনাহ্ মাফ করিবেন, এবং আমি তাহার গোনাহ সকলের শফি বথ শানে ওয়ালা হইতেছি। এইরপ করা থলিফায়ে রাদেদিন দিগের কার্যা ও ছলং হইতেছে। আর ছালাৎন্থ শী কেতাব মধ্যে লিখিত

عالق رَسُولُ اللهِ صَلَّى الله عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: صَنَّى سَبِّعَ إِلَيْهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: صَنَّى سَبِّعَ إِلَيْهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: صَنَّى سَبِّعَ إِلَيْهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: صَنَّى الله عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَنْ الله عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَنْ الله عَلَى عَيْنَيْهِ فَا فَا طَالِبُهُ فَى فَيْ اللهُ عَلَى عَيْنَيْهِ فَا فَا طَالِبُهُ فَى فَوْفِ الْقِيَامَةِ وَقَائِدُ لا إِلَى الْجَنَّةِ \*

বে ব্যক্তি আজান মধ্যে আমার নাম গুনিল, এবং তাহার দোনো আঙ্গুঠা ছই চক্ষুর উপর রাখিল, আমি তাহাকে কেরামতের ছফের মধ্যে (কেরামতের কাতারের মধ্যে) তালাল করিব, এবং বেহেস্কের তরফ লইয়া যাইব।

মেজাকাল আর্ফিন মধ্যে লিখিত আছে:—জনাব হজ্বৎ হোছেন এব্নে ছালেছ (র) ছাহেবের এক নেকবক্ত বান্ধি ছিলেন, তিনি ঐ বান্দিকে এক কাওমের নিকট আবশ্রক বশত বিক্রের করিয়া কেলিয়া-ছিলেন, যথন অৰ্দ্ধ রাত্র গুজারিয়া গেল, ঐ নেকবক্ত বান্দি উঠিয়া বলিতে লাগিল, আয়ে বাড়ীর লোক সকল, তোমরা সকলে উঠিরা নামাজ পড়, ইহা শুনিয়া তাহারা বলিলেন, কি রাজ্য ভোর হইয়া গিয়াছে যে নামাজ পড়িব ? ঐ বান্দি জিজ্ঞাসা করিলেন, কি ভোমরা ফরজ নামাজ ভিন্ন অক্ত কোন নামাজ পড় না ? তাহারা উত্তর করিলেন যে, না, আমরা পড়ি না। ফজরের নামাজের পরে, ঐ নেক বক্ত বান্দি তাহাদিগের এজাজৎ লইয়া, জনাব হজরৎ হোছেন (র) ছাহেবের নিকট আসিলেন, এবং বলিলেন "আন্ন আমার পেয়ারা আকা, আপনি আমাকে এমন লোকদিগের নিকট বিক্রের করিরা ফেলিয়াছেন, যাহারা তাহাজ্ঞাদ নামাজ পড়ে না, আপনি মেহেরবানি করিয়া আমাকে তাহাদের নিকট হইতে ফিরাইয়া লউন"। চুনাঞ্চে ইহার পর জনাব হজ্বৎ হোছেন (র) ধাহাদিগের নিকট ঐ নেকবন্ধ বান্দিকে বিক্রেম করিয়াছিলেন, তাহাদিগকে মূল্য ফিরাইয়া দিলেন, এবং ঐ নেক বান্দিকে ওয়াপোশ লইয়া আসিলেন।

মেজাকাল আর্ফিন মধ্যে লিখিত আছে, জনাব হজরৎ আজ্হর এব নৈ মগিছ (র) যিনি এক বড় দর্জার তাহাজ্জাদ গুজার আল্লাহ তাজালার ওলি ছিলেন, তিনি বলিয়াছেন, আমি আমার সথ মধ্যে এক অতি থবছুরৎ বিবিকে দেখিতে পাই, তিনি ছনিয়ার স্ত্রীলোকদিগের মত ছিলেন না, আমি তাহাকে জিজ্ঞাসা করি, যে, আপনি কে ? তিনি বলেন "আমি ছর হইতেছি" ইহা শুনিয়া আমি বলিলাম, আপনি আমাকে বিবাহ করন। তিনি বলিলেন, আপনি আমার মালেকের নিকট বিবাহের পয়গাম করন, এবং আমার মোহরানা প্রদান করন, আমি বলিলাম আপনার মোহরানা কি বস্তু হইবে ? তিনি উত্তর করিলেন "বহুৎ তাহাজ্ঞাদ নামাজ পড়া"।

মেজাকাল আর্ফিন মধ্যে লিখিত আছে, এক নেকবক্ত বাজি দারাজ মুদ্ধ জেহাদ করিয়া আপন বাড়িতে ওয়াপোশ আসিলে, তাঁহার নেক বিবি তাঁহার আরামের জন্ত বিহানা প্রস্তুত করিয়া তাঁহার এক্তেজার হরে বিসিয়া থাকেন। তাঁহার ঐ বুজুর্গ নেক শওহর মছজেদে যাইয়া ছোবেহ, পর্যন্ত নামাজ পড়িতে মশগুল থাকেন। ফজর নামাজের পরে যথন আপন বিবি ছাহেবার সঙ্গে তাঁহার মোলাকাৎ হয়,তথন তাঁহার বিবি ছাহেবা তাঁহাকে বলেন, আমি এক দারাজ মুদ্ধং হইতে আপনার জন্ত এক্তেজারি করিতেছি, যে "আপনি বাড়ি আসিতেছেন," "বাড়ি আসিতেছেন," এখন আপনি যে বাড়ি আসিলেন, তো ছোবেহ, পর্যান্ত মছজেদ মধ্যেই রহিয়া গোলেন ? ঐ বুজুর্গ বলিলেন, 'আয়ে আমার পেয়ারি বিবি, আমি বেহেন্তের এক হর বিবির বিষয় চিন্তা করিতে ছিলাম, এবং ঐ চিন্তা মধ্যে এমন গরক্ হইয়া গিয়াছিলাম, যে, তদজন্ত সমস্ত রাত্রিই জাগ্রত থাকিয়া আল্লাহ তাআলার এবাদং বন্দিগী করিতে নিমগ্ন ছিলাম, এই কারণ বশতঃ, আপন ঘর, ও আপন পেয়ারা বিবিকে ভূলিয়া গিয়াছিলাম। তুমি হঃথিত হইও না।

জনাব হজরৎ মালেক এব্নে দিনার (র) ছাহেব বলিয়াছেন, যে, এক রাত্র আমি আমার মামূলী ওজিফা ভূল বশত না পড়িয়া নিদ্রা যাইতেছিলাম, স্বপ্নে দেখিতে পাইলাম এক পরমা রূপবতী বিবি, তাঁহার হাতে এক রোকা লইয়া আমাকে বলিতেছেন, আপনি কি উত্তম রূপ পড়িতে জানেন ? আমি তাঁহার উত্তরে বলিলাম, হা, আমি পড়িতে জানি। ইহা গুনিয়া তিনি তাঁহার হাতের রোকা আমাকে পড়িতে দিলেন। আমি ঐ রোকা পড়িয়া দেখিলাম, তাহাতে এই মজমূন বিশিষ্ট কএকটী নজম লেখা ছিল ঃ—

تمہیں کیا لہو میں ڈالالذائد اور آمانی نے کے دھ یا نقش جی جنتی دل کے سفینے سے

بہار عمر دائم ھی نہیں ہے موت جنت میں ملو حوروں سے اور آونکو لگا و ایخ سینے سے اُٹھو اُب خواب غفلت سے کہ اِس سوئے سے بہتر ہے تہجد میں ھو قرآن کی تلاوت کر قرینے سے

ইহার ভাবার্থ এই:—তোমাকে কি ছনিয়ার আর্জু এবং লক্জৎ, থেল ও তামাশার মধ্যে ফাশাইয়া দিয়াছে । যে উচা তোমার দেলের ওরক্ হইতে, অন্তঃকরণের স্থৃতি ফলক সমূহের পৃষ্ঠা হইতে, বেহেন্তি হরের নক্লা একেবারে ধুইয়া কেলিয়া দিয়াছে । তুমি একিনান্ জানিয়া য়াথ, বেহেন্ত মধ্যে কথন ও মৌৎ হইবে না, তোমার জেলেগানির বাহার (খ্বি) হামেশার জন্ত থাকিবে। তুমি তোমার ছনিয়ার জেলেগানির কেলেগানিতে এমন নেক আমল করিতে থাক, যে, বেহেন্ত মধ্যে ছর বিবি দিগের সলে মিলিতে পার। অতএব এখন তুমি তোমার গাফ্লাতের নিদ্রা হইতে জাগরিত হও, কারণ নিদ্রা হইতে জাগ্রত থাকিয়া আয়াহ্ত তাআলার এবাদৎ বলিগী করা বহুৎই মোবারক ও বেহ্তর কার্য্য হইতেছে। তবে তুমি তাহাজ্ঞাতের নামাজের সময় উঠিয়া নামাজ পড়, এবং কছ্রতের সঙ্গে কোরাণ মোজিদ মোনাছেব ভাবে তেলাওয়াৎ কর।

#### يسم الله الوحين الوحيم \*

মোতাবর কেতাব মধ্যে লিখিত আছে, যথন হজরৎ জেলেখা ( ঝা ) ইমান আনিলেন, এবং জনাব হজরৎ ছৈরেদেনা ইউছুফ্ ছিদ্দিক আলারহে-ছালামের নেকাহ্ মধ্যে আসিলেন, তথন তিনি তাঁহার নিকট হইতে আলাহেদা হইরা আলাহ্ তাআলার এবাদৎ বন্দিনী করিতে জান ও দেলের সহিত মশগুল হইলেন। বদি জনাব হজরৎ ইউছুফ ছিদ্দিক আলারহে-ছালাম, তাঁহাকে দিনে আপনার নিকটে ডাকিতেন, তবে রাত্তের উপর টালিরা দিতেন, আর রাত্তে আপনার নিকটে ডাকিলে, দিনের উপর টালিরা দিতেন, এবং বলিতেন বে আরে জনাব, আমি আপনাকে ঐ সমরে মহববৎ করিভাম, যে সমরে আমার মধ্যে আলাহ্ তাআলার মার্ফ্ছিল না, এখন আলাহ্ তাআলা আপন কজল রহ্মতে তাঁহার মার্ক্ছ জামাকে নছিব করিয়াছেন, স্বতরাং এখন এক আলাহ্ তাআলার মহববৎ ভিন্ন, অপর কাহার

ও মহববৎ আমার দেলের মধ্যে নাই, আর আমাকে ও মুগুর নহে, যে আমি আলাহ,তাআলার মহববতের পরিবর্ত্তে, অপর কাহার ও মহববৎ এক্তেয়ার করি। এই মর্ত্তবার লোক উচ্চ দর্জার আরেফ বিল্লাহ্ হইয়া থাকেন। মৌলানা ফর্মাইয়াছেন:—

> خبواب را با دیدهٔ عاشی چه کار چشم او چون شیمع باشد آشکبار چشمهای عاشقان را خبواب نیست یک نفس آن چشمها بے آب نیست

ইহার ভাবার্থ এই:—আলাহ্তাআলার আশেকদিসের চক্রুর সঙ্গে নিদার কি সম্পর্ক আছে ? তাঁহাদিগের চক্ষ্ হইতে সদা সর্বাদা জলস্ত মোমবাজির স্থার অঞা বর্ষণ হইরা থাকে। আলাহ্তাআলার আশেক দিগের চক্ত কথন ও বুম আইসে না। তাঁহাদিগে চক্ষ্ হইতে আলাহ্তাআলার হিতাআলার মহকাতের অঞা ঝারিতে থাকে।

اللهم صل على مُحَمَّد و اله الف الف مَرَّة و حُبَّ مَنْ اَحَبَّكَ وَحُبَّ مَنَ الله مَا يُقَرِّبُنِي الله عَلَى مَحَمَّد كُلما فَكُل مَحَمَّد كُلما فَكُل عَنْ وَحُرِه النَّا فَلُونَ • الله الذَّا كُرُونِ وَكُلما عَفَلَ عَنْ فِحُرِه النَّا فَلُونَ • كَمترين خاكسار — كمترين خاكسار — صدر الدين احمد عفى عنه

Printed by S. A. Gunny, at the Alexandra S. M. Press, Dacca